शेरलॉक होम्स

द हाउंड ऑफ बास्करविल्स

सर आर्थर कॉनन डॉयल

अनुवाद

प्रवीण जोशी

Table of Contents

द हाउंड ऑफ बास्करव्हिल्स
विषयसूची
"बिल्कुल आसान... मेरे प्यारे प्रवीण, बिल्कुल आसान...!"
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15

शर्लक होम्स

द हाउंड ऑफ बास्करव्हिल्स

सर आर्थर कॉनन डॉयल

अनुवाद : प्रवीण जोशी

पुस्तक का नाम: द हाउंड ऑफ द बास्करविल्स
बास्करविल्स का शिकारी कुत्ता
लेखक : सर आर्थर कॉनन डॉयल
सर आर्थर कॉनन डॉयल
अनुवादक : प्रवीण जोशी
प्रवीण जोशी
© डायमंड पब्लिकेशन्स
इ-बुक प्रकाशक : कनक बुक्स
साहित्य अध्ययन विभाग, डायमंड पब्लिकेशन, पुणे
264/3 शनिवार पेठ, 302 अनुग्रह अपार्टमेंट
ओंकारेश्वर मंदिर के पास, पुणे-411 030
फ़ोन: 0 20-44 8-20-4-4-6-
info@diamondbookspune.com
www.diamondbookspune.com
इ-बुक अक्षर रचना
और पुस्तक का लेआउट: गिरीश जोशी,
साथीदार प्रिंटर्स,
461/1 सदाशिव पेठ, पुणे 411030
मोबाइल: 9423570060, 9595757225
ईमेल: girishpvjoshi@gmail.com
होम पेज: शाम भालेकर
ISBN 978-81-8483-433-8
प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक रूप से, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य किसी भी प्रकार से पुनरुत्पादित या उपयोग नहीं किया जा सकता है। सर्वाधिकार सुरक्षित।

मुक्ता और उसकी उम्र के सभी लोगों के लिए...
- प्रवीण जोशी

विषयसूची

"बिल्कुल आसान... मेरे प्यारे प्रवीण, बिल्कुल आसान...!"

१

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

"बिल्कुल आसान... मेरे प्यारे प्रवीण, बिल्कुल आसान...!"

मैंने होम्स की आवाज़ सुनी। मैं मन ही मन 'द हाउंड ऑफ द बास्करविल्स' का पूरा अनुवाद पढ़ रहा था। 'बहुत आसान...' मुझे खुद शर्लक होम्स से एक रसीद मिली, जिसका मतलब था 'सब ठीक है।' उस मौके पर, बचपन के कई सालों बाद मेरी उनसे दोबारा मुलाकात हुई। मैंने लंदन के 221 बेकर स्ट्रीट स्थित उनके घर में चिमनी के सामने उनकी आरामकुर्सी देखी, उनकी सिगरेट की महक महसूस की। मैंने अपने प्रिय मित्र डॉ. वॉटसन को भी उनके बगल में खड़े देखा, जो उनकी बुद्धिमत्ता से चकित थे।

जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं, जिज्ञासा और साहस फीके पड़ते जाते हैं। एक तरह की परिपक्वता आ जाती है। मन विचारों पर विश्वास करने के लिए उतना लचीला नहीं रह जाता और सारा आनंद खो जाता है। ऐसे समय में, मुझे सर आर्थर कॉनन डॉयल का बहुत-बहुत धन्यवाद करने का मन करता है। उनका शर्लक होम्स आपको हमेशा जवान रखता है... नहीं, किशोरावस्था में नहीं। सौ साल पहले के लंदन में उनका परिवेश भी हमें अपरिचित नहीं लगता। शर्लक होम्स नाम का कोई व्यक्ति कभी अस्तित्व में नहीं था; वह एक काल्पनिक पात्र था; यहाँ तक कि इस सच्ची जानकारी को भी कल्पना मानकर खारिज कर दिया जाता है। यही सर आर्थर कॉनन डॉयल की सबसे बड़ी सफलता है। होम्स के पाठक उनकी रहस्यमयी कहानियों के उतार-चढ़ाव से परिचित होंगे। डॉयल हर सूत्र को बहुत सोच-समझकर बुनते हैं। कोई भी प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहता। उनमें घटित घटनाएँ, पात्र और वातावरण सब 'वास्तविक' लगते हैं। शर्लक होम्स की तरह ही सच्चे।

टीवी और फिल्मों की चकाचौंध में, बच्चों, किशोरों, युवाओं और वयस्कों के बीच का भेद लगभग मिट गया है। आजकल बच्चे अचानक ही वयस्कता में कदम रख देते हैं। किशोरावस्था का मध्यकाल बीतता जा रहा है। वास्तव में, यही वह उम्र है जब पढ़ने का शौक काम आता है। हालांकि शर्लक होम्स सभी उम्र के लोगों के लिए है, लेकिन इस पर असली अधिकार इन किशोरों का है। मुझे खुशी है कि इस पुस्तक के अवसर पर मैं उनके लिए कुछ अनुवाद कर पाया हूँ।

डॉयल ने शर्लक होम्स पर और भी कहानियां लिखीं। कुल मिलाकर चार उपन्यास हैं। यह पहला शर्लक होम्स उपन्यास है जिसका मराठी में अनुवाद किया गया है। मैंने यह अनुवाद मनमाने ढंग से नहीं किया है। हर वाक्य डॉयल का मूल है। मैंने इसे केवल मराठी में प्रस्तुत किया है। डॉयल के अन्य तीन उपन्यास भी समय मिलने पर आपके सामने प्रस्तुत किए जाएंगे।

यह पहली बार है जब मैंने किसी पुस्तक पर लेखक के रूप में अपना नाम छपवाया है। हालांकि मैंने व्यावसायिक कारणों से कुछ अन्य लेखन कार्य किए हैं, लेकिन उपन्यास का अनुवाद करने के

लिए निरंतर अभ्यास और लगन की आवश्यकता होती है। यह गुण मुझमें विकसित करने का श्रेय मेरी पत्नी मंजिरी को जाता है। पढ़ने का शौक मुझे मेरी माँ से विरासत में मिला; लेकिन भाषा का अच्छा ज्ञान रखने वाली मंजिरी ने ही इसे सही दिशा दी।

डायमंड पब्लिकेशन के श्री नीलेश पाश्ते ने मुझ पर जो भरोसा जताया और अनुवाद कार्य को समय पर न सौंप पाने के बावजूद बिना नाराज़ हुए प्रकाशित करने का मौका दिया, उसके बारे में मैं क्या कहूँ? मैं उनकी सहयोगी मानसी जोशी का भी उतना ही आभारी हूँ।

प्रवीण जोशी
pravin@pravinjoshi.com
9850524221

१

होम्स हमेशा की तरह देर से उठे थे और नाश्ते की मेज पर बैठे थे, लेकिन उनकी नज़र सामने कहीं टिकी हुई थी। वे उसे बड़ी ध्यान से देख रहे थे। उनके पीछे, अंगीठी के पास खड़ा मैं एक छड़ी की जाँच कर रहा था। पिछली रात मुझसे मिलने आए सज्जन अपनी छड़ी वहीं छोड़ गए थे। छड़ी अच्छी ठोस लकड़ी की बनी थी और उसके ऊपर एक सुंदर गोल हैंडल था। उसके नीचे, लगभग एक इंच की दूरी पर, एक चांदी की पट्टी थी। पट्टी पर 'जेम्स मॉर्टिमर, एम.आर.सी.एस., सी.सी.एच. में उनके दोस्तों की ओर से' शब्द खुदे हुए थे। उसके नीचे 1884 की तारीख लिखी थी। छड़ी में एक रईस की झलक थी, जैसा कि पुराने ज़माने के किसी प्रतिष्ठित डॉक्टर में होता था।

"तो, वॉटसन, उस छड़ी के बारे में आपका क्या कहना है?" होम्स ने पीछे मुड़े बिना ही कहा।

वह मेरी तरफ पीठ करके बैठा था और उसे यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं क्या कर रहा हूं।

"होम्स?" मैंने हैरानी से पूछा। "क्या तुम्हारी पीठ से आंखें निकल रही थीं? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं इस छड़ी से कुछ कर रहा था?"

"वॉटसन, सिर के पीछे आंखें उगने की क्या ज़रूरत है? मेरे सामने यह चमकती हुई चांदी की कॉफी पॉट है," होम्स ने कहा। "यह उस सज्जन की छड़ी है जो कल मुझसे मिलने आए थे। वे मुझसे मिले बिना ही जल्दी में चले गए। वे कौन थे, क्यों आए थे, मुझे नहीं पता। क्या आप इस छड़ी से उनके बारे में कुछ अनुमान लगा सकते हैं?"

मैंने सोचना शुरू किया। "मुझे लगता है, होम्स, कि यह डॉ. मोर्टिमर जो भी हो, वह एक प्रसिद्ध और सफल डॉक्टर होगा। उसके मरीजों ने ही उसे यह छड़ी दी होगी।" मैंने तर्क करने का यह तरीका होम्स से ही सीखा था।

"हूँ!"

"और मुझे यह भी लगता है कि यह डॉक्टर शहर की तुलना में गांव में ज्यादा काम करता होगा। मरीजों को देखने के लिए उसे पैदल ही जाना पड़ता होगा।"

‘‘का?’’

"देखो, नीचे की यह मोटी लोहे की टोपी कितनी घिस गई है। यह आदमी ज़रूर छड़ी लेकर बहुत चलता होगा। चाहे यह छड़ी मूल रूप से कितनी भी सुंदर और मजबूत क्यों न हो, इसका इस्तेमाल इस तरह से किया गया है कि कोई शहरी आदमी कभी इसका इस्तेमाल नहीं करेगा।"

"बिल्कुल।"

"और इस पर ये लिखा है। 'सी.सी.एच.' के दोस्तों की तरफ से।" लगता है डॉक्टर मोर्टिमर ने 'सी.सी.एच.' में कुछ मरीजों की चिकित्सा सहायता की थी और इसके बदले उन्हें ये छड़ी उपहार में मिली। "बिल्कुल।" मैंने पूरे विश्वास के साथ कहा।

"ओह, वॉटसन," होम्स ने कुर्सी पर पीछे झुकते हुए और पाइप जलाते हुए कहा, "मुझे मानना पड़ेगा कि मेरी सभी सफलताओं में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। लेकिन आपने हमेशा अपनी क्षमताओं को कम आंका है। कुछ लोग हमेशा पीछे खड़े होकर मदद करते हैं। आप उनमें से एक हैं, वॉटसन। अपनी बुद्धिमत्ता के बावजूद, आपने हमेशा मेरा साथ दिया है।"

होम्स ने पहले कभी मेरी इतनी प्रशंसा नहीं की थी। मेरी वजह से मिली प्रसिद्धि के प्रति वे उदासीन थे, और मुझे उनसे थोड़ी चिढ़ हो रही थी। बेशक, मुझे इस बात का गर्व था कि मैंने उनके द्वारा खोजे गए तरीकों को अपना लिया था। और अब मुझे उनकी खुद की पुष्टि मिल रही थी। होम्स थोड़ा आगे झुके। उन्होंने मेरे हाथ से छड़ी ले ली। वे कुछ देर तक उसे देखते रहे। अचानक, उन्होंने अपना पाइप अपने सामने मेज पर रख दिया और खड़े हो गए। वे उसे खिड़की के पास ले गए और एक आवर्धक लेंस के नीचे रखकर उसे और करीब से देखा। उन्होंने ज़रूर कुछ खास देखा होगा।

"बिल्कुल आसान है, मेरे प्यारे वॉटसन, बिल्कुल आसान!" होम्स ने हमेशा की तरह यही कहा। "अर्थात, आपकी खोज सही है, लेकिन बहुत ही आसान है।" आरामकुर्सी पर बैठते हुए उन्होंने कहा, "इस छड़ी पर कुछ ऐसी चीजें हैं जिनसे कुछ अलग, नई भविष्यवाणियां हो सकती हैं।"

"मुझे ऐसा नहीं लगता।" लेकिन तुरंत संभलते हुए मैंने कहा, "हो सकता है कि मुझसे थोड़ी सी गलती हो गई हो।"

"वॉटसन, आपके कुछ अनुमान गलत थे, क्योंकि वे अपर्याप्त जानकारी पर आधारित थे। आपकी प्रशंसा करते हुए मैंने कहा था कि आपने हमेशा मेरा साथ दिया है। कहने का तात्पर्य यह है कि मैं आपके गलत अनुमानों से सही दिशा का पता लगा लेता हूँ। आपके अनुमानों की ऐसी ही त्रुटियों के कारण मैं सत्य के यथासंभव करीब पहुँच पाता हूँ।" होम्स ने गंभीरता से कहा, "बेशक, इस बार आप बिलकुल भी गलत नहीं थे। यह आदमी सचमुच छड़ी लेकर चल रहा होगा।"

"तो मैं जो कह रहा हूं वह सही है।"

"ज़्यादा नहीं, वॉटसन। बस थोड़ा सा।"

"लेकिन होम्स, इस छड़ी से हम बस यही निष्कर्ष निकाल सकते हैं। बस इतना ही, होम्स," मैंने कंधे उचकाते हुए कहा।

होम्स ने एक पल के लिए मेरी ओर देखा। उनकी आँखें चमक रही थीं। "नहीं। बस इतना ही, यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। एक डॉक्टर को ऐसा तोहफा कौन देगा? एक अस्पताल। हैं? अब इस

'सी.सी.एच.' का क्या मतलब है? इसमें 'एच' अस्पताल के लिए होगा और 'सी.सी.' उस अस्पताल के नाम के शुरुआती अक्षर होंगे।" "सी... सी... यह 'सी.सी.' चैरिंग क्रॉस के लिए है।" होम्स ने हर अक्षर पर ज़ोर देते हुए कहा, "'सी.सी.एच.' चैरिंग क्रॉस अस्पताल है, वॉटसन।"
"हो सकता है आप भी सही हों।"
"संभावना एक जैसी ही प्रतीत होती है। और ऐसा मानकर चलने से खोज को एक नई दिशा मिलती है।"
"खैर, मैंने एक पल के लिए मान लिया था कि 'CCH' का मतलब आपका 'चैरिंग क्रॉस हॉस्पिटल' है, लेकिन उस सज्जन के बारे में हमें क्या नई जानकारी मिलेगी?"
"तुम मेरी विधि जानते हो, वॉटसन। इस पर विचार करो।"
"मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि गांव में आने से पहले इस व्यक्ति ने शहर में कुछ समय तक डॉक्टरी का काम किया होगा।"
बात यहीं खत्म नहीं होती। मुझे बताइए, अस्पताल ने उन्हें यह छड़ी कब और क्यों दी? वहां मौजूद दोस्तों ने कब मिलकर उन्हें यह उपहार दिया? अनुमान है कि यह तब हुआ होगा जब डॉक्टर मोर्टिमर ने अस्पताल छोड़कर अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया था। हम पहले ही साबित कर चुके हैं कि यह डॉक्टर शहर से गांव चले गए थे। यह छड़ी इसी अवसर का प्रतीक है।
"यह संभव है।" अब मेरी आवाज में आत्मविश्वास का कोई अंश नहीं बचा था।
"चारिंग क्रॉस लंदन का एक प्रसिद्ध अस्पताल है। यहाँ काम करने वाला कोई डॉक्टर, लंदन में बस चुका कोई डॉक्टर, आसानी से गाँव नहीं जाएगा। इसलिए यह डॉक्टर मॉर्टिमर अस्पताल में स्थायी रूप से कार्यरत नहीं होगा। तो आखिर वह है कौन? अगर वह अस्पताल में काम भी करता है, अगर वह स्टाफ में नहीं है, तो वह एक रेजिडेंट डॉक्टर होगा। एक हाउस सर्जन, वगैरह। यानी, मेडिकल कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र से थोड़ा अधिक उम्र का। इस छड़ी पर लिखी तारीख के अनुसार, उसने पाँच साल पहले अस्पताल छोड़ा होगा। तो आपकी अधेड़ उम्र, पुराने ख्यालों वाला, सफल, वगैरह वाली धारणाएँ गलत हैं और यह डॉक्टर मॉर्टिमर निश्चित रूप से तीस साल का एक मिलनसार, बहुत महत्वाकांक्षी न होने वाला, भुलक्कड़ नौजवान होगा। और हाँ, उसके पास एक पालतू कुत्ता भी होगा। टेरियर से थोड़ा बड़ा और मास्टिफ़ से थोड़ा छोटा।"
होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गए और चुपचाप अपनी पाइप से धूम्रपान करते रहे।
"मुझे आपकी बाकी अटकलों के बारे में तो नहीं पता, लेकिन उस आदमी की उम्र और पेशा पता लगाना ज़्यादा मुश्किल नहीं होगा।" मैंने शेल्फ से इंग्लैंड के डॉक्टरों की एक मेडिकल डायरेक्टरी निकाली। उसमें कई डॉ. मॉर्टिमर थे, लेकिन उनमें से सिर्फ़ एक ही हमारा डॉक्टर

होगा। मैंने एबीसीडी क्रम में छपी डॉक्टरों की सूची के पन्ने पलटे, जब तक कि मैं 'एम' तक नहीं पहुँच गया। मुझे वह जानकारी मिल गई जो मैं चाहता था। मैंने ज़ोर से पढ़ना शुरू किया। होम्स ध्यान से सुन रहा था।

"मोर्टिमर जेम्स, एम.आर.सी.एस., 1882, ग्रिम्पन, डार्टमोर, डेवोन। 1882 से 1884 तक चैरिंग क्रॉस अस्पताल में हाउस सर्जन। 'पैथोलॉजी' के लिए जैक्सन पुरस्कार विजेता। 'क्या रोग प्रतिवर्ती हो सकते हैं?' विषय पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया। इसी विषय पर स्वीडिश पैथोलॉजिकल सोसायटी से संबद्ध। 1882 से 1884 के बीच दो महत्वपूर्ण शोधपत्र प्रकाशित किए। ग्रिम्पन, थॉर्सले और हाई बैरो काउंटियों के लिए चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किए गए।" मैंने इसे पढ़ा।

"वॉटसन, आपके उन मरीज़ों का कोई ज़िक्र नहीं है जिन्होंने आपको वह छड़ी दी थी," होम्स ने मेरी ओर देखते हुए कहा। "लेकिन गाँव में उनके काम के बारे में आपका अवलोकन बिल्कुल सटीक था। मैंने डॉक्टर मोर्टिमर को मिलनसार, महत्वाकांक्षी नहीं, भुलक्कड़ आदि बताया था। मेरे अनुभव में, ऐसे उपहार केवल मिलनसार लोगों को ही मिलते हैं। केवल कम महत्वाकांक्षा वाला व्यक्ति ही लंदन में डॉक्टर का करियर छोड़कर गाँव जाएगा। और केवल एक भुलक्कड़ ही एक घंटे तक इंतज़ार करेगा, अपना विज़िटिंग कार्ड पीछे छोड़ देगा और अपनी छड़ी भूल जाएगा।"

और आपने उसके कुत्ते के बारे में क्या कहा?

"हाँ। उसके पास एक कुत्ता ज़रूर रहा होगा। वह कुत्ता अपने मालिक की छड़ी से खेलता होगा। वह उस भारी छड़ी को अपने जबड़े के बीच में पकड़ता होगा। उसके दांतों के ये निशान देखिए, ये बहुत साफ़ दिखते हैं। उनके आकार को देखकर लगता है कि यह कुत्ता टेरियर से थोड़ा बड़ा और मास्टिफ़ से थोड़ा छोटा रहा होगा।"

बोलते-बोलते होम्स अपनी सीट से उठ खड़े हुए। उन्होंने कमरे में थोड़ी दूर चलकर खिड़की के पास रुक गए। इस तरह से कि सड़क से कोई उन्हें देख न सके। "ओह," उनकी आवाज़ तेज़ हो गई। उनके शब्द अब और भी दृढ़ हो गए। "यह कोई टेरियर या मास्टिफ़ नहीं है, बल्कि एक स्पैनियल है। घुंघराले बालों वाला।"

"स्पैनियल? घुंघराले बाल? आप इतनी सटीकता से यह कैसे कह सकते हैं?"

"यह आसान है। क्योंकि वही कुत्ता अभी उसके दरवाजे पर खड़ा है। अपने मालिक और इस छड़ी के साथ। सुनो, उसके मालिक ने उसकी घंटी बजाई। ये रहे डॉ. मोर्टिमर।"

मैं दरवाजा खोलने के लिए उठा। होम्स अपनी आरामकुर्सी पर बैठते हुए धीमी आवाज में बुदबुदाए, "रुको, वॉटसन। इतनी जल्दी दरवाजा मत खोलो। डॉक्टर का जासूस शर्लक होम्स से

क्या लेना-देना? वह तुम्हारे पेशे से हैं। मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। अंदर आओ? अंदर आओ!" आखिरी वाक्य डॉक्टर मोर्टिमर के लिए था, जो हमसे मिलने आए थे।

दरवाजे पर खड़े आदमी ने मुझे बहुत उलझन में डाल दिया। मैंने सोचा था कि वह कोई गाँव का डॉक्टर होगा। वह दुबला-पतला और लंबा था। उसकी भूरी, नम आँखों के बीच चिड़िया की चोंच जैसी नुकीली नाक थी। उस पर सोने का चश्मा लगा था। उसका पहनावा औपचारिक था, लेकिन फिर भी थोड़ा अस्त-व्यस्त था। एक गंदा फ्रॉक कोट और ढीली पैंट। वह जवान था, कमर झुकी हुई थी। वह सिर ऊँचा करके चल रहा था, और उसके चेहरे पर एक प्यारी, समझदार मुस्कान थी। अंदर आते ही उसकी नज़र होम्स के हाथ में रखी छड़ी पर पड़ी। "ओह, हाँ," उसने छड़ी वापस पाकर खुशी से कहा। "मुझे याद नहीं आ रहा था कि मैंने इसे कहाँ छोड़ा था। आपके पास, या शिपिंग कंपनी के दफ्तर में। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।"

"क्या आपको किसी से कोई उपहार मिला?" होम्स ने अपनी भौंहें उठाते हुए पूछा। उनकी आवाज़ में जिज्ञासा स्पष्ट थी।

"हां," डॉक्टर मोर्टिमर ने कहा, "चारिंग क्रॉस अस्पताल के मेरे दोस्तों ने मेरी शादी में मुझे एक उपहार दिया था।"

"शादीशुदा? ओह, यह तो बहुत बुरा हुआ," होम्स ने अनजाने में बुदबुदाया।

"बुरा? क्यों नहीं?"

"कुछ नहीं, कुछ नहीं। हमसे कुछ गलतियां हो गई होंगी..." होम्स की उलझन देखकर मुझे हंसी आ गई। खुद को संभालते हुए उन्होंने कहा, "अच्छा, क्या आपको यह छड़ी शादी में मिली थी?"

“हां,” डॉ. मोर्टिमर ने उलझन में कहा, “मैंने शादी के बाद अस्पताल छोड़ दिया ताकि मैं अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकूं। मैं अपना खुद का घर बनाना चाहती थी...”

"ओह! तो हमने कुछ खास नहीं खोया है," होम्स ने कहा, "और मिलिए डॉक्टर मोर्टिमर से..."

"एक मिनट रुकिए," मॉर्टिमर ने होम्स को बीच वाक्य में रोकते हुए कहा। "डॉक्टर मॉर्टिमर नहीं। मुझे सिर्फ मॉर्टिमर कहिए। मॉर्टिमर एम.आर.सी.एस."

"आप बहुत सटीक बोलते हैं।"

"जी हां। मैंने चिकित्सा में थोड़ा-बहुत हाथ आजमाया है, बस इतना ही। लेकिन अब, अनुभव ने मुझे दिखाया है कि इस महान विज्ञान के सामने हम किनारे पर पड़े रेत के एक कण जितने तुच्छ हैं... खैर, मुझे लगता है कि आप मुझे मिस्टर शर्लक होम्स से मिलवा रहे हैं," डॉक्टर मोर्टिमर ने आदरपूर्वक मेरी ओर देखते हुए कहा।

"नहीं, नहीं। मैं शर्लक होम्स हूं और ये मेरे दोस्त डॉ. वॉटसन हैं।"

मोर्टिमर ने मुझसे हाथ मिलाते हुए कहा, "नमस्कार डॉ. वॉटसन। मैंने शर्लक होम्स के मुंह से आपका नाम अक्सर सुना है।" लेकिन मुझसे बात करते हुए भी, वह होम्स पर पूरा ध्यान दे रहे थे। अचानक होम्स की ओर मुड़कर उन्होंने कहा, "मुझे आपके सिर का आकार बहुत पसंद आया, श्रीमान होम्स। इस आकार की खोपड़ी दुर्लभ है। किसी भी जीव विज्ञान संग्रहालय के लिए एक अनमोल वस्तु। अपने जीवित रहते हुए इसकी एक प्रति बनवा लीजिए। यह अजीब लग सकता है, लेकिन मेरा मतलब यही है। मुझे आपकी खोपड़ी चाहिए। क्या आप मुझे इसे अच्छे से देखने देंगे?"

यह आगंतुक थोड़ा सनकी था। वह होम्स की ओर बढ़ने लगा। उसने अपनी उंगली आगे बढ़ाई। होम्स ने एक नज़र से उसे रोक दिया। उन्होंने उसे बैठने का इशारा किया। उसकी उंगली अभी भी उठी हुई थी। होम्स ने शांत स्वर में कहा, "आप मेरी तरह ही विद्वान और अपने विचारों में दृढ़ प्रतीत होते हैं। आपकी उंगलियों पर बने निशानों से मैं समझ सकता हूँ कि आप अपने हाथों से सिगरेट बनाते हैं। अगर आप चाहें तो सिगरेट पीने में कोई हर्ज नहीं है।"

मोर्टिमर की उंगलियां वाकई लंबी और पतली थीं, किसी बड़े कीड़े के पैरों की तरह फुर्तीली। उसने एक कागज लिया, उसमें तंबाकू भरा और झटपट एक सिगरेट बना ली।

होम्स चुप थे, लेकिन उनकी पैनी निगाहें डॉक्टर जेम्स मोर्टिमर, एम.आर.सी.एस. को बहुत ध्यान से देख रही थीं।

"मुझे लगता है, मोर्टिमर, कि तुमने कल रात और आज मुझे फोन किया और मुझसे मिलने आए, लेकिन खास तौर पर मेरी खोपड़ी की जांच करने के लिए नहीं। क्या यह सही है?"

"नहीं...नहीं...नहीं...मेरा मतलब है, आपसे मिलने से मुझे आपकी खोपड़ी देखने का मौका मिला। लेकिन मेरा इरादा यह नहीं था।" उसने सिगरेट का कश लेते हुए कहा, "मैं आपके पास किसी और मकसद से आया था। मामला बिल्कुल अलग तरह का, अजीब और गंभीर है।" उसने नीचे देखते हुए कहा, "इसे समझने में आपका कोई सानी नहीं है।"

"तो? फिर हमें पता चल जाएगा कि पहले कौन है?" होम्स ने तटस्थ भाव से पूछा।

"जी हां। मुझ जैसे वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति को श्री बर्टिलॉन का काम अधिक पसंद आता है।"

"तो फिर आप उनके पास क्यों नहीं गए?"

"मैं चला जाता, लेकिन उनके राजनीतिक संबंध हैं। और यह मामला कुछ ऐसा है..." जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने अनजाने में क्या कह दिया है, उन्होंने अचानक अपना लहजा बदल दिया और कहा, "माफ़ कीजिए, मेरा इरादा आपको इस तरह अपमानित करने का नहीं था।"

"मुझे लगता है, मोर्टिमर, कि आप अपना समय बर्बाद किए बिना मुझे अपनी समस्या और मुझसे अपनी अपेक्षाएँ बताना चाहेंगे," होम्स ने अपनी आरामकुर्सी पर पीछे झुकते हुए कहा। मोर्टिमर अपनी छड़ी के हैंडल से खेलते हुए बोलने लगा।

२

"मेरे पास एक पांडुलिपि है," मोर्टिमर ने चारों ओर देखते हुए कहा।

"हाँ। यह तुम्हारी जेब में है। मैंने तुम्हारे आने पर इसे देखा था।" होम्स।

"हम्म? हाँ। यह एक बहुत पुरानी पांडुलिपि है।"

"अगर यह नकली नहीं है, तो यह संभवतः 18 वीं शताब्दी के आरंभ का है।"

"किसलिए, होम्स?"

"तुम्हारी जेब से बाहर निकले कागज के छोटे से हिस्से से इसकी तिथि का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। मोर्टिमर, तुमने दस्तावेजों के अध्ययन पर मेरा लेख अवश्य पढ़ा होगा! मुझे लगता है कि यह पांडुलिपि लगभग सन् 1730 की होगी। यह अनुमान अधिकतम दस या पंद्रह वर्षों के भीतर लगाया जा सकता है।"

“ठीक से कहें तो, 1742।” डॉ. मोर्टिमर ने सावधानीपूर्वक कागज़ को अपनी कोट की जेब से निकाला। “सर चार्ल्स बास्करविल ने बास्करविल परिवार के ये कागज़ात मुझे सुरक्षित रखने के लिए सौंपे थे। उनका तीन महीने पहले ही दुखद निधन हो गया। उनकी अचानक मृत्यु से डेवोनशायर में सनसनी फैल गई। मैं न केवल उनका घनिष्ठ मित्र था, बल्कि उनका चिकित्सक सलाहकार भी था।” मोर्टिमर को बहुत कुछ कहना था। एक गहरी साँस लेते हुए उन्होंने आगे कहा, “सर चार्ल्स बहुत दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे। बहुत तार्किक और समय-समय पर कठिन निर्णय लेने में सक्षम। फिर भी उन्होंने इन कागज़ात की सामग्री को बहुत गंभीरता से लिया। उनकी मानसिक स्थिति नाज़ुक थी। इन कागज़ात की सामग्री ने उन्हें एक विचित्र प्रकार की मृत्यु के लिए तैयार किया।”

होम्स ने हाथ बढ़ाकर मोर्टिमर से कागज ले लिया। उसने उसे अपनी गोद में सावधानीपूर्वक खोला।

"वॉटसन, देखो कि लिपि का उपयोग किस तरह किया गया है। इसी से मैं इस पांडुलिपि की सटीक तिथि निर्धारित कर पाया।"

मैंने होम्स के कंधे के ऊपर से पीले पड़ चुके घिसे-पिटे कागजों पर नज़र डाली। सबसे ऊपर "बास्करविले हॉल" लिखा था, और उसके नीचे, गिचमीड की लिपि में, 1742 की तारीख लिखी थी।

मैंने कहा, "यह तो किसी पारिवारिक विरासत जैसा लग रहा है।"

"हां। कुछ ऐसा ही है। यह बास्करविल परिवार में चली आ रही एक ऐतिहासिक किंवदंती के बारे में है।"

"ऐतिहासिक किंवदंती? मुझे लगा था, मोर्टिमर, कि तुम मेरे पास कोई वास्तविक समस्या लेकर आए हो," होम्स ने कहा।
"जी हां, श्रीमान होम्स। समस्या बहुत गंभीर और अत्यावश्यक है। मुझे अगले चौबीस घंटों के भीतर इस पर निर्णय लेना होगा। यह पांडुलिपि इससे बहुत closely जुड़ी हुई है। यदि आप अनुमति दें, तो क्या मैं यह लेख पढ़ सकता/सकती हूं?"
होम्स ने सिर हिलाया। उसकी उंगलियां मुट्ठी में भींची हुई थीं। उसकी आंखें बंद थीं। वह एकाग्रचित्त था। डॉ. मोर्टिमर ने पत्र को प्रकाश में उठाया। उसने कांपती हुई, लेकिन ऊंची आवाज में पढ़ना शुरू किया। पत्र की भाषा पुराने जमाने की थी।
बास्करविल परिवार के वंशज। मैं अपने पूर्वज ह्यूगो बास्करविल का प्रत्यक्ष वंशज हूँ। मैंने यह कहानी अपने पिता से सुनी थी। उन्होंने इसे अपने पिता से सुना था। यह बिल्कुल सच्ची कहानी है। इसे ध्यान से पढ़ें। हमारा परिवार एक विचित्र, घातक अभिशाप से ग्रसित है। मैं यह कहानी आपको यह सत्य बताने के लिए लिख रहा हूँ। भयभीत न हों। प्रार्थना से कोई भी अभिशाप दूर हो सकता है। क्योंकि जो न्याय हमारे पापों का दंड देता है, वही क्षमा भी प्रदान कर सकता है। यह सत्य है कि हमें अतीत की बातों से भयभीत नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें भविष्य के प्रति भी लापरवाह नहीं होना चाहिए, इसीलिए मैं यह कहानी सुना रहा हूँ।
बास्करविल परिवार में एक विशाल शिकारी कुत्ते जैसे जानवर 'हाउंड' की कहानी मशहूर है। यह एक बहुत पुरानी कहानी है। क्रांति चल रही थी। विद्रोह की हवाएँ हर तरफ बह रही थीं। बास्करविल परिवार का विशाल महल, 'बास्करविल हॉल', उस समय हमारे पूर्वज 'ह्यूगो बास्करविल' के कब्जे में था। ह्यूगो बास्करविल नास्तिक, सनकी और बेहद निर्दयी व्यक्ति थे। उनके साधारण से मजाक भी क्रूर और अमानवीय होते थे। उनकी प्रतिष्ठा अच्छी नहीं थी। वे अपनी निर्ममता के लिए कुख्यात थे। बास्करविल हॉल से थोड़ी ही दूरी पर एक जमींदार का खेत था। ह्यूगो की नज़र उसकी जवान और खूबसूरत बेटी पर पड़ी। वह बहुत सीधी-सादी और दयालु लड़की थी। ह्यूगो को उससे प्यार हो गया। अब सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रेम की भावना को प्रेम कहा जाए या नहीं। लेकिन वह ह्यूगो नाम से भी डरती थी। वह लगातार उससे बचती रहती थी। जब ह्यूगो ने देखा कि उसे कोई सराहना नहीं मिल रही है, तो उसने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर एक त्योहार के दिन जमींदार के घर पर हमला कर दिया। उन्होंने उसका अपहरण कर उसे हवेली में ले आए। उन्होंने उसे बास्करविले हॉल की सबसे ऊपरी मंजिल के एक कमरे में बंद कर दिया। उस रात, अपनी रोज़ की आदत के अनुसार, ह्यूगो और उसके दोस्त नीचे शराब पीने और पार्टी करने लगे। सब नशे में चिल्लाने लगे। लड़की का डर गायब हो गया। वह बेचैन हो गई। और अंत में, उसी डर के प्रभाव में, उसने अपना सारा साहस

जुटा लिया। लड़की की हालत एक बंद बिल्ली जैसी हो गई जो भागने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दे। उसने कुछ ऐसा करने की हिम्मत की जो एक कमज़ोर दिल वाला आदमी भी नहीं कर सकता। जिस कमरे में उसे बंद किया गया था, वह हवेली के दक्षिण की ओर था। बाहरी दीवार पर एक बड़ी लता फैली हुई थी। एक ऐसी लता जो दीवार पर उगती है, जिसकी जड़ें पत्थरों में मज़बूती से जमी हुई हैं। लड़की खिड़की से बाहर निकली। वह लता के सहारे लटक गई। वह छत के निचले हिस्से में, घुमावदार सड़क पर आ गई। उसका घर इस दिशा में उन्नीस मील दूर था। सड़क कठिन थी। बीच में एक विशाल, सुनसान, वीरान जंगल था। उसे इसे पार करना ही था।

नीचे शराब पी रहे अपने दोस्तों को छोड़कर, ह्यूगो उसके लिए खाना लेकर ऊपर आया। उसे अपराधबोध हो रहा था। उसने दरवाज़े की कुंडी खोली। लेकिन कमरा खाली था और खिड़की खुली हुई थी। खिड़की का चौखट हवा में खड़खड़ा रहा था। वह दौड़कर अंदर झाँका। बाहर बेल की सूखी शाखाओं में फँसी उसकी गुलाबी स्कार्फ हवा में लहरा रही थी, जिससे ह्यूगो चिढ़ गया। एक पल के लिए उसे विश्वास ही नहीं हुआ कि सवाज उसकी पकड़ से बच निकली है। वह गुस्से से पागल हो गया, क्रोध से पागल हो गया। वह दौड़कर अपने समूह के पास गया। अब वह बिल्कुल भी निर्मल नहीं रहा था। उसके अंदर का शैतान जाग उठा था। वह यह सोच भी नहीं सकता था कि एक लापरवाह युवती उसकी कड़ी सुरक्षा से बच निकले। उसकी चीखों से मेज पर रखी शराब की बोतलें और खाने के बर्तन काँपने लगे। उसके दोस्त भी उत्तेजित हो गए। वे भी उसमें शामिल हो गए। एक के बाद एक, बदला लेने के भयानक विचार मन में आने लगे। सब नशे में थे। कोई भी ठीक से सोच नहीं पा रहा था। तभी, किसी के मन में उसके पीछे शिकारी कुत्ते छोड़ने का भयानक विचार आया। गुस्से से बेहाल ह्यूगो हवेली से बाहर भागा। उसने लड़की के दुपट्टे की गंध से शिकारी कुत्तों को खुला छोड़ दिया। डर से चीखते हुए ह्यूगो अपने काले घोड़े पर सवार हो गया। यह मानकर कि लड़की घर की ओर ही गई होगी, उसने घोड़े को पूरी रफ्तार से दौड़ा दिया।

सब कुछ इतनी तेज़ी से घट रहा था कि किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। माहौल गरमागरम था। उसके नशे में धुत साथियों की भावनाएँ भी भड़क उठी थीं। उन्होंने अपनी पिस्तौलें पूरी तरह से तैयार कर ली थीं। घोड़ों को वापस लाया गया और सबने थोड़ी और शराब पी ली। छोड़े गए शिकारी कुत्ते लड़की की गंध का पीछा करने लगे थे। ह्यूगो उनके पीछे-पीछे चल रहा था, और उसके नशे में धुत साथी उससे थोड़ा पीछे थे। आसमान में पूर्णिमा का चाँद चमक रहा था। उस खुले, सुनसान मैदान में एक जानलेवा पीछा शुरू हो गया।

उसके दोस्त शायद एक-दो मील आगे चले गए होंगे जब उन्होंने रात की ड्यूटी पर एक चरवाहे को देखा। इतने सारे आदमियों को ऐसी वर्दी में देखकर वह चौंक गया। "क्या तुमने किसी लड़की को वहाँ से गुज़रते देखा?" उसने पूछा, लेकिन उसका चेहरा बदल गया। उसने सिर हिलाकर कहा, "हाँ।" उसने सचमुच उस घास के मैदान से एक डरी हुई लड़की को गुज़रते देखा था। शिकारी कुत्ते उसके पीछे पड़े थे। "क...क...लेकिन मैंने कुछ और भी देखा है," वह किसी तरह बोल पाया। अब वह डर से काँप रहा था। "ह्यूगो बास्करविल अपने काले घोड़े पर सवार होकर मुझसे दूर चला गया। और तुरंत ही एक विशाल, भयानक जीव, शिकारी कुत्ते की तरह, उसके पीछे-पीछे चलने लगा। मैंने ऐसा भयानक जीव पहले कभी नहीं देखा था। उसका हर कदम मानो शैतान के इशारे पर उठाया गया हो। उसकी आँखें कोयले की तरह लाल थीं। उसके जबड़ों से नुकीले कांटे निकले हुए थे। मेरी जीभ से लार टपक रही थी। बस भयानक। उसे देखते ही मेरे हाथ-पैर सुन्न हो गए।"

चरवाहे के लिए कुत्तों, लड़की, पीछा करने आदि के बारे में जानना असंभव था। सभी शराबी चरवाहे का डरपोक होने पर मज़ाक उड़ा रहे थे, और उसे खूब गालियाँ देने के बाद वे चल पड़े। घना जंगल उनके सामने फैला हुआ था। दिशा स्पष्ट थी। ह्यूगो आगे निकल चुका था। सभी ने अपने घोड़ों को गति दी।

थोड़ा आगे बढ़ने पर उन्हें अचानक कुछ महसूस हुआ। शायद कोई जंगली जानवर शिकार करने निकला था। शांत जंगल में कदमों की आहट साफ सुनाई दे रही थी। इस आभास ने जंगल में मौजूद उनके घोड़ों को भी रोक दिया। उन्होंने अचानक अपने खुर ज़मीन पर जमा लिए। वे ज़ोर-ज़ोर से हिनहिनाने लगे। उनके मुंह से सफेद झाग निकलने लगा। एक भयानक ठंडी हवा चलने लगी। चांदनी में जंगल के पेड़ों की आकृतियाँ डरावनी लग रही थीं। जिन आकृतियों को वे पहले जानते थे, अब उन पर किसी अमानवीय स्पर्श का साया था। आसपास एक तितली भी नहीं थी। सन्नाटा पसरा हुआ था। चारों ओर बेचैनी का माहौल छा गया था। ऊपर से तो वे साहस दिखा रहे थे, लेकिन अंदर ही अंदर डर जागने लगा था। शराब का नशा उतर रहा था। इतनी रात को उनमें से कोई भी अकेले यहाँ आने की हिम्मत नहीं करता। वे अपने घोड़ों को मोड़कर चुपचाप चले जाते। सब एक-दूसरे का सहारा लेकर आगे बढ़ रहे थे। वह अपने घोड़ों को तेज़ी से दौड़ा रहा था। उनकी काली आकृतियाँ घास के मैदान में आगे बढ़ती रहीं।

अंततः, एक खुले मैदान के पास, उन्होंने लड़की द्वारा छोड़े गए एक शिकारी कुत्ते को देखा। कुत्ते, जो एक बहुत ही कुलीन और खूंखार नस्ल के थे, किसी बात के डर से एक साथ जमा हो गए थे। वे अपने गले से अजीब आवाजें निकाल रहे थे, उनके कान और पूंछ लटके हुए थे, और वे कराह रहे थे। उस खुले मैदान के आगे घाटी की ढलान शुरू हो गई। डरा हुआ कुत्ता हिचकिचाते हुए

घाटी की ओर चल रहा था। वह गर्दन झुकाए घूर रहा था और डर से पीछे मुड़ रहा था। उन्होंने वहाँ कुछ भयानक देखा था। वे आगे जाने की हिम्मत नहीं कर रहे थे। उनका झुंड वहाँ किसी जादू की तरह भटक रहा था।

कुछ ही देर में घुड़सवार कुत्तों तक पहुँच गए। वे अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए थे। लेकिन अब जो होना था उसका सामना करने के अलावा कोई चारा नहीं था। उनमें से तीन, जो सबसे बहादुर थे, या जिनके शरीर से शराब का नशा अभी उतरा नहीं था, घाटी की ढलान पर आ गए। उन्होंने हिम्मत जुटाई और घाटी से नीचे उतरना शुरू किया। थोड़ी सी ढलान के बाद, घाटी का तल समतल हो गया। वहाँ दो विशाल पत्थर खड़े थे। ऐसा लगता है जैसे उन्हें पाषाण युग के आदिम लोगों ने कभी खड़ा किया होगा। चारों ओर हल्की सफेद चाँदनी और सन्नाटा छाया हुआ था। कहीं न कहीं कुछ अप्रिय घटित हो रहा था।

दो पत्थरों के बीच, लड़की की पीली, लेटी हुई आकृति ज़मीन पर दिखाई दी। वह शायद बेहोश थी, या थकान से गिर गई थी। लड़की के पास कुछ और था। वह थोड़ा और आगे बढ़ा और ध्यान से देखा। लेकिन वह भी ह्यूगो बास्करविल नहीं था। अचानक कुछ हलचल हुई। एक प्राणी पालथी मारकर बैठा था, वह खड़ा हो गया। उसने अपना सिर उठाया और उन तीनों की रीढ़ में डर की एक ठंडी लहर दौड़ गई। वह एक भयानक शिकारी कुत्ते जैसा प्राणी था। शिकारी कुत्ता! उसके मजबूत पैरों की पकड़ में ह्यूगो बास्करविल का शरीर था। उसके विशाल जबड़ों में ह्यूगो की गर्दन जकड़ी हुई थी। उसके नुकीले दांत ह्यूगो की गर्दन में मजबूती से गड़े हुए थे। ह्यूगो ज़रा भी नहीं हिला। उसका खून कुत्ते के जबड़े पर लगा हुआ था। और वह पूरी ताकत से गर्दन पर फुफकार रहा था। ह्यूगो का शरीर गिरते हुए हिल रहा था। उसकी जीभ बाहर लटक रही थी, उसकी गर्दन से खून बह रहा था। कुछ ही पलों में, ह्यूगो की खोपड़ी धड़ से अलग हो गई। उन तीनों की निगाहें उस लटकती खोपड़ी की निर्जीव आँखों पर टिक गईं। उस भयानक दृश्य को देखकर उनके दिल के तीन द्वार भी फट गए। उनकी साँसें थम गईं। वे चीखना चाहते थे, पर कोई आवाज़ नहीं निकली। और उनमें से दो अचानक मौत के डर से ऐसे भागने लगे जैसे उनमें हवा भर गई हो। भागने की गति के साथ-साथ उनकी आवाज़ें भी लड़खड़ा गईं। वे जहाँ भी रास्ता खुला, अजीब, कर्कश आवाज़ों में चीखते हुए भागने लगे। तीसरा वहीं जम गया। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, उसके दाँत किटकिटाने लगे, उसकी साँसें रुक गईं। वह वहीं मर गया, उसका दिल धड़कना बंद हो गया। बाकी दो अगले कई दिनों तक पागलों की तरह इधर-उधर भागते रहे। वह दृश्य उनकी आँखों के सामने से हिला तक नहीं।

मोर्टिमर एक पल के लिए रुका। होम्स की ओर देखते हुए, उसने अगला अनुच्छेद पढ़ना शुरू किया।

उस खूंखार और भयानक कुत्ते की यह सच्ची कहानी बास्करविल परिवार से जुड़ी है। मुझे यकीन है कि यह मेरी जानकारी से भी कहीं ज़्यादा भयानक होगी। मैंने इसे कुछ सुनी-सुनाई बातों और कुछ तर्क के आधार पर पूरा करने की कोशिश की है। इस घटना के बाद हमारे परिवार में कई रहस्यमय मौतें हुईं, भयानक और बेतुकी घटनाएँ घटीं। यह कहानी उन सभी की जड़ है। आने वाली मासूम पीढ़ियों को इससे बचाने का केवल एक ही उपाय है। बास्करविल हॉल से दूर रहो। रात में डेवोनशायर के सुनसान दलदलों पर अमानवीय शक्तियाँ राज करती हैं। ऐसे समय में उस कुत्ते के रास्ते में न जाना ही बेहतर है। अपनी जान बचाओ। हमारे परिवार की भविष्यवाणी में लिखा है कि यह साया तीसरी या चौथी पीढ़ी के बाद मिट जाएगा।

उस लेख के अंत में एक फुटनोट था।

"ह्यूगो बास्करविले के दो बेटों, रोजर और जॉन को, लेकिन उन्हें अपनी बहन एलिजाबेथ को इस बारे में कुछ भी नहीं बताना चाहिए।"

डॉक्टर मोर्टिमर ने पत्र पढ़ना समाप्त किया। उन्होंने अपना चश्मा उठाया और शर्लक होम्स को रुचि से देखा। होम्स ने जम्हाई ली। उनके माथे पर शिकन आ गई। वे स्पष्ट रूप से असहमति जता रहे थे। हॉल में सन्नाटा छा गया।

"यह...क्या यह बहुत दिलचस्प नहीं है?" मॉर्टिमर ने अंततः संदेहपूर्वक पूछा।

"हाँ। जो लोग परियों की कहानियाँ या भूत-प्रेत की कहानियाँ पसंद करते हैं, उनके लिए यह बहुत दिलचस्प है," होम्स ने अपनी पाइप को पास की चिमनी में फेंकते हुए और उसे खाली करते हुए कहा।

"बहुत खूब।" डॉ. मोर्टिमर ने अपनी कोट की जेब से एक मुड़ा हुआ अखबार निकाला। मानो उन्हें होम्स से इसी तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद थी। "बहुत खूब, श्रीमान होम्स। अब मैं आपको कुछ हालिया तथ्य दिखाऊंगा। यह डेवोन काउंटी क्रॉनिकल है, जो इस वर्ष 14 मई को प्रकाशित हुआ था। इसमें सर चार्ल्स बास्करविल की मृत्यु की खबर है। सर चार्ल्स बास्करविल का निधन 14 मई से कुछ दिन पहले हुआ था।"

होम्स, कुछ उत्सुकतावश, अपनी कुर्सी पर थोड़ा आगे झुक गए। डॉ. मोर्टिमर ने अपना चश्मा ठीक किया और अखबार पढ़ना शुरू कर दिया।

सर चार्ल्स बास्करविल की अचानक और रहस्यमय मृत्यु ने डेवोन जिले में हलचल मचा दी है। वे जिले में आगामी चुनावों के प्रमुख उम्मीदवार थे। बास्करविल हॉल में उनका प्रवास भले ही बहुत कम समय का रहा हो, लेकिन वे अपने मिलनसार स्वभाव और दानशील प्रवृत्ति के कारण क्षेत्र में लोकप्रिय थे। नवधनी वर्ग के इस वर्तमान युग में, किसी पुराने और महान परिवार के उत्तराधिकारी के लिए न केवल धन का आनंद लेना, बल्कि परिवार की प्रतिष्ठा और गौरव को

पुनर्स्थापित करने का प्रयास करना भी मुश्किल हो गया है। सर चार्ल्स बास्करविल जैसे उदाहरण अब दुर्लभ हैं। यह सर्वविदित है कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में व्यापार से बहुत धन कमाया था। वे बहुत चतुर थे। उन्हें यह भी पता था कि व्यापार में कहां रुकना है। तेजी के वर्षों में अच्छा मुनाफा कमाने के बाद, वे अपनी संपत्ति के साथ इंग्लैंड लौट आए और अपने पारिवारिक महल, बास्करविल हॉल में रहने लगे। उनका यहां प्रवास केवल दो वर्षों तक चला, लेकिन इस दौरान उन्होंने यहां कई बड़े निर्माण और सुधार कार्य शुरू किए थे। उनकी अचानक मृत्यु के कारण ये सभी कार्य अब ठप हो गए हैं। सर चार्ल्स स्वयं निःसंतान थे। वे चाहते थे कि उनकी अपार संपत्ति से आम जनता को लाभ मिले और उनका कल्याण हो। वे अक्सर इस बारे में बात करते थे और इसे प्रदर्शित भी करते थे। उनके दान की खबरें समय-समय पर इस अखबार में प्रकाशित होती रही हैं। सर चार्ल्स बास्करविल के निधन से डेवनशायर जिले में शोक की लहर दौड़ गई है।

घटना की समग्र परिस्थितियों को देखते हुए, सर चार्ल्स की मृत्यु संदिग्ध मानी जा रही है। हालांकि मृत्यु का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है, लेकिन जिले में कई तरह की लोककथाओं और अंधविश्वासों की चर्चा हो रही है। अफवाहें भी फैल रही हैं। उनकी मृत्यु स्वाभाविक नहीं थी, यह धारणा जोर पकड़ रही है। सर चार्ल्स बास्करविल विधुर थे। उनका स्वभाव थोड़ा सनकी था। धनी होने के बावजूद, वे सादा जीवन जीते थे। बैरीमोर नामक एक दंपति उनके निजी मामलों की देखभाल करते थे। बास्करविल हॉल में वे दोनों ही नौकर थे। उनमें से पति उनके बटलर के रूप में काम करते थे। श्रीमती बैरीमोर घर के कामकाज संभालती थीं। सर चार्ल्स के करीबी दोस्तों की गवाही से पता चलता है कि हाल के दिनों में सर चार्ल्स का स्वास्थ्य किसी न किसी कारण से बिगड़ रहा था। उन्हें न केवल हल्का हृदय रोग था, बल्कि कमजोरी के कारण उनका रंग भी पीला पड़ जाता था। वे कभी-कभी मानसिक थकान से भी पीड़ित रहते थे। उनके मित्र और चिकित्सा सलाहकार, डॉ. मोर्टिमर ने भी अपनी गवाही में यही बात कही है।

सर चार्ल्स बास्करविल को रात को सोने से पहले टहलने की आदत थी। बास्करविल हॉल के पीछे यू के पेड़ हैं। उनके बीच से एक सुंदर रास्ता बना हुआ है, जिसे 'यू गली' कहा जाता है। वे नियमित रूप से हर रात इस संकरी गली में टहलने जाया करते थे। बैरीमोर परिवार ने इस जानकारी की पुष्टि की है। 4 मई को सर चार्ल्स बास्करविल ने बैरीमोर को बताया था कि वे अगले दिन लंदन के लिए रवाना होंगे। उन्होंने बैरीमोर से अपना सामान पैक करने को भी कहा था। हमेशा की तरह, वे रात में टहलने के लिए निकल पड़े। टहलते समय वे सिगार भी पीते थे। उस रात जो लोग बाहर गए थे, वे वापस नहीं लौटे। आधी रात को बैरीमोर ने दरवाजा खुला पाया। उन्हें शक हुआ, इसलिए उन्होंने एक लालटेन जलाई। वे यह देखने के लिए बाहर गए कि

क्या उनके मालिक कहीं दिखाई दे रहे हैं। एक दिन पहले हल्की बारिश हुई थी। 'यू गली' की महीन रेत पर सर चार्ल्स बास्करविल के पदचिह्न दिखाई दे रहे थे। आधे से ज़्यादा रास्ता चलने के बाद एक छोटा सा गेट है। वहाँ से सड़क एक सुनसान घास के मैदान की ओर जाती है। इस द्वार के पास खुदाई के निशान मिले हैं, जिससे पता चलता है कि सर चार्ल्स कुछ देर के लिए रुके होंगे। उन्होंने वह रास्ता लिया और उनका शव कुछ दूरी पर मिला, लेकिन यह सहायक बैरीमोर के बयान से मेल नहीं खाता। बैरीमोर का कहना है कि उस द्वार के सामने सर चार्ल्स के पैरों के निशान बदल गए थे। ऐसा लग रहा था मानो वे आगे की ओर झुककर चारों पैरों पर चल रहे हों।

उसी समय, एक घोड़े का व्यापारी घास के मैदान से गुजर रहा था। वह इस जगह से ज्यादा दूर नहीं था, लेकिन उस समय उसने काफी शराब पी रखी थी। उसका कहना है कि उसने डर से चीखने की एक तेज आवाज सुनी, जिसमें मदद के लिए गुहार लगाई जा रही थी, लेकिन उसे पता नहीं था कि आवाज किस दिशा से आ रही थी। हालांकि, घटनास्थल पर किसी तरह की हाथापाई या लड़ाई के कोई निशान नहीं थे। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, सर चार्ल्स के चेहरे में बहुत बड़ा बदलाव आ गया था। इतना कि डॉक्टर मोर्टिमर को भी अपने दोस्त को पहचानने में कुछ समय लग गया। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि उनके सामने पड़ा शव सर चार्ल्स बास्करविल का है। दम घुटने या दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु के दौरान, दर्द से चेहरा विकृत हो सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, यह साबित हो गया है कि वह कई दिनों से इन विकारों से पीड़ित रहे होंगे। घटनास्थल पर अपराध की प्रारंभिक जांच करने वाली टीम ने इसे अपने पंचनामा में दर्ज किया है।

आशा है कि सर चार्ल्स बास्करविल की अचानक मृत्यु के बाद यदि उनका कोई उत्तराधिकारी है, तो वह बास्करविल हॉल और आसपास के क्षेत्र के अधूरे निर्माण और सुधार कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए आगे आएगा। कुल मिलाकर, इस मामले को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। जब तक जांच से कोई ठोस जानकारी नहीं मिलती, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। फिलहाल, बास्करविल हॉल के लिए किरायेदार मिलना मुश्किल लग रहा है। श्री हेनरी बास्करविल, सर चार्ल्स बास्करविल के सबसे करीबी रिश्तेदार हैं। श्री हेनरी, सर चार्ल्स के छोटे भाई के पुत्र हैं। यह ज्ञात नहीं है कि वे जीवित हैं या नहीं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वे अमेरिका में कहीं थे। उनका पता प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि उन्हें यह सूचना दी जा सके।

डॉ. मोर्टिमर ने अखबार को सावधानीपूर्वक मोड़कर अपने कोट की अंदरूनी जेब में रख लिया। उनकी बेचैनी बढ़ गई थी। ऐसा लग रहा था मानो उन्हें अभी कुछ कहना बाकी हो।

"धन्यवाद, डॉ. मोर्टिमर। मुझे लगने लगा है कि इस मामले में कुछ दिलचस्प बात है। यह वाकई दिलचस्प है। आपने जिस खबर का जिक्र किया है, वह मुझसे छूट गई। लेकिन उस समय मैं एक बड़े मामले में व्यस्त था, इसलिए मैं ज्यादा ध्यान नहीं दे पाया।"
"श्री होम्स, लेकिन सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु की ये खबरें मात्र सतही हैं।"
"सतही तौर पर?"
"हां बिल्कुल।"
"तो मुझे असली अंदर की खबर बताओ, मोर्टिमर," होम्स ने बड़े ही तटस्थ भाव से कहा। उसने आदतवश अपनी उंगलियां आपस में जोड़ लीं और मोर्टिमर को घूरने लगा।
मोर्टिमर अब भावुक हो रहे थे। उनकी आवाज़ कांप रही थी। उनकी आँखें नम हो गई थीं। "मैंने यह बात किसी को नहीं बताई। मैंने इसे कहीं पढ़ा भी नहीं है। श्री होम्स, मैं आपको यह पहली बार बता रहा हूँ। मैं हर चीज़ को वैज्ञानिक नज़रिए से देखता हूँ, इसलिए यह कहते हुए मुझे एक अजीब सा एहसास हो रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे मैं हार मान रहा हूँ। बस इसी वजह से मैंने यह बात किसी को नहीं बताई। वरना मेरे शब्द अंधविश्वास और किंवदंतियों को हवा देने के लिए काफ़ी होते। मेरी चुप्पी का एक और कारण बास्केरविल हॉल है। उसके चारों ओर एक रहस्यमयी माहौल छाने लगा है। अगर मैंने यह बात कह दी होती, तो उसकी बदनामी होती और किसी के लिए भी वहाँ आकर रहना मुश्किल हो जाता। इसलिए मैंने चुप रहना ही बेहतर समझा। मैंने कुछ बातें अपने तक ही रखीं। ऐसा नहीं है कि उन्हें बताने से कोई फ़ायदा होता। लेकिन आप भी एक तर्कवादी हैं। मुझे आपको यह बताने में कोई झिझक नहीं है। बल्कि, यह आसान लगता है।"
श्रीमान होम्स, यह निर्जन क्षेत्र बहुत कम आबादी वाला है। यहाँ के लोग एक-दूसरे के बहुत करीब रहते हैं। इसीलिए मुझे सर चार्ल्स बास्करविले का प्रस्ताव आकर्षक लगा। पास में ही रहने वाले लाफ्टर हॉल के श्री फ्रैंकलैंड और श्री स्टेपलटन नामक एक प्रकृतिवादी को छोड़कर, यहाँ कुछ मील के दायरे में कोई भी शिक्षित व्यक्ति नहीं था। सर चार्ल्स वृद्ध थे। उनकी बीमारी ने मुझे उनके करीब ला दिया। विज्ञान में हमारी साझा रुचि ने हमें एक दूसरे से जोड़ दिया। वे दक्षिण अफ्रीका से बहुत सारी जानकारी लेकर आए थे। हमने कई शामें बुशमैन और होंटोट की विज्ञान संबंधी पुस्तकों पर चर्चा करते हुए बिताईं। वह सचमुच एक सुखद समय था।
पिछले कुछ महीनों से मुझे ऐसा लगने लगा था कि सर चार्ल्स के मन पर कोई गहरा और अज्ञात तनाव आ पड़ा है। बहुत गहरा तनाव। उन्होंने ह्यूगो की कहानी, जो मैंने अभी आपको बताई है, को बहुत गंभीरता से ले लिया था। वे उसमें इतने डूबे हुए थे कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे रात में खुले मैदान में जाने की हिम्मत नहीं करते थे। श्री होम्स, आपको विश्वास नहीं होगा, लेकिन

उन्हें यह डर सताने लगा था कि उनका परिवार मुसीबत में है और हमें भी इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। परिवार का काला अतीत उन्हें अंदर ही अंदर खा रहा था। एक भयानक भय ने उन्हें जकड़ लिया था। वे कभी-कभी मुझसे पूछते थे कि क्या मैंने कभी उस शिकारी कुत्ते जैसा कोई प्राणी देखा है। यह पूछते समय उनकी आवाज़ कांप जाती थी, और चाहे मैं बार-बार वही सवाल पूछता, उनकी जिज्ञासा कम नहीं होती थी।

मैं वह शाम कभी नहीं भूल पाऊँगी। यह घटना उनकी मृत्यु से ठीक तीन सप्ताह पहले घटी थी। मैं हमेशा की तरह उनसे बात करने के लिए शाम को उनके पास गई थी। उन्होंने दरवाजा खोला। लेकिन हमारी मुलाकात से पहले ही उनका चेहरा बदल गया। उनकी निगाहें मेरे कंधे पर टिकी रहीं। वे मेरे कंधे के ऊपर से मुझे देख रहे थे। उनकी आँखें डर से चौड़ी हो गईं। मैंने अपना सिर घुमाकर पीछे देखा, तो मेरे पीछे सड़क पर एक बड़ा जानवर तेज़ी से दौड़ रहा था। मैंने उसे एक बड़े मवेशी जितना विशाल देखा। मेरी जिज्ञासा चरम पर पहुँच गई। मैं मुड़कर वापस सड़क पर दौड़कर उसे देखना चाहती थी। लेकिन मैं वहीं जम गई। सर चार्ल्स अवाक रह गए। मैं पूरी शाम उनके साथ रही। वे उस स्थिति से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। वे अत्यधिक भय से स्तब्ध थे। वे बहुत कम बोले। वे अपने आप से भी बात नहीं कर पा रहे थे। थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे ह्यूगो बास्करविल की कहानी सुनाई। कहानी सुनाते समय वे कहीं खो गए थे। उस समय मुझे नहीं लगा था कि इस घटना का उनकी मृत्यु से कोई संबंध है। लेकिन आज मैं इसे स्पष्ट रूप से देख सकती हूँ।

मैंने ही उन्हें लंदन जाने की सलाह दी थी। बास्करविले हॉल में लगातार पड़ रहे मानसिक दबाव से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा था। उनकी पहले से ही नाज़ुक हृदय स्थिति और बिगड़ रही थी। उनके मन में पैदा हुए काल्पनिक भय उनके स्वास्थ्य को खोखला कर रहे थे। मुझे लगा कि कुछ समय के लिए वातावरण में बदलाव उनके लिए अच्छा रहेगा। हमारे साझा मित्र श्री स्टेपलटन ने भी इस बात का समर्थन किया। उन्हें भी सर चार्ल्स में दिलचस्पी थी। लेकिन अंत में, जो होना था वही हुआ। सर चार्ल्स को कोई नहीं बचा सका।

घटना के तुरंत बाद, उनके बटलर बैरीमोर ने मुझे बुलाने के लिए पर्किन्स नाम के एक घुड़सवार को भेजा। पर्किन्स के मेरे पास आकर बताने के बाद मुझे वहाँ पहुँचने में एक घंटा लग गया। मैंने पूरी घटना का मुआयना किया। मैंने जो अवलोकन किए, वे पंचनामा में दर्ज हैं। मैंने उनके पदचिह्नों का पता लगाया। वे मलराना के उस द्वार पर कुछ देर रुके होंगे। हालाँकि, द्वार के पार पदचिह्नों का आकार बदल गया था। अगर बैरीमोर को 'यू गली' में छोड़ दिया जाता, तो वहाँ कोई पदचिह्न नहीं होते। मैंने उनके शरीर का बारीकी से निरीक्षण किया। तब तक किसी ने उन्हें छुआ नहीं था। वे पीठ के बल लेटे हुए थे। उनकी दोनों भुजाएँ अगल-बगल फैली हुई थीं।

उनकी उंगलियाँ मिट्टी में धँसी हुई थीं। उनका चेहरा विकृत था। मैं उन्हें पहली नज़र में पहचान भी नहीं पाया। उनके शरीर पर कोई स्पष्ट चोट नहीं थी। लेकिन पंचनामा के समय, बैरीमोर के बयान में एक बात गायब थी। उन्होंने कहा कि सर चार्ल्स के शरीर के आसपास कोई निशान या धब्बे नहीं थे। "शायद उन्होंने नहीं देखा होगा। लेकिन मैंने देखा। बस थोड़ी दूरी पर, एकदम साफ़ और ताज़ा।"

"पैरों के निशान?"

"हाँ। पदचिह्न।"

"महिला या पुरुष ही क्यों?"

डॉ. मोर्टिमर ने हमारी ओर देखा और कर्कश, खुरदरी आवाज में, मुश्किल से निगलते हुए कहा, "श्री होम्स, वे पदचिह्न... एक शिकारी कुत्ते के थे। ह्यूगो बास्करविले की कहानी में वर्णित प्राणी की तरह।"

३

मोर्टिमर के जवाब से मैं हैरान रह गया। उसकी कांपती हुई आवाज़ से पता चल रहा था कि वह घटना उसके मन पर कितना गहरा असर डाल चुकी थी। होम्स आगे बढ़ा। उसकी आँखों में चमक थी। उसे यह मामला ज़रूर दिलचस्प लगा होगा।

"क्या तुमने सचमुच इसे देखा?"

"मैं तुम्हें अभी जितना स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ, उतना स्पष्ट रूप से देख पा रहा हूँ," मोर्टिमर ने दृढ़ता से कहा।

और तुमने इसके बारे में किसी को नहीं बताया?

मुझे बताने का क्या फायदा था?

"लेकिन बाकी लोगों ने इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया?"

"वे पदचिह्न शव से लगभग इक्कीस गज की दूरी पर थे। घटना की अचानकता से हर कोई स्तब्ध था। अफरा-तफरी में किसी ने भी उन पदचिह्नों पर ध्यान नहीं दिया होगा। अगर मुझे उस शिकारी कुत्ते के बारे में पता न होता, तो मैं भी उन पदचिह्नों को कुछ खास नहीं समझता।"

"क्या उस सुनसान जंगल में कई खूंखार शिकारी कुत्ते नहीं होंगे?"

"बहुत सारे। लेकिन ये पदचिह्न किसी आवारा कुत्ते के नहीं थे।"

"और भी बड़ा जानवर?"

"विशाल।"

"लेकिन वह सर चार्ल्स के पास नहीं आया। है ना?"

‘‘हो.’’

"वो रात कैसी रही?"

"धुंधला और बादल छाए हुए।"

"लेकिन बारिश तो नहीं हो रही थी। हैं?"

‘‘हो.’’

"वह शतपावली पथ, 'यू गली' कैसा है?"

"यू एली आठ फीट चौड़ी है। इसके दोनों ओर बारह फीट ऊंचे यू पेड़ों की घनी कतारें हैं। इतनी घनी कि इस रास्ते से गुजरना असंभव है।"

"उन पेड़ों की कतारों और सड़क के बीच क्या है?"

सड़क के दोनों ओर छह फुट चौड़ी हरी पट्टी है।

"तो यू गली तक जाने के लिए बस एक छोटा सा गेट है। है ना?"

"हाँ। बहुत छोटा। वहाँ से सड़क सुनसान मलराना की ओर जाती है।"

"इसका मतलब यह है कि अगर आप 'यू गली' में आना चाहते हैं, तो आपको हवेली से होकर या मलराना की ओर जाने वाले उस छोटे गेट से होकर जाना होगा।"
"हाँ। सड़क के अंत में एक ग्रीष्मकालीन आवास है। एक आरामदायक बैठक कक्ष जो शांति से पढ़ने और बातचीत करने के लिए बनाया गया है। वह इसे इस सड़क पर आगे जाकर पा सकती है।"
"क्या सर चार्ल्स वहां पहुंच गए हैं?"
नहीं। वह उससे लगभग इक्यावन गज की दूरी पर पड़ा हुआ मिला था।
"अब मुझे एक महत्वपूर्ण बात बताइए, डॉक्टर। क्या आपने जो निशान देखे थे वे केवल सड़क पर थे, या घास पर भी थे? उन्हें स्पष्ट रूप से याद रखिए।"
"नहीं, घास पर वे पैरों के निशान नहीं थे।"
"मान लीजिए यह एक सड़क है। इस तरफ पेड़ों की एक कतार है और इस तरफ मलराना की ओर जाने वाला एक द्वार है। तो चार्ल्स के पदचिह्न सड़क के किस तरफ थे? द्वार की तरफ?"
"हां। गेट के ठीक बगल में।"
"दिलचस्प। एक और बात। वह गेट बंद था या खुला?"
"बंद। जंजीर डालकर इसे बंद किया गया था।"
"वह गेट कितना ऊंचा है?"
"लगभग चार फीट।"
"तो कोई इस पर चढ़कर अंदर जा सकता है?"
‘‘हो.’’
"क्या आपको उस गेट के पास कुछ और मिला?"
"ओह, कुछ खास नहीं।"
"किसी ने जाँच नहीं की?"
"मैंने स्वयं उस स्थान का निरीक्षण किया, श्री होम्स।"
"और कुछ नहीं मिला?"
"मुझे लगता है कि सर चार्ल्स वहां पांच से दस मिनट तक रुके थे।"
"किस लिए, मोर्टिमर?"
"क्योंकि उस पर ऐसे निशान थे जहां उसकी सिगार को दो बार ऐशट्रे में डाला गया था।"
वाह! बहुत बढ़िया अवलोकन। और सर चार्ल्स के पदचिह्न?
"यू गली में जहां वे खड़े थे, उसके आसपास की रेत में उनके पैरों के बहुत सारे निशान थे। लेकिन बाकी के निशान कहीं नहीं मिले।"

होम्स ने हताशा में आकर मेज पर मुक्का मारा।
"ओह, वॉटसन। मुझे वहाँ होना चाहिए था। यह सचमुच एक असाधारण मामला है जो बुद्धि को चुनौती देता है। इस मामले का हल रेत के निशानों में छिपा है। बारिश और वहाँ मौजूद देहाती शोधकर्ताओं की उत्सुकता से पहले ही उनकी जाँच कर लेनी चाहिए थी। डॉ. मोर्टिमर, आपने तब मुझे क्यों नहीं बुलाया? हम निश्चित रूप से कोई निदान कर सकते थे। मुझे बताइए।"
"श्री होम्स, मैंने जो देखा था उसे जनता से छिपाए बिना मैं आपको बुला नहीं सकता था। इसके लिए मैं आपको पहले ही दो कारण बता चुका हूँ। इसके अलावा..." मॉर्टिमर अटक गया। वह कुछ कहना चाहता था लेकिन उसे सही शब्द नहीं मिल रहे थे।
"बेला, डॉक्टर। खुलकर बोलिए। रुकिए मत।" होम्स।
"बात यह है कि कोई भी जासूस, चाहे वह कितना भी चतुर क्यों न हो, हतोत्साहित हो जाता। क्योंकि... क्योंकि वह भी आखिरकार एक जीवित व्यक्ति था। यह अलग था।"
"आपका मतलब है कि वहां कोई प्रेतवाधित उपस्थिति है, कोई अज्ञात अमानवीय शक्ति है, इत्यादि..."
मैं... मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता।
"लेकिन आप ऐसा सोचते हैं।"
"श्री होम्स, उस दुर्घटना के बाद से मैंने ऐसी बातें सुनी हैं जिन्हें मैं पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा हूँ। वे प्रकृति के उन नियमों के अनुरूप नहीं हैं जिन्हें हम जानते हैं। सब कुछ समझ से परे है।"
"उदाहरण के लिए?"
"इस दुर्घटना से कुछ दिन पहले, कई लोगों ने मलराना में ह्यूगो बास्करविले की पौराणिक कथा में वर्णित एक प्राणी को देखा था। वह एक शिकारी कुत्ता था। जिसने भी उसे देखा, उसने उसे भयानक, हिंसक, अंधेरे में चमकने वाला और भूत जैसा बताया। मैंने उनसे पूछताछ की। उनमें से एक किसान था, एक लोहार था, और एक ऐसा व्यक्ति था जो अपनी भावनाओं के अनुसार आसानी से अपना वोट नहीं देता था। सभी ने उसका वर्णन बिल्कुल एक जैसा किया। यह पौराणिक कथा से शत प्रतिशत मेल खाता है। यह अवश्य ही एक असंतुष्ट आत्मा होगी जो भयानक रूप में प्रकट हुई है। डेवोनशायर में दहशत का माहौल है। अंधेरा होने के बाद कोई भी मलराना की ओर जाने की हिम्मत नहीं करता।"
"और आप जैसे वैज्ञानिक सोच वाले व्यक्ति इसमें विश्वास करते हैं? आत्मसमर्पण करते हैं?" होम्स ने आश्चर्य से पूछा। उनके लहजे में थोड़ी कड़वाहट थी।
मुझे कुछ नहीं पता। क्या सच है, क्या झूठ है...

होम्स ने सिर्फ कंधे उचका दिए। वह मोर्टिमर से नाराज़ था।
"मैंने इस सच्चाई को अब तक छुपाए रखा। मैं क्या कर सकता था? ऐसा नहीं है कि मुझे कुछ डरावने अनुभव नहीं हुए हैं, लेकिन यह मामला तो दिल दहला देने वाला है। मेरा दिमाग सुन्न हो गया है। कुछ समझ से परे है। मुझमें ऐसी अमानवीय शक्ति का सामना करने की हिम्मत नहीं है।" मॉर्टिमर का मुंह सूख गया था। वह एक पल के लिए रुका और फिर सिर उठाकर बोला, "चाहे आप भूतों पर विश्वास करते हों या नहीं, आपको यह मानना ही पड़ेगा कि वे पदचिह्न असली थे।"
"मुझे लगता है तुम उलझन में हो, मोर्टिमर। तुम्हें खुद नहीं पता कि तुम क्या चाहते हो। अगर तुम भूत-प्रेत जैसी किसी चीज़ में विश्वास करते हो, तो मेरे पास क्यों आए हो? तुम कहते हो कि सर चार्ल्स की मौत का रहस्य कभी सुलझ नहीं पाएगा, फिर भी तुम मुझसे इसका पता लगाने को कहते हो।"
"मैंने आपको उसे ढूंढने के लिए नहीं कहा था, मिस्टर होम्स," मॉर्टिमर ने होम्स की बात काटते हुए कहा। होम्स ने उसे घूरकर देखा।
"तो? तो मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, डॉक्टर मोर्टिमर एम.आर.सी.एस?"
"सर हेनरी बास्करविल ठीक एक घंटे पंद्रह मिनट में वाटरलू स्टेशन पर पहुंचेंगे। उन्हें वही बताना जो मैं उन्हें बताऊं।"
"सर हेनरी बास्करविले? सर चार्ल्स के उत्तराधिकारी?"
"जी हां। सर चार्ल्स की मृत्यु के बाद हमने उनसे संपर्क साधा। वे कनाडा में किसान थे। उनके बारे में मिली सभी जानकारियों के आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हेनरी बास्करविले एक सज्जन व्यक्ति हैं। यह राय मैं न केवल सर चार्ल्स के मित्र या चिकित्सा सलाहकार के रूप में, बल्कि उनके विश्वासपात्र और उनकी वसीयत के निष्पादक के रूप में भी रखता हूं।"
"सर चार्ल्स की संपत्ति पर कोई अन्य दावेदार हैं क्या?"
नहीं... हम उनके एक और रिश्तेदार की तलाश कर रहे थे। रोजर बास्करविल। सर चार्ल्स के भाई। सर चार्ल्स तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। रोजर सबसे छोटे और मंझले भाई थे, हेनरी बास्करविल के पिता। लेकिन उनकी कम उम्र में ही मृत्यु हो गई। रोजर बास्करविल उन लोगों में से थे जो अपने जीवन के आरंभ से ही थोड़े उतावले थे। अनियंत्रित, जंगली, यही उनकी प्रतिष्ठा थी। उनके स्वभाव में ह्यूगो बास्करविल का सारा आकर्षण था। वे उग्र दिखते थे। उनका व्यवहार भी उग्र था। उन्होंने यहाँ कई मुसीबतों और शरारतों में फँसाया। अंततः, वे इंग्लैंड में नहीं रह सके। इसलिए वे मध्य अमेरिका में कहीं चले गए। कहा जाता है कि 1876 में पीत ज्वर

की महामारी में उनकी वहीं मृत्यु हो गई। अब सर हेनरी बास्करविल परिवार के अंतिम वंशज हैं। सर चार्ल्स बास्करविल के परपोते। वे बस एक घंटे दस मिनट में पहुँचने वाले हैं। उन्होंने आज सुबह साउथेम्प्टन स्टेशन से मुझे टेलीग्राम किया था। बताइए, श्रीमान होम्स, अब मुझे क्या करना चाहिए? मुझे उन्हें कहाँ ले जाना चाहिए?

"मुझे अब भी आपकी समस्या समझ नहीं आ रही है, मोर्टिमर। उन्हें अपने पारिवारिक हवेली, बास्करविले हॉल में क्यों नहीं जाना चाहिए?"

कारण सीधा-सादा है, पर समझाना मुश्किल है। मुझे पूरा यकीन है कि अगर सर चार्ल्स बास्करविल ने मरने से पहले खुलकर बात की होती, तो उन्होंने मुझे बताया होता कि उस हवेली में बास्करविल परिवार के हर सदस्य की जान खतरे में है। इतनी बड़ी दौलत के वारिस की जान अनमोल होती है। बास्करविल हॉल के आसपास रहने वाले गरीब लोगों का जीवन इसी परिवार पर निर्भर है। इस परिवार ने इतने सालों तक उनकी देखभाल की है। श्री होम्स, सर चार्ल्स ने वहां जो कई बड़े सुधार शुरू किए थे, वे अभी भी अधूरे हैं। उन्हें भी ठीक करना होगा। मालिक के बिना वे कभी पूरे नहीं होंगे। मुझे बास्करविल परिवार में दिलचस्पी है और मैं स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा हूं। इसी चिंता के साथ मैं आपसे सलाह लेने आया हूं।

होम्स ने एक पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। फिर, अपनी उंगलियों को आपस में फंसाते हुए, उन्होंने कहा,

"दूसरे शब्दों में, डॉ. मोर्टिमर, आप यह कह रहे हैं कि यह तथाकथित अमानवीय शक्ति, बास्करविले हॉल को, जो बास्करविले परिवार के किसी भी उत्तराधिकारी का घर है, असुरक्षित बना देती है। वहां रहना उसके लिए घातक होगा। क्या यह सही है?"

‘‘हां...हां...तो पूरी स्थिति से यही बात सामने आती है।’’

"अब, अगर हम एक पल के लिए आपकी भूतिया संभावना को मान लें, तो इसका प्रभाव हर जगह होना चाहिए, है ना? अगर यह, जैसा कि आप कहते हैं, एक अनंत अमानवीय शक्ति है, तो बास्करविल परिवार लंदन में इतना असुरक्षित क्यों है, या इसकी शक्ति किसी गली के बच्चे की तरह एक छोटे से क्षेत्र तक ही सीमित क्यों है?" होम्स ने पलकें झपकाईं।

"मुझे लगता है आप मज़ाक कर रहे हैं, श्रीमान होम्स। शायद आप सतही तौर पर सोच रहे हैं क्योंकि आपने खुद कभी ऐसा अनुभव नहीं किया है। ज़रा सोचिए और फिर बोलिए। क्या हेनरी बास्करविल वहाँ उतना ही सुरक्षित रहेगा जितना लंदन में है? यह उसके लिए जीवन और मृत्यु का सवाल है। कृपया मज़ाक न कीजिए। मुझे आपसे तुरंत निर्णय चाहिए। वह बस पचास मिनट में पहुँचने वाला है।"

"तो मैं तुमसे कहता हूँ कि अभी निकल जाओ। सबसे पहले, अपने साथ लाए उस स्पैनियल कुत्ते को हटा दो। वह मेरे दरवाजे पर खरोंच रहा है। एक बग्गी ले लो। और सीधे वाटरलू स्टेशन जाओ। सर हेनरी बास्करविल से मिलो।" होम्स लगभग मॉर्टिमर पर टूट पड़ा।
"और?"
"जब तक मैं अपना फैसला नहीं ले लेता, तब तक उन्हें इसके बारे में कुछ मत बताना।"
आपको निर्णय लेने में कितना समय लगेगा?
"ठीक चौबीस घंटे। कल सुबह दस बजे मुझे फोन करना। अगर आप सर हेनरी बास्करविल को अपने साथ ला सकें तो बहुत अच्छा होगा। मैं आगे क्या करना है, इसके बारे में विस्तार से बता सकता हूँ।" जैसे ही होम्स बैठक का समय समाप्त होने का संकेत देने के लिए उठे, मॉर्टिमर भी अपनी कुर्सी से उठ गए।
"बहुत खूब, श्रीमान होम्स। हम ऐसा ही करेंगे।" डॉ. मोर्टिमर, मानो भूल गए हों, ने पेंसिल से अपनी कमीज़ की आस्तीन पर होम्स से मिलने का समय लिख दिया, "सुबह दस बजे।" वे जल्दी से बाहर निकल गए, हाथ में पकड़ी पेंसिल को ज़मीन पर रगड़ते हुए। वे सीढ़ियाँ उतरने लगे। अगले ही पल होम्स उनके पीछे आ गए और उन्हें पुकारा। मोर्टिमर पहली सीढ़ी पर ही रुक गए।
"मोर्टिमर। तुमने मुझे बताया था कि सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु से पहले, कुछ लोगों ने उस जानवर, तुम्हारे शिकारी कुत्ते को, दलदली भूमि पर देखा था।"
"तीन लोग।"
"लेकिन क्या इस घटना के बाद से किसी ने उसे देखा है?"
"नहीं... मेरा मतलब है, मैंने ऐसा नहीं सुना।"
‘‘धन्यवाद मॉर्टिमर.’’
मोर्टिमर लकड़ी की सीढ़ियों पर कदमों की खड़खड़ाहट के साथ चला गया। होम्स अपनी सीट पर लौट आया। उसके चेहरे पर एक चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की संतुष्टि झलक रही थी। अब वह आगे होने वाली घटनाओं के बारे में सोच रहा था। वह उन्हें पिछली सभी घटनाओं से जोड़ रहा था। उसका इस तरह अपने विचारों में खो जाना मेरे लिए कोई नई बात नहीं थी।
"क्या तुम बाहर जा रहे हो, वॉटसन?"
हालांकि वह जानता था कि मैं उसे अभी वहां नहीं चाहती, फिर भी मैंने ज़िद की, "अगर आप कहेंगे तो मैं रुक जाऊंगी। कोई मदद कर सकता है?"
"वॉटसन, मुझे हमेशा से तुम्हारी मदद चाहिए थी, लेकिन अब एक अलग तरीके से। मुझे दो चीजें चाहिए। पहली,..." होम्स ने सीधे मेरी ओर देखते हुए कहा, "पूरी तरह से एकांत। और

दूसरी, ब्रैडली स्थित अपनी पसंदीदा दुकान से मेरे लिए एक कड़क तंबाकू मंगवा देना। अब शाम तक वापस मत आना। यह मामला सचमुच लाखों में एक है। मुझे इस पर विचार करने के लिए शांति और सुकून चाहिए। मैं इसे दिन में सुलझा लूंगा। शाम को मिलने पर हम अगले मामले की योजना बनाएंगे। अलविदा, वॉटसन।" होम्स अपनी मेज की ओर मुड़ गए।

यह होम्स का आम तरीका था। कोई भी मुश्किल मामला सुनने के बाद, वह खुद को एक बंद कमरे में बंद कर लेते थे। उस खामोशी में वह मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच करते थे। मामले की जड़ तक पहुंच जाते थे। मुझे यकीन था कि अब भी वह बास्करविल हाउंड मामले की विस्तार से जांच कर रहे होंगे। उन्होंने बिंदुओं को महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण में विभाजित कर दिया होगा। ऐसा लग रहा था मानो उन्हें रास्ता मिल गया हो। बस अब इसकी पुष्टि करना बाकी था। इसलिए मैं भी पूरे दिन बाहर ही रहा। मैंने अपना समय अपने क्लब में बैठकर बिताया। रात के नौ बज रहे थे जब मैं बेकर स्ट्रीट लौटा।

मैं सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर आया। होम्स के कमरे का दरवाज़ा बंद था। जैसे ही मैंने उसे खोला, धुएँ का एक गुबार निकला, मानो अंदर आग लगी हो। पूरा कमरा धुएँ से भर गया था। मेज पर रखे लैंप का शीशा भी कालिख से ढका हुआ था। मुझे ठीक से साँस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। मैं खाँसता और संघर्ष करता हुआ अंदर गया। धुएँ में तंबाकू की गंध आ रही थी। धुएँ के छल्लों के पीछे मैंने होम्स को आरामकुर्सी पर झुके हुए बैठे देखा। उनके हाथ में जलती हुई पाइप थी। वे दिन भर पाइप पीते हुए सोच रहे थे। उनके बगल में कागजों का ढेर पड़ा था।

"वॉटसन? क्या तुम्हें खांसी है?" होम्स ने मेरी खांसी से लाल हुई शक्ल देखकर पूछा।

"यहाँ की हवा बहुत साफ है, है ना?" मैंने उसे चिढ़ाते हुए खांसते हुए कहा।

"अरे हाँ... बहुत धुआँ है। मुझे तो पता ही नहीं चला।" उसने हैरानी से चारों ओर देखते हुए कहा। ऐसा लग रहा था जैसे वह पहली बार धुआँ देख रहा हो।

"अगर तुम्हें इतनी तकलीफ हो रही है तो खिड़कियाँ खोल दो, वॉटसन।"

मैंने चुपचाप खिड़कियाँ खोलना शुरू कर दिया।

"तुम सारा दिन क्लब में ही थे, है ना?" होम्स की आवाज पीछे से आई।

"जी हां," मैंने आश्चर्य से पूछा, "लेकिन आपको कैसे पता चला?"

मेरे भ्रमित चेहरे को देखकर वह मुस्कुराया और अपने होठों से सिगरेट हटा ली।

"एक ऐसा आदमी जिसके कोई करीबी दोस्त नहीं हैं, सुबह इतनी मूसलाधार बारिश में बाहर जाता है। शाम को जब वह लौटता है, तो उतना ही तरोताज़ा होता है। उसकी टोपी या जूतों पर पानी की एक बूंद भी नहीं होती। यहाँ तक कि उसके जूतों की पॉलिश भी सुबह जैसी ही होती

है। ऐसा आदमी कहाँ गया होगा? वह कहीं बैठा होगा। और क्लब के अलावा ऐसी जगह और कहाँ हो सकती है? तुम्हारे बारे में अंदाज़ा लगाना कभी मुश्किल नहीं होता, वॉटसन।"
"हां बिल्कुल।"
"वॉटसन, दुनिया में बहुत सी सरल चीजें हैं, लेकिन कोई उन्हें देखता नहीं है। मैं सारा दिन कहाँ था?"
"कहीं नहीं। तुम सारा दिन इसी कुर्सी पर बैठे सोचते रहे होगे। ज़रूर।"
"'अरे। गलत। मैं डेवनशायर गया था।'"
"मन ही मन.."
"बिल्कुल, मेरे दिमाग से। आपके जाने के बाद, मैंने स्टैमफोर्ड से डेवोनशायर क्षेत्र का एक सैन्य नक्शा मांगा। फिर मेरी आत्मा ने उस नक्शे पर मालरान और पूरे इलाके को देखा। मेरा शरीर इसी कुर्सी पर बैठा रहा। यहीं बैठा रहा, दो मग कॉफी पी और खूब सारे पाइप पिए।"
"तुम्हारी आत्मा नक्शे पर भटकती रही। तो नक्शा बहुत बड़ा होना चाहिए, है ना? कम से कम पांच फीट तीन इंच। होना ही चाहिए।"
"बहुत बड़ा," होम्स ने मेरे मजाक को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए कहा। उन्होंने कागजों का बंडल उठाया और उसे खोला। नक्शा वाकई बड़ा था। उसका एक छोटा सा हिस्सा होम्स की गोद में पड़ा था।
"इधर देखो। यह डेवनशायर है। यही वह हिस्सा है जो हमें चाहिए। बीच में बास्करविले हॉल है।"
"क्या इसके आसपास कोई जंगल है?"
"बिल्कुल सही। नक्शे में 'यू गली' नहीं दिख रही है। लेकिन देखो, यह यहीं इस बंजर ज़मीन के बगल में होनी चाहिए। ये जो कुछ घर दिख रहे हैं, वो ग्रिम्पन हैं। एक छोटा सा गाँव। असल में एक बंजर ज़मीन। हमारे डॉक्टर यहीं रहते हैं। यहाँ से पाँच मील के दायरे में बस कुछ ही घर हैं। बहुत कम आबादी है। मॉर्टिमर इस लाफ्टर हॉल के बारे में बात कर रहा था। और यह घर उस प्रकृतिवादी, मिस्टर स्टेपलटन का होना चाहिए। यहाँ दो और घर हैं। पत्थरों के ढेर जैसी छोटी-छोटी पहाड़ियाँ दिखाई दे रही हैं। और चौदह मील दूर प्रिंसटाउन की मशहूर जेल है। मानव बस्ती बहुत कम और बिखरी हुई है। यह बड़ा इलाका सचमुच वीरान और बंजर है। चारों ओर सुनसान बंजर ज़मीन। बंजर, निर्जन भूमि। जीवन का कोई निशान नहीं।" "यहीं पर वह सारा ड्रामा हुआ था," होम्स ने नक्शा समेटते हुए कहा, "और अगर मुमकिन हुआ, तो हम प्रयोग फिर से करेंगे।"
"कुल मिलाकर दिए गए विवरण के आधार पर, यह जगह बहुत डरावनी लगती है।"

"बिल्कुल सही। एक अमानवीय शक्ति के लिए जीवित लोगों के जीवन में हस्तक्षेप करने के लिए यह एक आदर्श स्थान है।"
"क्या तुमने भी उस भूत पर विश्वास करना शुरू कर दिया है?"
"वॉटसन, मुझे नहीं पता कि भूत होते हैं या नहीं, लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ कि उनके एजेंट निश्चित रूप से हाड़-मांस के बने और इंसान होते हैं। किसी भी मामले की शुरुआत में दो महत्वपूर्ण सवाल उठते हैं। पहला यह कि क्या अतीत में सचमुच कुछ हुआ था? दूसरा यह कि अगर हाँ, तो वास्तव में क्या हुआ था और कैसे? अगर मॉर्टिमर सही है, यानी अलौकिक शक्तियाँ, भूतों का कब्ज़ा, आदि, तो हमारा काम खत्म हो गया। लेकिन इसे स्वीकार करने से पहले, हमें अन्य सभी संभावनाओं की अच्छी तरह से जाँच करनी होगी।" होम्स ने मेरी ओर देखा। "क्या आपने इस मामले के बारे में सोचा है, वॉटसन?"
"हां, सारा दिन बैठे रहने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि..." बोलते समय मैं अटक गया।
"क्या?"
"...मैं पूरी तरह से भ्रमित हूँ।"
"वास्तव में स्थिति यही है। लेकिन कुछ मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, उन पदचिह्नों का आकार बदलना। इस बारे में आपका क्या विचार है?"
"मोर्टिमर का कहना है कि सर चार्ल्स अपने घोड़ों पर चलकर आए थे।"
"हाँ। तुम्हारा मॉर्टिमर दूसरे आदिवासियों की बातें सुनकर बोलता है। वॉटसन, मुझे बताओ कि कोई आदमी अपने पैरों पर क्यों चलेगा?"
"तो आप क्या सोचते हैं?"
होम्स ने तीखी आवाज में कहा, "सर चार्ल्स चल नहीं रहे थे, वॉटसन। वे दौड़ रहे थे। वे अपनी जान बचाने के लिए दौड़ रहे थे। दौड़ते-दौड़ते उनका दिल रुक गया और वे जमीन पर गिर पड़े, जहां उनकी मृत्यु हो गई।"
वे क्यों भागेंगे? और किससे?
"असली सवाल तो यही है। लेकिन मैं डरा हुआ था, बिल्कुल। वो भी दौड़ना शुरू करने से पहले।"
"आप इसे इतनी सटीकता से कैसे कह सकते हैं?"
"वॉटसन, मैंने मान लिया था कि जिस भी वजह से वे डरे हुए थे, वह मलराना की तरफ ही होगी। लेकिन अगर ऐसा था, तो वे घर क्यों नहीं गए? वे मलराना की तरफ क्यों भागे? ऐसा उल्टा काम तो वही आदमी कर सकता है जो होश खो बैठा हो और बेहोश हो। साथ ही, अगर मलराना से गुजर रहे शराबी की गवाही पर यकीन किया जाए, तो वे मदद के लिए चिल्लाते

हुए उस दिशा में भागे जहाँ मदद मिलने की सबसे कम संभावना थी। और सबसे महत्वपूर्ण बात, उस रात वे किसका इंतजार कर रहे थे? और अगर उन्हें इंतजार करना ही था, तो 'यू गली' में क्यों? अपने घर में क्यों नहीं बैठे?"

"आपको क्या लगता है कि वे किसी का इंतजार क्यों कर रहे थे?"

"देखिए, सर चार्ल्स बूढ़े और थके हुए थे। रात में टहलने की उनकी आदत समझ में आती है। लेकिन ज़मीन गीली थी, पानी जमा हुआ था, मौसम भी ठीक नहीं था। ऐसे में यह मानना मुश्किल है कि वे पाँच-दस मिनट तक एक ही जगह खड़े रहे होंगे। लेकिन मॉर्टिमर ने खुद अपनी सिगरेट की राख से, जो दो बार गिरी, यह साबित कर दिया है कि वे कुछ देर तक वहीं खड़े रहे थे।"

"लेकिन वे शतपावली के लिए हर रात बाहर जाया करते थे।"

"हाँ, लेकिन हर रात वे उस बाग के द्वार पर किसी का इंतज़ार करते रहे होंगे! सारी घटनाओं से तो यही लगता है कि वे उस सुनसान जगह पर जाने से भी बचते रहे होंगे। लेकिन उस रात वे वहाँ किसी का इंतज़ार कर रहे थे। और यह लंदन जाने से ठीक एक रात पहले की बात है।"

होम्स अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए। दिशा का संकेत अस्पष्ट था।

"हालात सुधर रहे हैं, वॉटसन। कंपनी मज़बूत हो रही है। मोर्टिमर और सर हेनरी कल सुबह आ रहे हैं। तब तक, आइए हम अपने विचारों को थोड़ा आराम दें। मुझे मेरा वायलिन दीजिए।"

कुछ ही समय में कमरे से धुआं पूरी तरह से छंट गया और कमरा होम्स के वायलिन की मधुर धुनों से भर गया।

४

सुबह जल्दी नाश्ता करने के बाद, हम तैयार होकर इंतज़ार करने बैठ गए। ठीक दस बजे दरवाज़े की घंटी बजी। मॉर्टिमर और सर हेनरी बास्करविल दरवाज़े पर खड़े थे। सर हेनरी बास्करविल की उम्र शायद तीस के आसपास थी। धूप में खुले में काम करने से उनका पतला शरीर सुडौल हो गया था और लाल सूट ने उन्हें आकर्षक बना दिया था। घनी भौहें और जिज्ञासा से भरी गहरी आँखें उनके सांवले चेहरे की शोभा बढ़ा रही थीं। उनकी निगाहें स्थिर थीं। उनके चेहरे पर सौम्य विनम्रता झलक रही थी।

"ये सर हेनरी बास्करविल हैं," मोर्टिमर ने अपना परिचय दिया।

"जी हाँ..." होम्स के शब्दों के कुछ ही क्षणों बाद, हेनरी बास्करविल ऊँची आवाज़ में बोलने लगे। उनके भाषण में ज़रा भी बनावटी औपचारिकता नहीं थी। खुले स्वर में, मानो वे किसी घनिष्ठ मित्र से बात कर रहे हों, जिनसे वे लंबे समय बाद मिले हों, उन्होंने कहा, "मैं आपको बता दूँ, श्रीमान होम्स, अगर डॉ. मोर्टिमर मुझे आपके पास न लाते, तो मैं स्वयं आकर आपसे मिलता। हे भगवान! आप कितने लोकप्रिय हैं! मैंने सुना है कि आपको पहेलियाँ सुलझाने का बहुत शौक है। श्रीमान होम्स, आज सुबह मेरे सामने एक ऐसी पहेली आई है जिसे सुलझाने की मेरी बुद्धि नहीं है। सचमुच! हे भगवान!"

होम्स को उनकी बार-बार "हे भगवान!" कहने की आदत पर हंसी आ गई। हल्की मुस्कान के साथ, उन्होंने अपने विशिष्ट ब्रिटिश अंदाज़ में कहा, "स्वागत है, सर हेनरी।" जब वे अंदर आए, तो उन्होंने उन्हें बैठने का इशारा किया। "आराम से बैठिए। मुझे लगता है, सर हेनरी, लंदन आने के बाद से आपको कुछ खास अनुभव हुए हैं।"

"उम... ये कोई खास बात नहीं है। कोई मज़ाक कर रहा होगा। असल में, मुझे इसे नज़रअंदाज़ कर देना चाहिए था। लेकिन मैं आपको बता रहा हूँ क्योंकि मैं देखना चाहता हूँ कि आप इस पहेली को कैसे सुलझाते हैं। मुझे होटल में एक चिट्ठी मिली। बस आज सुबह ही। ये कैसी चिट्ठी है? बस एक छोटा सा नोट है। हे भगवान!"

उन्होंने अपने लाल कोट की जेब से एक लिफाफा निकाला और उसे मेज पर रख दिया। हम सब उसे देखने के लिए उत्सुकता से आगे झुक गए। हमेशा की तरह वही सादा धूसर लिफाफा था। उस पर बेढंगी लिखावट में सर हेनरी बास्करविले, नॉर्थम्बरलैंड होटल का नाम और पता लिखा था। पत्र पर चैरिंग क्रॉस डाकघर की मुहर लगी थी और पिछले दिन की तारीख भी अंकित थी।

"किसे पता था कि आप नॉर्थम्बरलैंड होटल में ठहरे हुए हैं?" होम्स ने ध्यान से देखते हुए पूछा।

"हम्म? किसी को नहीं, और इससे पहले किसी को भी यह पता नहीं हो सकता था। क्योंकि वहाँ रुकने का फैसला कल मॉर्टिमर से मिलने के बाद ही लिया गया था।"

"लेकिन मॉर्टिमर तो पहले से ही वहां रहता है, है ना?"
"नहीं। मैं कल यहाँ अपने एक दोस्त के साथ रुका हुआ था," मोर्टिमर ने कहा। "सर हेनरी ने कल वाटरलू स्टेशन पर तय किया कि वह कहाँ रुकेंगे।"
"जी हां, सर हेनरी, इसका मतलब है कि कोई आपकी हर हरकत पर नज़र रख रहा है। कोई इस बात में बहुत दिलचस्पी ले रहा है कि आप कहां जाते हैं और क्या करते हैं।" यह कहते हुए होम्स ने लिफाफा खोला। उन्होंने उसमें से चार तहों वाला एक कागज़ निकाला। उन्होंने उत्सुकता से उसे देखा और मेज पर फैला दिया। आधे मूर्ख की आंख के आकार के उस कागज़ पर, बीच में छपे हुए कागज़ की छोटी-छोटी पट्टियां चिपकी हुई थीं। हर पट्टी पर कुछ शब्द लिखे थे और उन्हें जोड़ने पर एक वाक्य बनता था: "अगर आपको अपनी जान की परवाह है, तो मलराना से दूर रहें।"
हॉल में सन्नाटा छा गया। सब लोग मेज पर रखे पत्र को घूर रहे थे। लिखावट भले ही साफ-सुथरी न हो, लेकिन उसमें रचनात्मकता जरूर झलकती थी। 'मलराना से' शब्द सिर्फ स्याही से लिखे गए थे। बाकी सब नकली था।
"हे भगवान!" हेनरी की आवाज़ में ज़रा भी डर नहीं था! बल्कि बहुत जिज्ञासा थी। "क्या आप मुझे बता सकते हैं कि इसका क्या मतलब है? मेरी जान को लेकर इतना चिंतित कौन है?" हेनरी ने अभी तक इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया था।
"कम से कम अब तो ऐसा नहीं लगता कि इसमें किसी अलौकिक शक्ति या किसी प्रकार के जादू-टोने का हाथ है," होम्स ने धीरे से कहा और मॉर्टिमर की ओर अर्थपूर्ण नजर डाली।
मोर्टिमर अपनी लंबी उंगलियों से सिगरेट बनाने में व्यस्त था। वह एक पल के लिए रुका और होम्स की ओर देखे बिना इशारे से बोला, "हाँ। लेकिन जिन लोगों से यह पत्र आया है, उन्हें इसके बारे में सब पता होगा, श्रीमान होम्स।" और उसने अपने हाथ में मौजूद तंबाकू को एक कागज़ की नली में भरना शुरू कर दिया।
हेनरी, इस बातचीत का संदर्भ न जानते हुए, बेचैन होने लगा। उन दोनों को देखते हुए उसने ऊँची और स्पष्ट आवाज़ में पूछा, "क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या हो रहा है, श्रीमान होम्स? किस तरह का जादू? कौन सी अमानवीय शक्ति? हे भगवान! आपको मुझे कुछ बताना होगा। यह मेरे बारे में है और मुझे नहीं पता कि क्या है। मुझे स्पष्ट-स्पष्ट बताइए, श्रीमान होम्स।"
"इतने घबराइए मत, श्रीमान हेनरी। इस कमरे से निकलने से पहले आपको सब कुछ पता चल जाएगा। हम अभी कुछ कागज़ात के बारे में बात कर रहे हैं। ये आपके बास्करविल परिवार के हैं। दरअसल, ये आपको पहले ही भेज दिए जाने चाहिए थे। तब आप हमारी बातचीत का अर्थ और

सार समझ जाते।" अचानक मेरी ओर मुड़कर होम्स ने पूछा, "वॉटसन, क्या आपके पास लंदन टाइम्स का कल का अंक है? आपने उसे कहाँ रखा है?"
"हां... लेकिन... क्या आप अभी अखबार पढ़ना चाहते हैं?" मैंने पूछा, हालांकि मुझे कुछ समझ नहीं आया था।
"हाँ। अभी। बस बीच वाला पन्ना निकाल दो। मैं मुखपृष्ठ पढ़ना चाहता हूँ।"
मैंने आह भरकर उठकर देखा। मैं होम्स के तौर-तरीकों से वाकिफ थी। मैंने टेंट के नीचे से कल का लंदन टाइम्स निकाला। मैंने बीच का पन्ना निकालकर उसे दे दिया। सर हेनरी और मोर्टिमर को भी इसका कोई अंदाजा नहीं था। होम्स का व्यवहार उनके लिए बिल्कुल नया था। वे एक-दूसरे को और होम्स को हैरानी से देखने लगे। होम्स की निगाहें संपादकीय के पन्नों पर तेज़ी से दौड़ रही थीं। उन्हें जो चाहिए था, वह मिल गया। उन्होंने अखबार पर खुशी से नज़र डाली, 'इंग्लैंड की खुली व्यापार नीतियां', और शीर्षक पढ़ा। "कल का संपादकीय उद्योग के बारे में है। क्या आपने इसे पढ़ा है? तो सुनिए।" हममें से किसी के हां या ना कहने का इंतज़ार किए बिना, होम्स ने ज़ोर से पढ़ना शुरू कर दिया।
“मौजूदा बाजार की स्थिति को देखते हुए, देश में नई आर्थिक नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है। यदि हम अपने व्यवसायों के विकास की दिशा तय करना चाहते हैं, तो नए विचारों को प्रोत्साहित करना होगा। जो लोग कल के भविष्य की परवाह करते हैं, वे आज के अवसरों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। खुली व्यापार नीतियों ने छोटे-बड़े सभी व्यवसायों के अस्तित्व और प्रगति की गारंटी दी है। वह दिन दूर नहीं जब हर उद्योग अपने पैरों पर खड़ा होगा और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देगा। सरकार सभी व्यापारियों से इन बदली हुई नीतियों का समर्थन करने की अपील कर रही है। किसी भी प्रकार की गलत सूचना से दूर रहें।”
होम्स ने कागज नीचे रख दिया। मेरी ओर देखते हुए उन्होंने कहा, “वॉटसन, इस बारे में तुम्हारा क्या कहना है?” अब उनकी आँखें चमक रही थीं। कागज को एक तरफ रखकर और हाथों को आपस में रगड़ते हुए उन्होंने पूछा, “यह बहुत अच्छी खबर है। क्या है, मॉर्टिमर?”
मोर्टिमर को कुछ समझ नहीं आया। उसने मुझे अजीब तरह से देखा, उलझन में। हेनरी ने भी ऐसा ही किया था। उसकी गहरी आँखों में होम्स के प्रति संदेह झलकने लगा था। उसके सामने पड़ा पत्र, कल का लंदन टाइम्स अखबार और अर्थशास्त्र पर संपादकीय पढ़ने के बाद होम्स की अचानक खुशी... इन सब में कोई समानता नहीं थी।
कुछ पल वैसी ही असहजता में बीत गए। फिर हेनरी ने किसी तरह बोलना शुरू किया, "नहीं... मेरा मतलब है, मुझे आर्थिक नीतियों वगैरह के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन श्रीमान होम्स, मुझे लगता है कि हम अपने मूल विषय से थोड़ा भटक गए हैं। मुझे जो पत्र मिला है..."

"श्रीमान हेनरी, आपका ऐसा सोचना स्वाभाविक है, क्योंकि आप मेरी अध्ययन पद्धतियों से परिचित नहीं हैं। वॉटसन तो इनसे भली-भांति परिचित हैं। लेकिन ऐसा लगता है मानो आज वॉटसन को खुद कुछ समझ नहीं आया। क्या, वॉटसन? क्या आपको इस प्रस्तावना का महत्व समझ में आया?"

"हम्म? सच कहूँ तो? मुझे भी इस पत्र और खबर के बीच कोई संबंध नहीं दिख रहा," मैंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया। "होम्स, उस शीर्षक का पत्र से क्या लेना-देना है?"

"वॉटसन, तुम क्या कर रहे हो? अरे, मैं तो इस पत्र को बहुत देर से पढ़ रहा हूँ। क्या तुमने इस प्रस्तावना में 'अगर', 'स्वयं', 'आत्मा', 'परवाह', 'अगर', 'तो', 'दूर', 'ठहरना' जैसे शब्द नहीं सुने?"

हॉल में कुछ पल के लिए सन्नाटा छा गया। सभी ने उस अंश को याद किया और उसे दोबारा देखा। पत्र उनके सामने मेज पर पड़ा था। उस पर छपे हुए कागज़ के टुकड़ों को चिपकाकर एक वाक्य बनाया गया था, 'अगर आपको अपनी जान की परवाह है, तो मलराना से दूर रहें।' पत्र और लंदन टाइम्स में कागज़ के टुकड़ों पर लिखे अक्षरों का फ़ॉन्ट एक जैसा था।

"हे भगवान!" हेनरी की चीख ने सन्नाटा तोड़ दिया। उसकी आँखें चौड़ी हो गई थीं। उसकी घनी भौहें दूर-दूर फैली हुई थीं। वह मेज पर रखे पत्र और लंदन टाइम्स के पन्ने को ऐसे देख रहा था मानो कोई जादुई वस्तु देख रहा हो।

"जी हां। यह पत्र इस लेख के शब्दों को काटकर कागज पर चिपकाकर तैयार किया गया है। अगर आपको और सबूत चाहिए तो ध्यान से देखिए। लंदन टाइम्स का कागज और इन लेखों में इस्तेमाल किया गया कागज एक ही प्रकार का है। इसके अलावा, 'यदि संभव हो' और 'दूर रहो' जैसे शब्दों को हूबहू काटकर चिपकाया गया है।"

सब कुछ कहने के बाद, होम्स आराम से पीछे झुक गए और धीरे से मुस्कुराए, जैसे कोई संगीतकार सिम्फनी के अंत में कमर झुकाकर अभिवादन करता है। उन्हें हमारी प्रतिक्रिया सुनने की कोई जल्दी नहीं थी। उन्होंने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा और अपने विचारों में खो गए।

अचानक हेनरी उछल पड़ा और बोला, "यह... यह कल्पना से परे है।" उसकी आँखों में आँसू भर आए थे, उसके शब्द खो गए थे। वह बस यही कहता रहा, "हे भगवान, हे भगवान।" उसने होम्स की बुद्धि का चमत्कार पहली ही मुलाकात में देख लिया था।

मोर्टिमर खड़े हो गए, "कोई कह सकता है कि यह पत्र किसी अखबार से काटकर निकाला गया है। लेकिन यह पता लगाना नामुमकिन है कि यह कौन सा अखबार है, किस दिन का है और किस लेख से लिया गया है। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। श्री होम्स, आप यह सब कैसे कर लेते हैं?"

होम्स ने अपने सिर पर उंगली फेरते हुए कहा, "डॉक्टर, क्या आप मेरी खोपड़ी और एक नीग्रो की खोपड़ी के बीच अंतर बता सकते हैं?"
"बिल्कुल।"
"आख़िर कैसे?"
"यह मेरा शौक है। यह मेरा अध्ययन विषय है। आपकी खोपड़ी की बनावट, उसकी स्थिति, आपके सिर की गोलाई, आँखों के सॉकेट के बीच की दूरी, ये सब एक नीग्रो से बहुत अलग होंगे। मुझे यह अंतर बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई देता है..." मॉर्टिमर उत्साह से बोलने लगा। होम्स ने अपने पसंदीदा विषय पर बोलना शुरू कर दिया था। लेकिन होम्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "डॉक्टर मोर्टिमर, यही तो मेरा शौक है। जिस तरह आप खोपड़ियों में फर्क कर सकते हैं, उसी तरह मैं दो छपाई के बीच फर्क कर सकता हूँ। हर अखबार की छपाई अलग होती है। यहाँ तक कि उनकी स्याही भी अलग होती है। लिखावट का अध्ययन जासूसों के लिए बहुत बुनियादी बात है। बेशक, भविष्य में यह अध्ययन का एक महत्वपूर्ण विषय होगा। यह गहन अवलोकन और बड़ी कठिनाई का विषय है। जब मैं बहुत छोटा था, तो एक मामले में मैंने इस फर्क को न पहचानने की गलती की थी। मैं दो अखबारों, लीड्स मर्करी और वेस्टर्न मॉर्निंग न्यूज़ की छपाई में उलझ गया था। लेकिन लंदन टाइम्स की छपाई बिल्कुल अलग होती है। इसे कहीं भी पहचाना जा सकता है। मैंने हमेशा पहचाना कि पत्र में लिखे शब्द लंदन टाइम्स के थे। चूंकि पत्र कल का था, इसलिए बहुत संभव था कि इसे कल के अंक से काटा गया हो।"
"हे भगवान!" हेनरी अभी तक संभल नहीं पाया था। वह भी अब इस संभावना से उत्साहित हो गया था। "श्री होम्स, मैं आपकी विधि का उपयोग करके बता सकता हूँ कि ये टुकड़े बहुत बारीक कैंची से काटे गए थे।"
होम्स ने कहा, “कील काटने वाले यंत्र से, प्रत्येक टुकड़े के किनारे को देखो। यह गोल है। यह छोटा है, लेकिन कैंची से काटे गए टुकड़ों की तरह सीधा नहीं है, और इन दो शब्दों वाले बड़े टुकड़ों को देखो। वे टुकड़े जिन पर 'यदि' और 'दूर रहो' लिखा है। वहां कील काटने वाले यंत्र का दो बार इस्तेमाल करना पड़ा है।”
"किसी ने इन टुकड़ों को नेल कटर से काटा और गोंद से इस बड़े कागज पर चिपका दिया..."
"इसे गोंद से नहीं, बल्कि चाक से चिपकाया गया था। इसके चारों ओर चाक के दाग साफ दिखाई दे रहे हैं। यह कारीगरी बिल्कुल भी साफ-सुथरी नहीं है।"
"लेकिन फिर, पत्र में 'मलराना से' शब्द इतनी स्याही से क्यों लिखा गया है?"
"क्योंकि उन्हें वह शब्द नहीं मिला। अखबार में 'मलराना से' शब्द ढूंढना थोड़ा मुश्किल है, सर हेनरी।"

"हे भगवान! जी हाँ," हेनरी ने कहा, "क्या आप इस पत्र से कोई और निष्कर्ष निकाल सकते हैं, श्री होम्स?"

"हाँ, बहुत से लोग हैं। इस पत्र के लेखक ने अपने निशान मिटाने की बहुत कोशिश की है। लिफाफे पर पता अजीब लिखावट में लिखा है। लंदन टाइम्स कोई ऐसा अखबार नहीं है जो आसानी से सड़कों पर मिल जाए। इसे केवल उच्च वर्ग के शिक्षित लोग ही पढ़ते हैं। एक शिक्षित व्यक्ति ने इसके शब्दों का इस्तेमाल करते हुए यह पत्र लिखा है, लेकिन वह इसे अशिक्षित दिखाने की कोशिश कर रहा है। और सर हेनरी, यह पत्र उनकी अपनी लिखावट में इसलिए नहीं लिखा गया है क्योंकि आप उनकी लिखावट पहचान सकते हैं या पता लगा सकते हैं कि यह किसकी लिखावट है। एक और बात। देखिए ये शब्द कितने टेढ़े-मेढ़े तरीके से चिपकाए गए हैं। ये सीधी रेखा में नहीं हैं। 'जीवन' शब्द रेखा के ऊपर चला गया है, 'दूर रहो' शब्द नीचे खिसक गए हैं। जिसने भी यह किया है वह बहुत लापरवाह और जल्दबाज़ी में रहा होगा। लेकिन मुझे लगता है कि दूसरी संभावना अधिक है। एक शिक्षित और कुलीन व्यक्ति, जिसने जीवन के लिए इतने बड़े खतरे की चेतावनी देने वाला इतना महत्वपूर्ण पत्र लिखा, वह इतना जल्दबाज़ी में कैसे हो सकता है? उसने ऐसा जल्दबाज़ी वाला काम ज़रूर किया होगा।" लेकिन फिर सवाल उठता है कि उन्हें इतनी जल्दी क्यों थी? अगर चिट्ठी डाक से भी भेजी जाती, तो होटल छोड़ने से पहले ही सर हेनरी तक पहुँच जाती। तो फिर इतनी जल्दी क्यों? क्या उन्हें इस काम के बीच में रुकावट आने का डर था? किस तरह की रुकावट?

"मिस्टर होम्स, अब हम भौतिक साक्ष्यों के दायरे से निकलकर तर्क और कल्पना के दायरे में प्रवेश कर रहे हैं," मोर्टिमर ने संदेहपूर्वक कहा।

"मोर्टिमर, यह कल्पना का वैज्ञानिक उपयोग है। कल्पना के क्षेत्र में, मैं हर संभावना की वास्तविकता से तुलना करने का प्रयास करता हूँ। इसी आधार पर मैं शोध की दिशा निर्धारित करता हूँ। मोर्टिमर, मैं आपको एक और संभावना बताता हूँ, यह पत्र किसी होटल में बैठकर लिखा गया था।"

मोर्टिमर ने होम्स की ओर देखा और पूछा, "होटल में? किससे?"

"अगर तुम ध्यान से देखोगे, तो तुम्हें पता चल जाएगा, मोर्टिमर," होम्स ने उसे गौर से देखते हुए कहा। “पत्र में केवल एक ही शब्द है, ‘फ्रॉम द मूर’, जो हाथ से लिखा गया है। लेकिन यह भी एक गलती है। कलम खराब थी। और ‘सर हेनरी बास्करविल, नॉर्थम्बरलैंड होटल’। ऐसा पता लिखने में स्याही तीन बार खत्म हो चुकी है। स्याही की दवात में बहुत कम स्याही बची होगी। हमारे दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली कलम और स्याही की दवात इतनी खराब नहीं होतीं। और इतना महत्वपूर्ण पत्र लिखते समय, ये दोनों चीजें एक साथ खराब हो जाएं, यह संभव नहीं है।

लेकिन होटल में इससे बेहतर व्यवस्था हो ही नहीं सकती। वॉटसन, अगर हम चारिंग क्रॉस जिले के सभी होटलों के कूड़ेदानों को पलट दें, तो हमें लंदन टाइम्स मिल जाएगा जिसमें से ये कतरनें कटी हुई होंगी। इस आधार पर हम इस पत्र के प्रेषक को तुरंत पकड़ सकते हैं।" "बेशक, मुझे पता है कि ऐसा करना कितना मुश्किल है।" होम्स ने बोलते हुए पत्र को अपनी आंखों के पास रखा। उनकी नाक के नथुने फूल गए। "ओह, ओह!" वह अचानक चिल्लाए और पत्र को मेज पर पटक दिया। खड़खड़ाहट। उसे कोई और महत्वपूर्ण चीज मिल गई होगी।

"क्या?"

"उम... नहीं... कुछ नहीं। कागज के खाली हिस्से पर कोई वॉटरमार्क या कोई निशान नहीं है। मुझे लगता है कि इस पत्र से हमें सब कुछ पता चल गया है। सर हेनरी, लंदन आने के बाद से क्या कोई और महत्वपूर्ण घटना घटी है?"

"उम... कुछ खास नहीं। क्यों?"

"क्या आपको कभी ऐसा लगा है कि कोई आप पर नज़र रख रहा है?"

"हे भगवान," हेनरी ने व्यंग्यपूर्वक सोचा, "मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं किसी जासूसी उपन्यास का नायक हूँ। क्या पत्र है, क्या पीछा करने वाला है। आखिर कौन मेरा पीछा कर रहा होगा?"

"हम उस बिंदु पर पहुँचने ही वाले हैं, सर हेनरी। इससे पहले कि हम वहाँ पहुँचें, मुझे बताइए, जब से आप लंदन आए हैं, क्या कोई उल्लेखनीय घटना घटी है?"

"यह इस बात पर निर्भर करता है कि 'विशेष' से आपका क्या तात्पर्य है, श्री होम्स।"

"कोई भी असामान्य घटना खास होती है। अगर ऐसी कोई घटना पहले भी घटी हो, तो मुझे बताओ, चाहे वह कितनी भी मामूली और बेतुकी क्यों न लगे," होम्स ने कहा।

हेनरी सोचने लगा, "मैंने अपना अधिकांश जीवन अमेरिका और कनाडा में बिताया है। मुझे नहीं पता कि इंग्लैंड में रोज़मर्रा की ज़िंदगी कैसी होती है। इसलिए मैं यह नहीं कह सकता कि यहाँ आने के बाद क्या खास है और क्या सामान्य है। लेकिन... मुझे लगता है कि यहाँ जूता खोना कोई आम बात नहीं है।"

"क्या आपका एक जूता खो गया है?"

"सर," मोर्टिमर ने जल्दी से बात काटते हुए कहा, "सर, आपका जूता शायद गलती से यहाँ छूट गया हो। होटल पहुँचते ही वह मिल जाएगा। मुझे नहीं लगता कि इस मामूली बात के लिए मिस्टर होम्स को परेशान करना उचित होगा।"

"हां, लेकिन उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ ऐसा बताओ जो हमेशा नहीं होता।'" मैंने उन्हें बताया।

"जी हां," होम्स ने कहा, "सर हेनरी, आपका जूता खो गया है, या जैसा कि मोर्टिमर कहते हैं, वह कहीं गलत जगह रख दिया गया था। ठीक है?"

"हाँ। मतलब, कल रात मैंने दोनों जूते दरवाजे के बाहर छोड़ दिए थे। सुबह मैं होटल वाले लड़के से उन्हें पॉलिश करवाने वाली थी। लेकिन जब मैंने सुबह देखा, तो उनमें से सिर्फ़ एक ही था। हे भगवान! वो लड़का तो बिल्कुल बेकार है। मैंने ये जूते कल ही खरीदे थे। और मैंने इन्हें एक बार भी नहीं पहना था। ये एकदम नए थे।"
"नए, नंगे जूते। आपको उन नए जूतों को पॉलिश करने की क्या ज़रूरत थी जिन्हें कभी पहना ही नहीं गया था?"
"मिस्टर होम्स, वो बूट्स सिर्फ़ टैन किए हुए चमड़े के थे। टैन चमड़ा। भूरे रंग के। जब मैंने उन्हें खरीदा था तब उन पर पॉलिश नहीं हुई थी। यह उनकी पहली पॉलिश होती। इसीलिए मैंने उन्हें बाहर रखा था।"
"लेकिन आपने लंदन में नए जूते खरीदे? क्यों?"
"श्री होम्स, आप जानते हैं कि हमारे अमेरिका में लोग पहनावे पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। लेकिन इंग्लैंड में ऐसा नहीं है। यहाँ जीवन स्तर, पहनावा और औपचारिक रीति-रिवाज बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें सामाजिक प्रतिष्ठा का हिस्सा माना जाता है। इसलिए उन्होंने बहुत सी चीजें खरीदीं। उनमें ये जूते भी थे। ये छह डॉलर में खरीदे गए थे और इन्हें पहले कभी नहीं पहना गया था।"
"सर हेनरी, उस चोर को आपका इकलौता जूता चुराने से क्या फायदा होगा?" होम्स ने कहा। "मोर्टिमर की तरह, मुझे लगता है कि आपको वह जल्द ही मिल जाएगा।"
"और अब मुझे लगता है," हेनरी ने जल्दबाजी में कहा, "मैंने आपको सारी जानकारी दे दी है, सारी घटनाएँ जो घटी हैं, सब कुछ। अब कम से कम मैं समझ सकता हूँ कि यह कैसा होता है?"
"जी जनाब, मुझे आपको सब कुछ बताना होगा," मोर्टिमर ने विनम्रता से कहा और अपनी जेब से बास्करविल परिवार के कागजात फिर से निकाले। उन्होंने हेनरी को वे कागजात एक बार फिर पढ़कर सुनाए। उन्होंने अखबार की रिपोर्ट भी पढ़ी और होम्स के अनुमानों के बारे में बताया। हेनरी सब कुछ बहुत ध्यान से सुन रहा था। बीच-बीच में वह "हे भगवान!" कह देता था। उसके बाद काफी देर तक सन्नाटा छा जाता था।
"तो मैं बास्करविल परिवार की विशाल संपत्ति का वारिस हूँ, और बास्करविल हॉल में मेरी जान खतरे में है।" हेनरी ने बिल्कुल सटीक बात कही। "मैंने बचपन से ही, यहाँ तक कि स्कूल में भी, हाउंड की कहानियाँ सुनी हैं। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तब मुझे इनका मतलब ठीक से समझ नहीं आया था। मेरे चाचा की रहस्यमय मौत के बाद, ये कहानियाँ फिर से ज़िंदा हो गई हैं। क्या मैं इस मामले को पुलिस के पास ले जाऊँ या जादूगर के पास, तुम तो दुविधा में हो। है ना, मॉर्टिमर?" हेनरी पूरी स्थिति को अच्छी तरह समझ गया था।

"बिल्कुल।"
और यह पत्र इस गड़बड़ी की नवीनतम कड़ी है!
"बास्करविले हॉल और उसके आसपास के सुनसान इलाकों में होने वाली हर गतिविधि से मैं किसी और से कहीं अधिक अवगत हूं।" - मोर्टिमर।
"और फिर भी वह 'कोई' आपके जीवन पर नजर रख रहा है। आपको खतरे से आगाह कर रहा है।" होम्स।
"या मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं।" हेनरी।
"हां। इसलिए, आपको अपनी जान जोखिम में डालकर भी बास्करविले हॉल जाने या न जाने का फैसला करना होगा।"
मुझे वहां क्यों नहीं जाना चाहिए?
"खतरा..."
"किससे? किसी भूत से या किसी इंसान से?"
"हमें यही पता लगाना होगा," होम्स ने कहा।
"जो भी हो। मेरा जवाब अटल है। मैं वहाँ जाऊँगा। बास्करविल हॉल मेरा असली घर है। मेरे पूर्वज पीढ़ियों से वहाँ रहते आए हैं।" बास्करविल परिवार के अंतिम वंशज ने परिवार के जोश को पूरी तरह आत्मसात कर लिया था। हेनरी सीधा खड़ा हो गया। मानो वह किसी चुनौती को स्वीकार कर रहा हो। "हे भगवान! मैं भूतों जैसी बकवास बातों पर विश्वास नहीं करता। चाहे कुछ भी हो जाए। मैं वहाँ जाऊँगा। मैंने मन बना लिया है।" बोलते ही हेनरी का चेहरा लाल हो गया। उसकी आवाज़ तेज़ हो गई। उसकी घनी भौहें सिकुड़ गईं। वह एक पल के लिए मेज पर हाथ जोड़े, बिना हिले-डुले खड़ा रहा, पत्र और पारिवारिक कागजात देखता रहा। किसी तरह उसने खुद को संभाला और बोला, "फिर भी, मैं यह भी समझता हूँ कि इतनी जल्दी कोई फैसला लेने का कोई मतलब नहीं है। मुझे अभी-अभी पूरी स्थिति समझ में आई है। मैं होटल जाकर सब कुछ फिर से सोचूँगा। श्रीमान... श्रीमान होम्स, अभी तो केवल साढ़े ग्यारह बजे हैं। क्या आप और डॉ. वॉटसन आज मेरे साथ रात के खाने पर आ सकते हैं? इस तरह हम और विस्तार से बात कर सकते हैं।"
होम्स ने मेरी ओर मुड़कर पूछा, "क्या आपके लिए आना संभव है, वॉटसन?"
"हां बिल्कुल।"
"तो फिर कोई समस्या नहीं है, सर हेनरी। हम ठीक दोपहर दो बजे वहाँ पहुँच जाएँगे। क्या हम अभी आपके लिए होटल तक जाने के लिए किसी वाहन का इंतजाम कर दें?"

"नहीं, नहीं। मैं बस टहल लूँगी। मेरे दिमाग में विचारों का बवंडर चल रहा है। टहलने से मुझे थोड़ा हल्का महसूस होगा।"
"मैं तुम्हारे साथ चलूंगा," मोर्टिमर ने अपनी छड़ी उठाते हुए कहा।
“बहुत अच्छा,” होम्स ने अपनी कुर्सी से उठते हुए कहा। “दोपहर में मिलते हैं। अलविदा।”
लकड़ी की सीढ़ियों से उतरते समय उनके कदमों की आहट धीमी होती गई। फिर मुख्य द्वार के बंद होने की आवाज़ आई। होम्स, जो अब तक औपचारिक सौम्यता से पेश आ रहे थे, उस आवाज़ को सुनकर अचानक बदल गए। अब वे एक 'कार्यशील व्यक्ति' बन गए थे। उनकी हरकतें तेज़ हो गई थीं।
"वॉटसन। हमारे पास समय नहीं है। जल्दी से अपनी टोपी और जूते पहन लो।" वह ड्रेसिंग रूम में भागा। कुछ ही पलों में जब वह बाहर आया, तो उसने काला फ्रॉक कोट पहन रखा था। हम जल्दी से सीढ़ियों से नीचे उतरे और सड़क पर आ गए। मॉर्टिमर और सर हेनरी ज़्यादा दूर नहीं गए थे। वे हमसे दो सौ गज आगे ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट की ओर चल रहे थे।
मैंने होम्स की ओर देखते हुए पूछा, "क्या मैं दौड़कर उन्हें रोकूँ?"
"धैर्य रखो, वॉटसन, धैर्य रखो। वे दोनों समझदार हैं। और आज चलने के लिए हवा वाकई बहुत अच्छी है।"
होम्स ने अपनी गति बढ़ा दी। कुछ ही मिनटों में हेनरी-मोर्टिमर और हमारे बीच की दूरी और भी कम हो गई। लगभग आधी। हम उनके पीछे-पीछे, एक सौ एक गज की दूरी पर, हलचल भरी ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट की ओर चल पड़े। रीजेंट स्ट्रीट चौराहे को पार करते हुए वे एक दुकान के पास से दबे पांव गुजरे। मानो वे खिड़की से सामान देख रहे हों, उन्होंने दुकान की खिड़की में कुछ देखा। उनके गुजरने के बाद, हम भी वहीं गए। होम्स ने खिड़की में झांकते हुए हल्की सी मुस्कान दी। ऐसा लग रहा था मानो जो कुछ उन्होंने अनुमान लगाया था, वही हो रहा था। वह बहुत ध्यान से चारों ओर देख रहे थे। सड़क के दूसरी ओर खड़ी एक दो पहियों वाली बग्गी धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। उसके पीछे एक आदमी बैठा था।
अचानक होम्स ने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया और मुझे चेतावनी दी। "वॉटसन," होम्स ने मेरे कान में फुसफुसाया। "यही वह आदमी है जिसे हम ढूंढ रहे हैं। अब हम कुछ नहीं कर सकते। आइए हम उस पर कड़ी नज़र रखें।"
और उसी क्षण अंदर बैठा आदमी और हम नज़र आने लगे। उसकी घनी दाढ़ी थी। बग्गी की छोटी खिड़की से केवल उसका चेहरा ही दिखाई दे रहा था। खिड़की अचानक ज़ोर से बंद हो गई। अंदर से उसे ड्राइवर को चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। और फिर घोड़ों की पीठ चरमराने लगी। बग्गी ने रफ़्तार पकड़ ली और सड़क पर चल रहे वाहनों की परवाह किए बिना रीजेंट

स्ट्रीट की ओर तेज़ी से बढ़ गई। होम्स ने दूसरी बग्गी की तलाश की, लेकिन कोई खाली नहीं थी। बिना सोचे समझे होम्स भीड़ में घुस गया और बग्गी के पीछे दौड़ने लगा। लेकिन वह बहुत तेज़ थी। कुछ ही कदमों में उसने पीछा करना छोड़ दिया। बग्गी दूर भीड़ में गायब हो गई।
"ओह!" होम्स हांफते हुए बोला। सड़क पर ट्रैफिक देखकर वह परेशान हो गया था। "बच निकला। बदकिस्मती। और इसके लिए हमारी अपनी गलतियां ही जिम्मेदार हैं। और क्या!" वह बहुत चिढ़ गया था। "वॉटसन, जब तुम इस केस के बारे में लिखो, तो मेरी गलती और नाकामी के बारे में लिखना मत भूलना। तुम हमेशा मेरी इतनी तारीफ करते हो," उसने खुद को कोसते हुए कहा।
"वह कौन था?"
"पक्का नहीं कह सकते।"
"जासूस कौन है?"
होम्स ने अब अपनी सांसों पर काबू पा लिया था। "जब से हेनरी बास्करविल लंदन आया है, कोई उस पर कड़ी नज़र रख रहा है। उसकी हर हरकत पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, उन्हें कैसे पता चला होगा कि वह नॉर्थम्बरलैंड होटल गया था? और अगर पहले दिन उस पर जासूसी हुई थी, तो दूसरे दिन भी हुई होगी। आपने गौर किया होगा कि जब मॉर्टिमर हेनरी को ह्यूगो बास्करविल की कहानी सुना रहा था, तब मेरी नज़र खिड़की के बाहर सड़क पर टिकी हुई थी।"
‘‘हो.’’
मैं देख रहा था कि कहीं कोई सड़क पर दबे पांव तो नहीं चल रहा, या इधर-उधर तो नहीं घूम रहा, या ऐसा कुछ तो नहीं। मुझे कोई नहीं दिखा। वॉटसन, जिससे हम अभी मिलने वाले हैं, बहुत चालाक और बुद्धिमान है। मामला गंभीर है। जब तक हमें रस्सियाँ नहीं मिल जातीं, हम कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कह सकते। अभी यह कहना मुश्किल है कि कौन अच्छा है और कौन बुरा। जैसे ही ये दोनों उतरे, हम तुरंत उनके पीछे-पीछे निकल गए। मैंने सोचा था कि इससे देखने वालों को उन्हें देखने का मौका मिल जाएगा। लेकिन उन्हें पहले ही अंदाजा हो गया होगा। दाढ़ी वाला आदमी पहले से ही बग्गी में था। उसने पहले से ही ऐसी व्यवस्था कर रखी थी कि अगर उसे पीछा करते हुए दबे पांव चलना पड़े, तो उसे कोई देख न सके और चाहे उसे कितनी भी तेज़ी से जाना पड़े, उसे कोई रोक न सके। अगर ये दोनों हमारे रास्ते से हट जाते, तो उसके पास एक बग्गी तैयार होती। बेशक, उसकी योजना में एक छोटी सी बाधा आ गई।
"हां। वही बग्गी चला रहा था। गति पर उसका ही नियंत्रण था।"
"बिल्कुल।"

"ओह, हमने उस बग्गी का नंबर ध्यान से नहीं देखा," मैंने कहा, और मुझे अपनी एक और गलती का एहसास हो गया।
होम्स ने सीधे मेरी ओर देखते हुए कहा, "2704," और मुझे बग्गी का नंबर बताया। "वॉटसन, क्या तुम्हें सच में लगता है कि मैं जल्दबाजी में बग्गी का नंबर देखना भूल गया? '2704' ही वो बग्गी है जो हमें चाहिए। उसका ड्राइवर हमें जानकारी दे सकता है। लेकिन अभी उस जानकारी का कोई उपयोग नहीं है।"
मैं होम्स को देखता रहा। उनकी बारीकी से देखने की आदत मेरे लिए कोई नई बात नहीं थी। लेकिन हर बार उनके लिए मेरे मन में सम्मान की भावना बढ़ती जाती थी। मैं खुद को रोक नहीं पाया और उनसे पूछा, "उस दाढ़ी वाले आदमी को देखकर अब हलचल मच गई है। लेकिन अगर योजना विफल न हुई होती तो हम आगे क्या करते?"
"मुझसे थोड़ी सी गलती हो गई। दरअसल, मुझे बग्गी देखते ही वहां से निकल जाना चाहिए था। तब मैं दूसरी बग्गी पकड़कर सुरक्षित दूरी से उसका पीछा कर सकता था। या फिर मैं सीधे नॉर्थम्बरलैंड होटल जाकर चुपचाप इंतजार कर सकता था। मैं उन्हीं पर पलटवार कर सकता था। लेकिन जल्दबाजी में मैंने एक बेहतरीन मौका गंवा दिया।"
मोर्टिमर और हेनरी दूर जाकर गायब हो गए। हम रीजेंट स्ट्रीट पर धीरे-धीरे चलने लगे। होम्स के मन में लगातार विचार चल रहे थे। वह ऐसे चल रहा था मानो किसी निश्चित गंतव्य की ओर जा रहा हो।
"अब उनका पीछा करने का कोई फायदा नहीं है। गार्ड जा चुके हैं। वे निश्चित रूप से वापस नहीं आएंगे। अब अगली चाल के बारे में सोचते हैं। क्या तुम्हें बग्गी में बैठे उस आदमी का चेहरा याद है?"
"आह। मैंने अभी-अभी पूरी दाढ़ी देखी। ऐसी दाढ़ी जिसने पूरा चेहरा ढक रखा था। एक ऐसी दाढ़ी जिसके सिरे करीने से छंटे हुए और चौकोर आकार के थे।"
"हाँ... चौकोर कट। मैंने भी देखा था। और यह निश्चित रूप से नकली था। चिपकाया हुआ। ऐसे व्यक्ति को अपना असली चेहरा छुपाने की कोशिश करनी चाहिए। दाढ़ी इसके लिए बहुत काम आती है। है ना?" होम्स चलते-चलते एक जगह रुक गए, एक दफ्तर के बोर्ड को पढ़ते हुए बोले, "यहाँ।"
यह एक पेजिंग कंपनी का दफ्तर था। हम अंदर गए। मैनेजर से हाथ मिलाते हुए होम्स ने औपचारिक लहजे में कहा, "विलियम, आप कैसे हैं? याद है, मैंने ही आपके खिलाफ उस शर्मनाक मामले को सुलझाया था?"

"जी हां, जी हां, श्रीमान होम्स," विल्सन ने नाक सिकोड़ते हुए उठते हुए कहा, "आपकी दयालुता को कौन भूल सकता है? आपने मेरी प्रतिष्ठा बचाई। मेरी जान बच गई। बैठ जाइए।"
"मुझे याद है कि उस मामले में आपके बेटे कार्टराइट ने मेरी बहुत मदद की थी," होम्स ने विल्सन के सामने वाली कुर्सी पर बैठते हुए कहा। "वह बहुत ही होशियार लड़का था।"
"हां। वह अभी भी हमारे लिए काम करता है।"
"क्या आप कृपया उन्हें फोन कर सकते हैं? और हाँ, मुझे ये बचे हुए पाँच पाउंड दे दीजिए।"
होम्स
कुछ देर बाद चौदह-पंद्रह साल का एक लड़का विनम्रता से उपस्थित हुआ। नुकीली नाक और भावपूर्ण आँखों वाला वह लड़का उत्सुकता से होम्स को घूर रहा था। वह समझ नहीं पा रहा था कि प्रसिद्ध जासूस ने उसे क्यों बुलाया है। वह भी तो मेरे पास नहीं आया था।
“क्या मुझे होटलों की टेलीफोन निर्देशिका मिल सकती है?” होम्स ने विल्सन से होटल निर्देशिका ली और उसके पन्ने पलटने लगे। अब तक उन्हें पाँच पाउंड के नोट और एक शिलिंग के सिक्के भी मिल चुके थे। निर्देशिका के एक पृष्ठ पर रुककर उन्होंने कार्टराइट से कहा, “कार्टराइट, चारिंग क्रॉस के पास तेईस होटल हैं। आपको उनमें से हर एक में जाना चाहिए।”
‘‘हो सर.’’
"होटल के प्रत्येक सफाईकर्मी को इसका एक शिलिंग दिया गया था। ये लो, तेईस शिलिंग।"
‘‘हो सर.’’
"आप उनसे होटल में कल के कचरे में से अखबार मांगेंगे। खासकर कल का लंदन टाइम्स। आप कहेंगे कि आप उनकी जेब में एक महत्वपूर्ण टेलीग्राम वाला कागज भूल गए हैं और आपको वह वापस चाहिए। समझे?"
‘‘हो सर.’’
"लेकिन हमें जो अंक चाहिए, उसके बीच वाले पन्ने में कुछ छेद हैं। वहाँ का पाठ कटा हुआ है।" होम्स ने मेज के बगल वाली अलमारी के कोने में पड़े लंदन टाइम्स के अंक को खोलते हुए कहा, "देखो। यही वह पन्ना है जो हमें चाहिए। क्या तुम इसे पहचानते हो?"
"जी श्रीमान।"
"बाहर सफाई करने वाला हर बार आपको अंदर काम करने वालों के पास भेजेगा। उन्हें भी एक शिलिंग दी जाएगी। यह शिलिंग और तेईस शिलिंग और ले लीजिए। अब तेईस में से लगभग बीस जगहों पर वे आपको बताएंगे कि उन्होंने कूड़ा फेंक दिया है या जला दिया है। बाकी तीन-चार जगहों पर वे आपको कूड़े का एक बड़ा ढेर दिखाएंगे। उसमें से आपको लंदन टाइम्स का वह अंक ढूंढना होगा जो आपको चाहिए। काम कठिन है। यह श्रमसाध्य है। यह शिलिंग और दस

शिलिंग और रख लीजिए। मुसीबत के समय यह काम आएगी। शाम को बेकर स्ट्रीट पर मुझे तार भेजिए और काम की रिपोर्ट दीजिए।"

कार्टराइट अपनी इस अचानक मिली सफलता से बेहद खुश था। उसने शिलिंग जेब में रखे और चला गया।

"वॉटसन, अब हमें बस 2704 नंबर पर रहने वाले बग्गीवाले का पता लगाना बाकी है। हमें सर हेनरी के साथ ठीक दो बजे भोजन करना है। अब चलिए बॉन्ड स्ट्रीट चलते हैं। वहाँ चित्रों की प्रदर्शनी लगी है। चलिए उसे देखते हैं," होम्स ने शांत भाव से कहा। उन्हें कोई जल्दी नहीं थी।

५

शर्लक होम्स में कुछ समय के लिए अपना ध्यान दूसरी चीज़ों से हटाने की अद्‌भुत क्षमता थी। बॉन्ड स्ट्रीट स्थित आर्ट गैलरी में प्रवेश करते ही उन्होंने बास्करविल मामले को अपने दिमाग के एक कोने में रख दिया। होम्स बेल्जियम के कलाकारों द्वारा बनाई गई तस्वीरों को बड़े ध्यान से देख रहे थे। वे उनके बारे में बातें कर रहे थे। चित्रकला के प्रति उनकी समझ और ज्ञान अद्‌भुत था। प्रत्येक चित्र पर उनकी अपनी विशेष राय होती थी, जो वे नॉर्थम्बरलैंड होटल के रिसेप्शन काउंटर पर पहुँचते ही मुझे बता देते थे।

हमें अंदर आते देख होटल काउंटर पर मौजूद रिसेप्शनिस्ट तुरंत खड़ी हो गई और विनम्रता से बोली, "सर हेनरी आपका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आपको ऊपर ले जाने के लिए कहा है। क्या आप मेरे साथ आएंगे?"

"जी हां, बिल्कुल," होम्स ने कहा। लेकिन उनका ध्यान काउंटर पर रखे मोटे से रजिस्टर पर था। उस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा था, "नॉर्थम्बरलैंड होटल।" इसमें होटल में आने वाले लोगों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाता था। होम्स ने रजिस्टर को हाथ में लिया और उसे खोलते हुए कहा, "अगर मैं इस रजिस्टर को देख लूं तो आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी?"

उसने हाथ में मौजूद रजिस्टर खोलकर पढ़ते हुए यह सवाल पूछा। रिसेप्शनिस्ट के पास हां कहने के अलावा कोई चारा नहीं था। "जी नहीं महोदय। कोई बात नहीं," उसने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

हेनरी बास्करविले के बाद रजिस्टर में केवल दो नए नाम थे। एक थे न्यूकैसल के थियोफिलस जॉनसन, जो अपने परिवार के साथ नॉर्थम्बरलैंड होटल में ठहरे थे, और दूसरे थे हाई लॉज, ऑल्टन की श्रीमती ओल्डमोर, जिनके साथ एक नौकरानी थी।

"ओह, थियोफिलस जॉनसन। मैं जॉनसन नाम के एक वकील को जानता हूँ। मुझे लगता है कि वही हैं।" होम्स ने रिसेप्शनिस्ट से कहा, "क्या ये मिस्टर जॉनसन नहीं हैं? वो छड़ी लेकर चलते हैं, उनके बाल घुंघराले हैं, है ना?"

"नहीं महोदय, वह एक कोयला खदान के मालिक हैं। बहुत ही नेक इंसान हैं। हमेशा उत्साही रहते हैं। उनकी उम्र आपसे अधिक नहीं होगी।"

"सच में? ये उनका काम है? आप कुछ भी तो नहीं चूक रहे हैं ना?"

"सर, वे कई वर्षों से इस होटल में ठहर रहे हैं। हम उन्हें अच्छी तरह जानते हैं।"

"अच्छा, अच्छा... और हाँ, ये श्रीमती ओल्डमोर।" होम्स ने नाटकीय लहजे में कहा, "मुझे लगता है... मैंने इनका नाम कहीं सुना है। बहुत सारे सवाल पूछने के लिए माफ़ कीजिएगा। लेकिन... ये श्रीमती ओल्डमोर..." होम्स ने अपना सिर खुजाया और कुछ याद आने का नाटक किया।

"महोदय, ग्लूसेस्टर की मेयर उनकी पत्नी थीं। वह विकलांग हैं। हिंदू अकेले नहीं चल सकते। जब वे लंदन आते हैं, तो वे हमारे पास आते हैं।"
"क्या ऐसा है? धन्यवाद।" होम्स ने रजिस्टर वापस कर दिया।
हम दोनों रिसेप्शनिस्ट के पीछे-पीछे सीढ़ियों की ओर बढ़े। होम्स ने मुस्कुराते हुए मेरे कान में फुसफुसाया, ताकि रिसेप्शनिस्ट न सुन पाए, "मैंने ये दोनों नाम पहली बार पढ़े हैं। लेकिन हमें एक महत्वपूर्ण बात पता चली है, गार्ड वास्तव में इस होटल में नहीं उतरे हैं। हेनरी पर छुपकर नज़र रखी जा रही है। इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि हेनरी उन्हें न देख पाए। इससे हम यकीन से कह सकते हैं कि... ओह, जी हाँ... सर हेनरी। ये क्या है? क्या हुआ?"
होम्स अपना वाक्य पूरा कर पाते ही हम सबसे ऊपरी मंज़िल पर पहुँच गए। हेनरी ऊपरी गलियारे में स्थित कमरे के दरवाज़े पर गुस्से से काँप रहा था। आज सुबह के हेनरी और अब के हेनरी में ज़बरदस्त फ़र्क था। उसका चेहरा गुस्से से लाल था। उसके हाथ में एक पुराना, गंदा काला जूता था। वह इतना गुस्से में था कि बोलते समय उसके शब्द लड़खड़ा रहे थे। वह अमेरिकी लहजे वाली अंग्रेज़ी में चिल्ला रहा था। उसके सामने एक जर्मन वेटर सिर झुकाए खड़ा बातें कर रहा था।
"'तुम कमीने! क्या तुम होटल मालिक सोचते हो कि मैं बेवकूफ हूँ? मेरे साथ क्या मजाक कर रहे हो? हे भगवान! मैं एक-एक करके देखूंगा। अगर तुम्हें मेरा जूता नहीं मिला, तो देखो। यह होटल कल यहाँ नहीं रहेगा।"
"सर हेनरी, यह क्या है? क्या आपको अभी तक अपने जूते नहीं मिले?" होम्स ने पूछा।
"नहीं। और मैं उन्हें अब इस हालत में नहीं छोड़ूंगा।"
होम्स ने हेनरी के हाथ में मौजूद पुराने काले जूते को देखते हुए पूछा, "लेकिन आप कह रहे थे कि आपका नया भूरा जूता खो गया है। जिसे आपने कभी पहना ही नहीं था।"
"होम्स, अब इन पुराने काले जूतों में से एक गायब है। मेरे पास कुल तीन जोड़ी जूते थे। एक तो वो है जो मैंने अभी पहन रखा है। कल जो भूरे जूते मैंने खरीदे थे उनमें से एक कल रात गायब हो गया, और तीसरा ये काला जूता है। इनमें से एक आज सुबह गायब हो गया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है।" हेनरी चिल्लाया और अपने सामने खड़े वेटर पर फिर झपटा, "तुम वहाँ खड़े होकर मुझे क्यों घूर रहे हो, बेवकूफ? कुछ बोलो।"
"सर... मैंने पूरे होटल में तलाशा लेकिन मुझे आपके जूते नहीं मिले।"
"ठीक है," हेनरी ने अपने जूते को हाथ में लहराते हुए कहा, "अगर मुझे शाम तक जूता नहीं मिला, तो मैं सीधे आपके मैनेजर के पास जाऊँगा। नहीं, मैं आपकी नौकरी छीन लूँगा। मैं फिर

कभी यहाँ कदम नहीं रखूँगा। क्या यह होटल चोरों का अड्डा है?" हेनरी ने ठेठ अमेरिकी अंदाज़ में गालियाँ देना शुरू कर दिया।
"सर, कृपया शांत हो जाइए। जूता मिल जाएगा। कृपया धैर्य रखिए," वेटर ने रोते हुए कहा।
"हे भगवान! याद रखो। यह तुम्हारी आखिरी गलती है। अब मैं तुम्हारी इस लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करूँगा। जाओ और काम पर लग जाओ। मैं तुम्हें शाम तक का समय देता हूँ। अपने जूते ढूंढो, वरना इसके अंजाम के लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं रहूँगा।" वेटर ने सिर झुकाया और चला गया। जाते हुए वेटर को, जो रुमाल से अपना पसीना पोंछ रहा था, देखकर हेनरी ने होम्स से कहा, "माफ़ कीजिए, मिस्टर होम्स, इतनी छोटी सी बात पर आपको यह तमाशा देखने के लिए मजबूर करने के लिए।" अपना गुस्सा शांत करते हुए, उन्होंने हमें अंदर आने का न्योता दिया।
"सर, मुझे लगता है कि एक जोड़ी जूते में से एक जूता खोना कोई छोटी बात नहीं है," होम्स ने आलीशान होटल के सुइट में प्रवेश करते हुए कहा।
"क्या?" हेनरी फिर से घबराने लगा।
होम्स ने बिना कुछ बोले चुपचाप होटल के कमरे का जायजा लिया।
"मिस्टर होम्स, मैंने अपने जीवन में इससे ज्यादा अजीब चीज कभी नहीं देखी।"
"सचमुच अजीब! शायद अब से आपको ऐसी घटनाओं की आदत डालनी पड़ेगी।"
हेनरी ने होम्स को घूरकर देखा। "आपका क्या मतलब है, मिस्टर होम्स? साफ-साफ बताइए। क्या आपको लगता है कि यह किसी और तरह का मामला है? जैसे कोई धोखाधड़ी..."
"सर हेनरी, यह मामला पेचीदा होता जा रहा है। मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कह सकते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें आपके चाचा और आपके परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मैंने अब तक सैकड़ों मामले सुलझाए हैं। लेकिन यह मामला बाकियों से अलग है। इसमें हमारी सारी बुद्धि, साहस और दूरदर्शिता की आवश्यकता होगी। सुराग बहुत कम हैं, और वे भी अधूरे हैं। उनमें से एक हमें मामले की जड़ तक ले जाएगा। लेकिन इसके लिए हमें हर चीज की बहुत सावधानी से जांच करनी होगी। यह एक ऐसा काम है जो हमारे धैर्य की परीक्षा लेगा। हमें यह भी नहीं पता कि हम किससे निपट रहे हैं। सर हेनरी, अब आपको सतर्क रहना होगा।"
फिर हम सब डिनर के लिए चले गए। हेनरी ने एक छोटा सा भोज आयोजित किया था। हम इधर-उधर बातें करने लगे। माघा का तनाव अब थोड़ा कम हो गया था। कई विषयों पर बात करते हुए, हमें हेनरी के बारे में और भी बहुत कुछ पता चला। डिनर के बाद, हम सुइट के अंदरूनी कमरे में बैठ गए और अपने मूल विषय पर लौट आए।
हेनरी ने दृढ़ता से कहा, "मैंने फैसला कर लिया है, मैं बास्करविले हॉल जाऊंगा।"
होम्स ने मानो पहले से ही इसकी उम्मीद की हो, बिना कोई खास हैरानी दिखाए पूछा, "कब?"

"इस सप्ताह के अंत में।"
"बहुत बढ़िया। यह एक साहसिक लेकिन सही फैसला है। लंदन आने के बाद से ही कोई आप पर नज़र रख रहा है। हमें कई सबूत भी मिले हैं। इतने बड़े शहर में यह जानना मुश्किल है कि वे कौन हैं, उनकी ताकत क्या है, उनके इरादे क्या हैं। लंदन में आप खतरे में हैं। और हम इस साजिश के रचने वाले का सामना नहीं कर सकते, क्योंकि हमें दुश्मन का ठीक-ठीक पता नहीं है। हमें नहीं पता कि हमला कब और कहाँ से होगा।" होम्स ने मॉर्टिमर की ओर मुड़कर धीरे से कहा, "मॉर्टिमर, क्या तुम्हें पता है? आज सुबह जब तुम दोनों मुझे छोड़कर गए थे, तब कोई तुम्हारा पीछा कर रहा था।"
"क्या?" मोर्टिमर वहीं खड़ा रह गया, "पीछा करना? कौन कर रहा था?"
"दुर्भाग्यवश, निश्चित रूप से कहना मुश्किल है। क्या डार्टमूर में, बास्करविले हॉल के आसपास, पड़ोस में कोई ऐसा व्यक्ति है जिसकी दाढ़ी हो? एक काली दाढ़ी। एकदम साफ-सुथरी चौकोर कटी हुई।"
"हम्म? डार्टमूर में... एक दाढ़ी वाला आदमी..." मॉर्टिमर अजीब इशारे करते हुए याद करने लगा। "हाँ। बैरीमोर। सर चार्ल्स का बटलर, उनका सहायक। उसकी दाढ़ी वैसी ही है जैसा आपने कहा। काली, घनी।"
होम्स ने उत्साह से कहा, "बैरीमोर, क्या आप जानते हैं कि वह इस समय कहां है?"
"वह बास्करविले हॉल में व्यवस्थाओं की देखरेख करते हैं। उन्हें वहां होना चाहिए।"
"लेकिन हमें यह देखना होगा कि क्या वह वास्तव में अभी वहां है। वह बास्करविले हॉल में है, हमें पता लगाना होगा कि वह किसी कारण से लंदन क्यों आया है।"
"आख़िर कैसे?"
"वॉटसन, कृपया होटल के रिसेप्शन काउंटर से दो टेलीग्राम फॉर्म मांग लीजिए।" होम्स की योजना तैयार थी। मुझे अंदाज़ा था कि वह क्या करने वाला है। मैंने एक वेटर को इशारा किया और फॉर्म मांगे। होम्स तुरंत काम पर लग गया। उसने पहला टेलीग्राम बैरीमोर के नाम से लिखा। "क्या सर हेनरी के लिए सभी व्यवस्थाएं हो गई हैं?", और ऊपर पता लिखा, "बास्करविले हॉल, डार्टमोर, डेवोनशायर।"
"निकटतम डाकघर कहाँ है?" उसने मोर्टिमर से पूछा।
‘‘ग्रिम्पन.’’
होम्स ने दूसरे टेलीग्राम पर 'पोस्टमास्टर, ग्रिम्पन पोस्ट ऑफिस' नाम लिखा। संदेश में लिखा था, 'माननीय पोस्टमास्टर, ग्रिम्पन। श्री बैरीमोर को संबोधित यह टेलीग्राम केवल उन्हीं को दिया

जाना चाहिए। यदि वे वहां नहीं हैं, तो इसे 'सर हेनरी बास्करविले, नॉर्थम्बरलैंड होटल' को लौटा दिया जाना चाहिए।'
उन्होंने दोनों टेलीग्राम वेटर को सौंप दिए और उन्हें तुरंत भेजने को कहा। होम्स ने शांत भाव से कहा, "हमें शाम तक पता चल जाएगा कि बैरीमोर वहां है या नहीं।"
"यह बैरीमोर कौन है?" हेनरी को बास्करविले हॉल के बारे में कोई खास जानकारी नहीं थी।
"सर चार्ल्स के बटलर। वो बास्करविले हॉल के सारे मामलों की देखरेख करते हैं। ये पिछले बटलर के बेटे हैं। बैरीमोर परिवार की पिछली चार पीढ़ियों ने बास्करविले हॉल की देखभाल की है। बैरीमोर और उनकी पत्नी शाही परिवार के भरोसेमंद लोगों की तरह हैं।" - मॉर्टिमर।
"हाँ। लेकिन अभी हमारे परिवार का कोई भी सदस्य वहाँ नहीं है जो उन पर नज़र रख सके। बैरीमोर परिवार को वहाँ सब कुछ पता होगा। उनके लिए जंगल खुला है।" हेनरी का संदेह सही निकला।
"यह सच है।"
"क्या सर चार्ल्स ने अपनी वसीयत में इस बैरीमोर के लिए कुछ छोड़ा था?" होम्स ने पूछा।
"उन्हें और उनकी पत्नी को पांच सौ पाउंड मिलेंगे।" मॉर्टिमर।
"वाह। लेकिन क्या उन्हें यह पता है?"
"जी हां। सर चार्ल्स को अपनी वसीयत के बारे में किसी से भी बात करने की आदत थी।"
"सच में? यह तो बहुत दिलचस्प है।" होम्स।
"क्या आप सर चार्ल्स की वसीयत से कुछ भी पाने वाले सभी लोगों को शक की नजर से देखते हैं?" होम्स के विचारशील चेहरे को देखते हुए मोर्टिमर ने कहा। "तो उन्होंने मेरे लिए भी एक हजार पाउंड अलग रखे हैं।"
"हम्म। कोई और?"
"कई लोगों को थोड़ी-थोड़ी धनराशि दी गई। सार्वजनिक संस्थानों के समर्थन के लिए एक बड़ा कोष बनाया गया, और शेष संपत्ति सर हेनरी के नाम पर रखी गई।"
"यह शेष संपत्ति लगभग कितनी है?"
"सात लाख चालीस हजार पाउंड।" मोर्टिमर।
होम्स की भौंहें तन गईं। "मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि इस मामले में इतनी बड़ी रकम शामिल है।"
"सर चार्ल्स धनी माने जाते थे, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद ही उन्होंने अपनी संपत्ति की सही मात्रा का खुलासा किया। यह आंकड़ा आम तौर पर लगभग दस लाख पाउंड है।"

"हम्म... ये आंकड़े किसी का भी भाग्य बदल सकते हैं। और मान लीजिए..." होम्स ने हेनरी की ओर देखा, अपना लहजा बदला और मॉर्टिमर से कहा, "हेनरी, थोड़ा कठोर बोलने के लिए मुझे क्षमा करें। लेकिन मान लीजिए, अगर सर हेनरी के जीवन में कुछ अच्छा या बुरा घटित होता है, तो इस पूरी संपत्ति का वारिस कौन होगा?"

"सर चार्ल्स के छोटे भाई रोजर बास्करविले की अविवाहित मृत्यु हो गई। इसलिए वह वंश यहीं समाप्त होता है। 'डेसमंड' उनका चचेरा भाई है। उनमें से एक जेम्स डेसमंड है, जो वेस्टमोर्लैंड में रहता है। वह वहां के एक चर्च में पादरी के रूप में जाना जाता है। पादरी का पद चर्च में एक सम्माननीय पद होता है। एक धार्मिक पद।"

"यह बहुत महत्वपूर्ण जानकारी है। क्या आप कभी जेम्स डेसमंड से मिले हैं?"

"जी हां, वे स्वयं एक बार सर चार्ल्स के पास आए थे। वे एक बहुत ही सम्मानित व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना जीवन धार्मिक कार्यों में समर्पित कर दिया था। उनमें कोई लालच नहीं था, कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी। वे बहुत ही सादा जीवन जीते थे। मुझे याद है कि सर चार्ल्स ने उनसे बहुत आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कोई उपहार स्वीकार नहीं किया।"

"हम्म... एक साधारण आदमी को इतनी बड़ी संपत्ति विरासत में मिली... दिलचस्प।" होम्स।

"जी हां। सर चार्ल्स ने अपनी वसीयत में ऐसा लिखा है। यदि वर्तमान उत्तराधिकारी, यानी सर हेनरी ने स्वयं अपनी वसीयत में यह संपत्ति छोड़ी होती,"

यदि यह संपत्ति जेम्स डेसमंड के नाम पर बनाई जाती है, तो डेसमंड उत्तराधिकारी के रूप में इसका लाभ उठा सकता है। बेशक, यह निर्णय सर हेनरी को लेना है। वे अपनी संपत्ति से संबंधित किसी भी कार्य के लिए अधिकृत हैं।" मॉर्टिमर।

"क्या आपने अपनी वसीयत बना ली है, श्रीमान हेनरी?" होम्स ने पूछा।

"हाँ, बिल्कुल। मुझे इसके लिए समय नहीं मिला। और मुझे इस सब के बारे में कल ही पता चला। लेकिन जिसका हक है, उसे ही मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि जमीन, सारी संपत्ति और पैसा सब एक ही व्यक्ति को मिलना चाहिए। यह हमेशा बास्करविल परिवार के हित में रहेगा। मेरे चाचा की भी यही इच्छा थी।"

"आप सही कह रहे हैं। सर हेनरी, तो बेहतर होगा कि आप बिना देरी किए डेवनशायर के लिए रवाना हो जाएं। यहां रहना बहुत सुरक्षित नहीं है, लेकिन मैं आपसे विनती करता हूं कि आप वहां अकेले न जाएं।"

"डॉ. मोर्टिमर मेरे साथ आएंगे, है ना?"

"जी हां। लेकिन वे वहां निष्क्रिय नहीं रहेंगे। उन्हें अपने काम निपटाने हैं। और उनका घर बास्करविले हॉल से कुछ मील दूर है। मुसीबत के समय वे तुरंत आप तक नहीं पहुंच पाएंगे।

डॉक्टर साहब, गुस्सा मत कीजिए, लेकिन सिर्फ शुभकामनाओं से काम नहीं चलेगा। सर हेनरी, आपको किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जिस पर आप भरोसा कर सकें। जो हमेशा आपके साथ रह सके।"

"श्रीमान होम्स, आप मेरे साथ क्यों नहीं चलते?" हेनरी ने गंभीरता से कहा।

"सर हेनरी, लंदन में और भी कई महत्वपूर्ण मामले चल रहे हैं। मुझे उन पर भी ध्यान देना होगा। अगर मैं अभी लंदन में नहीं रुका, तो मेरे एक मुवक्किल को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। ब्लैकमेल का मामला चल रहा है। एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। मामला पेचीदा और नाजुक है। और मैं जानता हूँ कि इसे सिर्फ मैं ही सुलझा सकता हूँ। मेरे लिए आपके साथ डेवनशायर आना सचमुच असंभव है। मैं चाहे कितनी भी इच्छा करूँ, लंबे समय तक लंदन नहीं छोड़ सकता। लेकिन आप निश्चिंत रहिए, समय आने पर मैं वहाँ ज़रूर पहुँचूँगा।" होम्स के भाषण में आत्म-प्रशंसा की कोई झलक नहीं थी। हर शब्द के पीछे जबरदस्त आत्मविश्वास था।

"लेकिन फिर आप किसका नाम सुझाएंगे?"

होम्स ने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा, "अगर वॉटसन तुम्हारे साथ आने को तैयार है, तो तुम्हें चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं अपने निजी अनुभव से कह सकता हूँ कि ऐसे एकांत स्थान में, ऐसे कठिन समय में, वॉटसन जैसा कोई साथी नहीं होता।"

मुझ पर अचानक आई इस ज़िम्मेदारी से मैं हैरान था। लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, हेनरी ने मेरा हाथ थाम लिया। मेरी ओर आशा भरी निगाहों से देखते हुए, उन्होंने गंभीर औपचारिक स्वर में कहा, "डॉ. वॉटसन, आप मामले की गंभीरता को समझते हैं। अगर आप मेरे साथ बास्करविले हॉल चलें, तो मैं आपकी इस दयालुता को कभी नहीं भूलूंगा। कृपया मना न करें।"

मैं रोमांच का कोई मौका नहीं छोड़ती। यहाँ तो खुद शर्लक होम्स मेरे लिए गवाही दे रहे थे। और हेनरी का चेहरा गिड़गिड़ा रहा था। मुझे पता भी नहीं चला कि मैंने कब हाँ कह दी।

होम्स ने संतुष्टि भरी निगाहों से मेरी ओर देखा और कहा, "तुम मुझे वहाँ की स्थिति के बारे में रोज़ाना जानकारी देते रहना। कोई भी फैसला खुद मत लेना। मैं तुम्हें बताऊंगा कि क्या करना है। ज़रा भी लापरवाही मत करना। तो तुम शनिवार को निकल जाओगे?"

"क्या इससे काम चलेगा, डॉ. वॉटसन?"

"बिल्कुल।"

"फिर हम शनिवार की सुबह 10:30 बजे पैडिंगटन स्टेशन पर मिलेंगे। अगर कोई बदलाव हुआ तो मैं आपको बता दूंगा।"

हम जाने के लिए उठे। और "हे भगवान!" अचानक हेनरी ने कोने में रखी अलमारी की ओर देखा और चीख पड़ा।
उसने वहां कुछ देखा था।
"मेरा खोया हुआ जूता।" दीवार के बगल वाली अलमारी के नीचे हमें एक भूरा जूता मिला। खाली। कभी पहना नहीं गया।
"हम्म... अगर हमारी सारी समस्याएं इतनी आसानी से हल हो जाएं तो कितना अच्छा होगा," होम्स ने मुस्कुराते हुए कहा, लेकिन साथ ही साथ वह अभी भी बारीकी से अवलोकन कर रहा था।
"अब मैं असमंजस में हूँ। खाना खाने जाने से पहले मैंने इस कमरे का हर कोना छान मारा था।" मॉर्टिमर सचमुच उलझन में था।
"और मैं भी," हेनरी ने कहा। "जब मैं रात के खाने पर गया था, तब यह जूता यहाँ नहीं था।"
"तो शायद खाना खाने के बाद वेटर इसे यहाँ लेकर आया होगा।"
जर्मन वेटर को वापस बुलाया गया। बेचारा आदमी सिर झुकाए वहीं खड़ा रहा। उसे भी नहीं पता था कि जूता वहाँ कैसे पहुँचा। फिर भी, जूता संयोग से मिल जाने पर वह आज़ाद होकर खुश था। एक और घटना छोटी-छोटी, बेतुकी घटनाओं की कड़ी में जुड़ गई। मामला और भी पेचीदा होता जा रहा था। दो दिनों में बहुत कुछ हो चुका था। टुकड़ों में बंटे हुए वे पत्र। दाढ़ी वाला आदमी बग्गी में पीछा कर रहा था। नया जूता खो गया। फिर पुराना काला जूता खो गया। और अचानक नया जूता मिल गया।
सूरज डूबने लगा था। हम होटल से निकले। हमने सड़क पर एक बग्गी रोकी। हम बेकर स्ट्रीट लौट आए। रास्ते में होम्स बहुत थक गए थे। उनकी भौंहें तन गई थीं। मैं आसानी से समझ सकता था कि उनके मन में क्या चल रहा है। वह सभी घटनाओं को तार्किक रूप से जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। वह इधर-उधर बिखरे हुए पहेली के टुकड़ों को जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। वह अलग-अलग संभावनाओं को खोजने की कोशिश कर रहे थे। मैं भी यही कोशिश कर रहा था। हर छोटी संभावना, तर्क की हर कड़ी महत्वपूर्ण थी। वह पूरी शाम मेज पर बैठे, पाइप पीते हुए, सोचते रहे।
रात के खाने के समय दरवाजे की घंटी बजी। एक साथ दो टेलीग्राम आए। होम्स ने उन्हें उठाया और चारों ओर देखते हुए ज़ोर से कहा, "दोनों बातें तय हो चुकी हैं। पहली यह कि बैरीमोर बास्करविले हॉल में हैं। और यह दूसरा टेलीग्राम है। यह कार्टराइट का है। सुनो, '23 दिनों में 23 होटलों का दौरा किया। मुझे जो लंदन टाइम्स चाहिए था, वह कहीं नहीं मिला, कार्टराइट।'" टेलीग्राम को मेज पर फेंकते हुए होम्स ने कहा, "जब कोई सुराग न मिले, तो रास्ता बदल दो।"

मैंने कहा, "हमने अभी तक 2704 नंबर वाली गाड़ी वाले व्यक्ति की तलाश भी नहीं की है। उससे हमें कुछ जानकारी ज़रूर मिल सकती है।" अब यही एकमात्र ठोस सुराग बचा था।
तभी दरवाजे की घंटी फिर बजी और होम्स ने कहा, "अच्छी खबर है। दरवाजा खोलो।" मैं दरवाजा खोलने के लिए उठा। जैसे ही मैं दरवाजे के पास पहुँचा, होम्स ने कहा,
मैंने परिवहन विभाग को बग्गी का नंबर जांच के लिए दिया था। उन्होंने मुझे कोई संदेश जरूर भेजा होगा।
दरवाजा खुला। सामने एक मैला-कुचैला आदमी खड़ा था। वह शायद बग्गी का मालिक था। सांवला। उसका एक दांत टूटा हुआ था, चेहरे पर किसी देवी के घाव जैसा निशान था। उसका चेहरा किसी तांगे (घोड़ागाड़ी) मालिक जैसा लग रहा था। अंदर आते ही वह गांव की भाषा में बोलने लगा, "मुख्यालय ने मुझे बताया है कि इस पते पर पुलिस मेरी जानकारी ढूंढ रही है। मैं सीधे यहीं से आया हूं। आपकी क्या शिकायत है? मैं सात साल से गाड़ी चला रहा हूं, मेरा एक भी एक्सीडेंट नहीं हुआ है। मैं उन्हें बार-बार कहता हूं कि मैं शराब नहीं पीता।" उसके मुंह से गांव की शराब की गंध आ रही थी।
होम्स अपनी सीट से उठे। उन्होंने बग्गीवाले के कंधे पर हाथ रखा और उसे अंदर ले गए। बाहर देखते हुए और दरवाज़ा बंद करते हुए उन्होंने कहा, "मुझे कोई शिकायत नहीं है, दोस्त। बल्कि, तुमने मेरी मदद की है। अगर तुम मेरे सवाल का सच-सच जवाब दोगे, तो मैं तुम्हें एक चाँदी का सिक्का दूँगा।" मानो जादू से होम्स के हाथ में एक चाँदी का सिक्का प्रकट हो गया।
बैगमैन हैरान था। उसने शायद इसकी उम्मीद नहीं की थी। "ठीक है महोदय, मुझसे पूछिए कि यह क्या है।" अचानक कठोर आवाज़ नरम हो गई, होम्स के हाथ में मौजूद सिक्के ने जादू कर दिया था।
"आपका नाम और पता? मुझे इस मामले में फिर से आपकी मदद की ज़रूरत है।"
"जॉन क्लेटन। 3 टार्पी स्ट्रीट, बरो। हमारी बग्गी वाटरलू स्टेशन के पास, शिपली यार्ड के बाहर खड़ी रहती है।"
होम्स ने सब कुछ गौर से देखा। "हाँ, क्लेटन। अब बताओ। आज तुम्हारी बग्गी में कौन सा यात्री इस इलाके में आया था? तुमने तो उसके साथ मिलकर दो आदमियों का रीजेंट स्ट्रीट तक पीछा भी किया था," होम्स ने हाथ में पकड़े चांदी के सिक्के से खेलते हुए कहा।
अब क्लेटन अटक गया। "सर... आप मुझे और क्या बता सकते हैं? उस यात्री ने मुझे बताया था कि वह एक जासूस है। मुझे चेतावनी दी गई है कि मैं उसके बारे में किसी को न बताऊं।"

"यह कोई मज़ाक नहीं है, क्लेटन। मुझे साफ़-साफ़ बताओ। मैं तुम्हारी भलाई के लिए कह रहा हूँ, कुछ भी मत छुपाओ। अगर तुम सच नहीं बताओगे, तो मुसीबत में पड़ जाओगे। क्या उस यात्री ने कहा था कि वह जासूस है?"
"हां। उसने बग्गी छोड़ते समय ऐसा कहा था।"
"हम्म। तुमने और क्या कहा?" होम्स।
"उसका नाम।"
होम्स ने विजयी भाव से मेरी ओर देखा। हमें उस आदमी का नाम पता चल जाएगा। मामला हमारे हाथ में था। वह जहाँ भी जाएगा, हम आसानी से उस तक पहुँच सकेंगे।
"बहुत खूब। उसने क्या नाम रखा?" होम्स।
"उसका नाम..." क्लेटन ने अपना गाल खुजाते हुए कहा, "उसका नाम... शर्लक होम्स।"
‘‘काऽऽय?’’
मैंने होम्स को इतना थका हुआ कभी नहीं देखा। क्लेटन के जवाब ने उनकी बात काट दी। हॉल में कुछ पल सन्नाटा छा गया, और फिर वे ज़ोर से हंस पड़े। वे इतनी ज़ोर से हंसे कि हंसते-हंसते उन्हें खांसी आ गई। उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।
"शर्लक होम्स?" होम्स ने धीरे से कहा, "कटशाह वॉटसन, उसका नाम कटशाह है... उसका नाम शर्लक होम्स है..." और वह फिर से हंसने लगा।
"जी हाँ, उनका नाम शर्लक होम्स था।" क्लेटन को समझ नहीं आ रहा था कि शर्लक होम्स नाम में इतनी हंसी वाली बात क्या थी। वह हंसते हुए उस पागल को और भी हैरानी से घूरने लगा।
"ठीक है, ठीक है..." होम्स ने हँसी रोकने की कोशिश करते हुए पूछा, "तुमने उस आदमी को, अपने उस शर्लक होम्स को, बग्गी में कब बिठाया था, और उसके बाद क्या हुआ?" सिक्का अभी भी होम्स के हाथ में था।
"उसने सुबह साढ़े नौ बजे ट्रैफ़लगर स्क्वायर पर मेरी बग्गी रोक दी। उसने कहा कि वह एक जासूस है। उसने बिना पूछे मुझे बड़ी रकम दे दी। बदले में, मुझे दिन भर बिना पूछे उसकी हर बात माननी पड़ी। यह मेरे लिए फ़ायदेमंद था। ऐसे ग्राहक रोज़-रोज़ नहीं मिलते, साहब। हम पहले नॉर्थम्बरलैंड होटल गए। कुछ देर इंतज़ार करने के बाद, होटल से दो आदमी निकले। वे एक बग्गी चला रहे थे। हमने उस बग्गी का पीछा किया और इसी इलाके में कहीं आ गए।"
"इस घर के पास?"
"सर, आप निश्चित रूप से नहीं कह सकते। इसीलिए हम यहाँ से थोड़ी दूर पर रुके थे। और उस यात्री को नहीं पता कि कहाँ जाना है, क्या करना है, आदि। अब क्या पता वो कोई जासूस हो?

हमने डेढ़ घंटे इंतज़ार किया। फिर बेकर स्ट्रीट से दो और आदमी आते हुए दिखे, उनमें से एक ने फ्रॉक कोट पहना हुआ था... और..."
"हाँ। मुझे पता है। अगला।" होम्स ने एक बार फिर अपनी हंसी दबाई।
"रीजेंट स्ट्रीट चौराहे पर उस ग्राहक को क्या हुआ था कि वह अचानक मुझ पर चिल्लाया, 'बग्गी चलाओ'? मैंने चाबुक खींचा। बग्गी को ज़ोर का झटका लगा। वह अचानक वाटरलू स्टेशन जाना चाहता था। दस मिनट में वाटरलू स्टेशन पार कर जाइए, महोदय।" क्लेटन मानो कोई बड़ा कारनामा सुना रहे थे। "उतरते ही उन्होंने मुझे और पैसे दिए और कहा, 'क्या आप जानते हैं कि आप किसे लाए हैं? शर्लक होम्स। जासूस शर्लक होम्स। तभी मुझे उनका नाम पता चला, महोदय।' फिर वह स्टेशन की ओर तेज़ी से चले गए।"
"हम्म। शायद आपने उसके बाद से उसे नहीं देखा होगा।"
"वह थाने गया था, है ना महोदय?"
"क्या आप उनका वर्णन कर सकते हैं? उस शर्लक होम्स का?"
क्लेटन ने अपना गाल और भी खुजलाया। "यह थोड़ा मुश्किल है। वह चालीस साल का होगा। औसत कद का। आपसे दो-तीन इंच छोटा। उसके कपड़े बहुत ही सलीकेदार थे, किसी रईस जैसे। उसकी लंबी दाढ़ी दोनों तरफ से कटी हुई थी। जिससे वह चौकोर लग रही थी... और... एक और बात है, महोदय।"
"उसकी आँखों का रंग?" होम्स एक चांदी के सिक्के से खेल रहा था।
"हम्म? मुझे नहीं पता।"
"अच्छा। क्या आपको उसके बारे में कुछ और याद है?"
"जी नहीं महोदय... कुछ नहीं।"
"ठीक है। ये चांदी का सिक्का ले लो। अगर तुम मुझे और जानकारी दोगे, तो मैं तुम्हें एक और सिक्का दूंगा।"
जॉन क्लेटन गुनगुनाते हुए खुशी से चले गए।
"हमारी तीसरी कड़ी भी टूट गई है।" होम्स ने कंधे उचकाए और उदास मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा। इतने सालों की दोस्ती में मैंने उन्हें इस तरह मुस्कुराते हुए बहुत कम देखा था।
कुछ देर तक कोई नहीं बोला। होम्स की उंगलियों की मेज पर थपथपाहट जारी रही। उनके माथे की झुर्रियों से उनके विचारों की बेचैनी स्पष्ट थी। अचानक वे उछल पड़े और मेज पर मुट्ठी पटकी, "चालाक। होशियार। समझदार... उसे मेरा पता पता था। उसे यह भी पता था कि हेनरी बास्करविल उसकी मदद चाहता है। उसने मुझे रीजेंट स्ट्रीट पर ही देख लिया। उसे यह भी पता था कि मैं उस बग्गी का नंबर ढूंढ लूंगा, कि मैं बग्गी मालिक से संपर्क कर लूंगा। उसने बग्गी

मालिक को यह बताकर मुझे चुनौती दी है कि उसका नाम शर्लक होम्स है, वॉटसन। एक बड़ी चुनौती। चाहे जो भी हो, वह मेरे बराबर है। उसने लंदन में मुझे बुरी तरह हराया है। लेकिन अब मुझे तुम्हारी चिंता है।"

"मेरा?"

"हाँ। मैं डेवोनशायर के बास्करविले हॉल में तुम्हारे साथ नहीं रहूँगा। ध्यान से जाना। सावधान रहना। काम कठिन है, खतरनाक है। वॉटसन, ऐसे मत मुस्कुराओ। मैं तुम्हें सुरक्षित वापस देखना चाहता हूँ। और मैं उस दाढ़ी वाले आदमी का असली चेहरा देखना चाहता हूँ।"

होम्स उठे। वे खिड़की के पास गए। सड़क का शोर अब थम चुका था। उनका लंबा, दुबला-पतला शरीर शांत वातावरण में समा गया। उनकी पाइप से निकलता धुएँ का निशान धीरे-धीरे हिल रहा था।

६

डेवनशायर के लिए मेरे प्रस्थान का दिन आ गया। होम्स स्वयं मुझे स्टेशन तक छोड़ने के लिए निकले। स्टेशन पहुँचने तक मुझे उनके कई निर्देशों और सलाहों को सुनना पड़ा।

"वहाँ जो भी हो, सोच-विचार या निर्णय लेने में समय बर्बाद मत करो। मुझे तुरंत बताओ। जितना हो सके उतनी जानकारी दो। मेरे द्वारा भेजे गए निर्णय के अनुसार कार्य करो।" होम्स के लहजे में चिंता के साथ-साथ एक सख्त आदेश भी था।

लेकिन मुझे ज्यादा चिंता नहीं थी। रोमांच का विचार ही मुझे उत्साहित करता था। "जो भी हो?"

"बिल्कुल कुछ नहीं। इस मामले से जुड़ी कोई भी बात नहीं। और खासकर सर हेनरी बास्करविल, उनके सभी पड़ोसी, और वे सभी लोग जिनका सर चार्ल्स की मौत से संबंध हो सकता है। उनका आपस में क्या रिश्ता है, उनका व्यवहार कैसा है। मैंने पिछले दो-तीन दिनों में बहुत कुछ पता लगाने की कोशिश की है, लेकिन मुझे ज़्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। एक बात निश्चित है कि सर हेनरी की विशाल संपत्ति के वारिस श्री जेम्स डेसमंड चरित्र और सामाजिक प्रतिष्ठा में इतने प्रतिष्ठित हैं कि यह असंभव है कि उन्होंने सर चार्ल्स में मृत्यु का भय पैदा करने के लिए कुछ किया होगा। मुझे लगता है कि हमें उनका नाम संदिग्धों की सूची से पूरी तरह हटा देना चाहिए। अब सर हेनरी के संपर्क में केवल कुछ ही लोग बचे हैं। अपराधी वॉटसन, बास्करविल हॉल में सर हेनरी के संपर्क में है।"

"बैरीमोर?" मैंने संदेह व्यक्त किया। मेरे मन में, कल से ही उनके नाम संदिग्धों की सूची में सबसे ऊपर थे। सर चार्ल्स के बटलर, बैरीमोर, और उनकी पत्नी, हमेशा हेनरी के साथ रहते थे। "हमें बैरीमोर से सावधान रहना चाहिए? क्यों न हम उनके जाने का इंतजाम कर दें?"

होम्स ने हाथ से इशारा करते हुए मुझे रोका। "वॉटसन, ऐसी गलती मत करो। अगर वे निर्दोष हैं, तो उनके साथ अन्याय होगा, और अगर वे असली अपराधी हैं, तो हमें उन्हें एक और मौका देना चाहिए ताकि वे गलती कर सकें। वे काम आ सकते हैं। लेकिन अभी के लिए, उनके नाम छोड़ देते हैं। याद है मॉर्टिमर ने बास्करविले हॉल के आसपास रहने वाले लोगों के बारे में क्या कहा था? मलराना पर दो किसानों के घर हैं। वे दो। फिर खुद डॉक्टर मॉर्टिमर हैं। अभी तक तो वे भरोसेमंद और ईमानदार लगते हैं। लेकिन उनकी पत्नी हैं। उनके बारे में हमें कुछ नहीं पता। एक हैं प्रकृतिवादी, श्री स्टैपलटन। उनकी बहन भी उनके साथ रहती हैं। सुंदर और आकर्षक। श्री फ्रैंकलैंड, जो लाफ्टर हॉल में रहते हैं। उनके बारे में भी हमें कुछ नहीं पता। बाकी दो पड़ोसी जो आसपास रहते हैं। इन सभी लोगों की बहुत सावधानी से और तर्कसंगत रूप से जांच करो।" होम्स उनमें से हर एक के बारे में बहुत ध्यान से सोच रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो वे वहां की

स्थिति को सहज रूप से देख रहे हों। अचानक उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और धीमी आवाज में पूछा, "क्या तुमने अपना रिवॉल्वर ले लिया है?"
‘‘हो.’’
इसे हमेशा अपने पास रखें। इसे इस्तेमाल करने का समय जरूर आएगा। एक पल के लिए भी लापरवाही न करें।
पैडिंगटन स्टेशन आ गए। सर हेनरी बास्करविल और मोर्टिमर समय से पहले ही पहुँच गए थे। वे प्लेटफार्म पर मिले। हेनरी ने प्रथम श्रेणी के डिब्बे के टिकट खरीदे थे। ट्रेन तैयार थी। कुली हमारा सामान अंदर ले गया। हाथ मिलाते हुए होम्स ने उनसे पूछा कि पिछले दो-तीन दिनों में क्या हुआ था।
"नहीं। कुछ खास नहीं हुआ," मोर्टिमर ने कहा। "हम होटल से बाहर भी ज्यादा नहीं निकले। जब निकले भी तो बहुत सावधान रहे। ऐसा नहीं लगता कि कोई हमें देख रहा था। अगर कोई ऐसा होता तो हमें तुरंत पता चल जाता।"
"क्या वे दोनों हमेशा सही होते हैं?" होम्स।
"हां। उम... मैं कल शाम भर यहां मेडिकल कॉलेज के संग्रहालय में था। मैंने खोपड़ी के कई प्रकार के नमूने देखे।"
"और मैं थोड़ी देर बगीचे में यूं ही घूमता रहा। बस यूं ही। लेकिन हम दोनों में से किसी को कोई परेशानी नहीं हुई।"
"यह ठीक नहीं है। नतीजा वही है।" होम्स ने हेनरी पर अपनी तीखी निगाहें गड़ाते हुए अचानक कहा। "श्रीमान हेनरी, मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप फिर कभी इतनी लापरवाही से कहीं न जाएँ। कोई आपका पीछा कर रहा है। यह कहना मुश्किल है कि वह कहाँ छिपा हो सकता है। क्या आपको अपना दूसरा खोया हुआ जूता मिला?"
होम्स की निगाहें हेनरी पर टिक गईं। उसे आखिरी सवाल समझ नहीं आया। फिर उसने उलझन भरी आवाज़ में कहा, "हे भगवान! नहीं... नहीं... लगता है वो पागल हो गए हैं।"
"खो गए? दिलचस्प।" तभी कार की सीटी बजी। "ठीक है।"
श्रीमान हेनरी, अलविदा।’’ जैसे ही कार प्लेटफार्म से निकली और रफ्तार पकड़ी, हम अंदर बैठ गए। हम दरवाजे पर खड़े होकर होम्स को अलविदा कहने लगे। होम्स कार के साथ कुछ कदम चले। जैसे-जैसे उनकी रफ्तार बढ़ती गई, उनकी आवाज भी ऊंची होती गई। ‘‘सर हेनरी, मॉर्टिमर ने जो कहा था, उसे याद रखिएगा। रात में उस जगह पर अमानवीय शक्तियां हावी हो जाती हैं। उस असमय वहां बिल्कुल मत जाइए।’’ अपनी चिंता के बावजूद, ‘अमानवीय शक्तियां’ शब्द होम्स को शोभा नहीं दे रहे थे।

ट्रेन की रफ्तार बढ़ गई। होम्स चलना बंद कर दिया। मैंने पीछे मुड़कर उसे देखा। वह बिना हिले-डुले खड़ा था, हमारी ओर देख रहा था। उसकी नुकीली नाक पर पसीने की एक बूँद थी। उसकी आँखों में चिंता थी। उसका कोट हवा में उड़ रहा था। दूरी बढ़ती गई। प्लेटफार्म पर खड़ा उसका लंबा, दुबला-पतला शरीर छोटा होता चला गया, और एक मोड़ पर धुएँ के बादल में ओझल हो गया। मैं डिब्बे में दाखिल हो गया।

यात्रा की शुरुआत बेहद सुकून भरी रही। मॉर्टिमर और हेनरी के साथ अंतरंग बातचीत शुरू हुई। पहली मुलाकात की औपचारिकता अब समाप्त हो चुकी थी। मॉर्टिमर का स्पैनियल कुत्ता भी परिचित हो गया। कुछ ही घंटों में बाहरी दुनिया का रंग बदल गया। डेवोनशायर क्षेत्र शुरू हो गया। अब मिट्टी लाल होने लगी थी। ईंटों की इमारतों की जगह मिट्टी के मकान दिखाई देने लगे थे। हरी-भरी घास के मैदानों में मोटी-ताज़ी गायें चरती नज़र आ रही थीं। वातावरण नीरस होते हुए भी ताजगी भरा था। युवा हेनरी बास्करविल खोया हुआ सा था और खिड़की से बाहर झाँक रहा था। जब उसे खाने के कुछ जाने-पहचाने संकेत दिखाई देते, तो वह खुशी से चिल्ला उठता, "हे भगवान!"

"वॉटसन, मैंने व्यापार के लिए दुनिया के सबसे बेहतरीन हिस्सों में रहकर बहुत यात्रा की है। लेकिन डेवोनशायर किसी के भी सामने फीका पड़ जाता है," हेनरी ने सिर झुकाते हुए कहा। बाहर का नज़ारा देखकर उनके मन का तनाव कुछ कम हो गया था।

"हां। डेवनशायर में रहने वाला हर कोई ऐसा ही सोचता है। और यह सच है," मैंने पुष्टि की।

"यहां रहने वाले लोग जैविक रूप से अलग हैं। उनके चेहरों की बनावट देखिए।"

मोर्टिमर को अपनी रुचि का विषय मिल गया। "जी हां, वॉटसन। उनका वंश अलग है। रोमन आक्रमण से पहले वे यहां आकर बस गए थे। अब सर हेनरी को देखिए। उनका वंश इस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। उनकी खोपड़ी की बनावट से यह स्पष्ट है। सर चार्ल्स का सिर बहुत अलग था। बहुत ही दुर्लभ। यह आयरिश और इवर्नियन दोनों जातियों से संबंध दर्शाता है।" कुछ देर अपनी आवाज़ में बोलने के बाद, उन्होंने अचानक हेनरी से पूछा, "सर हेनरी, आपने बचपन में बास्करविले हॉल ज़रूर देखा होगा, है ना?"

नहीं। एक बार भी नहीं। मेरे पिता का निधन तब हुआ जब मैं काफी छोटा था। तब हम दक्षिणी तट पर एक छोटे से घर में रहते थे। फिर मैं सीधे अमेरिका चला गया। यह मेरे लिए उतना ही नया है जितना डॉ. वॉटसन के लिए। मैं अपने पारिवारिक हवेली, 'बास्करविले हॉल' को देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

"आपकी इच्छा जल्द ही पूरी हो जाएगी, सर हेनरी।" मॉर्टिमर की आवाज़ गंभीर हो गई। "लेकिन इस बीच, उसके आसपास की बंजर भूमि पर एक नज़र डालिए," उन्होंने खिड़की की ओर इशारा करते हुए कहा।

खेतों के हरे-भरे हिस्सों के पार एक छोटा सा जंगल था। उनके पीछे भी कुछ बंजर, धूसर पहाड़ियाँ थीं। इस रंगीन तस्वीर में वे अच्छी नहीं लग रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो उन्हें बाद में लाया गया हो। उन पर हल्की, धुंधली रोशनी पड़ रही थी। कभी-कभार कुछ नुकीले शंकु दिखाई दे रहे थे। फिर भी, उस क्षेत्र का कोई विशेष आकार नहीं था। वह बस वहीं था। हेनरी काफी देर तक उन आकृतियों को देखता रहा। उसकी निगाहें दूसरी ओर टिकी हुई थीं। उसकी जिज्ञासा उसके भावपूर्ण चेहरे से झलक रही थी। वह भूमि जहाँ उसके पूर्वज रहते थे, उसके सामने थी। उस भूमि से उसका खून का रिश्ता था। वहाँ उसके पूर्वजों के भोजन के निशान थे। जीवन में लंबे समय तक उस भूमि से उसका रिश्ता टूट गया था, भाषा और पहनावा अमेरिकी हो गया था, लेकिन अब उसकी मातृभूमि की पुकार सुनाई दे रही थी। ट्रेन के डिब्बे के एक कोने में एक साधारण व्यक्ति की तरह बैठा हेनरी एक महान परिवार और परंपरा का वारिस था। उसमें एक धनी परिवार की विशेषताएँ थीं, जैसे दुबला-पतला शरीर, घनी भौहें और बड़ी बादाम जैसी आँखें। चलती हुई ट्रेन से दूर फैला बंजर परिदृश्य उसके सामने स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। उसमें एक तरह की उदासी और निर्जीवता थी। फिर भी, हेनरी की वहाँ जाने की इच्छा कम नहीं हुई। बल्कि, परिवार के प्रति उसकी दीवानगी और भी बढ़ गई थी। पल-पल वह दूरी उसके करीब आती जा रही थी।

ट्रेन एक गाँव के स्टेशन पर रुकी। हम उतर गए। स्टेशन की सफेद लकड़ी की बाड़ के बाहर एक सुंदर घोड़ागाड़ी खड़ी थी। उसे दो छोटे खच्चर जैसे घोड़े खींच रहे थे। वह हमें लेने आई थी। हमारे आने से उस छोटे से स्टेशन के प्रति प्रशंसा का भाव जागा। वहाँ की सादगी मन को मोह लेने वाली थी। स्टेशन मास्टर खुद हेनरी का स्वागत करने के लिए आगे आए। कुली बारी-बारी से अपना सामान गाड़ी में लाद रहे थे। ड्राइवर ने भी विनम्रता से हेनरी को विदाई दी। हर कोई बास्करविल परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहा था। सैन्य वर्दी में दो जवान राइफल लिए गेट पर खड़े थे, हमने उनका सलाम स्वीकार किया और गाड़ी में बैठ गए। ड्राइवर ने चाबुक चलाया। गाड़ी ने रफ्तार पकड़ ली। मुख्य सड़क के दोनों ओर चारागाह थे। घनी झाड़ियों के बीच से घरों की छतें दिखाई दे रही थीं। अंधेरा हो रहा था। आसपास की आकृतियाँ धुंधली होती जा रही थीं। लेकिन उसकी निगाहें बार-बार दूर स्थित मलराना की पहाड़ियों पर टिकी हुई थीं। इतनी देर शाम में वह झोपड़ी और भी अजीब लग रही थी। आसपास के खूबसूरत नज़ारों के बीच वह दृश्य बिल्कुल अलग दिख रहा था। जो शंकु अब तक झांक रहे थे, उन्होंने अब

अंधेरे को ढक लिया था। लेकिन अंधेरे में भी उनकी उपस्थिति महसूस हो रही थी। वे एक-दूसरे को पकड़े, स्तब्ध खड़े थे। वे दूर से बास्करविल परिवार के उत्तराधिकारी को घूर रहे थे।
कुछ देर बाद, कार एक छोटी, संकरी सड़क पर मुड़ गई। यह वर्षों के यातायात से बनी एक संकरी सड़क थी। पिछली कारों के पहियों ने दोनों किनारों पर ढलान बना दिए थे। ढलते सूरज की रोशनी में बैंगनी काई, बिच्छू बूटी के लाल नुकीले पत्ते और कई तरह की जंगली झाड़ियाँ अलग ही दिख रही थीं। उबड़-खाबड़ सड़क पर आगे बढ़ते हुए, ऊपर की ओर चढ़ते हुए, कार एक पुल पर पहुँची। नीचे एक धारा तेज़ी से बह रही थी, जिससे ज़ोरदार आवाज़ आ रही थी। उस तेज़ बहाव ने ही रास्ता बनाया था। पानी की बूँदें दोनों किनारों पर उड़ रही थीं। वह अंधेरा किनारा, धारा, पुल, सड़क, उस पर से गुज़रती हमारी कार, सब कुछ आसपास के पहाड़ों से घिरा हुआ था। उस पर बलूत और चीड़ के पेड़ों का एक घना झुरमुट था। और उसके आगे, घास के मैदान एक सुंदर तस्वीर के पुराने, जर्जर फ्रेम की तरह एक-दूसरे से चिपके हुए थे। हेनरी एक बच्चे की तरह, बेरुखी से, हर तरफ देख रहा था। वह लगातार कोई न कोई सवाल पूछ रहा था। उसे सब कुछ सुंदर लग रहा था, लेकिन मुझे यह उदास और बेजान लग रहा था। इसमें कुछ कमी थी। मैं बता नहीं सकती थी कि वह क्या थी। हर जगह बीते साल के उदास निशान नज़र आ रहे थे। सड़क सूखे पत्तों से ढकी हुई थी। कार के पहिए तेज़ी से आगे बढ़े तो वे ज़ोरदार आवाज़ करते हुए एक तरफ उड़ गए। गीली झाड़ियों को रौंदते हुए पहियों की आवाज़ कुछ देर के लिए धीमी पड़ गई। इस इलाके को इस नए वारिस का आना पसंद नहीं आया था।
"हे भगवान! उधर देखो!" हेनरी अचानक चिल्लाया। हमने उस दिशा में देखा।
सड़क के एक किनारे मुरमा की एक छोटी पहाड़ी थी। जगह-जगह बड़े-बड़े पत्थर बिखरे पड़े थे। सूखी पीली घास थी। और पहाड़ी की चोटी पर एक सिपाही राइफल हाथ में लिए तैयार बैठा था। उसकी निगाहें सड़क पर टिकी थीं। वह बीच में खड़ी एक मूक मूर्ति जैसा लग रहा था। स्टेशन से निकलने के बाद सड़क पर मैंने सबसे पहले उसी को देखा था।
"पर्किन्स," मोर्टिमर ने ड्राइवर से पूछा, "यह गार्ड किसलिए है?"
“महोदय, तीन दिन पहले प्रिंसटाउन जेल से एक कैदी फरार हो गया। उसकी सुरक्षा के लिए हर जगह कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हर सड़क, हर स्टेशन की गहन जाँच की जा रही है। अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। आसपास के किसानों के जीवन के लिए यह बहुत भयानक होता। डर के मारे कोई भी शाम को घर से बाहर नहीं निकला है,” ड्राइवर पर्किन्स ने अपनी सीट से बिना गति धीमी किए कहा।
"हां, लेकिन अगर कैदी के बारे में पुलिस को सूचना दी जाती है, तो नियमों के अनुसार उन्हें पांच डॉलर का इनाम मिलेगा, है ना?"

"महोदय, पाँच डॉलर भी बहुत ज़्यादा हैं, अपनी जान जोखिम में क्यों डाल रहे हैं? यह कोई साधारण कैदी नहीं है, महोदय। यह बेहद खतरनाक है।"
"तो? ये कौन है?"
"उसका नाम सेल्डन है। क्या आपको नॉटिंग हिल हत्याकांड के बारे में पता है? यह इस इलाके में बहुत चर्चित था। हत्यारा, सेल्डन। उसे तो लाठी की भी दया नहीं आती।"
मैं उस मामले को जानता था। ऐसा अपराध तो सौ में एक ही होता है। किसी ने बेहद बेरहमी से हत्या की थी। बहुत ही निर्दयी तरीके से। उस हत्यारे के लिए निर्दयी ही एकमात्र शब्द था। लेकिन उसकी मानसिक स्थिति पर संदेह के कारण, उसे मृत्युदंड नहीं दिया गया। कुल मिलाकर, उस मामले की जांच में कई कठिनाइयाँ आईं। कई बातें ठीक से सुलझ नहीं पाईं। होम्स ने उस मामले में दिलचस्पी दिखाई थी।
गाड़ी ने मोड़ लिया और पहाड़ी पर चढ़ते हुए विशाल मलरान के सामने आ गई। इतने लंबे समय से बस एक झलक ही दिख रही थी, अब यह एक वास्तविक दृश्य था। ऊँचा-नीचा, मनमोहक आकृतियों से सजा हुआ। पहले आसमान के साथ बस एक पतली रेखा दिखाई देती थी, अब उसका विस्तार सामने आ गया। यह मलरान मानो कभी खत्म ही नहीं होगा। इसके पीछे छोटी-छोटी पहाड़ियाँ थीं, मानो कोई रहस्यमयी चीज़ छुपा रही हों। उन नंगी पहाड़ियों की सपाट चोटियों पर, वर्षों से पड़े पत्थर खामोश थे, मानो किसी जादू के असर में हों। अचानक, उस दिशा से ठंडी हवा का एक झोंका आया। मेरे शरीर में सिहरन दौड़ गई। हालाँकि मलरान वीरान था, पर अकेला नहीं था। पहाड़ियों की घनी झाड़ियों में कोई खूंखार जानवर की तरह घात लगाए बैठा था। पहाड़ियों से आती ठंडी हवा उसकी बेचैन आह थी। हम सीमा तोड़कर उसकी गुफा में प्रवेश कर रहे थे। इस जगह पर उसका पूर्ण अधिकार था। वह हममें से किसी एक से नफरत करता था। यहाँ तक कि हेनरी बास्करविल, जो चारों ओर देख रहा था और हर चीज़ का आनंद ले रहा था, अब गंभीर हो गया। उसने अपने ओवरकोट को और कसकर लपेट लिया।
मैदान के बीचोंबीच एक घर जैसी संरचना दिखाई दी। घर महज़ एक आश्रय था, जिसकी दीवारें पत्थर की और छत फूस की बनी थी। उसके आगे एक गहरा खाली स्थान था। उसमें ओक और देवदार के पेड़ों के टेढ़े-मेढ़े कंकाल खड़े थे। वे कई वर्षों से वहाँ खड़े रहे होंगे, गर्मी, हवा और बारिश को सहते हुए। वे किसी घायल बूढ़ी औरत की मुरझाई उंगलियों की तरह बेजान और मुड़े हुए थे। उनकी छाल जगह-जगह से लटक रही थी।
उस धुंधली रोशनी में, मघा का उपजाऊ क्षेत्र अभी भी बहुत दूर लग रहा था। ऐसा लग रहा था मानो हम किनारे को छोड़कर और भी गहरे जंगल में प्रवेश कर रहे हों। दूर-दूर तक देवदार और

जैतून के पेड़ दिखाई दे रहे थे। उस घने जंगल और इस मलरान में कोई समानता नहीं थी। यह विश्वास करना मुश्किल था कि हम वहीं से आए हैं।

"बास्करविले हॉल।" पर्किन्स की आवाज़ सुनकर हम चौंक गए। हमने उस दिशा में देखा जिधर उन्होंने इशारा किया था। दूर, आसमान में, पेड़ों के पीछे से दो चोटियाँ झाँक रही थीं। वह भव्य बास्करविले हॉल था।

हेनरी तुरंत उठ खड़ा हुआ। वह उस जगह का वारिस था। उस भव्यता का स्वामी। देखते ही उसका चेहरा चमक उठा। उसकी आँखें दमक उठीं। दूरी कम होती जा रही थी। थोड़ी देर में हम एक भव्य मेहराब के पास पहुँच गए। हालाँकि स्टील की नक्काशी दिखाई दे रही थी, लेकिन किनारे के खंभे घिस चुके थे। पास के पहरेदार भवन का ग्रेनाइट भी टूट चुका था, और दीवार के भीतर लोहे की सलाखों का ढेर दिखाई दे रहा था। सामने के आँगन में एक अधबनी इमारत दिखाई दे रही थी। सर चार्ल्स की मृत्यु के बाद काम को वैसे ही छोड़ दिया गया था। गाड़ी मेहराब से अंदर गई। दोनों ओर पेड़ों की झुकी हुई शाखाओं से एक सुरंग बन गई थी। उस अंधेरी सुरंग के दूसरे छोर पर बास्करविले हॉल उदास खड़ा था। पेड़ों की उन कतारों को देखते हुए हेनरी ने पूछा, "यह... क्यों... है...?"

"नहीं महोदय। यू गली दूसरी तरफ है।"

हेनरी उत्सुकता भरी निगाहों से इधर-उधर देखता रहा।

उन्होंने कहा, "ऐसी जगह पर यह महसूस करना कि कोई आपको जान से मारने की कोशिश कर रहा है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। छह महीने में यहां बिजली की रोशनी होगी। यह भयानक अंधेरा छंट जाएगा। बास्करविले हॉल एक खुशनुमा रोशनी से जगमगा उठेगा। आप देखेंगे।"

शाखाओं का जाल समाप्त हुआ। सामने विशाल लॉन में भव्य बास्करविले हॉल खड़ा था। यह उत्कृष्ट गुणवत्ता की गोथिक शैली की पत्थर की इमारत थी। धुंधली रोशनी में इसके आकार का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल था। अग्रभाग घनी लताओं से ढका हुआ था। बास्करविले परिवार का प्रतीक चिन्ह पत्थर पर उकेरा गया था और खिड़कियों के पास लताएँ थोड़ी-थोड़ी कम हो गई थीं। दूर से दिखाई देने वाली दो अलंकृत, नुकीली चोटियाँ सामने की मुख्य इमारत पर थीं। इसके सामने एक भव्य बरामदा था। इस इमारत के दोनों ओर पंख फैले हुए थे। यह निर्माण कुछ आधुनिक था। यह संभवतः कुछ बाद के काल में बनाया गया होगा। यह काले ग्रेनाइट से ढका हुआ था। खिड़कियों के रंगीन शीशे से हल्की रोशनी छनकर आ रही थी। ढलान वाली छत पर चिमनी से निकलता धुएं का पतला, नुकीला गुबार टेढ़ा-मेढ़ा आकाश में गायब हो रहा था।

"सर हेनरी, बास्केरविल हॉल में आपका स्वागत है।" एक आदमी अंधेरे बरामदे से आगे बढ़ा। पीछे के मुख्य द्वार पर पीली रोशनी में एक हृष्ट-पुष्ट महिला दिखाई दी। उस आदमी ने विनम्रता से कार का दरवाजा खोला। वह उसके पीछे आई। उसने हमारा सामान उतारने में हमारी मदद करना शुरू कर दिया।

"क्या आपको कोई आपत्ति होगी अगर मैं यहाँ से सीधे घर जाऊँ, सर हेनरी?" मोर्टिमर ने पूछा। "मेरी पत्नी मेरा इंतज़ार कर रही होगी।"

"आपका क्या मतलब है? आप हमारे साथ खाना खाने नहीं रुकेंगे?"

"नहीं... ऐसा नहीं है। मुझे कुछ काम है। असल में, मुझे रुककर आपको घर दिखाना चाहिए था। लेकिन बैरीमोर मुझसे बेहतर यह काम कर सकती है। मैं जा रही हूँ। अगर आपको किसी भी तरह की मदद चाहिए, तो मुझे कभी भी, दिन हो या रात, फोन कर लेना। मैं हाज़िर रहूँगी।"

मोर्टिमर को ले जा रही गाड़ी पहियों की खड़खड़ाहट के साथ तेज़ी से चली गई। हेनरी और मैं हॉल की ओर मुड़े। हमने बरामदा पार किया और अंदर प्रवेश किया, और दरवाज़ा हमारे पीछे ज़ोर से बंद हो गया। अब हम ड्राइंग रूम में खड़े थे। एक बड़ा, सुंदर ड्राइंग रूम। छत की बड़ी-बड़ी ओक की बीमों पर वर्षों से तेल लगा हुआ था। दीवार में एक पुराने ज़माने की चिमनी थी। उसमें एक बड़ी लकड़ी जल रही थी। बाहर की ठंड ने मेरे अंगों को सुन्न कर दिया था। यहाँ की गर्माहट थोड़ी राहत देने वाली लग रही थी। अब हॉल का डिज़ाइन आकार लेने लगा। विशाल हॉल ओक की लकड़ी से बना था। पुराने ज़माने की लंबी खिड़कियों में रंगीन कांच लगे थे। दीवारें छत से फर्श तक लकड़ी के पैनल से ढकी थीं। उन पर भूसे से भरे जंगली सूअरों के सिर और बास्करविल्स का राजचिह्न करीने से लटकाए गए थे। ड्राइंग रूम बीच में रखे लैंप की हल्की पीली रोशनी से जगमगा रहा था। जब लौ थोड़ी सी हिलती थी, तो ऐसा लगता था जैसे छत पर पीली लहरें चल रही हों।

"बिल्कुल यही तो मैंने सोचा था," हेनरी ने कहा। "एक पुराना हवेलीनुमा घर कितना शानदार होता है, है ना? हमारे पूर्वज पिछले पाँच सौ सालों से इसी जगह पर रहते आए हैं। लेकिन अब इस दृश्य को देखकर मुझे अच्छा नहीं लग रहा।" बैठक कक्ष वाकई उतना भव्य नहीं था जितना होना चाहिए था।

हेनरी भावुक हो गया। वह दीपक के बिल्कुल पास खड़ा था। पीली रोशनी में उसका लाल-सफेद रंग निखर रहा था। उसकी विशाल परछाईं पीछे की दीवार पर कांप रही थी। वह नीचे ज़मीन तक भी फैल रही थी। ऐसा लग रहा था मानो उसके पीछे कोई और लंबा बास्करविल खड़ा हो। उसी क्षण किसी के कदमों की आहट सुनाई दी। बैरीमोर अपना सामान छोड़कर हमारे कमरे में लौटा। वह आगे आया और विनम्रता से खड़ा हो गया। उसका व्यवहार किसी रईस के नौकर की

तरह शिष्ट था। वह दिखने में भी सुंदर था। लंबा, प्रभावशाली। उसने अपनी घनी दाढ़ी को चौकोर आकार में कटवाया था।
"सर, क्या हम भोजन की मात्रा बढ़ा सकते हैं?"
"तैयार?"
"यह दस मिनट में हो जाएगा, महोदय।" बैरीमोर ने मुड़कर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "महोदय... जब तक आपके पास कोई बेहतर काम न हो, तब तक मैं और मेरी पत्नी आपकी सेवा में तत्पर हैं। लेकिन आप देख सकते हैं कि हमें यहाँ कुछ नए कर्मचारियों की आवश्यकता होगी... तब तक..."
"तुम्हारा क्या मतलब है?" हेनरी को उसकी आवाज़ का लहजा समझ नहीं आया।
"सर चार्ल्स सेवानिवृत्त हो चुके थे। उनकी ज़रूरतें ज़्यादा नहीं थीं। मैं और मेरी पत्नी मिलकर इस घर को संभाल सकते थे। आप जवान हैं। ज़ाहिर है आपको अपने आस-पास लोगों की ज़रूरत होगी। आपको अच्छी संगत चाहिए होगी। और आपको इस घर में कुछ सुधार भी करने होंगे। तब तक हम यहीं रहेंगे..." बैरीमोर ने बोलना बंद कर दिया।
तो? क्या आप अपनी नौकरी छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं?
"जब भी आप कहेंगे, हम जाने के लिए तैयार हैं, महोदय।"
हेनरी की आवाज़ नरम पड़ गई। उन्होंने आगे कहा, "बैरीमोर, आपका परिवार पीढ़ियों से बास्करविल परिवार की सेवा करता आया है। मैं इस परंपरा को तोड़ना नहीं चाहता। आप दोनों यहाँ से कहीं नहीं जा सकते।"
बटलर बैरीमोर अपने चेहरे पर भावनाओं को छिपा नहीं सके। उन्होंने लड़खड़ाते शब्दों में कहा, "हम भी यहाँ से जाना नहीं चाहते, महोदय। लेकिन सच कहें तो, सर चार्ल्स के साथ हमारे अच्छे संबंध थे। उन्होंने कभी हमारे साथ नौकरों जैसा व्यवहार नहीं किया। लेकिन उनके बाद, यह माहौल हमें परेशान कर रहा है। हम बास्करविले हॉल में खुश नहीं रह पाएंगे।"
"अगर आप यहां काम छोड़ देते हैं तो आप क्या करेंगे?"
"मैं अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती हूँ। सर चार्ल्स की कृपा से, थोड़े से पैसे से भी..." बैरीमोर अचानक बोलना बंद कर दिया और विषय बदलते हुए बोलीं, "आइए, मैं आपको आपके कमरे दिखाती हूँ।"
हम चौड़ी सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपरी मंजिल पर बने दीर्घा में पहुँचे। इसमें एक पुराने ज़माने का लकड़ी का दरवाज़ा था। यह मुख्य इमारत के दोनों ओर फैला हुआ था। इसके बगल में कमरों की एक कतार थी। सभी कमरों के दरवाज़े इसी दीर्घा में खुलते थे। हेनरी और मेरे कमरे एक ही तरफ अगल-बगल थे। इन कमरों का डिज़ाइन थोड़ा आधुनिक था। मुख्य इमारत की पुरानी

शैली यहाँ बिल्कुल नहीं थी। दीवारों का सफ़ेद रंग और कई मोमबत्तियों की रोशनी ने यहाँ का माहौल उतना उदास नहीं होने दिया। यहाँ आने के बाद पहली बार मुझे थोड़ी खुशी महसूस हुई।

कपड़े बदलकर थोड़ा सज-धज कर हम भोजन कक्ष में खाने के लिए आए। कमरा बड़ा और लंबा था। अंधेरा मानो इस कमरे की बनावट का ही हिस्सा था। दीवारों पर लटके लैंपों की टिमटिमाती रोशनी ने अंधेरे को और भी गहरा कर दिया था। काले बीमों पर टिकी जटिल नक्काशीदार छत धुएं से काली पड़ गई थी। लेकिन यहाँ पुराने जमाने के अमीरों और रईसों की दावतों के लिए सभी सुविधाएँ मौजूद थीं। एक आंगन ने कमरे को दो भागों में बाँटा हुआ था। दो सीढ़ियाँ चढ़कर उस आंगन में जाने पर मुख्य भोजन की मेज थी। निचले तल पर नौकरों और अन्य लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था थी। दूसरी ओर गायकों के लिए जगह थी।

हम मेज के दोनों सिरों पर आमने-सामने बैठे थे। यात्रा की थकान और तनावपूर्ण माहौल के कारण हम दोनों चुप थे। मेज पर एक दीपक जल रहा था। उसकी छाया उसके नीचे फैली हुई थी। दीवारों पर बास्करविल परिवार के पूर्वजों के बड़े-बड़े चित्र टंगे थे। ऐसा लग रहा था मानो वे उन बड़े चित्रों के माध्यम से हमें घूर रहे हों। बास्करविल परिवार के दिवंगत पूर्वजों की कैद में होने का एक अजीब सा एहसास हमारे मन में भर गया। उन्होंने कई अलग-अलग शैलियों के कपड़े पहने थे, महारानी एलिजाबेथ के कपड़ों से लेकर आज के कपड़ों तक। यह बास्करविल परिवार की प्राचीनता का प्रमाण था। ऐसा लग रहा था मानो हम इतने सारे चित्रों के बीच भीड़ में बैठे हों। लेकिन अकेलेपन का एहसास भी बहुत गहरा था। उस विशाल भोजन कक्ष में भी चहल-पहल थी। हमने बिना ज्यादा कुछ बोले अपना भोजन समाप्त किया। हम बिलियर्ड रूम में आए। यहाँ थोड़ी रोशनी थी। थोड़ी जगह थी। हमने सिगरेट जलाईं।

"हे भगवान! यह रहने के लिए बिल्कुल भी सुखद जगह नहीं है," हेनरी ने कहा। "मुझे नहीं लगता कि इस समय इस माहौल को बदलना संभव है। और मेरे चाचा यहाँ अकेले रहते थे! अगर उनकी सेहत पर असर न पड़ा हो तो यह आश्चर्य की बात होगी। चलो, आज जल्दी सो जाते हैं। मुझे उम्मीद है कि सुबह तक यहाँ का माहौल बेहतर हो जाएगा।"

मैं अपने कमरे में आया। मैंने बड़ी ऊँची खिड़की से बाहर देखा। यहाँ से मुझे बरामदे के सामने की हरियाली दिखाई दे रही थी। उसके पीछे पेड़ों का घना झुरमुट था। पेड़ हवा में धीरे-धीरे हिल रहे थे। उनके नीचे छिपी सड़क केवल शाखाओं के हिलने पर ही दिखाई देती थी। जब पेड़ों की छाया हिलती थी, तो ऐसा लगता था मानो कोई बास्करविले हॉल को गुप्त रूप से देख रहा हो। दौड़ते बादलों के पीछे चंद्रमा का केंद्र छिपा हुआ था, जो कभी-कभी अचानक दिखाई देता

था। हल्की चाँदनी में दूर एक पर्वत श्रृंखला दिखाई दे रही थी, और उसके बीच में एक विशाल, अथाह मैदान था। यह बास्करविले हॉल का दक्षिणी भाग था।

मैंने पर्दे खींच दिए। मैं बिस्तर पर लेट गई। मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं करवटें बदलती हुई सोने की कोशिश कर रही थी। बीच-बीच में मुझे दूर से घड़ी की आवाज़ सुनाई दे रही थी। इसके अलावा, चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। एक खामोश सन्नाटा। और अचानक मुझे कुछ आवाज़ सुनाई दी। गुनगुनाने जैसी, लेकिन एकदम साफ़। कोई धीरे-धीरे रो रहा था। एक औरत रो रही थी, जितना हो सके अपना मुँह बंद रखने की कोशिश कर रही थी। लेकिन फिर भी वह रोना बंद नहीं कर पा रही थी। मुझे दबी हुई सिसकियाँ सुनाई दे रही थीं। मैं उठ बैठी। आवाज़ बहुत दूर से नहीं आ रही थी। यह निश्चित रूप से इसी घर से आ रही थी। मैंने ध्यान से सुना। लेकिन जितनी अचानक आवाज़ आई थी, उतनी ही अचानक बंद भी हो गई। मैंने आधे घंटे तक इंतज़ार किया। कुछ देर बाद, मुझे घड़ी की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। बाहरी दीवार पर बेतरतीब ढंग से उग रही लताओं की अजीब सरसराहट जारी रही।

७

भोर हो चुकी थी। पक्षी चहचहा रहे थे। दूर पहाड़ों के ऊपर से सूरज उग रहा था। उसकी सुनहरी किरणें बास्करविल हॉल पर पड़ रही थीं। कल जो आकृतियाँ इतनी आकर्षक लग रही थीं, अब स्पष्ट होने लगी थीं। मेरे मन का अंधकार धीरे-धीरे छंट रहा था। कल इसे पहली बार देखना सुखद नहीं था। लेकिन अब मैं इसकी सुंदरता को सराहने लगा था। हेनरी और मैं भोजन कक्ष में बड़ी सफेद मेज पर नाश्ता कर रहे थे। छत के पास वाली खिड़की से साफ सफेद धूप अंदर आ रही थी। दीवार पर बना बास्करविल परिवार का प्रतीक चिन्ह रंगीन रोशनी को प्रतिबिंबित कर रहा था। लकड़ी का फर्नीचर अब कांसे की तरह चमक रहा था। सब कुछ खुशनुमा था। अब यह झूठ सा लग रहा था कि हमने कल रात इसी जगह पर अपना जीवन बिताया था। उदासी का कोई नामोनिशान नहीं था।

"हे भगवान! कल तो हम बहुत डरे हुए थे। ये सारा डर तो बस मन का खेल है।" हेनरी थका हुआ था। "कल दिन भर के सफर से हम थक गए थे और बहुत ठंड थी। इसीलिए सब कुछ हमें जमा हुआ और उदास सा लग रहा था। अब जब हम तरोताज़ा हो गए हैं, तो ये जगह कितनी अच्छी लग रही है।"

"हाँ। लेकिन सब कुछ दिमागी खेल नहीं होता।" मैंने जवाब दिया, "कल रात तुमने किसकी रोने की आवाज़ सुनी? एक औरत के रोने की आवाज़।"

"हम्म? हां, हां..." हेनरी ने कहा, "मैं आधी नींद में था। एक आवाज़ से मेरी नींद खुली। मैं उठ बैठा। लेकिन फिर कोई आवाज़ नहीं आई। मुझे लगा कि मैं सपना देख रहा था क्योंकि मैं बहुत थका हुआ था।"

"यह सपना नहीं था, हेनरी। मैंने एक महिला के रोने की आवाज़ सुनी। यह इतनी स्पष्ट और वास्तविक थी।"

“क्या सच में? रुको। मैं तुरंत सोक्शा मोक्ष पहन लेता हूँ।” हेनरी ने मेज पर रखी घंटी बजाई। कुछ ही क्षणों में बैरीमोर प्रकट हुए। हेनरी ने उनसे सीधे उस आवाज़ के बारे में पूछा।

"सर हेनरी, इस घर में सिर्फ़ दो औरतें हैं। स्कली, नौकरानी, और मेरी पत्नी। स्कली बास्करविले हॉल के दूसरे हिस्से में सोती है। और, सर, मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि मेरी पत्नी रो नहीं रही थी।" जैसे ही मैंने जवाब दिया, मैंने गौर किया कि बैरीमोर का स्वाभाविक गोरा रंग फीका पड़ गया था। बैरीमोर झूठ बोल रहा था।

नाश्ते के बाद, मैं लंबे गलियारे में उनकी पत्नी से मिला। वह मध्यम आयु वर्ग की, सीधी कद-काठी की महिला थीं। उनका चेहरा भावहीन था। लगभग। पिछली रात मैं उन्हें ठीक से देख नहीं पाया था। उन्होंने सीधे मेरी ओर देखा और उनकी भावपूर्ण आँखों ने मेरी आँखों को भर

दिया। रोने से उनकी आँखें लाल थीं। उनकी पलकें सूजी हुई थीं। निश्चित रूप से वही थीं जो पिछली रात रो रही थीं। तो बैरीमोर ने झूठ क्यों बोला? क्या वह गहरी नींद में सो रहा था जबकि वह इतना शोर मचा रही थी और कराह रही थी? और वह क्यों रो रही थी? बैरीमोर के चारों ओर संदेह का बादल मंडराने लगा। सर चार्ल्स का शव सबसे पहले उसी ने देखा था। घटना का पूरा विवरण उसी की गवाही पर आधारित था। क्या बैरीमोर वही व्यक्ति था जिसने उस दिन लंदन की रीजेंट स्ट्रीट पर हेनरी का बग्गी में पीछा किया था, वही व्यक्ति जिसकी काली दाढ़ी पर चौकोर कट था? 2704 नंबर की बग्गी के मालिक जॉन क्लेटन के अनुसार, वह व्यक्ति मूर्ख था। लेकिन देखने और बताने में इतनी छोटी सी गलती भी बड़ी हो सकती है। तो इसे कैसे सुलझाया जाए? केवल एक ही तरीका। ग्रिम्पेन के पोस्टमास्टर से संपर्क करना। होम्स ने पोस्टमास्टर से बैरीमोर का टेलीग्राम सीधे अपने हाथों में देने का अनुरोध किया था। इससे उन्हें पता चल जाता कि बैरीमोर कहाँ है। क्या टेलीग्राम बैरीमोर के हाथ लग गया था? क्या बैरीमोर उस समय लंदन में था? जवाब चाहे जो भी हो, मुझे पूरा यकीन था कि मुझे होम्स को कुछ बताना है।

नाश्ते के बाद, हेनरी के पास देखने के लिए बहुत सारे कागज़ात थे। कुछ हिसाब-किताब का काम था। मेरा वहाँ कोई काम नहीं था। मेरे पास बहुत समय था। मैंने ग्रिम्पन जाने का फैसला किया। अगर आप मलराना के किनारे-किनारे चलें, तो चार मील दूर ग्रिम्पन पहुँच जाएँगे। हम तुरंत चल पड़े। सुबह-सुबह उस सड़क पर चलना अच्छा लगा। थोड़ी देर बाद, हम एक छोटे से गाँव में पहुँचे। गाँव में पाँच-पच्चीस धूल भरे घर थे। यही ग्रिम्पन था। वहाँ दो ठीक-ठाक इमारतें थीं। उनमें से एक धर्मशाला निकली और दूसरी मॉर्टिमर का घर। मॉर्टिमर का घर थोड़ा ऊपर था। गाँव का मुखिया डाकिये का काम भी कर रहा था। उसे वह टेलीग्राम अच्छी तरह याद था।

"जी हाँ। आपका क्या मतलब है? मैंने आपको निर्देशानुसार बैरीमोर के हाथों में टेलीग्राम देने के लिए कहा था।"

"क्या तुमने मुझे बताया था? तुम्हारा मतलब है कि तुमने इसे खुद नहीं दिया?"

"नहीं। मेरे बेटे ने पहुंचाया था।" वह घर के अंदर मुड़ा और अपने बेटे को चिल्लाकर बोला, "जेम्स, तुमने पिछले हफ्ते बैरीमोर को एक टेलीग्राम पहुंचाया था, है ना?"

चौदह-पंद्रह साल का एक लड़का अंदर से बाहर आया, अपने कपड़े झाड़ते हुए। वह बिल्कुल अपने पिता जैसा दिखता था। मैंने पूछा, "क्या तुमने खुद बैरीमोर को वह तार दिया था?"

"जी हाँ। आपका क्या मतलब है?" उनके बोलने का तरीका भी उनके पिता जैसा ही था। उस स्थिति में भी मुझे हंसी आ गई। "हुआ ये कि जब मैं टेलीग्राम लेने गई, तो बैरीमोर बालकनी पर

चढ़ गए थे। उनके हाथों में टेलीग्राम ले जाना मुश्किल था। मैंने उनकी पत्नी को दे दिया। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें टेलीग्राम ज़रूर दे दूंगी।"

क्या आपने बैरीमोर को व्यक्तिगत रूप से देखा?

"यह कैसा दिखता? यह बालकनी पर था, है ना?"

"ओह, पिताजी, अगर आपने उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा, तो आपको कैसे पता चलेगा कि वे बालकनी पर थे या नहीं?"

"अब उनकी पत्नी ने ऐसा कहा है।" तब तक पोस्टमास्टर चिढ़ चुका था। उसने एक खास औपचारिक लहजे में कहा, "क्या कोई समस्या है? क्या टेलीग्राम नहीं पहुंचा? अगर हां, तो बैरीमोर को खुद आकर शिकायत करनी चाहिए। आपके कुछ करने का कोई फायदा नहीं है।" उसने तीखे स्वर में कहा। अब और सवाल पूछने का कोई मतलब नहीं था। मैं वापस मुड़ गया।

होम्स की टेलीग्राम वाली चाल बेकार साबित हुई। पीछा करने वाले दिन बैरीमोर कहाँ था, यह पता नहीं चल सका। और अगर सर चार्ल्स को सबसे पहले उसी ने मरा हुआ देखा होता, अगर सर हेनरी का पीछा उसी ने किया होता, तो इससे क्या साबित होता? इससे क्या साबित होता? इससे सौ और सवाल खड़े हो गए। बास्करविल परिवार से उसकी दुश्मनी क्या थी? क्या उसने यह सब रचा था, क्या वह खुद किसी और की साजिश का हिस्सा था? लेकिन फिर उन जाली चिट्ठियों में हेनरी को किसने चेतावनी दी थी, 'अगर तुम्हें अपनी जान की परवाह है, तो मूरों से दूर रहो'? क्या खुद बैरीमोर ने? बैरीमोर ज़रूर कुछ छिपा रहा था। वह किसका साथ दे रहा था, हेनरी का या हेनरी के दुश्मनों का? कुछ भी निश्चित नहीं था। बैरीमोर कई सालों तक उस शानदार बास्करविल हॉल में एक रईस की तरह रहा था। यहाँ उसका अपना हित था। क्या उसने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि उसे डर था कि हेनरी के यहाँ आने से उसकी स्थिति हिल जाएगी, उसके सुख-सुविधाएँ खत्म हो जाएँगी? लेकिन फिर, इसी वजह से, हेनरी के इर्द-गिर्द इतना पेचीदा जाल बुनना और इतनी जटिल साजिश रचना व्यर्थ था। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। मैं उस सुनसान सड़क पर चलते हुए सोच रहा था। मैं मन ही मन प्रार्थना कर रहा था कि होम्स लंदन में अपना बाकी काम खत्म करके जल्द से जल्द यहाँ आ जाएँ। होम्स ने खुद कहा था कि उन्होंने इससे पहले कभी इतना चुनौतीपूर्ण मामला नहीं देखा था। यह सच था। इस मामले को देखते हुए भी मेरा मन परेशान था। लेकिन होम्स आसानी से इससे निकलने का रास्ता निकाल सकते थे।

मैं अपने विचारों में खोया हुआ चल रहा था कि अचानक मुझे अपने पीछे दौड़ते कदमों की आहट सुनाई दी। मेरे विचार रुक गए। मैंने अपना नाम भी पुकारा जाते सुना। मुझे लगा कि यह डॉ. मोर्टिमर होंगे, क्योंकि मैं उनसे मिले बिना ही उनके गाँव से निकल रहा था। मैं मुड़ा। लेकिन

यह कोई अनजान व्यक्ति था। मैं डर गया। एक छोटा, दुबला-पतला, करीने से दाढ़ी वाला, साफ-सुथरा आदमी मेरी ओर दौड़ रहा था। वह लगभग चालीस वर्ष का था, उसके बाल भूरे थे, छोटी दाढ़ी थी, उसने ग्रे रंग का सूट पहना था, सिर पर भूसे की टोपी थी, कंधे पर पौधों के नमूने इकट्ठा करने वाला एक छोटा सा डिब्बा था और हाथ में तितली पकड़ने वाला जाल था।
"डॉक्टर वॉटसन, सड़क पर अचानक आपको रोकने के लिए क्षमा करें," वह हांफते हुए मेरे पास आते हुए बोले। "इस पंचक्रास में हम शहरी तौर-तरीके नहीं अपनाते। हर कोई परिवार की तरह व्यवहार करता है। आपने मेरा नाम डॉक्टर मोर्टिमर से सुना होगा। मैं स्टेपलटन हूं। मैं मेरिपिट हाउस में रहता हूं।"
"हम्म। मुझे आपको आपके तितली पकड़ने वाले जाल और नमूने रखने वाले डिब्बे से पहचान लेना चाहिए था। मोर्टिमर ने मुझे बताया था कि आप एक प्रकृतिवादी हैं। लेकिन आप मुझे कैसे जानते हैं?"
"उसे क्या हुआ? मैं मोर्टिमर को फोन कर रहा था। वह अपने अस्पताल की खिड़की पर आया और तभी उसने आपको जाते हुए देखा। उसने इशारे से आपकी ओर इशारा किया। हम दोनों का रास्ता एक ही है। उसने कहा कि हमें आपसे मिलना चाहिए। चलिए एक-दूसरे को जान लेते हैं। बाकी का सफर कैसा रहा? क्या सर हेनरी को सफर में कोई परेशानी हुई?" उसने मेरी चाल से कदम मिलाते हुए कहा।
"अरे नहीं। कुछ नहीं।"
सच कहूँ तो? सर चार्ल्स की मृत्यु के बाद, हमने सोचा था कि अगर सर हेनरी उत्तराधिकारी भी होते, तो भी वे यहाँ आकर रहना नहीं चाहेंगे। भला इतना धनी और पेशेवर व्यक्ति इतने शोरगुल भरे और खुशहाल माहौल में आकर क्यों रहेगा? बेशक, उनकी भी वही ज़िम्मेदारी है। फिर भी, हमें उनका सम्मान करना होगा। कुल मिलाकर, सर हेनरी अंधविश्वासी नहीं लगते। है ना?
"हा हा। बिलकुल नहीं।"
"हम्म। क्या आप बास्करविल्स की कहानी जानते हैं?" स्टैपलटन ने धीमी आवाज़ में पूछा, चारों ओर देखते हुए। मानो खुले मैदान में हमारी बातें कोई सुन ही लेगा।
"हां। मैंने यह सुनकर ही जान लिया है।"
"यहाँ के गाँव वाले ऐसी बातों पर यकीन करते हैं। और अब जब सब कुछ हो चुका है, तो कितने लोग सीने पर हाथ रखकर कहेंगे कि उन्होंने उस जीव को देखा था?" स्टैपलटन ने गाँव वालों की राय पर तिरस्कारपूर्वक हँसते हुए कहा। लेकिन मुझे लगा कि वह खुद इसमें ज़्यादा दिलचस्पी ले रहा था। "सर चार्ल्स ने इसे बहुत गंभीरता से लिया। और अंत में उसी ने उसे मार डाला।"

"हाँ। लेकिन कैसे?" मैंने कहा।
"वह इतना दुखी था कि अगर उसे कोई शिकारी कुत्ता, गांव का कोई कुत्ता भी दिख जाता, तो वह डर से मर जाता। उसने उस रात यू गली में कुछ न कुछ जरूर देखा होगा। मैं उससे बहुत प्यार करती थी। लेकिन अंत में, उसका दिल कमजोर पड़ गया था।"
"आप यह कैसे जानते हैं?"
"डॉ. मोर्टिमर। उन्होंने मुझे सब कुछ बताया!"
"तो आपका मतलब यह है कि सर चार्ल्स को वास्तव में किसी कुत्ते ने दौड़ाया था और वे डर के मारे मर गए?"
"इससे ज्यादा कुछ नहीं हो सकता," स्टैपलटन अपनी बात पर अड़े रहे।
मैंने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है।
"और... शर्लक होम्स?"
मैं खुशी से झूम उठा। मुझे किसी से भी इतने सीधे सवाल की उम्मीद नहीं थी। लेकिन स्टैपलटन के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। मुझे उनमें उसे आश्चर्यचकित करने का कोई इरादा नहीं दिखा। उन्होंने सीधे-सीधे एक सरल सवाल पूछा था।
"डॉ. वॉटसन, मैं झूठ क्यों बोलूँ और कहूँ, 'मैं आपको नहीं जानता'? आपकी और आपके दोस्त की प्रसिद्धि इतनी दूर तक पहुँच चुकी है। जब मॉर्टिमर ने कहा कि आप आएँगे, तो वह आपके बारे में कुछ भी छिपा नहीं सका। आप आसानी से डेवोनशायर नहीं आए। और चूंकि आप यहाँ आ गए हैं, तो शर्लक होम्स भी ज़रूर आएँगे, इसलिए हम यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि इस मामले में उनकी क्या राय है।"
"क्षमा कीजिए, लेकिन मैं इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता।"
"कोई बात नहीं। लेकिन मुझे बताइए, क्या उनसे मिलने की कोई संभावना है? वे खुद यहां कब आएंगे?" स्टैपलटन ने जोर देकर पूछा।
"फिलहाल, वे लंदन में एक बड़े मामले में शामिल हैं।"
"हाँ, बिल्कुल। अगर वह खुद आ जाते, तो मामला तुरंत सुलझ जाता। खैर, डॉ. वॉटसन, अगर मैं आपके लिए कुछ कर सकूँ, तो मुझे बताइए। बिल्कुल भी संकोच न कीजिए। अगर मुझे कुछ भी संदिग्ध लगा, तो मैं आपको तुरंत सूचित करूँगा। मेरे पास कुछ जानकारी है। अगर मैं आपके किसी काम आ सकूँ, तो मुझे बास्केरविल हॉल के रहस्य को जल्द से जल्द सुलझाने में खुशी होगी।"

"श्री स्टैपलटन और सर हेनरी मेरे मित्र हैं और मैं उनके साथ आराम से रहने आया हूँ। बस इतना ही। मुझे नहीं लगता कि किसी विशेष सहायता की आवश्यकता होगी। फिर भी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"

"वाह! डॉ. वॉटसन, आप तो बहुत सावधान लगते हैं। मुझे आपके काम में दखल नहीं देना चाहिए था। क्षमा करें। मैं दोबारा नहीं पूछूंगा," स्टैपलटन ने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा।

हम आगे बढ़ रहे थे। एक जगह पर, मुख्य सड़क से एक पगडंडी अलग हो गई। उसके दोनों ओर घास थी। वह जंगल के चारों ओर घूमकर आगे बढ़ गई थी। दाहिनी ओर एक खड़ी पहाड़ी थी। जगह-जगह काले पत्थर निकले हुए थे। उसमें ग्रेनाइट की खदान भी खोदी गई थी। इस वजह से, एक तरफ का हिस्सा चट्टान की तरह सीधा दिखाई दे रहा था। ऊपरी किनारा और भी ऊंचा लग रहा था। पहाड़ी के पीछे से धुएं के छोटे-छोटे गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे थे।

"अगर आप इस मलराना के साथ-साथ चलेंगे, तो थोड़ी ही दूरी पर आपको हमारा मैरीपिट हाउस मिल जाएगा। आइए और कुछ देर के लिए हमसे मिलिए। मैं आपको अपनी बहन से मिलवाता हूँ। आइए," स्टेपलटन ने उत्सुकता से कहा।

मैं हेनरी के साथ रहना चाहती थी। लेकिन वह फाइलों और बिलों की जाँच में व्यस्त था। मैं उसके काम में उसकी मदद नहीं कर सकी। होम्स ने मुझे आस-पास के लोगों के बारे में जानकारी जुटाने को कहा था। स्टैपलटन के घर जाने का मौका अभी-अभी मिला था। मैंने हाँ कह दी। हम मुख्य सड़क छोड़कर पगडंडी पर चलने लगे।

"यह जगह बहुत खूबसूरत है। यहाँ प्रकृति के अनगिनत चमत्कार छिपे हुए हैं। यह विशाल, निर्जन और रहस्यमय मलरान।" स्टैपलटन आसपास के पहाड़ों की लहरों और सामने फैले विशाल पठार को देखते हुए विस्मय से बोल रहा था।

आपको इस बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

"मैं यहाँ केवल दो साल से हूँ। सर चार्ल्स के यहाँ रहने आने के कुछ समय बाद ही मैं यहाँ आया होगा। यहाँ के निवासी मुझे नवागंतुक कह सकते हैं, लेकिन मैंने इस क्षेत्र में इतना भ्रमण किया है कि मैं इस वन्य क्षेत्र के बारे में उनसे कहीं अधिक जानता हूँ। बेशक, प्रकृति मेरा पसंदीदा विषय है, इसलिए मैं भी यहाँ घूमता रहा।"

"हम्म। लेकिन यह अध्ययन बहुत मुश्किल होगा, है ना?"

"बिल्कुल सही। अब इसे देखिए। आप उत्तर की ओर उस मैदान को देख सकते हैं, जिसके बीच में वे छोटी-छोटी पहाड़ियाँ खड़ी हैं। ध्यान से देखिए। क्या आपको इसमें कुछ अलग नज़र आता है?"

मैंने गौर से देखा। मंद रंगों का एक दृश्य। समतल, बीच में एक हल्की ढलान वाली पहाड़ी।
मैंने कहा, "घुड़सवारी के लिए यह एक शानदार जगह है।" मुझे सचमुच ऐसा ही लगा।
"ऊपरी तौर पर देखने पर ऐसा सोचना स्वाभाविक है। क्योंकि आपको पता नहीं कि यहाँ क्या है।" स्टैपलटन अचानक गंभीर होते हुए बोले, "वहाँ कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। क्या आपको बीच में हरियाली के वो छोटे-छोटे हिस्से दिख रहे हैं?"
"हाँ। वह हिस्सा ज़्यादा उपजाऊ होगा..." मेरे वाक्य पूरा होने से पहले ही स्टैपलटन ज़ोर से हंसने लगा।
"डॉक्टर वॉटसन। यह वही मशहूर ग्रिम्पेन दलदल है। यह बहुत भयानक है। अगर गलती से भी इसमें पैर पड़ जाए, तो समझो मौत। चाहे इंसान हो या कोई बड़ा जानवर। मैंने कल एक खच्चर को इसमें गिरते देखा। उसने बहुत कोशिश की, संघर्ष किया, लात मारी, लेकिन बाहर नहीं निकल पाया। हर झटके के साथ वह और गहरा धंसता चला गया। काफी देर तक सिर्फ उसका सिर ही बाहर दिखाई दे रहा था। आखिर में वह भी गायब हो गया। दलदल ने उसे पूरी तरह निगल लिया। ऊपर उसका कोई निशान तक नहीं बचा। गर्मी के मौसम में भी यह दलदल कभी सूखता नहीं है। और कभी-कभी तो यह जानलेवा भी होता है। ज़मीन पर हर जगह गाढ़े कीचड़ के गहरे-गहरे गड्ढे हैं, छोटे-बड़े। यह बताना मुश्किल है कि ज़मीन कहाँ खत्म होती है और दलदल कहाँ शुरू होता है। दूर से देखने पर यह हरे-भरे मैदान जैसा लगता है, लेकिन यह खतरनाक है। यह मौत का जाल है। मैं वहाँ जा चुका हूँ।" "खुशकिस्मती से हम सुरक्षित लौट आए।" वहाँ एक जगह की ओर इशारा करते हुए उन्होंने अचानक कहा, "देखो वहाँ... देखो वहाँ... कोई अभी भी फंसा हुआ है।"
मैंने उधर देखा। एक बड़ा बछड़ा दलदल में फंसा हुआ था। मैं उसे हरियाली के बीच संघर्ष करते हुए देख सकता था। बेबस चीखों की भयानक आवाज पूरे मैदान में फैल गई। वह धीरे-धीरे डूब रहा था। दलदल उसे निगल रहा था। मैंने ऐसा दृश्य पहले कभी नहीं देखा था। मैं जम गया। लेकिन स्टैपलटन का दिल मुझसे कहीं ज्यादा मजबूत रहा होगा।
"दो दिनों में दो पीड़ित। अभी और भी हो सकते हैं।" उसने सीधे-सादे शब्दों में कहा, "जब तक आप वहाँ नहीं जाते, जब तक आप अंदर कदम नहीं रखते, तब तक आपको कुछ पता नहीं चलेगा। और फिर जानने का कोई फायदा नहीं... ग्रिम्पन मार्श।" उसका पूरा ध्यान वहीं केंद्रित था।
"और आपने कहा कि आपने इसे पार किया?"
"हाँ। पार करने के केवल एक या दो ही रास्ते हैं। वे बहादुरों के लिए हैं। यह दलदल सांप-सीढ़ी का एक भयानक खेल है, लेकिन इसे पार किया जा सकता है।"

"लेकिन तुम ऐसी जगह क्यों जाओगे?" माघा की छवि बार-बार मेरी आंखों के सामने आ रही थी।

"पीछे दिख रही वो पहाड़ी? यहाँ हर जगह ऐसी ही पहाड़ियाँ हैं। ये इस दलदल में द्वीपों जैसी हैं। वहाँ पौधों और तितलियों की कई दुर्लभ प्रजातियाँ पाई जाती हैं। बेशक, आप उन्हें तभी देख सकते हैं जब आपमें वहाँ जाने और उन्हें देखने की इच्छा और हिम्मत हो।" यह स्पष्ट नहीं था कि स्टैपलटन जवाब दे रहे थे या विषय बदल रहे थे।

मैं इसे एक दिन जरूर देखने जाऊंगा।

मेरी बातों पर स्टैपलटन ने आश्चर्य से मेरी ओर देखा।

"डॉक्टर वॉटसन, इसके बारे में सोचना भी मत। तुम्हारी मौत के लिए मैं ज़िम्मेदार होऊंगा। तुम्हारे वहां से ज़िंदा लौटने की कोई उम्मीद नहीं है। यह ख्याल मन से निकाल दो।" स्टैपलटन ने अभी अपनी बात पूरी ही की थी कि जंगल से एक आवाज़ आई। बहुत कर्कश, लेकिन दयनीय। कोई जानवर गुर्रा रहा था। बहुत धीमी आवाज़ में। जैसे किसी कुत्ते का गला। धीरे-धीरे आवाज़ तेज़ होती गई। वह डरावनी हो गई। उसमें बेबसी और डर था। यह बताना नामुमकिन था कि आवाज़ ठीक कहाँ से आ रही थी। वह आवाज़ बिजली की तरह पूरे जंगल में फैल गई। मैं इधर-उधर देखने लगा। स्टैपलटन चुपचाप खड़ा मेरी प्रतिक्रिया देख रहा था।

"मालरान... एक बेहद रहस्यमय जगह है..." वह हंसते हुए बुदबुदाया।

"लेकिन यह क्या है? कैसी आवाज़ है?"

"यहां के ग्रामीण कहते हैं कि यह आवाज बास्करविल्स के शिकारी कुत्ते की है। यह अपने मालिक को पुकार रहा है। मैंने इसे पहले भी एक-दो बार सुना है। लेकिन इतनी जोर से मैंने इसे पहली बार सुना है।"

मैं हर जगह ध्यान से देख रहा था। फिर भी मुझे आवाज़ का स्रोत समझ नहीं आ रहा था। दलदल, छोटी पहाड़ियाँ, उनके बीच उगने वाले कंटीले पेड़, सब कुछ शांत था। कहीं कोई आवाज़ नहीं थी। ऐसा लग रहा था मानो कोई अदृश्य प्राणी दलदल में किसी पेड़ के पीछे छिपा हो। वह मुझे किसी तरह की चेतावनी दे रहा हो।

"आप एक प्रकृतिवादी हैं। क्या आप भी ऐसी कहानियों में विश्वास करते हैं? आप क्या सोचते हैं? इससे किस तरह की ध्वनि उत्पन्न होगी?"

"मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता, लेकिन यह जमीन से आने वाली आवाज हो सकती है। यह कुछ वैसी ही आवाज है जैसे जमीन सूखने पर कीचड़ से गर्म हवा के बुलबुले निकलते हैं... कुछ वैसा ही।"

"ची ची। यह निश्चित रूप से किसी जीवित जानवर की आवाज थी।"

"शायद। क्या आपने कभी बिटरन पक्षी की आवाज सुनी है?"
"नहीं, कभी नहीं।"
"यह एक बड़े गिद्ध जैसा दिखता है। यह लगभग विलुप्त हो चुका है। लेकिन इस पहाड़ी पर आपको कुछ भी मिल सकता है। शायद यह इसकी आवाज़ भी हो।" स्टैपलटन अभी भी किसी चीज़ को घूर रहा था। "यह एक अजीब जगह है। उधर देखो। क्या तुम्हें कुछ अलग दिख रहा है?"
पहाड़ी की ढलान पर जगह-जगह पत्थर जमा थे। यह कोई बहुत व्यवस्थित निर्माण नहीं था। मैंने अब तक इस पर ध्यान नहीं दिया था।
"ये क्या है? चरवाहों द्वारा बनाए गए भेड़ों के जाल?"
नहीं। ये घर इंसानों के हैं। आदिम इंसानों के। इन्हें उन इंसानों ने बनाया था जो ज्ञात इतिहास से पहले यहाँ रहते थे। यहाँ उनकी बस्तियाँ बहुतायत में थीं। पता नहीं क्यों, लेकिन वे नष्ट हो गईं। हालाँकि, घर सुरक्षित बचे रहे। अगर आपको जिज्ञासा हो, तो वहाँ जाइए। छतें भले ही गिर गई हों, लेकिन आपको अंदर बैठने की जगहें और आग जलाने की जगहें मिलेंगी।
मैंने गौर से देखना शुरू किया। मैंने इसकी संरचना पर ध्यान देना शुरू किया। "यह उस समय के किसी छोटे कस्बे जैसा दिखता है। ये घर कब के हैं?"
"मुझे नहीं पता। लेकिन शायद यह पाषाण युग का अंतिम चरण था। धातुओं की खोज हो चुकी थी। पत्थर का उपयोग कम हो रहा था। तलवारें पत्थर के औजारों की जगह ले रही थीं। मनुष्य ने पशुओं को पालतू बनाना शुरू कर दिया था। उस समय, उसके मवेशी ऐसी ढलानों पर चरते होंगे। और बस्ती यहीं विकसित हुई होगी। उस पहाड़ी को देखो। यह मलराना की सबसे खास जगह है।" और स्टैपलटन खुद घास को देखते हुए बोले, "ओह, यह तो पक्का एक साइक्लोपाइड है।"
मैंने भी उधर देखा। एक छोटा बाज़ घास पर बैठा था और उड़ गया। स्टैपलटन दौड़ने लगा और उसे पकड़ने के लिए अपने हाथ में जाल उठाया। उसकी उत्तेजना शब्दों में बयान नहीं की जा सकती थी। बाज़ दलदली ज़मीन की ओर उड़ गया। स्टैपलटन भी उसका पीछा करने लगा, बीच में मौजूद दरारों और घास को नज़रअंदाज़ करते हुए। बाज़ इधर-उधर, ऊपर-नीचे उड़ रहा था। स्टैपलटन भी उतना ही फुर्तीला था। हवा में लहराता उसका भूरा कोट, उसकी बेतहाशा उछल-कूद और अचानक रुकना, उसे इतने बड़े दलदल में एक विशाल बाज़ जैसा दिखा रहा था। वह उस दलदल में बड़ी कुशलता से अपना रास्ता बना रहा होगा। मैं उसे दौड़ते हुए देखता रहा। अचानक मुझे अपने पीछे कदमों की आहट सुनाई दी। जब मैंने मुड़कर देखा, तो रास्ते पर एक महिला खड़ी थी। वह उसी दिशा से आई थी जहाँ से पहाड़ी के पीछे से धुआँ आ रहा था।

मैरीपिट हाउस वहीं होना चाहिए। शायद इसलिए कि वह अपने आसपास की लंबी, सूखी घास में घुलमिल गया था, इसलिए जब तक हम इतने करीब नहीं पहुँचे, तब तक वह दिखाई नहीं दिया था। ऐसा लगा जैसे वह अचानक इस रास्ते पर प्रकट हो गया हो।

इस सुनसान वीरान इलाके में महिलाओं की संख्या आम तौर पर कम ही थी। मेरे सामने खड़ी महिला बेहद खूबसूरत थी। अपने सुडौल शरीर, सीधी चाल और सुरुचिपूर्ण पोशाक के साथ, वह इस नीरस परिवेश से बिल्कुल अलग लग रही थी। मुझे लगा कि वह स्टैपलटन की बहन होगी। हालांकि, उसके चेहरे और स्टैपलटन के चेहरे में कोई समानता नहीं थी। वह स्टैपलटन से बस थोड़ी सी सांवली थी। झुर्रियों से भरे उसके चेहरे पर गहरी आंखें स्टैपलटन पर टिकी थीं, जो पाकोली के पीछे भाग रहा था। अचानक उसने मेरी तरफ ध्यान दिया। इससे पहले कि मैं अपनी टोपी उतारकर अभिवादन के कुछ शब्द कह पाता, वह बोलने लगी।

"वापस जाओ... जैसे ही आई हो वैसे ही वापस जाओ... यहाँ मत रुको, लंदन जाओ... तुरंत..." वह इतनी जल्दी में बोल रही थी कि स्टैपलटन को सुनाई नहीं दे रहा था।

मुझे कुछ समझ नहीं आया। मैं अवाक होकर उसे देखती रही। उसकी बेचैनी और बढ़ गई थी। उसने बेबसी से अपना पैर ज़मीन पर पटका। वह बार-बार वही बात दोहराती रही, मेरी आँखों में देखती रही।

"क्यों? मुझे वापस क्यों जाना चाहिए?" मैंने सीधे पूछा।

“'श... मैं तुम्हें यह नहीं बता सकती।'” उसने बुदबुदाते हुए कहा, “लेकिन कृपया यहाँ से वापस चले जाओ। इस मैदान पर फिर कभी कदम मत रखना। कृपया...”

"लेकिन मैं अभी-अभी पहुंचा हूँ।"

"हे भगवान! मैं ये सब तुम्हारे भले के लिए कह रही हूँ। मेरी बात सुनो। यहाँ मत रुको। लंदन वापस जाओ। आज ही।" अचानक उसका ध्यान स्टैपलटन पर गया, जो मेरे पीछे आ रही थी। उसके पारदर्शी चेहरे पर डर की एक लकीर उभर आई। "अरे! मेरा भाई आ रहा है। उसे मत बताना कि मैंने क्या कहा।" मेरे पीछे कदमों की आहट से मैंने स्टैपलटन को आते हुए पहचान लिया। उसने अपना लहजा एकदम नाटकीय ढंग से बदल दिया। उसने मुस्कुरा दिया। क्या यही वो है जो 'वापस जाओ' कहती है? ऐसा लग रहा था जैसे वो आसानी से कह रही हो, "कृपया मुझे वो ऑर्किड का फूल दे दो? मलराना में ऑर्किड की अनगिनत किस्में हैं। लेकिन तुम यहाँ थोड़ी देर से आई हो। अगर तुम पहले आतीं, तो तुम्हें और भी बहुत कुछ देखने को मिलता।"

स्टैपलटन हमारे पास पहुँच गया था। उसके हाथ में जाल खाली था। उसने साइक्लोपाइड को छोड़ दिया होगा। वह हाँफ रहा था, पसीने से भीगा हुआ था। वह इतनी दूर दौड़ा था कि उसकी

साँस फूल रही थी। लेकिन उस हालत में भी उसने उससे कहा, "हेलो बेरील, तुम यहाँ कब पहुँचीं?" हालाँकि उसके चेहरे पर मुस्कान थी, लेकिन उसकी आवाज़ में थोड़ी नाराज़गी थी।
"जैक। तुम कितने मूर्ख हो!"
"हाँ। ओह, मैंने अभी-अभी एक साइक्लोपाइड देखा। लेकिन मैं उसे पकड़ नहीं पाया। यह बहुत ही दुर्लभ प्रजाति है। और आजकल तो इसे ढूंढना नामुमकिन है।" वह बोल तो रहा था, लेकिन दिल से नहीं। वह बीच-बीच में चोरी-छिपे मेरी और उस महिला की तरफ देख रहा था। वह अंदाज़ा लगा रहा था।
"अरे! क्या तुम मुझसे मिले थे?"
"हाँ। मैं सर हेनरी को यही तो बता रही थी, अगर वो थोड़ा पहले आ जाते तो मलराना की खूबसूरती देख पाते।" बेरिल ऐसे बोल रही थी मानो किसी नाटक की कोई पंक्ति सुना रही हो।
"सर हेनरी? बेरिल, तुम्हें क्या लगता है कि वे कौन हैं? सर हेनरी?"
"हां... मेरा मतलब है... ये सर हेनरी बास्करविल हैं, है ना?"
"नहीं, नहीं... आप कुछ गलत समझ रहे हैं। मैं डॉक्टर वॉटसन हूं। सर हेनरी बास्करविल मेरे घनिष्ठ मित्र हैं।"
यह सुनकर उसका चेहरा पीला पड़ गया। उसकी गहरी आँखों में उदासी छा गई। उसके चेहरे पर एक ऐसी स्त्री-सुलभ झिझक भी दिखाई दी जो माघा ने पहले कभी महसूस नहीं की थी। खुद को संभालते हुए उसने बुदबुदाते हुए कहा, "और मैं तो बस बकवास कर रही थी।"
"क्यों? तुमने ज़्यादा कुछ कहा नहीं है, है ना?" उसने अर्थपूर्ण ढंग से पूछा। उसकी निगाहें अब भी कुछ खोज रही थीं।
“मैं... मैंने सोचा था... डॉ. वॉटसन यहीं रहते हैं। मैं उन्हें ऑर्किड के बारे में बताती रही। आपको मेरिपिट हाउस जाना चाहिए, डॉ. वॉटसन।” हालाँकि आखिरी वाक्य मुझसे कहा गया था, लेकिन यह विषय बदलने का एक प्रयास था। हम वहाँ से चले गए।
मैरीपिट हाउस थोड़ी ही दूरी पर था। उस इलाके के अन्य घरों की तरह, इसकी बनावट भी उदास और रहस्यमयी थी। यह अतीत में किसी धनी किसान का घर रहा होगा। इसका जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण किया गया था। पास में एक छोटा सा बगीचा था। लेकिन पेड़ टेढ़े-मेढ़े थे। डालियाँ नीचे लटकी हुई थीं। यह दृश्य आसपास के उजाड़ बंजर इलाके से बिल्कुल मेल खाता था। एक हट्टे-कट्टे नौकर ने हमारा स्वागत किया। वह घर की देखभाल करता होगा। उसे पहले कभी यहाँ नहीं देखा गया था। आबादी इतनी कम थी कि इसे एक बार देखने वाला भी इसे याद रखता। हम अंदर गए। बड़े कमरे अच्छी तरह से सजे-धजे और व्यवस्थित थे। स्टेपलटन की बहन ने घर पर विशेष ध्यान दिया होगा। उनके शहरी स्वाद की झलक हर जगह

दिखाई दे रही थी। उन्होंने खिड़की से बाहर देखा। दूर तक फैला हुआ उजाड़ बंजर इलाका था। उसके बीच में बिखरे हुए पत्थर थे। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि इतना शिक्षित और सुसंस्कृत व्यक्ति ऐसी जगह पर कैसे रह सकता है।

“ये रहने के लिए बहुत अजीब जगह लगती है, है ना?” मैंने चिढ़कर कहा। स्टेपलटन को शायद पता था कि मैं क्या सोच रही हूँ। “लेकिन हम यहाँ खूब मज़े करते हैं, है ना, बेरील? है ना?”

"हाँ, हाँ, बहुत बढ़िया," बेरील ने ऐसे कहा जैसे उसे डांट पड़ी हो। उसके सिर हिलाने में कोई भाव नहीं था।

“मैं इंग्लैंड के उत्तर में एक स्कूल चलाता था। लेकिन वह पेशा मेरे स्वभाव के अनुकूल नहीं था। सालों तक एक ही विषय पढ़ाना बहुत नीरस और उबाऊ काम था। लेकिन मुझे छोटे बच्चों के साथ रहना, उनके विचारों को दिशा देना अच्छा लगता था। स्कूल अच्छा चल रहा था। लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। एक दुर्घटना में स्कूल के तीन बच्चों की मौत हो गई। स्कूल बंद करना पड़ा। यह ज़रूरी था। मेरी बहुत सारी पूंजी इसमें खर्च हो गई थी। वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान मेरे पसंदीदा विषय हैं। बेरील और मैं दोनों। मैं इसी धारा के साथ यहाँ आया हूँ। यहाँ इन विषयों में काम करने वाले बहुत कम लोग हैं।” अचानक रुककर, स्टेपलटन ने पूछा, “क्या आपको अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया? जब आप खिड़की से उस घास के मैदान को देख रहे थे, तो आप सोच रहे थे कि मैं यहाँ कैसे आया, है ना?” मुझे नहीं पता था कि स्टेपलटन में दूसरों के मन की बात पढ़ने की क्षमता थी या नहीं।

"हाँ। मैं सोच रहा था कि आप यहाँ अपना समय कैसे बिता रहे हैं। आप बहुत ऊब रहे होंगे, है ना? अगर आप नहीं, तो आपकी बहन तो ज़रूर ऊब रही होगी।"

"नहीं, नहीं," बेरिल ने जल्दी से कहा, "मुझे यहाँ कभी बोरियत नहीं होती।" यह सरल वाक्य कहते हुए भी, उसका ध्यान अपने भाई पर था।

"हमारे पास बहुत सी किताबें हैं। हमारे अपने शौक भी हैं जिनमें हम मग्न रहते हैं। हमारे पड़ोसी अच्छे हैं। डॉ. मोर्टिमर इस इलाके के सबसे विद्वान व्यक्ति हैं। सर चार्ल्स भी बहुत मिलनसार और दिलचस्प इंसान थे। लेकिन उनके साथ ऐसा ही हुआ। हम बहुत करीबी दोस्त थे। उनके अचानक चले जाने के बारे में मैं आपको क्या बताऊं? डॉ. वॉटसन, अब जब आप मुझसे परिचित हो चुके हैं, तो मैं सर हेनरी को आज यहां आने का न्योता देता हूं। वे भी मुझसे परिचित हो जाएंगे। क्या?"

"वे ज़रूर आना चाहेंगे।" मैं।

"कृपया उन्हें मेरा प्रणाम कहिएगा। असल में, जब कोई नया व्यक्ति यहाँ आता है तो वह थोड़ा असहज महसूस करता है। भले ही मैं मना कर दूं, फिर भी यह माहौल मेरे मन पर थोड़ा दबाव डालता है। अगर मैं थोड़ा सा दबाव कम करने की कोशिश कर सकूं तो मुझे खुशी होगी।"
हम वहां खड़े-खड़े काफी देर से बातें कर रहे थे। स्टेपलटन को तो पता भी नहीं चला। वह अपने ही विचारों में खोया हुआ था।
"ऊपर आइए, डॉ. वॉटसन। मैं आपको तितलियों का अपना संग्रह दिखाऊंगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इंग्लैंड के इस हिस्से में किसी ने भी इतना संपूर्ण संग्रह नहीं बनाया है। जब तक आप इसे देखेंगे, तब तक खाना तैयार हो चुका होगा। अभी खा लीजिए।"
लेकिन मेरा समय बीतता जा रहा था। हेनरी को बहुत देर तक अकेला छोड़ दिया गया था। बंजर खेतों की उदासी, दलदल में खच्चर की गुर्राहट, वह अजीब सी आवाज़ जो मैंने सुनी... ये सब मुझे घेर रहा था। मुझे सचमुच बास्करविल की किंवदंती का माहौल महसूस होने लगा था। इन सब की कुंजी बेरिल स्टेपलटन की लंदन वापस जाने की सलाह थी। उसके रहस्यमय व्यवहार में, उसकी दिखावटी, झूठी मुस्कान में ज़रूर कुछ छिपा हुआ था।
मैंने किसी तरह स्टैपलटन के खाने के आग्रह को ठुकरा दिया और बाहर निकल गया। काफी समय बीत चुका था। बाहर की रोशनी भले ही बदल गई थी, लेकिन वातावरण अब भी नीरस और उदास था। मैं मन ही मन बहुत उलझन में था। मैं मुख्य सड़क की ओर चल पड़ा। मेरे सामने चौराहे पर पहुँचकर मैंने देखा कि बेरील एक पत्थर पर बैठी मेरा इंतज़ार कर रही थी। मेरिपिट हाउस से मुख्य सड़क तक जाने का कोई और छोटा रास्ता ज़रूर होगा। हालाँकि, इतना चलने से उसका चेहरा थकान से लाल हो गया था। वह और भी खूबसूरत लग रही थी। मुझे देखते ही वह खड़ी हो गई। वह मेरी ओर आई। उसने माघा की ही तरह जल्दबाजी में फिर से बोलना शुरू कर दिया।
"वॉटसन। मैं तुम्हें रोकने के लिए सड़क के बीचोंबीच दौड़ता हुआ आया। मेरे पास ज्यादा समय नहीं है। मेरे भाई को पता चल जाएगा कि मैं घर पर नहीं हूँ। मैंने तुम्हारे साथ मूर्खता की। मुझे खेद है। मैंने तुम्हें सर हेनरी समझ लिया था। मैंने जो कहा वह तुम्हारे लिए नहीं था। भूल जाओ।"
"हम कैसे भूल सकते हैं? मैं हेनरी का दोस्त हूँ। और उसकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है। मुझे बताओ। तुम्हें क्यों लगता है कि हेनरी को लंदन वापस जाना चाहिए?"
"एक नखरीली महिला, अगर आप चाहें तो। अगर आप मुझे अच्छी तरह समझते हैं, तो आपको पता चलेगा कि मैं हर बात का कारण नहीं बता सकती। लेकिन मेरी बात पर विश्वास कीजिए। यह सर हेनरी के भले के लिए है।"

बेरील, मुझे तुम्हारी आवाज़ में कंपन और तुम्हारी आँखों में वो भाव याद हैं। कृपया मुझे सच बताओ। कुछ भी मत छुपाओ। जब से हम यहाँ आए हैं, ऐसा लगता है जैसे कोई हमें देख रहा है। मैं ठीक से साँस भी नहीं ले पा रही हूँ। ऐसा लगता है जैसे हम ग्रिम्पेन के दलदल में फँस गए हैं। रहस्य हर पल गहराता जा रहा है। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा। मुझे समझाओ कि तुम क्या कहना चाहती हो। मैं वादा करती हूँ कि मैं तुम्हारा संदेश सर हेनरी तक पहुँचा दूँगी।

एक पल के लिए ऐसा लगा जैसे उसे कुछ समझ आ गया हो। उसके होंठों पर कुछ आ ही गया। लेकिन पल भर में उसका मन बदल गया। बात बदलते हुए, बनावटी मुस्कान के साथ उसने कहा, "कोई खास बात नहीं है, डॉक्टर वॉटसन। इसे दिल पर मत लीजिए। सर चार्ल्स की मृत्यु मेरे और मेरे भाई के लिए बहुत बड़ा सदमा थी। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह जानते थे। जब वह खेतों से गुजरते थे, तो कभी-कभी हमारे घर आते थे। उन्होंने उस पारिवारिक कहानी को बहुत गंभीरता से लिया था। उन्हें हमेशा इस बात की चिंता रहती थी कि उनके परिवार पर कोई श्राप है। उनकी अपनी मृत्यु भी कुछ इसी तरह हुई थी। मुझे लगा कि उस कहानी में, उस श्राप में कुछ सच्चाई जरूर होगी। यह देखकर कि बास्करविल परिवार के सर हेनरी यहां आए थे, मुझे उनकी जान की चिंता हुई, और इसीलिए मैंने उन्हें चेतावनी दी थी। बस इतना ही।"

"लेकिन वह खतरा आखिर है क्या?"

"श... क्या तुम्हें उस शिकारी कुत्ते की कहानी नहीं पता?"

मैं ऐसी बकवास बातों पर विश्वास नहीं करता।

"पर ये तो मेरी है। अगर आपको सर हेनरी की जान की चिंता है, तो उन्हें यहाँ से ले जाइए। वॉटसन, दुनिया बहुत बड़ी है। मैं आपसे सच कह रहा हूँ। इस जगह में ऐसा क्या है? कृपया उनसे कहिए कि वे यहाँ रहने की ज़िद छोड़ दें। आप इतना बड़ा जोखिम क्यों उठा रहे हैं?"

"वे यहाँ रहना चाहते हैं क्योंकि इस जगह पर खतरा है। वे स्वभाव से बहादुर हैं। मुझे खुलकर बताओ कि ये किस तरह के व्यक्ति हैं। तभी मैं उनसे यहाँ से जाने के लिए कह सकता हूँ। अन्यथा, यह मुश्किल है।"

मैं अभी कुछ नहीं कह सकता। मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है।

"बेरिल, मेरे एक और सवाल का जवाब दो। अगर तुम्हें बस इतना ही कहना था, तो इसे अपने भाई से छिपाना क्यों ज़रूरी था? इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जिस पर उसे आपत्ति हो या जो उसे बुरा लगे।"

“डॉक्टर वॉटसन, उन्हें ऐसा ही लगता है,” बेरील ने संभलकर बोलना शुरू किया। “उनका मानना है कि बास्करविल परिवार एक प्रतिष्ठित और प्राचीन परिवार है। बास्करविल हॉल का पुनर्निर्माण होना चाहिए। आस-पड़ोस के गरीब लोग उसी पर रहते हैं। वही उनकी आजीविका

का साधन है। जेम्स भी उनके बारे में बहुत चिंतित हैं। अगर उन्हें पता चला कि मैंने सर हेनरी को वापस जाने का सुझाव दिया है, तो वे बहुत जल्दी में होंगे। लेकिन मैंने अपना कर्तव्य निभा दिया है। मुझे अब और कुछ नहीं कहना है। मुझे अब वापस जाना होगा। अगर मैं घर पर नहीं दिखी, तो उन्हें शक हो जाएगा। अलविदा।" वह मुड़ी और घर की ओर तेज़ी से चली गई।
मन में एक अस्पष्ट भय लिए, मैं बास्करविले हॉल की ओर चलने लगा।

८

अब, मेरे सामने मेज पर कुछ पत्र रखे हैं। मैंने इन्हें डेवोनशायर से शर्लक होम्स को भेजा था। डेवोनशायर आने के बाद से, मैं होम्स को पत्रों और टेलीग्राम के माध्यम से घटित घटनाओं की नियमित रूप से जानकारी देता रहा हूँ। एक पृष्ठ गायब है। बाकी सब वैसा ही है। उस समय बास्करविले हॉल की स्थिति और मेरी मानसिक अवस्था का वर्णन इन पत्रों में होम्स को किया गया था। अब उन्हें याद करने के बजाय, मैं उन्हें वैसे ही पढ़ूँगा।

बास्करविले हॉल। 13 अक्टूबर।

प्रिय होम्स,

मैंने आपको जो टेलीग्राम और पत्र भेजे हैं, उनसे आपको यहाँ की स्थिति का कुछ अंदाजा तो हो ही गया होगा। मैं यह पत्र एक सुनसान जगह से लिख रहा हूँ, जो दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग है। डेवोनशायर का यह हिस्सा इतना उपेक्षित है कि बाहरी दुनिया को पता ही नहीं कि यहाँ ऐसी कोई जगह भी है। अगर आप यहाँ ज्यादा देर तक रुकते हैं, तो आपको डर लगता है कि यहाँ की हर चीज आप पर हावी हो जाएगी। मीलों तक फैला सन्नाटा। कहीं भी चहल-पहल का नामोनिशान नहीं। घास का एक तिनका भी स्थिर खड़ा है, मानो उसके पीछे कुछ छिपा हो। एक बार जब आप इस वीरान जगह के बीच पहुँच जाते हैं, तो आधुनिक दुनिया कहीं दूर छूट जाती है। इस वीरान जगह में आज भी पाषाण युग चल रहा है। अगर आप ऊपर देखें, तो आपको हर जगह इसके निशान दिखाई देंगे। आदिम मनुष्य द्वारा बनाए गए घर, कब्रिस्तान, उनके द्वारा खड़ी की गई विशाल शिलाएँ, यानी उस समय के उनके मंदिर, सब कुछ वैसा ही जमा हुआ है जैसा पहले था। उन्हें देखकर आप हमारी आधुनिक दुनिया को भूल जाना चाहते हैं। ऐसा लगता है मानो किसी भी क्षण कोई बालदार आदमी, जानवरों की खाल से ढका हुआ, चेहरे पर अजीबोगरीब धारियों वाला, उन छोटे-छोटे घरों के दरवाज़े से बाहर निकल आएगा, जिसके हाथ में एक नुकीला तीर और खींचा हुआ धनुष होगा। पीढ़ियों से ऐसे ही लोग इस बंजर, पथरीली ज़मीन पर रहते आए हैं। इस वीरान जगह की अपनी ही सोच है। इसके अपने ही नियम हैं। अक्सर ऐसा लगता है मानो इसे हम अजनबियों के यहाँ आने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यहाँ की हवा भी डरावनी लगती है।

होम्स, आप इन विवरणों से सहमत नहीं होंगे। मुझे पता है कि आप तर्कसंगत सोच के साथ इन्हें नकार देंगे। तो चलिए मुद्दे पर आते हैं।

मैंने पिछले कुछ दिनों से आपको कोई पत्र या टेलीग्राम नहीं भेजा है। क्योंकि यहाँ बताने लायक कोई खास घटना नहीं हुई है। लेकिन अब एक घटना घटी है। लेकिन उसे बताने से पहले, मुझे आपको कुछ और बातें बतानी हैं।

मैंने आपको बताया था कि प्रिंसटाउन की उस जेल से एक खतरनाक कैदी भाग गया है। उसका कहीं कोई सुराग नहीं है। भागने के दिन से लेकर आज तक किसी ने उसे नहीं देखा। उसके इस सुनसान इलाके में छिपने की संभावना बिल्कुल नहीं है। यहाँ तक कि आदिवासियों द्वारा बनाए गए उन छोटे-छोटे जर्जर घरों में शरण लेने की भी कोई संभावना नहीं है। क्योंकि वहाँ उसे खाने को कुछ नहीं मिलेगा। बल्कि, वह कुत्तों और अन्य जानवरों का शिकार बन जाएगा। वह कहीं न कहीं हमेशा के लिए चला गया होगा। बेशक, यह यहाँ के निवासियों के लिए बहुत अच्छी बात है। कम से कम वे चैन से सो सकते हैं। जब तक वह कहीं नहीं मिल जाता, तब तक कोई समस्या नहीं है।

हम चार लोग बास्करविले हॉल में हैं। अब हम यहाँ के माहौल के आदी हो चुके हैं। चिंता की कोई वजह नहीं है। लेकिन स्टैपलटन का ख्याल मुझे बेचैन कर देता है। उसके भाई यहाँ से बहुत दूर रहते हैं। उनके पास सिर्फ एक नौकरानी और वो बूढ़ा, दुबला-पतला नौकर है। बास्करविले हॉल और मैरीपिट हाउस के बीच की दूरी इतनी ज़्यादा है कि ज़रूरत पड़ने पर कोई उनकी मदद के लिए नहीं पहुँच सकता। अगर इस कैदी का कदम उस तरफ गया, तो उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। हेनरी और मैंने सुझाव दिया है कि हम अपने घुड़सवार पर्किन्स को रात भर उसके साथ भेज दें, लेकिन स्टैपलटन हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है।

होम्स, हेनरी आजकल बेरील को लेकर कुछ ज़्यादा ही चिंतित है। वो उसके बारे में हर बात में कुछ ज़्यादा ही दिलचस्पी लेने लगा है। स्वाभाविक है। माहौल बहुत ठंडा और अकेला है। अगर युवा हेनरी उसके जैसी खूबसूरत लड़की की तरफ आकर्षित न होता तो यह अजीब बात होती। यह स्वाभाविक है कि वे एक-दूसरे का साथ चाहते हों। लेकिन उसका भाई स्टेपलटन... उसे ज़रा भी शक नहीं है। और वह भी मशीनी तरीके से व्यवहार करती है मानो उससे डरती हो। वह हर हरकत, हर शब्द में चोरी-छिपे नज़रें डालकर उसकी स्वीकृति चाहती है। इसमें कोई शक नहीं कि वह उसके साथ अच्छा व्यवहार करता होगा। लेकिन यह भी सच है कि वह उससे सावधान रहता है। उसके स्वभाव में डर और स्नेह का एक अजीब मिश्रण है। आपको इस आदमी का अध्ययन करना ज़रूर अच्छा लगेगा।

वह इस बंजर भूमि का इतिहास जानता है। वह हमें अपने घर आमंत्रित करने आया था, और अगले दिन हमें घर छोड़ने से पहले, वह हमें उस बंजर भूमि पर उस जगह ले गया जहाँ हाउंड ने ह्यूगो बास्करविल को मारा था। यह जगह बहुत सुनसान है। एकदम एकांत, शांत और रहस्यमय। वहाँ का वातावरण ही कहानी की सच्चाई की पुष्टि करता है। हम पहाड़ियों के बीच से होते हुए एक छोटे से खुले स्थान पर पहुँचे, जहाँ ऊपर काले पत्थर फैले हुए थे। चारों ओर काँटेदार सिरों वाली जंगली घास थी। हवा चल रही थी। हमारे सामने आकाश की ओर नुकीली

होती हुई दो विशाल चट्टानें खड़ी थीं। किसी दैत्य राक्षस के विशाल काँटों की तरह। उसका हर इंच ह्यूगो बास्करविल की कहानी की गवाही दे रहा था। लेकिन सर हेनरी को इन सब में बहुत दिलचस्पी थी। वह स्टेपलटन से बार-बार पूछ रहे थे, "क्या तुम ऐसी भूत-प्रेतों की कहानियों पर विश्वास करते हो? क्या ऐसी अमानवीय शक्तियाँ सचमुच मौजूद हैं? क्या वे जीवित लोगों के जीवन में हस्तक्षेप कर सकती हैं?" हालाँकि वह अनौपचारिक रूप से पूछ रहे थे, लेकिन उनकी भावनाएँ बहुत गंभीर थीं। स्टेपलटन ने यथासंभव कम बोला। वह सवालों के जवाब दे रहे थे, लेकिन उनके जवाबों से कुछ भी स्पष्ट नहीं हो रहा था, हाँ या ना। इसके बजाय, उन्होंने इसी तरह की कुछ और कहानियाँ सुनाईं। पारिवारिक अभिशाप, भूत-प्रेत, प्रेतवाधित दृश्य आदि। अन्य लोगों की तरह, उन्होंने भी कहा कि ऐसी घटनाएं हो सकती हैं।

वहाँ का माहौल बोझिल सा था। वहाँ से निकलकर हम रात के खाने के लिए मैरीपिट हाउस आए। वहीं हेनरी ने पहली बार बेरील को देखा था। उसे पहली नज़र में ही उससे प्यार हो गया। बास्करविल परिवार में यह दीवानगी खानदानी सी लगती है। लेकिन मैं सोचती रही कि उसकी भावनाएँ सिर्फ़ एकतरफ़ा ही होंगी। मुझे उस कहानी में ज़मींदार की बेटी याद आ गई। मैरीपिट हाउस से लौटते समय वह सिर्फ़ बेरील के बारे में ही बात कर रहा था। तब से एक भी दिन ऐसा नहीं गुज़रा जब हमारी मुलाकात स्टेपलटन बहनों में से किसी एक से न हुई हो। कभी वे यहाँ रात के खाने पर आती हैं तो कभी हमें अपने यहाँ बुलाती हैं। सच तो यह है कि हेनरी और बेरील एक-दूसरे के लिए बिल्कुल सही हैं। लेकिन एक बार जब मैंने उन दोनों को थोड़ा करीब आकर बात करते देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि स्टेपलटन की आँखें और भी धुंधली हो गईं। उसके बाद बेरील भी अचानक चुप हो गई। स्टेपलटन को उनकी दोस्ती से नाराज़ होने का कोई कारण नहीं है। उसे अपनी बहन के लिए इससे ज़्यादा उपयुक्त और बेहतर जगह मिल ही नहीं सकती थी। उसे खुश होना चाहिए, सच में। फिर भी जब वे साथ होते हैं तो वह उस पर कड़ी नज़र रखता है। वह हेनरी और बेरील को ज़्यादा करीब नहीं आने देता। वह उन्हें अकेले नहीं रहने देता। शायद स्टैपलटन बेरील के प्रति कुछ ज़्यादा ही संवेदनशील है। उसे शायद यह भी डर है कि बेरील की शादी के बाद वह यहाँ अकेला रह जाएगा। लेकिन उसका व्यवहार स्वार्थी है। वह नहीं चाहता कि उनकी दोस्ती प्यार में बदल जाए। मैंने सर हेनरी को आपकी सलाह दी है कि उन्हें कहीं भी अकेला न छोड़ें। लेकिन उनका प्रेम प्रसंग इतना उलझ गया है कि उसे समझना मुश्किल है। अगर मैं इन परिस्थितियों में उनके साथ रहना जारी रखता हूँ, तो मैं यहाँ आने का अपना असली मकसद नहीं छिपाऊँगा।

एक दिन, ठीक कहें तो गुरुवार को, मॉर्टिमर हमारे पास आया। दूर कहीं खुदाई करते समय उसे पाषाण युग के एक व्यक्ति की खोपड़ी मिली, जिससे वह बहुत प्रसन्न हुआ। वह एक एकांतप्रिय

खोजकर्ता है। उसके कुछ ही समय बाद स्टेपलटन भी आ गया। उस दिन मॉर्टिमर ने हम सबको 'यू गली' दिखाई। हेनरी के आग्रह पर, उसने सर चार्ल्स की मृत्यु की रात वहाँ जो कुछ हुआ था, उसका विस्तृत वर्णन किया।

'आपकी गली' एक लंबी सड़क है। दोनों ओर घने पेड़ और झाड़ियाँ हैं, और सड़क के किनारे हरियाली की एक छोटी सी पट्टी है। इस सुनसान सड़क के अंत में एक अच्छी तरह से बना हुआ ग्रीष्मकालीन घर है। आधे मील से अधिक दूरी पर, एक छोटा सा द्वार मलराना की ओर खुलता है। यहीं पर, आपके अनुसार, सर चार्ल्स किसी का इंतज़ार कर रहे थे। इस लकड़ी के द्वार में लकड़ी का ताला लगा है। और उसके पार विशाल मलराना है। मुझे वे घटनाएँ याद आ गई हैं जिनकी आपने यहाँ कल्पना की है। बूढ़े सर चार्ल्स यहीं खड़े रहे होंगे। मलराना की दिशा में, उन्होंने कुछ भयानक और जानलेवा देखा और अत्यधिक भय से भागने लगे। भागने के प्रयास में वे गिर पड़े। उनकी साँस रुक गई। उनका दिल धड़कना बंद हो गया। और उनकी मृत्यु हो गई। यह अभी भी पता नहीं चल पाया है कि उन्हें भागने के लिए किसने मजबूर किया। क्या कोई भयानक जानवर, जैसे कोई शिकारी कुत्ता? इसमें किसका हाथ हो सकता है? बैरीमोर चुप हैं, मानो उन्हें सब कुछ पता हो।

यहां एक और पड़ोसी का परिचय कराया गया। श्री फ्रैंकलैंड। वे लाफ्टर हॉल में रहते हैं। वे बुजुर्ग हैं। उनके बाल लाल और सफेद हो चुके हैं, और वे स्वभाव से बहुत जोशीले हैं। झगड़ालू स्वभाव के हैं। कानून उनका पसंदीदा विषय है। उन्होंने कई वर्षों तक वकालत की है। बहस करना उनका शौक है। वे किसी भी पक्ष से लड़ने को तैयार रहते हैं। कभी-कभी वे किसी को उसकी हद का एहसास कराकर उसके लिए खड़े हो जाते हैं। कभी-कभी वे खुद उसकी हद में घुसकर उसे गलत साबित कर देते हैं। कहा जाता है कि अब तक उन्होंने सात-आठ लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज करा रखे हैं। इस उम्र में भी वे भविष्य के लिए योजना बनाने में लगे हुए हैं। वे एक मजाकिया इंसान हैं। यहां के लोगों के लिए वे एक मजाक हैं। इस उदास माहौल में वे एक तरह से मन बहलाने वाले हैं। उनके इस चंचल स्वभाव को छोड़कर, बाकी सब कुछ बहुत अच्छा है। वे पुराने जमाने के रीति-रिवाजों का पालन करते हैं। एक और खास बात यह है कि उन्हें खगोल विज्ञान का शौक है। उनके पास एक अच्छा टेलीस्कोप है। वे सारा दिन उससे मलराना का अवलोकन करते हुए बिताते हैं। उन्हें लगता है कि अगर भगोड़ा अपराधी कहीं वहीं छिपा है, तो उनकी नज़र उस पर पड़ ही जाएगी। उम्र का अंतर, और क्या? शायद वे उसे ढूंढ ही लें। लेकिन अब वे मॉर्टिमर के खिलाफ केस दर्ज करना चाहते हैं। आखिर, मॉर्टिमर ने सरकारी इजाज़त के बिना खुदाई की और पाषाण युग की खोपड़ी खोज निकाली। कौन जाने, वो किस मुसीबत में फंसने वाला है। लेकिन उसकी शरारती प्रवृत्ति का कोई इलाज नहीं है।

यह सब यहाँ के लोगों के बारे में है।
अब मैं आपको पिछली रात की एक घटना बताता हूँ। यह बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे पहले आपने जो टेलीग्राम भेजा था, उसे सुनिए। आपने यह पता लगाने के लिए टेलीग्राम भेजा था कि क्या बैरीमोर पीछा किए जाने वाले दिन लंदन में था। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। हम जानते हैं कि इससे कुछ भी हासिल नहीं हुआ। पोस्टमास्टर से पूछने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। मैंने यह सब हेनरी को बताया। वह एक सीधा-सादा आदमी है। उसने बैरीमोर को अपने सामने खड़ा किया और सीधे उससे पूछा कि क्या उसने खुद टेलीग्राम स्वीकार किया था। इस पर बैरीमोर ने कहा, "हाँ।"
"क्या पोस्टमास्टर के बेटे ने वह टेलीग्राम सीधे आपको सौंपा था?" हेनरी ने और स्पष्ट रूप से पूछा।
बैरीमोर ने एक पल सोचा। शायद उन्हें इस सवाल की उम्मीद नहीं थी।
"नहीं। उस समय मैं एक तंग कमरे में था। और मेरी पत्नी इसे मेरे पास लेकर आई थी।"
"क्या आपने उस स्टार को खुद जवाब भेजा था?"
"नहीं। मैंने अपनी पत्नी को बताया था कि क्या जवाब देना है। उसने उसे लिख लिया और वापस भेज दिया।"
बातचीत यहीं समाप्त हो गई। लेकिन शाम को बैरीमोर ने फिर से इस विषय को उठाया।
"आज सुबह मुझे आपका प्रश्न समझ नहीं आया, महोदय। क्या आपको लगता है कि मुझसे कोई गलती हुई है?"
बैरीमोर को लगने लगा कि उस पर शक किया जा रहा है। हेनरी ने किसी तरह उसे यकीन दिला दिया। उसे यकीन दिलाने के लिए उसने अपने सारे पुराने कपड़े उसे दे दिए। हेनरी के नए कपड़े, जो उसने लंदन से मंगवाए थे, यहाँ पहुँच चुके थे।
इस पूरे मामले में मेरा ध्यान बैरीमोर की पत्नी पर गया है। वह सुंदर, थोड़ी भरी-पूरी महिला हैं और बहुत ही संयम से बोलती हैं। वह कुछ दूरी बनाए रखती हैं। वह सिद्धांतवादी और ईमानदार होंगी। साथ ही बहुत भावुक भी। उनके चेहरे पर हमेशा उदासी छाई रहती है। उनके जीवन में कुछ ऐसा जरूर हुआ होगा जिससे वह अंदर ही अंदर दुखी हैं। यहां आने के बाद पहली रात की घटना के बारे में मैं आपको पहले ही बता चुका हूं। मैंने एक महिला के धीरे-धीरे रोने की आवाज सुनी थी। मैंने अक्सर उनकी आंखों में आंसू देखे हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है कि बैरीमोर ही इस सब के पीछे का मास्टरमाइंड है। उनकी पत्नी को सब कुछ विस्तार से पता है। और ये आंसू शायद इसलिए आ रहे हैं क्योंकि वह इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। यह

दंपति कोई राज़ छुपा रहा है। वे इसे खुलकर नहीं बता रहे हैं। पिछली रात की घटना ने मुझे आश्वस्त कर दिया है।

आप जानते हैं कि मैं बहुत सावधानी से सोती हूँ। यहाँ आने के बाद से मैं और भी सावधान हो गई हूँ। कल रात, लगभग दो बजे, मुझे कुछ महसूस हुआ। कोई मेरे दरवाजे के बाहर दबे पांव चल रहा था। मैं उठी। मैंने दरवाजा खोला और बाहर देखा। मैंने बरामदे में एक लंबी परछाई को चलते हुए देखा। वह एक आदमी की थी। वह बहुत सावधानी से, लेकिन धीरे-धीरे चल रहा था, उसके हाथ में एक मोमबत्ती थी। नंगे पैर। मैं उसकी आकृति को केवल पीछे से ही देख पाई। लेकिन मैंने उसे उसकी लंबाई और चाल से पहचान लिया। बैरीमोर। उसकी चाल बहुत धीमी लेकिन दृढ़ थी।

इस बरामदे के आगे गैलरी है। लेकिन यह ड्राइंग रूम के दूसरे छोर पर है। मैंने उसे नज़रों से ओझल होने दिया और फिर उसका पीछा करने लगा। जब मैं गैलरी में पहुँचा, तब तक वह ड्राइंग रूम से निकलकर बास्करविल हॉल के दूसरी तरफ जा रहा था। वह बिल्कुल आखिरी छोर तक पहुँच गया था। वहाँ के एक कमरे से हल्की रोशनी आ रही थी। बैरीमोर उस कमरे में दाखिल हुआ। उसकी परछाई अब हिल नहीं रही थी। इस हिस्से के सारे कमरे खाली थे। वहाँ कोई नहीं रहता था। बैरीमोर वहाँ क्यों गया होगा? मेरा शक और गहरा होता गया। मैं चुपचाप, बिना कोई आवाज़ किए आगे बढ़ा। मैंने सावधानी से आधे बंद दरवाजे से जितना हो सकता था, देखने की कोशिश की।

बैरीमोर खिड़की से टिके हुए थे। मुझे उनका आधा चेहरा ही दिखाई दे रहा था। उनके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी। वे मलराना को घूर रहे थे। घोर अंधेरे में कुछ खोज रहे थे। वे कुछ देर वहीं खड़े रहे। फिर उन्होंने निराशा भरी एक आह भरी। शायद उन्हें वह नहीं मिला जो वे चाहते थे। लेकिन उन्हें जल्दी थी। वे कुछ देर और रुके और आखिरकार, हताशा में, अपने हाथ में पकड़ी मोमबत्ती बुझा दी। मैं तुरंत मुड़कर अपने कमरे में चली गई। मैं दरवाजे के पीछे खड़ी होकर देखती रही। कुछ ही मिनटों में, मुझे उनके कदमों की आहट फिर सुनाई दी। अब वे वापस आ रहे थे। मैं बिस्तर पर लेट गई। कुछ देर बाद, मैं अपनी आँखें फिर से नहीं खोल पाई, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह आवाज कहाँ से आ रही है। मुझे नहीं पता कि इस हवेली में क्या चल रहा है। लेकिन इस पूरे मामले की जड़ में कुछ और भी छिपा है। देर-सवेर यह सामने आएगा और जांच एक नई दिशा लेगी। मैं कोई निष्कर्ष नहीं निकालूंगी। आप बेहतर कर सकते हैं।

मैंने आज सुबह हेनरी को सब कुछ बता दिया। हमने सभी घटनाओं के आधार पर एक योजना बनाई है। मैं अभी इसके बारे में कुछ नहीं कहूँगी। मैं आपको अगले पत्र में बताऊँगी।

डॉ. वॉटसन
बास्केरविले हॉल, 13 अक्टूबर।

९

यह दो-तीन दिनों के भीतर लिखा गया दूसरा पत्र है।

बास्केरविले हॉल, 15 अक्टूबर।

प्रिय होम्स,

यहां चीजें अविश्वसनीय गति से घट रही हैं। रहस्य सुलझ रहा है, लेकिन इस प्रक्रिया में नए मोड़ आ रहे हैं। मैंने आपको बताया था कि बैरीमोर को पिछली रात संदिग्ध रूप से एक कमरे में प्रवेश करते हुए देखा गया था। लेकिन पिछले अड़तालीस घंटों में बहुत कुछ हुआ है। स्थिति और भी बदल गई है।

नाश्ते से पहले मैं उस कमरे में गया। जब मैंने उस खिड़की को गौर से देखा जिससे बैरीमोर बाहर देखने की कोशिश कर रहा था, तो मुझे पता चला कि बास्करविले हॉल की पूरी इमारत में यही एक खिड़की थी जो बगीचे के पास थी। बाहर के दो पेड़ों के बीच से बगीचे का ज़्यादातर हिस्सा दिखाई दे रहा था। बाकी खिड़कियों से भी बगीचा थोड़ा-थोड़ा दिखाई दे रहा था। लेकिन यहाँ से वह बहुत दूर था। बैरीमोर रात में इस खिड़की पर आया था। लेकिन क्यों? वह बाहर 'कुछ' देखना चाहता होगा... शायद वह 'किसी' को देखना चाहता हो? लेकिन रात के घोर अंधेरे में वह कुछ देख कैसे सकता था? उसकी हरकतों में एक अजीब सी खामोशी थी। वह यहाँ अकेला आया था, अपनी पत्नी के बिना। क्यों? क्यों? पहले तो मुझे शक हुआ कि शायद वह किसी प्रेम प्रसंग की योजना बना रहा हो। बैरीमोर दिखने में सुंदर है। लेकिन उसकी पत्नी तो कुछ और ही है। मोटी और हमेशा उदास चेहरे के साथ बैठी रहती है, जैसे कोई रोने वाली बच्ची हो। बैरीमोर एक नामी जगह पर नौकरी भी करता है। इस इलाके की कोई भी लड़की आसानी से उस पर मोहित हो सकती है। जब मैं कमरे में लौटा, तो मुझे ताला और चाबी की आवाज़ सुनाई दी। शायद बैरीमोर अपनी प्रेमिका से मिलने बाहर गए थे। मेरा शक सही निकला, मेरी खोज की पुष्टि हो रही थी। लेकिन पहेली का हल अभी पूरी तरह से नहीं मिला था।

नाश्ते के बाद मैंने हेनरी को यह सब बताया। उसे चेतावनी देना ज़रूरी था। लेकिन उसे इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं थी।

"मुझे पता है। बैरीमोर रात में अपने कमरों में घूमते हैं। मैंने तो एक बार उनसे सीधे पूछना भी चाहा था। मैंने दो-तीन रातों से इसी समय उनके कदमों की आहट सुनी है," हेनरी ने कहा।

"हम्म। तो शायद वह हर रात उस कमरे की उस खिड़की के पास जाता होगा।" मैं।

"शायद। क्या हम उसके पीछे-पीछे चलें और पता लगाएं कि वह असल में क्या करता है? अगर मिस्टर शेरलॉक होम्स यहां होते तो क्या करते?"

"मैं भी यही करता। मैं आज रात फिर उस पर नजर रखूंगा।"

"हे भगवान! मैं भी आ रहा हूँ।"
लेकिन अगर हम दोनों चले गए तो शोर मचेगा।
"चिंता मत करो। बैरीमोर की सुनने की क्षमता थोड़ी कमजोर है। हमें यह मौका नहीं गंवाना चाहिए। हम दोनों आज रात मेरे कमरे में रुकेंगे। हम उसका इंतज़ार करेंगे," हेनरी ने अपने हाथों को रगड़ते हुए कहा। रोमांच के विचार ने उसे झकझोर दिया था। यहाँ के नीरस वातावरण में यह एक हलचल थी।
इस बीच हेनरी ने सर चार्ल्स के वास्तुकार से संपर्क किया है। वे लंदन में हैं। हेनरी ने उनसे इस जगह के निर्माण की योजनाएँ माँगी हैं। फर्नीचर के डिज़ाइन भी आ चुके हैं। हेनरी अपने पूर्वजों की इमारत को पुनर्स्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस संबंध में वे लागत की परवाह नहीं कर रहे हैं। वे इस जगह के उदास और नीरस रूप को पूरी तरह से बदलना चाहते हैं। उन्होंने मुझे परसों बताया कि यह काम पूरा होने के बाद वे शादी करने का इरादा रखते हैं। और उन्होंने लड़की, 'बेरिल स्टेपलटन' से मुलाकात भी कर ली है। मैंने पहली बार किसी आदमी को एकतरफा प्यार में इतना दीवाना देखा है। लेकिन ऐसे प्यार में क्या होगा, यह कोई नहीं बता सकता। उदाहरण के लिए, परसों की कहानी।
सुबह बैरीमोर के बारे में बात करने के बाद, हेनरी ने अपनी टोपी पहनी और बाहर जाने की तैयारी करने लगा। यह देखकर कि वह अकेला जा रहा है, मैं भी उसके साथ जाने के लिए उठ गया।
"वॉटसन? क्या तुम भी आ रहे हो?" उनका लहजा स्वागत करने वाला नहीं था, बल्कि एक चेतावनी जैसा था कि मुझे नहीं आना चाहिए।
"अगर आप मलराना की तरफ जा रहे हैं, तो मैं जरूर आऊंगा।"
"उम... हाँ, मैं उसी तरफ जा रहा हूँ... लेकिन..." उसने मुझे साफ़ मना कर दिया था। मैंने अपना हाथ उसके कंधे पर रख दिया।
"हेनरी, तुम्हें पता है, मुझे होम्स से स्पष्ट निर्देश मिले हैं। मैं तुम्हें अकेला नहीं छोड़ सकता। मलराना के पास भी नहीं।"
"वॉटसन। मेरी ज़िंदगी में बहुत कुछ चल रहा है। मैं तुम्हें कैसे बताऊँ... प्लीज़ समझने की कोशिश करो। मुझे अकेले जाने दो।" हेनरी ने मेरी तरफ देखा। उसकी आँखों में एक चाहत थी। "शर्लक होम्स चाहे कितना भी चतुर क्यों न हो, वह खुद यहाँ क्या हो रहा है, देख नहीं सकता। और ऐसे समय में, उसके निर्देशों का पालन नहीं किया जा सकता। प्लीज़ मुझे माफ़ कर दो।" उसने धीरे से मेरा हाथ अपने कंधे से हटा दिया।

मैं दुविधा में थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। होम्स, अगर कुछ हो जाता, तो मैं आपको क्या दिखा पाती? आपके निर्देशों को नज़रअंदाज़ करके मैं उसे खतरे में डाल रही थी। और हालात ऐसे थे कि मैं उसके साथ जाने को तैयार नहीं थी। इससे पहले कि मैं कुछ बोल पाती, वह चला गया। मैं पीछे मुड़कर उसकी आकृति देखती रही। वह उस दिशा में गायब हो गया। अब उस तक पहुंचना मुश्किल था।

मैंने चुपके से उस पर नज़र रखने का फैसला किया। लेकिन खुले मैदान में यह आसान नहीं था। मैं चलने लगा। थोड़ी दूर जाकर मुख्य सड़क पर एक मोड़ आया। मैं उस पर मुड़ गया। वह सड़क मुझे दलदल तक ले जा सकती थी। मुझे थोड़ा डर लगा, लेकिन अब पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं था। थोड़ी दूर पर एक छोटी पहाड़ी थी। वहाँ से मैं मैदान की सारी हलचल आसानी से देख सकता था। जिस खदान के बारे में मैंने आपको बताया था, वह इसी पहाड़ी में खोदी गई है। काले पत्थर के गड्ढे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। ऊपर जाने का कोई रास्ता नहीं है। मैं किसी तरह ऊपर चढ़ गया। और थोड़ा आगे जाकर मैंने हेनरी को मैदान की सड़क पर देखा। वह यहाँ से लगभग डेढ़ मील दूर रहा होगा। उसके साथ एक महिला थी। बेशक, बेरिल। उनकी मुलाकात पहले से तय थी। वे शांति से बातें कर रहे थे, अपने आसपास की दुनिया को भूलकर। बेरिल ने शायद कुछ खास नहीं कहा, लेकिन वह बहुत इशारे कर रही थी। वह बहुत ध्यान से सुन रहा था। वह असहमति जताने के लिए अपने कंधे उचका रहा था। मैं चट्टानों के पीछे खड़ा होकर उन्हें देख रहा था। अगर मैं आगे बढ़ता, तो उनकी एकांतता भंग हो जाती। यह बहुत गलत होता। फिर भी, मैं हेनरी को एक पल के लिए भी अपनी नज़रों से ओझल नहीं होने दे सकता था। ऐसे नाज़ुक पल में किसी दोस्त की जासूसी करना बहुत बुरा होता। अंत में, मैंने वहीं से उस पर नज़र रखने का फैसला किया। बाद में, मैं उसे सब कुछ सच-सच बता देता, वरना मुझे बहुत पछतावा होता। बेशक, मेरी मंशा अच्छी थी। लेकिन मैं इतनी दूर था कि अगर उस समय कोई खतरा पैदा हो जाता, तो मैं मदद नहीं कर पाता। मेरा एकमात्र काम होता कि मैं तुम्हें बता देता कि क्या हुआ था।

चलते-चलते वे दोनों एक जगह रुक गए। वे एक-दूसरे के बहुत करीब आ गए थे। वे पूरी तरह से बातचीत में मग्न थे। हेनरी उसकी ओर मुड़ा। उसकी पीठ चलने की दिशा की ओर थी। और अचानक मुझे एहसास हुआ कि उस घास के मैदान में मेरे और उनके अलावा कोई और भी है। थोड़ी दूरी पर घास में एक छड़ी से बंधा हरा कपड़ा लहराता हुआ दिखाई दिया। स्टेपलटन का तितली पकड़ने वाला जाल। वह उस घास के मैदान में उससे कुछ ढूंढ रहा था। वह इन दोनों से बस एक पुकार की दूरी पर था। मैं उनकी ओर बढ़ने लगी। और तभी हेनरी ने प्यार से उसे अपनी ओर खींच लिया। उसने उसे अपनी बाहों में लेने की कोशिश की। यह शायद बस एक पल

के लिए ही हुआ होगा। उसने उसे ठुकरा दिया। वह भाग गया। उसके चेहरे पर डर झलक रहा था। उसने अपने हाथों से अपना मुंह ढक लिया और बेसुध चीखने लगी। हेनरी इधर-उधर देखते हुए जल्दी से उससे दूर हट गया। स्टेपलटन उनकी नज़र में आ गया था। बेरील ने उसे देख लिया था। वह पागलों की तरह उनसे आगे भागा। उसका तितली पकड़ने वाला जाल उसके पीछे बेतहाशा लहरा रहा था। क्या हो रहा था, यह जानने का कोई तरीका नहीं था, लेकिन स्टैपलटन हेनरी को ज़ोर-ज़ोर से गालियाँ दे रहा था। हेनरी इशारे कर रहा था और उसे विचलित करने की पूरी कोशिश कर रहा था। बेरील अपनी जगह पर जम सी गई थी। स्टैपलटन ने उंगली से इशारा करके उसे पास बुलाया। उसने आज्ञाकारी होकर सिर झुकाया और उसके बगल में खड़ी हो गई। वह स्टैपलटन के वश में थी। स्टैपलटन अभी भी बेतुकी बातें कर रहा था। बेचारा हेनरी पूरी तरह थक चुका था। उसने निराशा में सिर हिलाया और धीरे-धीरे पीछे हट गया। वह झुके हुए कंधों के साथ उसी रास्ते से वापस चला गया जिससे वह आया था।

हेनरी के लिए यह एक अपमानजनक घटना थी। मुझे इसे देखकर शर्म आ रही थी। मैं पहाड़ी से नीचे उतरा। तब तक हेनरी भी रास्ते में काफी आगे आ चुका था। मैं उसके पास पहुँचा। उसका चेहरा गुस्से से लाल था। उसकी भौंहें तन गई थीं। उसके माथे पर झुर्रियों का जाल फैला हुआ था। ठुकराए जाने के एहसास से उसका स्वाभाविक आत्मसम्मान आहत हो गया था। मुझे आश्चर्य होने लगा कि क्या बास्करविल की कहानी फिर से दोहराई जा रही है। मुझे देखते ही उसका चेहरा खिल उठा। उसकी आँखों में क्रोध और पछतावे का एक अजीब मिश्रण दिखाई दिया। इन परिस्थितियों में मेरी उपस्थिति उसके लिए एक और झटका थी।

"हे भगवान! वॉटसन! तुम यहाँ क्या कर रहे हो? कहीं ऐसा तो नहीं कि तुम मुझ पर नज़र रखने आए हो?" उसने गुस्से से बगल वाले घर की घास पर थूका। मुझे भी बहुत गुस्सा आया। अब मैं उसके गुस्से का शिकार होने वाला था।

मैंने उसे सच बता दिया। मैंने यह भी समझाया कि सावधान रहना कितना ज़रूरी है। वह मुझे घूर रहा था। मेरी ईमानदारी देखकर उसे आखिरकार समझ आ गया होगा। वह मुस्कुराया, एक ऐसी मुस्कान जो उसके नेक व्यक्तित्व के अनुरूप नहीं थी। उस मुस्कान ने माहौल को थोड़ा हल्का कर दिया। खुद से मज़ाक करते हुए उसने कहा, "मैंने सोचा था कि ऐसा खुला मैदान प्रेम-प्रसंग के लिए उपयुक्त और सुरक्षित जगह होगी। लेकिन यहाँ तो हमारी तमाशा देखने के लिए भीड़ जमा हो गई है। वॉटसन, तुम्हें कौन सी सीट मिली?"

"बालकनी पर। मैं उस पहाड़ी पर बैठा था।" मैंने पहाड़ी की ओर इशारा किया।

"हम्म। तुम बिल्कुल पीछे वाली पंक्ति में बैठी थी। लेकिन उसका भाई आगे वाली पंक्ति में, ऊँची कुर्सी पर बैठा था। क्या तुमने देखा कि यह सब कैसा लग रहा था?"

"हां। मैंने सब कुछ देखा।"
"क्या आपको लगा था कि वह ऐसा होगा?"
"नहीं।"
"मुझे हमेशा से लगता था कि वो थोड़ा सनकी है। ये शोधकर्ता ऐसे ही होते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमारी आपस में अच्छी बनेगी। वॉटसन, तुम मुझे जानते हो। मुझे बताओ मुझमें ऐसी क्या कमी है कि वो मुझे बेरील के लिए ठुकरा देता है? समाज में मेरा सम्मान है, मेरे पास बहुत पैसा है। मैंने कभी किसी का बुरा नहीं किया। फिर भी मैं उसे इतना क्यों देखती हूँ? वो तो अपनी बहन के सामने मेरी परछाईं तक नहीं आने देता।"
"अगर वह बोलता भी है, तो क्या बस इतना ही काफी है?"
"बिल्कुल। वॉटसन, मैं मानता हूँ कि मैं बेरिल को कुछ हफ़्तों से जानता हूँ। लेकिन मुझे आपको बताना होगा कि जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मैं उस पर मोहित हो गया। वह मानो मेरी ही थी। और वह हमेशा मेरी संगति में खुश रहती थी। उसे मेरी संगति अच्छी लगती थी। उसने कभी शब्दों में नहीं कहा, लेकिन एक औरत की आँखें बहुत कुछ कह देती हैं। आज उसे अपने दिल की बात कहने का मौका मिला। उसे बहुत कुछ कहना भी था। लेकिन यह प्यार के बारे में नहीं था। वह लगातार यही कहती रही कि यह जगह कितनी खतरनाक है। और मेरे लिए यहाँ से जितनी जल्दी हो सके निकल जाना ही सबसे अच्छा होगा। मैंने कहा कि जब से मैंने तुम्हें देखा है, मेरा यहाँ से जाने का मन ही नहीं हुआ। और अगर मुझे जाना ही पड़ा, तो मैं तुम्हें अपने साथ ले जाऊँगा। मैं उसे अलग-अलग तरीकों से यही सुझाव दे रहा था। मैं शादी की बात उठा रहा था। जैसे ही वह जवाब देने वाली थी, उसका भाई भड़क उठा। उसने गुस्से से मेरी तरफ देखा, आँखें घुमाईं और मुझे गालियाँ दीं। यह सब दिखावा था। सच बताओ, मैं क्या कर रहा था? मैं तो बस शादी का प्रस्ताव रख रहा था, है ना? मैं अपने परिवार का फायदा नहीं उठा रहा था और न ही मनमानी कर रहा था। मैं बदतमीजी से पेश नहीं आ रहा था। अगर वह उसका भाई न होता, तो वह ऐसा दिखा देता। मेरे करने में कुछ भी शर्मनाक नहीं था। अपनी पसंद की लड़की को शादी का प्रस्ताव देने में कोई बुराई नहीं है। मैं उसे बता रहा था कि अगर वह मुझसे शादी कर लेगी तो मैं उसे कितना खुश कर दूंगा, लेकिन उसने मेरी बात सुनना ही छोड़ दिया। फिर मुझे भी गुस्सा आ गया। शायद मेरे लिए उसके सामने इतनी सख्ती से बोलना गलत था। लेकिन आखिर में हुआ क्या? वह उसे लेकर चला गया। साल की शुरुआत से ही यह माहौल उलझा हुआ है, हमारे परिवार का इतिहास ही ऐसा है, इसमें यह पागल आदमी भी शामिल है... मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा।" हेनरी अपना सिर नीचे झुकाए वहीं बैठा रहा।

मैंने उसे समझाने की बहुत कोशिश की। लेकिन व्यर्थ। मैं ऐसा नहीं कर पाई। समाज में हेनरी की हैसियत, उसका पैसा, उसका व्यक्तित्व आदि को देखते हुए, उसका पक्ष हमेशा से ही मज़बूत था। परिवार पर लगे कलंक के अलावा किसी का नाम लेने की कोई गुंजाइश नहीं थी। लेकिन उसमें भी हेनरी की कोई गलती नहीं थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि स्टैपलटन बेरिल की राय जाने बिना इतनी अचानक यह रिश्ता क्यों तोड़ देगा। मुझे यह भी समझ नहीं आ रहा था कि वह उसके इतने वश में क्यों थी। लेकिन उसी दोपहर स्टैपलटन खुद बास्करविल हॉल आया। उसका गुस्सा अब शांत हो चुका था। उसने जो कुछ हुआ था उसके लिए दिल से माफी मांगी। वह और हेनरी काफी देर तक स्टडी रूम में बैठकर बातें करते रहे। उसके बाद माहौल काफी शांत हो गया। दूरियां कम हो गईं। इसी के संकेत के तौर पर हमें अगले शुक्रवार को मेरिपिट हाउस में डिनर का निमंत्रण मिला है।

हेनरी का गुस्सा भी शांत हो गया। स्टेपलटन के जाने के बाद, उसने मुझसे कहा, "मैं यह नहीं कहूंगा कि स्टेपलटन पागल नहीं है। मैं उसकी आंखों में उस पागलपन भरी जानलेवा नज़र को कभी नहीं भूलूंगा। लेकिन मुझे यह मानना पड़ेगा कि उसने जिस तरह से माफी मांगी, वह भी उतनी ही सीधी थी।"

मैंने पूछा, "क्या उसने अपने व्यवहार के लिए कोई स्पष्टीकरण दिया?"

"उसने कहा कि उसकी बहन उसके लिए सब कुछ है। और यह सच था। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि वह उसे इतना महत्व देता है। वे कभी अलग नहीं हुए थे। अगर बेरिल चली जाती, तो स्टेपलटन अकेला रह जाता। और वह इस बात को बर्दाश्त नहीं कर सकता था। बेशक, उसे नहीं पता था कि वह जल्द ही शादी कर लेगी और चली जाएगी। लेकिन वह उस पल के लिए तैयार नहीं था। वह हमें इसी तरह देखता था। मुझे लगा कि वह एक खलनायक है जिसने उसकी बहन को उससे छीन लिया है, और वह भड़क उठा। लेकिन अब उसे एहसास हुआ कि यह असुरक्षा की भावना गलत थी। वह खुद को स्वार्थी और मूर्ख समझ रहा था। इतनी सुंदर और दयालु लड़की का जीवन उसकी मनमानी पर बर्बाद हो जाता। उसे यह एहसास नहीं था कि अगर वह मुझसे शादी भी कर लेता, तो भी उसकी बहन उससे दूर नहीं जाती, वह उसके पड़ोस वाले घर में ही रहती। खैर। फिर भी, उसे इसके लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए समय चाहिए। तीन महीने। तब तक, मैंने उससे वादा किया है कि मैं बेरिल के साथ प्रेम और विवाह के विषय पर बात नहीं करूंगी।" "ठीक है। इस दौरान हमारी दोस्ती और मजबूत हो जाएगी। स्टेपलटन भी अपना मन बदल लेगा।" तीन महीने कोई बहुत लंबा समय नहीं होता।" हेनरी ने पूरी कहानी विस्तार से सुनाई।

खैर। एक भ्रम दूर हो गया है। कम से कम मुझे इस बात का जवाब मिल गया है कि स्टेपलटन अपनी बहन के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करता है। अब हेनरी और उसके बीच अच्छे संबंध हैं। और होम्स, अब आप मेरी सराहना करेंगे। मैंने आज एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। बैरीमोर रात में उस कमरे में क्या करता है? उसकी पत्नी हमेशा उदास क्यों रहती है? उस रात कौन सिसक रहा था? मुझे इन सवालों के जवाब मिल गए हैं। मैंने इन दो दिनों में, या यूँ कहें कि इन दो रातों में, यह साबित कर दिया है कि मुझे यहाँ अपना सहायक बनाकर आपने कोई गलती नहीं की।

उस रात की पहली रात हमने हेनरी के कमरे में जागते हुए बिताई। हम बैरीमोर की एक झलक पाने की कोशिश में कान लगाए बैठे रहे। लेकिन हर घंटे हमें सिर्फ़ घड़ी की आवाज़ सुनाई देती रही। बास्करविल हॉल में सन्नाटा पसरा हुआ था। उस रात कुछ भी नहीं हुआ। हम उसी कुर्सी पर सो गए। लेकिन पिछली रात बेकार नहीं गई। मैं हेनरी के कमरे में वापस गया। हमने रोशनी धीमी कर दी और सिगरेट पी। हम वहाँ शिकारियों की तरह बैठे रहे, जैसे अपने शिकार का इंतज़ार कर रहे हों। हमने कल ही सीखा था कि रात भर एक ही जगह पर चुपचाप बैठे रहना शिकारी के लिए एक भयानक सज़ा होती है। समय का पता ही नहीं चला। बैठक में लगी बड़ी घड़ी में एक बजा। फिर दो घंटे बाद। अब हमारा सब्र जवाब देने लगा था। हम फिर से सोने की तैयारी करने लगे। और तभी अचानक हम दोनों चौंक गए। सीढ़ियों के चरमराने की आवाज़ आई। सब कुछ हमारे कानों में गूंज उठा। आवाज़ अचानक बंद हो गई। अगर वह बैरीमोर था, तो वह बहुत सतर्क था। थोड़ी देर बाद वह फिर चलने लगा। उसके कदम गलियारे की ओर मुड़े। वह बहुत धीरे-धीरे हमारे दरवाजे के पास से गुजरा। मोमबत्ती की टिमटिमाती रोशनी दरवाजे के निचले हिस्से की दरार से आगे बढ़ी और गायब हो गई। उसकी आवाज़ भी सुनाई नहीं दी। थोड़ी देर बाद हेनरी आगे बढ़ा और उसने दरवाज़े की कुंडी खोली। उसने बिना आवाज़ किए दरवाज़ा खोल दिया। हम गलियारे में दाखिल हुए। अब वहाँ घोर अंधेरा था। हम लड़खड़ाते हुए इमारत के दूसरे हिस्से में पहुँचे। और मोमबत्ती की पीली रोशनी में हमने बैरीमोर की लंबी, दाढ़ी वाली आकृति को मुड़ते हुए देखा। वह उसी कमरे में वापस आ गया था। उसने दरवाज़ा बंद कर दिया। दरवाज़े की दरार से हल्की रोशनी आ रही थी। हमने अपने जूते कमरे में ही छोड़ दिए थे, क्योंकि गलियारे के फर्श पर लगे तख्तों के चरमराने की संभावना थी। हम दबे पांव कमरे की ओर बढ़े। हमने अपनी नज़रें दरवाज़े की दरार पर टिका दीं। हमने अंदर देखा। बैरीमोर अपने काम में मग्न था। वह कल की तरह उसी खिड़की से टिका हुआ था, शीशे पर नज़रें गड़ाए कुछ कर रहा था।

हमने उस पर नज़र रखने का फैसला किया था। लेकिन आगे क्या करना है, इसकी हमने कोई योजना नहीं बनाई थी। लेकिन हेनरी बहुत सीधा-सादा आदमी है। वह इंतज़ार करने के स्वभाव का नहीं है। हमने उसे रुकने के लिए मजबूर नहीं किया। उसने दरवाज़ा खोला और सीधे अंदर चला गया। यह मेरे लिए भी अप्रत्याशित था। और बैरीमोर के लिए तो और भी ज़्यादा। हेनरी को अचानक अपने सामने देखकर वह एकदम उछल पड़ा। उसका चेहरा लाल हो गया था। उसकी आँखें चमक रही थीं। वह बुरी तरह काँप रहा था। उसके पास खुद का बचाव करने के लिए कुछ नहीं बचा था। वह रंगे हाथों पकड़ा गया था। वह डर से काँपते हुए हेनरी को देखता रहा।

"क्या चल रहा है, बैरीमोर?" हेनरी ने सीधे पूछा।

"'न... कुछ नहीं, महोदय..." बैरीमोर एक शब्द भी नहीं बोल पाए। उन्हें इस बात का एहसास भी नहीं हुआ कि उनके हाथ में रखी मोमबत्ती का मोम पिघलकर उनकी उंगलियों पर गिर रहा है। "मैं... मैं... मैं यह देखने आया था कि यह खिड़की ठीक से लगी है या नहीं, महोदय।" आखिरकार, उन्हें जवाब मिल गया।

"क्या आप दूसरी मंजिल पर इस खिड़की की जाँच करना चाहते थे?"

"हां... मेरा मतलब नहीं... मैं बाद में सब कुछ चेक करने वाला था..."

"देखो, बैरीमोर। सच बताओ। जितनी जल्दी तुम सच बताओगी, उतनी ही परेशानी से बचोगी। वरना, मुझे तुमसे सच उगलवाने के लिए कोई और कदम उठाना पड़ेगा। क्या बात है? अगर तुम झूठ बोलोगी, तो मेरी तरफ देखो।"

बैरीमोर असहाय थे। कहने के लिए कुछ बचा ही नहीं था, फिर भी वे कुछ कहने को तैयार नहीं थे।

"सर, मैं किसी को नुकसान नहीं पहुँचाने वाला था। मैं तो बस खिड़की के पास मोमबत्ती लेकर खड़ा था।"

"अरे, लेकिन क्यों?" हेनरी की आवाज ऊंची हो गई थी।

"कृपया मुझसे यह मत पूछिए, महोदय। अगर यह मेरा निजी मामला होता, तो मैं आपको बता देता। लेकिन... कृपया... मत पूछिए, मुझे खेद है।"

अचानक मेरे मन में एक विचार आया। मैं आगे बढ़ा और उसके हाथ से मोमबत्ती ले ली।

"वह मोमबत्ती से कुछ इशारा कर रहा होगा।" मैंने मोमबत्ती उठाई और उसकी तरह आगे झुक गई। मैं चूल्हे के बिल्कुल पास चली गई। बाहर मैदान में हवा बिल्कुल नहीं चल रही थी। हवा रुक गई थी। धुंधली चाँदनी में पेड़ों की आकृतियाँ दिखाई दे रही थीं। मैंने मोमबत्ती को थोड़ा

ऊपर-नीचे किया। अगले ही पल, थोड़ी दूर पर एक रोशनी का बिंदु दिखाई दिया। वह भी मेरी मोमबत्ती की तरह ऊपर-नीचे हिलने लगा।
"देखो, हेनरी।" मैंने लगभग चिल्लाते हुए कहा।
"नहीं...नहीं सर, ऐसा कुछ नहीं है। यह कोई जादू नहीं है," बैरीमोर ने सहानुभूतिपूर्वक कहा।
"हे भगवान! वॉटसन! उस मोमबत्ती को फिर से हिलाओ।" हेनरी ने उस बिंदु को देखते हुए कहा। मैंने मोमबत्ती को फिर से हिलाया। इस बार, ऊपर-नीचे करने के बजाय, मैंने उसे बाएँ-दाएँ हिलाया। बिंदु भी उसी तरह बाएँ-दाएँ हिलने लगा। अब हमें यकीन हो गया था।
"अब बोलो, कमीने। अगर यह चेतावनी नहीं है, तो क्या है? यहाँ कौन सी साज़िश चल रही है?" हेनरी की आवाज़ तेज़ हो गई। उसका हाथ भी उठा हुआ था। बैरीमोर ने खुद बैरीमोर का हाथ पकड़ते हुए आखिरकार कहा, "महोदय, यह मेरा निजी मामला है। आपका इससे कोई लेना-देना नहीं है। कृपया इसमें दखल न दें। मैं किसी को नहीं बताऊँगा।"
"सच में? तो फिर अभी यहीं से चले जाओ। तुम्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।"
"ठीक है महोदय, जैसी आपकी इच्छा।"
"हे भगवान! ऐसा कहने पर तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तुमने मुफ्त में खाकर खूब मज़ा लिया है। सैकड़ों वर्षों से तुम्हारी पीढ़ियाँ मेरे परिवार का शोषण करती आ रही हैं, और अब तुम मेरे खिलाफ यह साजिश रच रहे हो?"
"नहीं महोदय। आपके खिलाफ नहीं।" पीछे से एक महिला की आवाज़ आई। बैरीमोर की पत्नी दरवाजे पर खड़ी थी। उसका भारी-भरकम शरीर दरवाजे को रोके हुए था। बोलते समय उसका चेहरा पीला पड़ गया था। हेनरी ने बैरीमोर की गर्दन पर अपनी पकड़ थोड़ी ढीली कर दी।
"हमें बास्केरविले हॉल छोड़ना होगा, एलिजा। अभी इसी वक्त। अपना सामान पैक करना शुरू करो," बैरीमोर ने उससे गंभीरता से कहा।
"सर हेनरी..." एलिज़ा कांपती हुई, लेकिन दृढ़ आवाज़ में बोलने लगी। बैरीमोरन ने उसे रोक दिया। उसने अपनी आँखों से इशारा करते हुए उसे कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी। "एलिज़ा, मेरी बात सुनो। नीचे जाओ। चलो सामान पैक करते हैं।"
लेकिन एलिज़ा को उस पर विश्वास नहीं हुआ। "नहीं, जॉन... यह सब मेरी वजह से हुआ है। मेरी वजह से तुम्हें यह सब सहना पड़ रहा है। सर हेनरी, यह सब मेरी गलती है। मैंने ही जॉन को ऐसा करने को कहा था। लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें तुम्हारे खिलाफ कोई साजिश नहीं है। ये मोमबत्ती के संकेत..." जॉन बैरीमोर अब हताश हो गया था। एलिज़ा बोलने लगी थी।
"मेरा भाई... वह इस वीरान इलाके में भटक रहा है, अपना चेहरा छुपाए भूख से मर रहा है। हम उसे इस हालत में मरते हुए नहीं देख सकते, न ही खुलेआम उसकी मदद कर सकते हैं। हम

उससे आधी रात को छुपकर मिलते हैं। जॉन उसे इशारा कर रहा था कि खाना तैयार है, साहब। और वह उसे बता रहा था कि खाना कहाँ लाना है।"
"तुम्हारा भाई? मेरा मतलब है..."
“प्रिंसटाउन जेल से भागा कैदी। सेल्डन। वह मेरा भाई है।” एलिज़ा की आँखों में आँसू भर आए थे। वह फूट-फूटकर रोने लगी। जॉन बैरीमोर ने उसे गले लगाया। थपथपाया। थोड़ी देर बाद उसने धीमी आवाज़ में कहा, “महोदय, अब आपको यकीन हो गया है? मुझे खेद है कि मैं आपको यह बात स्पष्ट रूप से नहीं बता सका।”
हम एलिज़ा को घूरते रहे। टिमटिमाती मोमबत्ती की रोशनी में उसका मोटा शरीर और भी अजीब लग रहा था। उसके आँसू भरे चेहरे को देखकर यह सोचना भी मुश्किल था कि उसका अपना भाई ही इस अपराध का दोषी है। पहले तो उसका व्यवहार हंसमुख रहा होगा, लेकिन हालात ने उसे बहुत दुखी कर दिया होगा। उसका रोना स्वाभाविक था। ऐसा लग रहा था मानो उसका नाम संदिग्धों की सूची से हटा देना चाहिए।
"वह मेरा छोटा भाई है।" एलिज़ा ने अपना सिर झुकाया और बोलना शुरू किया। उसे अपने स्वामी के सामने अपने पति की कमियों को उजागर करने में शर्म आ रही होगी, लेकिन अब उसने चुप न रहने का फैसला किया होगा। और यही उसकी समझदारी थी। "सेल्डन मुझसे छोटा है। हमारी पहली बेटी का बेटा होने के नाते, उसे घर में कई सालों तक बहुत लाड़-प्यार मिला। कोई उससे कभी नाराज़ नहीं हुआ। लेकिन इसी वजह से वह बिगड़ गया। वह एक बुरा साथी भी बन गया। एक उम्र तक पहुँचते-पहुँचते उसका घमंड बढ़ने लगा। उसकी हरकतों की वजह से हमारे घर की बदनामी हुई। माँ नाराज़ हो गईं। वह घर छोड़कर चली गईं। हमारे पिता का निधन कम उम्र में ही हो गया था। सेल्डन से बड़ा कोई नहीं था जो उसकी बात सुनता। हर अपराध के बाद वह इस दलदल में और भी धंसता चला गया। उसे समय-समय पर गिरफ्तार किया गया। लेकिन सज़ा काटने के बाद भी सेल्डन नहीं बदला। आखिरकार, उसे फाँसी देने का समय आ गया। इसे भगवान की कृपा कहो या हमारी अच्छाई, सेल्डन जेल से भाग निकला। दुनिया के लिए वह चाहे कितना भी खतरनाक अपराधी क्यों न हो, मेरे लिए वह घुंघराले बालों वाला एक शरारती लड़का है, जिसकी उम्र छह या सात साल है। मैं क्या कर सकती हूँ? वह मेरी बहन का लाडला है। वह जेल से भागकर उसी रात यहाँ आ गया। उसे पता था कि मैं यहाँ रहती हूँ। उसे यकीन था कि उसकी बहन उसे नहीं छोड़ेगी।" उसे। वह अपनी हालत देख नहीं पा रहा था। वह भूख से बेहाल था। वह भागने की कोशिश कर रहा था, उसके हाथ-पैर बेजान थे। इसी बीच, सशस्त्र पुलिस उसका पीछा कर रही थी। हम क्या कर सकते थे? हमने उसे चुपके से अपने पास रखा। हमने उसे खाना खिलाया। हमने उसे यहीं रखा। लेकिन फिर आप आ गए। तब

मलरान ही उसके लिए एकमात्र सुरक्षित जगह थी। वह चला गया। लेकिन हर रात हम यह सुनिश्चित करते थे कि वह अभी भी यहीं है। मैं रात-रात भर उसके लिए रोती रही हूँ। मेरे पति उसके लिए खाना लाते हैं। हर दिन मुझे लगता है कि वह अब चला गया है। लेकिन जब तक वह मेरे साथ है, मैं उसे ऐसे नहीं छोड़ सकती। मैं उसकी बहन हूँ! महोदय, मैं ईश्वर में विश्वास रखने वाली स्त्री हूँ। मैं झूठ नहीं बोलूँगी। अगर जो कुछ हुआ उसमें कोई गलती है, तो वह मेरी है। मेरे पति पूरी तरह निर्दोष हैं। वह यह सब मेरे लिए कर रहे थे।

एलिजा की बातों में सच्चाई थी। फिर भी, हेनरी ने बैरीमोर से पूछा, "बैरीमोर, क्या यह सच है?"

"जी हां, सर हेनरी। शब्दशः।" बैरीमोर राहत महसूस कर रहे थे, लेकिन उनकी निगाहें नीचे ही झुकी रहीं।

"ठीक है। तुमने जो किया उसके लिए मैं तुम्हें दोष नहीं दूंगा। तुम्हें अपनी पत्नी के लिए ऐसा करना ही पड़ा। अब तुम दोनों अपने-अपने कमरों में जाओ। मैं तुमसे कल सुबह बात करना चाहता हूँ।"

वे दोनों शर्मिंदगी से सिर झुकाए चले गए। हेनरी तुरंत खिड़की के पास गया। उसने शटर खोला। ठंडी हवा अंदर आई। दूर कहीं रोशनी की एक हल्की सी झलक अभी भी दिखाई दे रही थी।

"हे भगवान! उसकी हिम्मत कैसे हुई! देखो!"

"शायद बैरीमोर ने इस खिड़की को इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसी जगह पर खड़ा था जहाँ से वह इसे केवल यहीं से देख सकता था।" मैंने अनुमान लगाना शुरू किया।

"यह संभव है। यह यहाँ से कितनी दूर है?"

"यह शायद उस पहली पहाड़ी के आसपास होगा। वह काफी दूर है, एक या दो मील।"

"हम्म... बैरीमोर अपना खाना लेकर वहाँ पैदल जाता है, तो ज़्यादा दूर नहीं होना चाहिए। हे भगवान! वो अभी भी वहीं खड़ा है। मैं अभी जाकर उसे पकड़ता हूँ।"

मेरे मन में भी यही विचार आया था। बैरीमोर ने हमें उसके बारे में गोपनीय रूप से नहीं बताया था। हमें गलती से पता चला था। हालांकि वह करीबी रिश्तेदार था, फिर भी वह समाज के लिए खतरा था। उस पर दया दिखाना मूर्खता थी। उसे दोबारा पकड़ना ही होगा। अगर वह आज़ाद हो जाता, तो और भी अपराध होते। यहाँ के निवासियों के लिए वाकई मुश्किल समय था। स्टेपलटन परिवार पास में ही रहता था। वह उन पर भी हमला कर सकता था। शायद बेरील के लिए हेनरी की चिंता ने ही उसे इस पागलपन भरे कदम को उठाने के लिए प्रेरित किया था।

"मैं तुम्हें अकेला नहीं छोड़ सकती, हेनरी। मैं भी आऊंगी," मैंने कहा।

"तो तुरंत अपना रिवॉल्वर उठा लो। उसके भागने से पहले तुम्हें वहाँ पहुँचना होगा।" अब बहुत तेज़ी से और उतनी ही सावधानी से आगे बढ़ना ज़रूरी था। एक उपलब्धि से एक नई उपलब्धि हासिल हो चुकी थी।

अगले ही पल हम बास्करविले हॉल के बाहर थे। झाड़ियों के बीच से तेज़ी से चलना मुश्किल था। हवा बहुत तेज़ चल रही थी। ठंड हड्डियों तक पहुँच रही थी। हर साँस के साथ नाक से भाप निकल रही थी। सर्दियों के पत्ते चारों ओर जमा हो गए थे। उनकी सड़ने की गंध भी हर जगह फैली हुई थी। उन पर पैर रखते ही चटकने की आवाज़ आती थी। आसमान में काले बादल छा गए थे। थोड़ी दूर चलने के बाद अचानक तेज़ बारिश शुरू हो गई। दूर से लैंप अभी भी दिखाई दे रहा था।

मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे पास कोई हथियार है?"

"हाँ। एक शिकार करने वाला चाकू।"

"चलो, जल्दी करो। अगर वह चला गया तो कोई फायदा नहीं। उसके कुछ पता चलने से पहले ही हम निकल जाएंगे। हमें रात के अंधेरे का फायदा उठाना होगा।"

"वॉटसन, तुम्हें याद है होम्स ने क्या कहा था?" हेनरी एक कदम रुका, "रात में निर्जन शक्तियाँ जंगल पर राज करती हैं। उस समय वहाँ बिल्कुल मत जाना। फिर..."

हेनरी ने अभी अपनी बात पूरी भी नहीं की थी कि मैदान में एक भयानक आवाज़ गूंजी। यह किसी जानवर के गुर्राने की आवाज़ थी। हवा के साथ आवाज़ गूंज रही थी, इसलिए यह बताना मुश्किल था कि आवाज़ ठीक कहाँ से आ रही है। मैंने ग्रिम्पेन दलदल के पास भी ऐसी ही आवाज़ सुनी थी। हेनरी कांप उठा। जो आवाज़ पहले बहुत धीरे-धीरे आ रही थी, वह धीरे-धीरे तेज़ होती गई। यह बताना नामुमकिन था कि जानवर दर्द से चीख रहा था या हमले की तैयारी में। लेकिन उस आवाज़ में इतनी ताकत थी कि कदमों की आहट तेज़ हो गई। पहाड़ियों से लौटकर आती उसकी गूंज भी भयानक थी। आवाज़ शांत होने से पहले ही, वह फिर से ज़ोर से चीखने लगी। पहले से भी तेज़। और भी डरावनी।

"हे भगवान! वॉटसन! यह क्या है?" हेनरी ने चारों ओर देखते हुए कहा।

मुझे पक्का पता नहीं है। लेकिन मैंने पहले भी वही आवाज सुनी है।

और जितनी अचानक यह आई थी, उतनी ही अचानक यह रुक भी गई। हमने सोने की कोशिश की। लेकिन हवा के तेज चलने और पत्तों की सरसराहट के अलावा उस मैदान में कोई आवाज़ नहीं थी। बुलबुलें फिर से चहचहाना शुरू कर दीं।

"वॉटसन। ये उस शिकारी कुत्ते की आवाज़ है। बास्करविल्स के शिकारी कुत्ते की।" हेनरी ने ऐसी आवाज़ में कहा कि मैं कांप गया। मैंने मुड़कर हेनरी को देखा। उस आवाज़ ने हेनरी को पूरी तरह

से जकड़ लिया था। उसकी आँखों की चमक गायब हो गई थी। अब वहाँ सिर्फ़ डर था। हेनरी ने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया। वह बर्फ़ की तरह ठंडा था। मैं उसके शरीर में सिहरन महसूस कर सकता था। मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा, "डरो मत। ये किसी शिकारी कुत्ते की आवाज़ नहीं है। स्टेपलटन कहता है कि ये किसी पक्षी की आवाज़ होगी, या गीली मिट्टी के सूखने की आवाज़ होगी।"

"मुझे छोटे बच्चे की तरह समझाने की कोशिश मत करो। मैंने वो आवाज़ बहुत साफ़ सुनी थी। ज़रूर किसी जानवर की आवाज़ होगी। ये... ज़रूर किसी शिकारी कुत्ते की आवाज़ होगी। हे भगवान, अगर मेरे परिवार में सुनाई जाने वाली कहानी सच है। मेरे चाचा भी इसका शिकार हुए थे। और अब मैं भी... कितनी भयानक आवाज़ थी वॉटसन, मेरे चाचा ने उस शिकारी कुत्ते को ज़रूर देखा होगा। उसके पैरों के निशान भी वहाँ मिले थे," हेनरी ने कहा।

हमने फिर चारों ओर देखा। लेकिन हमें कुछ सुनाई नहीं दिया। मैंने उसका दूसरा हाथ पकड़ा और थपथपाया। "चलो घर चलते हैं। थोड़ी गर्मी होने पर तुम्हें अच्छा लगेगा।" लेकिन हेनरी ने मेरा हाथ हिला दिया।

"हां, हां। वॉटसन, मैं उस आवाज़ से सचमुच डर गया था, लेकिन हमें अपना काम पूरा करने के बाद लौटना होगा," हेनरी ने शांत भाव से कहा। अब वह काफी हद तक संभल गया था। मुझे भी उसके इस फैसले से अच्छा लगा।

हम अंधेरे में लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ते रहे। आसपास की पहाड़ियों की आकृतियाँ धुंधली होती जा रही थीं। यह अनुमान लगाना असंभव था कि हम कहाँ हैं। चाँद भी बादलों के साथ खेल रहा था। बीच-बीच में चाँदनी की एक पतली सी किरण गायब हो जाती थी। माघा की आवाज़ से हमारे दिमाग पर पड़ा दबाव अभी पूरी तरह से दूर नहीं हुआ था। सेल्डन द्वारा जलाई गई मोमबत्ती की रोशनी कभी-कभी दिखाई देती थी। लेकिन इतने घने अंधेरे में, सुनसान मैदान में, दूरी का अंदाज़ा लगाना मुश्किल था। कभी-कभी यह बहुत दूर लगती थी, कभी-कभी बस कुछ कदम। थोड़ा और चलने के बाद, हम अनुमान लगा सके। हम काफी करीब थे। पत्थरों के एक आले में एक मोमबत्ती रखी हुई दिखाई दी। पत्थरों को बाएँ और दाएँ रखकर एक अस्थायी आला बनाया गया था। इस तरह, हवा चलने पर भी मोमबत्ती बुझती नहीं थी। इसके अलावा, इसकी रोशनी केवल बास्करविले हॉल की दिशा में पड़ती थी। पीछे या बगल से कोई इसे नहीं देख सकता था। सेल्डन समझदार था। वह सावधान था। हम अभी भी रास्ता टटोलते हुए आगे बढ़ते रहे। लेकिन रास्ते में ग्रेनाइट के बड़े-बड़े टुकड़े थे। उनके बीच से रास्ता बनाना मुश्किल था। मोमबत्ती का स्थान अब और भी करीब आ गया था। लेकिन आसपास कोई दिखाई नहीं दे रहा था। इतने विशाल जंगल के बीच जलती हुई मोमबत्ती धीरे-धीरे जल रही थी।

"अब हम क्या करें?" हेनरी ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा।
"यहीं रुको। वो शायद कहीं आस-पास ही होगा। चलो देखते हैं वो कहाँ है!" सेल्डन कहीं से भी हम पर हमला कर सकता था। मेरा हाथ जेब में रखी रिवॉल्वर पर था। मैं पूरी तरह सतर्क था। हेनरी ने भी अपना शिकार करने वाला चाकू निकाल लिया।
और उसी क्षण, मोमबत्ती रखी चट्टान के पीछे से एक लंबा-चौड़ा, हट्टा-कट्टा आदमी खड़ा हो गया। सेल्डन। रोशनी उसके चेहरे पर पड़ रही थी। उसका पहले से ही क्रूर काला चेहरा और भी भयानक लग रहा था। देवी के घावों से वह और भी बिगड़ गया था। बिखरे बाल, टेढ़ी दाढ़ी, पीले दांत, तांबे जैसी आंखें। वह दो पैरों पर खड़े किसी अजीब प्राणी जैसा दिख रहा था। पाषाण युग के आदिवासियों में से एक, जो प्राचीन काल में इन पहाड़ियों पर रहते थे, हमारे सामने खड़ा था। हम समझ गए कि उसे पकड़ने के लिए सशस्त्र सैनिकों को क्यों भेजा गया था। एक पल के लिए हमें लगा कि यहाँ आकर हमने गलती कर दी है। हम उसके हमले का सामना नहीं कर सकते थे। वह सावधानी से चारों ओर देख रहा था, उसकी निगाहें इधर-उधर घूम रही थीं।
वह हमारे आने का आभास पाकर खड़ा हो गया था। उसने सोचा होगा कि बैरीमोर खाना लाया है। लेकिन शायद बैरीमोर उसे कोई इशारा दे रहा था ताकि यहाँ पहुँचने पर उसकी पहचान हो सके। हमने ऐसा नहीं किया था। इसी बात ने उसे खतरे का एहसास दिलाया होगा। उसका शक बढ़ता गया। एक की जगह दो आदमी दिखाई दिए। उनमें से एक के हाथ में चाकू था। तब उसे यकीन हो गया। यही निर्णायक क्षण था। मैं आगे बढ़ा। मैं उसकी ओर कूदा। हमने कुछ हाथ बढ़ाए। हेनरी भी पीछे आया। अब वह कुछ करने ही वाला था, हमारी ओर देखते हुए उसने एक भयानक चीख मारी और अपने भारी शरीर के विपरीत फुर्ती से चट्टान से पीछे कूद गया। वह पीछे ज़मीन पर गिरा। हम एक पल के लिए नज़रों से ओझल हो गए। हम दूसरी तरफ की पहाड़ी की ओर दौड़ने लगे। जैसे-जैसे पहाड़ी ऊपर उठती गई, चट्टान के पीछे से उसका सिर दिखने लगा। वह बिजली की गति से दौड़ रहा था, पत्थरों के बीच से रास्ता बना रहा था। उसके कदमों की आहट सराय में किसी जंगली जानवर जैसी थी। मैंने अपना रिवॉल्वर निकाल लिया। लेकिन मुझे भाग रहे निहत्थे आदमी पर गोली चलाना सही नहीं लगा।
हम उसका पीछा करने लगे। उसकी गति बहुत तेज़ थी। हालाँकि हम दोनों अच्छे धावक थे, फिर भी हम उसे पकड़ नहीं पाए। दरारों और चट्टानों के बीच से रास्ता बनाते हुए हम उसके साथ कदम मिलाकर नहीं चल पा रहे थे। हमारे बीच की दूरी हर पल बढ़ती जा रही थी। हम दोनों हाँफने लगे। हमारे पैरों में साँस नहीं बची थी। हम पेट पर हाथ रखकर वहीं खड़े रहे और भागने लगे। दूर पहाड़ियों के पीछे उसकी आकृति ओझल हो गई। अब उसके पीछे भागने का कोई फायदा नहीं था। हम थोड़ी देर रुके और वापस मुड़ गए। चाँद बादल के पीछे छिपा हुआ था।

मोमबत्ती की हल्की रोशनी में वह जगह अब वीरान लग रही थी। जिस चट्टान पर सेल्डन खड़ा था, आसपास की पहाड़ियाँ, दूर बास्करविले हॉल, सब कुछ थम सा गया था।

जब मैं हेनरी के पीछे-पीछे चल रहा था, तो मुझे कुछ अजीब सा दिखाई दिया। पहाड़ी के दूसरी ओर एक लंबी, पतली सी आकृति खड़ी थी। वह बाहें मोड़े और सिर झुकाए सब कुछ देख रही थी। यह कोई भ्रम नहीं था। मैंने उसे देखा था। मैं उसका चेहरा नहीं देख पा रहा था, लेकिन वह हमें देख रही थी। वह एक प्राचीन पत्थर के घर के बगल में खड़ी थी, मानो वही उसकी वास्तुकार हो। यह निश्चित रूप से सेल्डन नहीं थी। मैंने हेनरी के कंधे पर हाथ रखा। मैंने उसे चेतावनी दी। जब मैंने पहाड़ी की ओर मुड़कर देखा, तो वह आकृति पलक झपकते ही गायब हो गई थी। यह कोई भ्रम नहीं था, होम्स।

मैंने वहाँ जाकर देखने का फैसला किया। लेकिन हेनरी अब उतना उत्साहित नहीं था। एक तो वह शोर और सेल्डन को पकड़ने में नाकाम रहने से थक चुका था। वह लगातार अपने परिवार पर लगे श्राप के बारे में सोच रहा था। और मेरे लिए उसे छोड़कर अकेले पहाड़ी पर जाना भी बेकार था। हेनरी सही था। उसके अनुमान के अनुसार, वह व्यक्ति प्रिंसटाउन जेल का गार्ड था। यह काफी संभव था। लेकिन फिर उसके हाथ में हथियार क्यों नहीं था? अगर उसने सब कुछ देखा था, तो वह सेल्डन को पकड़ने, हमारी मदद करने के लिए क्यों नहीं दौड़ा? वह अचानक गायब क्यों हो गया? खैर, हमारा मिशन तो बिल्कुल भी सफल नहीं हुआ।

ये सभी घटनाएँ पिछले कुछ दिनों में घटी हैं। इनका मूल मामले से संबंध हो भी सकता है और नहीं भी। मैंने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, लेकिन मैंने आपको घटित घटनाओं की विस्तृत जानकारी देने का प्रयास किया है। हालाँकि, बैरीमोर का रहस्य पूरी तरह से उजागर हो चुका है। मुझे पूरा विश्वास है कि ये सभी घटनाएँ इस बात का पता लगाने में सहायक होंगी कि दोषी कौन है, यह पूरी साजिश क्या है और उस भयानक आवाज़ का स्रोत क्या है।

मैं हर जगह पैनी नजर रखता हूँ। अगर मुझे कुछ भी संदिग्ध दिखेगा, तो मैं आपको तुरंत सूचित करूँगा।

आपका

जेम्स वॉटसन.

१०

मैंने आपके सामने वे पत्र रखे हैं जो मैंने बास्करविले हॉल से होम्स को भेजे थे। लेकिन अब मैं अगला भाग सुनाऊंगा, एक बार फिर अपनी स्मृति के सहारे। यह उस समय लिखी गई मेरी डायरी के पन्नों पर आधारित है। मैं सेल्डन की खोज के दूसरे दिन से शुरू करता हूँ।

16 अक्टूबर

बास्केरविल हॉल कोहरे से घिरा हुआ था। बाहर बारिश शुरू हो चुकी थी। कोहरे के बीच से दलदली ज़मीन दिखाई दे रही थी। वहाँ भी बारिश हो रही थी। सूरज बादलों के पीछे छिप चुका था। उसकी किरणें काले बादलों के किनारों पर झलक रही थीं। सुबह की हवा में कोई ताजगी नहीं थी। रात खत्म हो चुकी थी, बस इतना ही, वरना दिन का उत्साह कहीं नज़र नहीं आ रहा था। दलदली ज़मीन के ऊपर पहाड़ियाँ बादलों की तरह इधर-उधर बिखरी हुई लग रही थीं। बारिश ने उनके माथे भिगो दिए थे। एक बार फिर उन्हें रहस्य से ढक दिया था। यह उदास हवा उस दलदली ज़मीन के लिए बिल्कुल सही थी जो कई रहस्य छिपाए हुए थी। उसका विस्तार अब अप्रत्याशित था। वहाँ की बारिश और हवा भी किसी अज्ञात शक्ति के वश में थीं। और वह शक्ति स्वयं अदृश्य थी।

यहां आने के बाद ही मुझे अपने मन के विचारों और आसपास की प्रकृति के बीच का संबंध समझ में आया। मेरे शापित परिवार की कहानी और उसे सहारा देने वाला वातावरण सर चार्ल्स के मन पर गहरा असर डालता होगा। उस भयानक प्राणी की निरंतर उपस्थिति। लेकिन अगर वह प्राणी पाताल लोक से आया है, अदृश्य है, तो उसके पदचिह्नों का दिखना, उसकी आवाज को सीधे सुनना, मेरी बुद्धि को समझ में नहीं आता। स्टैपलटन और मोर्टिमर चाहे कुछ भी कहें, थोड़ा सोचने पर भी मुझे असंगतता नजर आती है। और इन चीजों का सामना बुद्धि से नहीं करना मेरी फितरत है। वरना, यहां के ग्रामीणों और मुझमें क्या फर्क है? उन्होंने उस प्राणी का जो वर्णन किया है, वह हकीकत से ज्यादा अफवाहों पर आधारित है। कहा जाता है कि उस कुत्ते के मुंह और आंखों से आग निकलती है। मैं शर्लक होम्स के सहायक के रूप में काम कर रहा हूं। सच्चाई के जितना करीब हो सके पहुंचना मेरा कर्तव्य है। क्या सचमुच ऐसा कोई प्राणी हो सकता है? मैंने खुद उस प्राणी की आवाज दो बार सुनी है। अगर इतना बड़ा कुत्ता सचमुच मौजूद होता, तो कुछ और सवाल उठते। यह इस तरह क्यों भौंकता है? आखिर यह कहाँ छिपा है? यह क्या खाता है? यह यहाँ कब आया? इतने दिनों से इसे किसी ने क्यों नहीं देखा? क्या इसकी प्रजाति का कोई दूसरा जानवर नहीं है? लेकिन प्रकृति के नियम इनमें से किसी भी शंका का उत्तर नहीं दे सकते। फिर तो और भी उलझन बढ़ गई। इसमें इंसानों का दखल भी जुड़ गया। लंदन में हेनरी को मिले खतरे के पूर्वाभास। वह अज्ञात व्यक्ति जिसने वह पत्र भेजा था। रीजेंट

स्ट्रीट पर तंबू में दाढ़ी वाला आदमी। कल रात पहाड़ी पर दिखाई देने वाला लंबा व्यक्ति। ये सब लोग कौन हैं? हेनरी के दुश्मन या दोस्त? ये सामने क्यों नहीं आते?

कल रात मैंने जिस आदमी को देखा, उसके बारे में मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि मैंने उसे यहाँ पहले कभी नहीं देखा। मैं यहाँ रहने वाले हर किसी से मिल चुका हूँ। अब तो मैं दूर से ही सबको पहचान लेता हूँ। लेकिन यह आदमी उनमें से नहीं था। वह स्टेपलस्टन से लंबा और फ्रैंकलैंड से पतला था। क्या वह बैरीमोर हो सकता है? नहीं। बैरीमोर उस समय बास्करविले हॉल में था। उसके हमारे पीछे यहाँ आने की कोई संभावना नहीं थी।

लेकिन कोई देख रहा है। लंदन में भी ऐसा हुआ था, यहाँ भी ऐसा ही होता है। एक लगातार रहस्यमय पीछा चल रहा है। कौन जाने कब से चल रहा है। कोई हमारी हर हरकत पर कड़ी नज़र रख रहा है। दुश्मन या दोस्त? अभी तक कुछ खास बुरा नहीं हुआ है। अगर वह कल पकड़ा गया होता, तो हमें जवाब मिल जाते। उलझन कम हो जाती। अब पहला काम उस आदमी को ढूंढना है।

एक पल मुझे लगा कि मुझे हेनरी को अपनी सारी योजनाएँ बता देनी चाहिए। और अगले ही पल मैंने फैसला किया कि मैं किसी को कुछ नहीं बताना चाहती। हमें यह सब खुद ही करना होगा। बिना बोले, चुपके से। हेनरी कल रात मलराना नदी पर उस जानवर की आवाज़ सुनने के बाद से चुप था। चाहे वह कितना भी इनकार करे, वह अंदर ही अंदर काँप रहा था। अगर मैंने उसे कुछ और बताया, तो उसका मनोबल टूट जाएगा। क्या उसे ये कदम अकेले उठाने चाहिए?

आज सुबह एक और नाटकीय घटना घटी। नाश्ते के दौरान बैरीमोर काफी देर तक इधर-उधर घूमते रहे। उन्हें कुछ ज़रूरी बात कहनी थी। वो भी अकेले में। आखिरकार उन्होंने हेनरी को अकेले जाने के लिए कहा। दोनों स्टडी रूम में चले गए। थोड़ी देर में अंदर से एक आवाज़ आई। मैं उनकी बातचीत का विषय समझ गया। थोड़ी देर बाद हेनरी ने दरवाज़ा खोला और बाहर आए। उन्होंने मुझे बुलाया।

"बैरीमोर ने हमारे खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि ईमानदारी से सब कुछ बताने के बावजूद, हमने उनके बहनोई को पकड़ने की कोशिश करके सही काम नहीं किया।"

दूसरी ओर, बैरीमोर दृढ़ता से खड़ा था, उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसने अपना सिर नीचे किया और बोलना शुरू किया।

"सर, चाहे कुछ भी हो जाए, वो मेरे जीजा हैं। बेचारे जैसे-तैसे गुज़ारा कर रहे हैं। अब मैं उनका सहारा हूँ। मैंने आपको सब कुछ सम्मान के कारण बताया। और आपने, कल रात..." बैरीमोर ने गुस्से में बोलना जारी रखा।

"एक मिनट रुकिए। आपने ये सब हमें स्वेच्छा से नहीं बताया। हमें ये आपसे पता भी नहीं चला। हमें ये आपकी पत्नी से पता चला। उसे ऐसा करने के लिए मजबूर करने के बाद, नैलाजा ने उसे बताना शुरू किया। अगर आपने ये रहस्य खुद ही बता दिया होता, तो आपकी बातें समझ में आतीं।"

"लेकिन मुझे नहीं लगा था कि आप इसका इस तरह इस्तेमाल करेंगे, सर हेनरी। सच में नहीं।" बैरीमोर गुस्से और दुख से उबल रही थीं।

हेनरी ने आगे कहा, "बैरीमोर, सेल्डन एक खतरनाक आदमी है। जब तक वह इस तरह बाहर है, यहाँ कोई भी घर सुरक्षित नहीं है। उदाहरण के लिए, स्टेपलटन को ही ले लो। अगर सेल्डन उसके घर पर हमला करता है, तो उन्हें बचाने कौन जाएगा?"

"वह ऐसा कुछ नहीं करेगा, महोदय। मैं आपको आश्वासन देता हूँ। वह इस क्षेत्र में कहीं भी नहीं दिखेगा, इंग्लैंड में भी नहीं। मैं उसे दक्षिण अमेरिका भेजने का प्रस्ताव कर रहा हूँ। कृपया दया कीजिए, श्री हेनरी। कृपया उसके बारे में पुलिस को सूचित न करें। उन्होंने भी उसे ढूंढने की उम्मीद छोड़ दी है। जब तक वह अमेरिका जाने के लिए तैयार न हो जाए, उसे जंगल में ही छिपा रहने दीजिए। यदि आप पुलिस को सूचित करेंगे, तो मैं और मेरी पत्नी भी छिप जाएँगे। आपसे निवेदन है, महोदय।"

"क्या, वॉटसन? तुम्हारा क्या मतलब है?"

मैंने कंधे उचका दिए। "अगर वह इंग्लैंड छोड़ दे तो बहुत अच्छा होगा।"

"लेकिन अगर वह यहां रहते हुए कुछ और गड़बड़ कर दे तो? ऐसे गुंडे पर कौन भरोसा करेगा?"

"जी नहीं। वह ऐसा कुछ नहीं करेगा। हमने उसे हर ज़रूरी चीज़ मुहैया करा दी है। अगर वह कोई हरकत करता है, तो पुलिस को पता लगाना होगा कि वह कहाँ है। उसके लिए यही बेहतर है कि वह चुप रहे और छिपा रहे," बैरीमोर ने उदास होकर कहा।

"ये तो सच में बैरीमोर हैं। ठीक है फिर..." मैंने बीच में ही टोक दिया।

"धन्यवाद महोदय। धन्यवाद..." बैरीमोर ने अत्यंत विनम्रता से कहा। "आप मेरे और मेरी पत्नी के बहुत आभारी होंगे। अगर कुछ भी हो जाता तो बेचारी मर जाती।"

"वॉटसन, तुम क्या कर रहे हो? एक अपराधी की मदद कर रहे हो?" हेनरी पूरी तरह से टूट नहीं गया था। "बैरीमोर, हम उसे एक शर्त पर रिहा करेंगे। आगे कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। उसे किसी को कोई परेशानी नहीं पहुंचानी चाहिए। उसे जितनी जल्दी हो सके वहां से निकल जाना चाहिए।"

अपने बहनोई द्वारा दी गई सुरक्षा को स्वीकार करते हुए, बैरीमोर किसी तरह संभलकर वहां से चले गए। लेकिन उन्हें अभी भी कुछ कहना था। वे उन्हीं हल्के कदमों से वापस लौटे। वे फिर से सिर झुकाए खड़े हो गए।

"आपने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, महोदय। इसके बदले में, मैं आपको कुछ जानकारी दूंगा। सर चार्ल्स की मृत्यु के संबंध में। मैंने इसके बारे में कभी किसी को नहीं बताया। मुझे बहुत देर से पता चला। लेकिन तब तक पुलिस जांच पूरी हो चुकी थी।"

हेनरी और मैं एकदम चौंक गए। हेनरी लगभग चीख पड़ा। "हे भगवान! क्या आपको पता है कि उसकी मौत कैसे हुई?"

"जी नहीं महोदय। मुझे यह जानकारी नहीं है।"

“तो फिर क्या?” हेनरी अधीर हो गया।

"मुझे पता है कि वे उस रात उस गेट पर क्यों गए थे," बैरीमोर धीरे से कह रहे थे। उन्होंने इस रहस्य को इतने लंबे समय तक अपने तक ही सीमित रखा था। "वे वहां एक महिला से मिलने गए थे।"

"सर चार्ल्स? और एक महिला से मिलने के लिए? और वह भी इतनी देर रात?"

‘‘हो सर.’’

"वह कॉन हे?"

मैं आपको नाम नहीं बता सकता। लेकिन उसके नाम के शुरुआती अक्षर निश्चित रूप से 'एल.एल.' हैं।

"आप यह कैसे जानते हैं?"

"सर हेनरी, सर चार्ल्स को उस सुबह एक पत्र मिला था। आपके चाचा यहाँ बहुत लोकप्रिय थे। उन्होंने अनेक लोगों की कई तरह से मदद की। उन्हें प्रतिदिन कई पत्र मिलते थे। लेकिन संयोगवश उस सुबह केवल यही एक पत्र आया था। इसीलिए मेरी नज़र उस पर पड़ी। यह 'कूम्ब ट्रेसी' के नाम से संबोधित था। और यह एक महिला की लिखावट में था।"

"इसलिए?"

"उस समय मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन उस घटना के कुछ दिनों बाद, मेरी पत्नी अपना कमरा साफ कर रही थी। सर चार्ल्स की मृत्यु के बाद से इस कमरे में कोई नहीं आया था। उसे चिमनी के पास एक आंशिक रूप से जला हुआ पत्र मिला। उसका बड़ा हिस्सा जल चुका था। लेकिन पत्र के पीछे लगा कागज का एक छोटा सा टुकड़ा कुछ हद तक सही सलामत था। उस पर राख लगी हुई थी। उस कागज के टुकड़े पर पत्र का अंतिम भाग था और किसी नए पेन से लिखा

गया था: 'कृपया... कृपया... कृपया। आप एक भले आदमी हैं। इन पत्रों को जला दीजिए। रात दस बजे मलराना के द्वार पर आइए।' नीचे 'एल.एल.' अक्षर लिखे थे।"
"क्या आपके पास वह कागज का टुकड़ा है?"
"नहीं महोदय, हमने इसे टुकड़े-टुकड़े कर दिया और फेंक दिया।"
मैंने पूछा, "इसी पत्र में सर चार्ल्स को और कौन सा पत्र मिला था?"
"जी नहीं महोदय। मुझे नहीं पता। मैंने उनके पत्रों पर ध्यान नहीं दिया। मुझे बस एक पत्र याद है जो उस दिन आया था।"
"यह 'एल.एल.' कौन है?"
"मुझे कोई जानकारी नहीं है, महोदय।"
"बैरीमोर।" मैं खुद को रोक नहीं पाई। "आपने इतनी महत्वपूर्ण जानकारी क्यों छिपाकर रखी?"
"सर, वह कागज़ात बहुत देर से आए। और फिर हमारी अपनी मुसीबतें शुरू हो गईं। सेल्डन वगैरह। सर चार्ल्स मेरे और मेरी पत्नी के बहुत आभारी हैं। हमें उन पर भरोसा था। जब हमने सुना कि इस मामले में एक महिला का नाम शामिल है, तो हम घबरा गए। सर चार्ल्स का नाम एक महिला से जुड़ा था..."
क्या उन्हें डर था कि उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा?
"हां। और मुझे नहीं लगा था कि इससे कुछ अच्छा निकलेगा। लेकिन आप हमारे प्रति इतने दयालु थे कि हमने आपको बताया कि पूरी कहानी बताना हमारा कर्तव्य है।"
"ठीक है, तुम जाओ।"
बैरीमोर चली गई। हेनरी और मैंने एक-दूसरे को देखा। उलझन बढ़ती जा रही थी। इस पूरे घटनाक्रम में एक नया किरदार, एल. एल., जुड़ गया था। अब उसे ढूंढने का समय आ गया था। उससे हमें चार्ल्स की मौत का असली कारण पता चल सकता था। शायद यही एल. एल. दोषी हो सकती है। उसने अपना नाम तो छिपा लिया था, लेकिन अपनी मौजूदगी नहीं छिपा सकी। वह सर चार्ल्स की मौत के समय आई थी, तो उसके पैरों के निशान क्यों नहीं मिले? उसका और हाउंड का क्या संबंध हो सकता है?
मुझे दिल से महसूस हुआ कि अगर होम्स यहाँ होते तो कितना अच्छा होता। इन सभी सवालों के जवाब ढूंढने की बुद्धि सिर्फ होम्स के पास ही थी।
मैं चुपचाप अपने कमरे में चला गया। मैं होम्स को पत्र लिखने बैठ गया। अब तक मैंने उन्हें जितने भी पत्र लिखे थे, उनके जवाब बहुत देर से मिल रहे थे। शायद वह लंदन में चल रहे उस ब्लैकमेल मामले में बहुत व्यस्त थे। बास्करविल मामला भी उनके लिए बहुत तनावपूर्ण होगा। बहुत कुछ हो चुका था। अब असली कार्रवाई का समय आ गया था।

17 अक्टूबर

बारिश तेज़ हो गई है। हर तरफ पानी ही पानी है। बास्करविले हॉल की पत्थर की दीवारों पर फैली लताएँ पानी से भीगी हुई हैं। बारिश की आवाज़ और कभी-कभार बिजली कड़कने से यहाँ का रहस्यमय वातावरण और भी गहरा हो गया है। खिड़की से बाहर घास के मैदान को देखते हुए सेल्डन के मन में विचार आते हैं। बेचारा। उस घास के मैदान का वातावरण जेल में रहने जैसा ही होगा।

दिनभर एक ही जगह बैठे-बैठे मैं थक गया था। शाम को मैंने रेनकोट पहना और दलदली इलाके की ओर चल पड़ा। चारों ओर पानी के गड्ढे थे। कीचड़ भरे पानी की धाराएँ बह रही थीं। आसमान दिखाई नहीं दे रहा था। बारिश मेरे चेहरे पर ज़ोर से पड़ रही थी। हवा ज़ोर से चल रही थी। भगवान न करे, कोई उस दलदल में फँस जाए। मैंने उस दिशा में देखा और आगे बढ़ा। ज़मीन पर कोहरा छा गया था। लंबी पर्वत श्रृंखला नज़र से ओझल हो गई थी। मुझे फिसलन भरी ज़मीन पर संभलकर चलना पड़ रहा था। मेरा शरीर ठंड से काँप रहा था। पानी की धाराएँ मेरे माथे से बहकर मेरी आँखों में जा रही थीं। मुझे हर मिनट अपना चेहरा धोना पड़ रहा था। उन पहाड़ियों की मिट्टी बारिश से बह गई थी। कुछ जगहों पर निचली ढलानें दिखाई दे रही थीं। पीछे मुड़कर देखने पर मुझे बास्करविल हॉल की दो चोटियाँ दिखाई दीं। वही मनुष्य का एकमात्र निशान था। सामने की पहाड़ियों पर पाषाण युग के आदिम मानव के पत्थर के घर भी थे। लेकिन वहाँ के लोग जीवित नहीं थे। क्या दो दिन पहले वहां देखा गया लंबा आदमी अभी भी वहीं हो सकता है? क्या इस बारिश ने उसे वहां से हटा दिया होगा?

अब अंधेरा हो रहा था। आगे जाने का कोई फायदा नहीं था। अगर मुझे लौटने में देर हो जाती, तो मुझे अंधेरे में रास्ता ढूंढना पड़ता। मैं वापस मुड़ गया। मॉर्टिमर बास्करविले हॉल जा रहे थे, एक कुत्ते से खींची जाने वाली गाड़ी में। मुझे देखते ही वे रुक गए। उन्होंने मुझे गाड़ी में बैठने को कहा। वे मुझे बास्करविले हॉल तक छोड़कर आगे जाने वाले थे। उन्हें अचानक किसी मरीज़ को देखने जाना था। चूंकि वे इलाके के इकलौते डॉक्टर थे, इसलिए बहुत व्यस्त रहते थे। फिर भी, वे अपने काम में से समय निकालकर हमारी यथासंभव मदद करते थे। वे हर दिन पूछताछ करते थे। वे देखते थे कि हमें क्या चाहिए। लेकिन वे दो दिनों से नहीं आए थे। उनका चेहरा अभी भी उदास था। उनका घुंघराले बालों वाला स्पैनियल कुत्ता अचानक गायब हो गया था। मानो वह दलदल में चला गया हो और कभी वापस न लौटा हो। अगर वह ग्रिम्पेन मूर गया होता, तो मुझे डर था कि वह कभी वापस न लौटेगा।

"मोर्टिमर।" मैंने गला साफ़ करते हुए बोलना शुरू किया। मैं ज़रूरी जानकारी देना चाहता था। "इस इलाके के ज़्यादातर लोग आपके परिचित हैं, है ना?"

"हाँ।" तेज़ हवा के कारण हमें चिल्लाना पड़ा, हालाँकि हम पास ही थे।
"तो क्या आप एल.एल. नाम की किसी महिला को जानते हैं?" मैंने सीधे पूछा। तब तक मॉर्टिमर संदिग्धों की सूची से बाहर हो चुका था।
"एल. एल.?" मॉर्टिमर ने अपने रेनकोट से पानी झाड़ते हुए पूछा। "उम... नहीं। मुझे नहीं पता कि यह दूसरी तरफ से आने वाली खानाबदोश जनजातियों में से एक है या इस इलाके के खेतिहर मजदूरों में से एक। लेकिन एल. एल. नाम की कोई महिला यहाँ नहीं है।" और जैसे अचानक कुछ याद आया हो, उसने कहा, "लौरा लायंस... यह एल. एल. लौरा लायंस हो सकती है। लेकिन लौरा तो कूम्ब ट्रेसी में रहती है।"
"यह लौरा लियोन्स कौन है?"
"फ्रैंकलैंड की बेटी।"
"वो पागल वकील फ्रैंकलैंड?"
"हाँ। उसकी एक कहानी है। लियोन्स नाम का एक चित्रकार यहाँ रेखाचित्र बनाने आया था। उसे उससे प्यार हो गया। दोनों ने शादी कर ली। लेकिन यह लियोन्स बहुत ही अड़ियल था। एक दिन वह उसे छोड़कर चला गया। ज़ाहिर है, दोनों तरफ से कुछ न कुछ गलती हुई थी। बूढ़ा फ्रैंकलैंड भी नाराज़ था। वह इस शादी के खिलाफ था। ज़ाहिर है, उसने कोई मदद नहीं की। शायद कुछ और कारण भी रहे हों, लेकिन बूढ़े फ्रैंकलैंड और लियोन्स के बीच चल रहे झगड़े के बीच ही वह घर लौटने लगी। लियोन्स चला गया।"
"तो फिर वह किसके साथ रहती है?"
"वह अब अपने पिता के साथ है। बूढ़े फ्रैंकलैंड। मुझे लगता है कि वही उसका सहारा हैं। हो सकता है कि वह उसे खर्चों के लिए कुछ पैसे देते हों, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह ज़्यादा होते हैं। क्योंकि सारा हंगामा इसी बात पर चल रहा है। यहाँ हर कोई उसकी कहानी जानता है। वह गुज़ारा करने के लिए टाइपिंग का काम करती है।" यह कहते हुए, मॉर्टिमर ने पूछा, "लेकिन आप उसके बारे में क्यों जानना चाहते हैं?"
वह मेरे सवाल का सार समझना चाहता था। और मैं उसे कुछ भी नहीं बताने वाला था। इस मामले में किसी और को शामिल करना समझदारी नहीं थी। मैं खुद कूम्ब ट्रेसी जाकर उस एल.एल., उर्फ लौरा लायंस से मिलने वाला था। वह मुझे कई सवालों के जवाब दे सकती थी। बास्करविल मामले का अंत नज़दीक था। लेकिन अभी तक अपराधी नहीं मिला था। मॉर्टिमर की जिज्ञासा बढ़ गई थी। वह मदद करने की इच्छा से गहराई से छानबीन करने और सवाल पूछने लगा। विषय बदलना ज़रूरी था। अचानक मुझे एक विचार आया।

"फ्रैंकलैंड की खोपड़ी का आकार कैसा है?" मैंने ठीक यही सवाल पूछा, और मॉर्टिमर चौंक गया। उसका पसंदीदा विषय शुरू हो गया था। वह बास्करविले हॉल के आने तक फ्रैंकलैंड की खोपड़ी के बारे में बात करता रहा।

आज एक और महत्वपूर्ण घटना घटी। अभी कुछ देर पहले ही मैंने बैरीमोर से बात की और एक और जानकारी मेरे दिमाग में आई।

"मोर्टिमर मुझे छोड़ने आते समय यहाँ खाना खाने के लिए रुका था। खाना खाने के बाद वह और हेनरी ताश खेलने लगे। मैं पुस्तकालय में बैठी थी। बैरीमोर मेरे लिए कॉफी लाया। मैंने सहर्ष स्वीकार कर ली।"

"तो? क्या सेल्डन चला गया है? क्या वह अभी भी मैदानों में है?"

"मुझे नहीं पता कि उनके साथ क्या हुआ, महोदय। हमें कुछ परेशानी हुई थी। हमने तीन दिन पहले उनके लिए खाना रखा था। तब से उनका कोई पता नहीं चला है।"

"क्या आपने उसे बाद में नहीं देखा?"

"नहीं, महोदय। लेकिन जो खाना मैंने वहाँ छोड़ा था, वह गायब हो गया था।"

"तो वह अभी भी वहीं है।"

कौन जाने, क्या उसने इसे लिया या किसी और ने इसे लिया?

मेरी कॉफी का कप मेरे होठों पर आकर रुक गया। मैंने बैरीमोर को संदेह भरी नजरों से देखा।

मैंने सीधे पूछा, "क्या मैदानों पर कोई और भी चल रहा है?"

"जी हां, महोदय। वहां एक और आदमी है।"

"क्या तुमने देखा?"

"जी नहीं, महोदय।"

"तो फिर आपको कैसे पता?"

"कल रात जब मैं सेल्डन से मिला, तो उसने मुझे बताया। उसने उस आदमी को देखा था। वह कोई भागा हुआ कैदी नहीं था, बल्कि जंगल में छिपा हुआ था।" बैरीमोर रुक गया। उसका गला सूख गया। उसके होंठ कांपने लगे। पूरी स्थिति का तनाव उसके लिए असहनीय रहा होगा। "मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता... मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता... महोदय। कृपया, कृपया। अपनी खोज रोक दीजिए। ज्यादा ध्यान आकर्षित मत कीजिए। सर हेनरी को जाने के लिए कहिए।" बैरीमोर, कुछ बोल न पाने के कारण, रोने लगा।

"क्या ठीक से काम नहीं कर रहा है? क्या अटक रहा है? बैरीमोर। मैं यहाँ हूँ, और मैं यह सब आपके आदेशों के कारण कर रही हूँ, सर हेनरी। शांत हो जाइए। क्या आप तनाव में हैं?"

बैरीमोर रोते हुए मलराना की ओर इशारा करते हुए बोलीं, "वहाँ कोई भयानक साजिश चल रही है, महोदय। एक भयानक साजिश। मैं बहुत डरी हुई हूँ। सर हेनरी सचमुच खतरे में हैं। उनसे कहिए कि वे लंदन वापस चले जाएँ। आप भी यहाँ से निकल जाइए।"
"किस तरह का खतरा? किस तरह की साजिश? आपको ऐसा क्यों लगता है?"
"मुझे अभी भी सर चार्ल्स की भयानक मृत्यु याद है, महोदय, और फिर रात में दलदली इलाकों से आने वाली डरावनी आवाजें। अंधेरा होने पर वहां कोई नहीं घूमता। लोग हमेशा किसी न किसी बात पर चर्चा करते रहते हैं। वह आदमी जो दलदली इलाकों में छिपा है। वह कौन है? वह वहां क्या कर रहा है? मुझे नहीं लगता कि यह आदमी इतनी बारिश में बास्करविले हॉल के आसपास अच्छे इरादों से रह रहा होगा, महोदय। मैंने सर चार्ल्स को मरते देखा। सर हेनरी के साथ ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए। उनकी जान खतरे में है। उन्हें वापस जाने के लिए कहिए। वरना मैं यह नौकरी छोड़ दूंगा।"
"शांत हो जाओ, बैरीमोर। हिम्मत मत हारो। क्या सेल्डन ने तुम्हें उस आदमी के बारे में कुछ और बताया? वह कैसा है? वह कहाँ छिपा हुआ था? वह क्या कर रहा था?"
"उसने उसे सिर्फ एक या दो बार ही देखा था। पहले तो उसे लगा कि वह पुलिसवाला है। लेकिन वह नहीं था। वह वहीं रहता था लेकिन एक अच्छा नागरिक लगता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसके साथ क्या हो रहा है।"
"हम्म। आपने उसे कहाँ देखा?"
ढलानों पर बने पुराने पत्थर के घरों में।
"वहाँ? और उनके भोजन कक्ष का क्या?"
"सेल्डन ने कहा कि एक लड़का उस आदमी की देखभाल करता था। वही उसके लिए खाना-पीना लाता था। मुझे लगता है कि वह यह सब कूम्ब ट्रेसी से लाता था।"
"ठीक है। अब तुम जाओ।"
बैरीमोर जा चुका था। मैंने अपनी कॉफ़ी खत्म की। मैं उठा और खिड़की के पास गया। बाहर बारिश रुक चुकी थी। ठंडी, ताज़ी हवा चल रही थी। पेड़ बाज़ की तरह ऊपर लहरा रहे थे। हवा चलने पर उनकी भीगी शाखाएँ हिल रही थीं। दूर की पहाड़ियों की आकृतियाँ दिखाई नहीं दे रही थीं। लेकिन वह आदमी अभी भी वहीं होगा। मुझे उसका लंबा कद याद आ गया। वह कौन हो सकता है? वह ऐसे वातावरण में घात लगाए बैठा था। उसका मकसद क्या हो सकता है? अब वह इस सब का केंद्र था। मैंने ठान लिया था कि कल सूर्यास्त तक मैं उस तक पहुँच जाऊँगा और इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण जानकारी अगले दिन सुबह टेलीग्राम द्वारा होम्स को लंदन भेज दूँगा।

११

मैंने अपनी डायरी में केवल 18 अक्टूबर तक की घटनाओं का ही ज़िक्र किया है। इसके बाद जो घटनाएँ घटीं, वे इतनी असाधारण हैं कि उन्हें जानने के लिए डायरी देखने की ज़रूरत ही नहीं है। मैं उन्हें अभी बता सकता हूँ। वे इतनी ताज़ा हैं मानो मेरे सामने ही घटी हों। यह पहली बार नहीं है जब मुझे डायरी लिखने की ज़रूरत महसूस हुई है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि पूरा मामला ऐसा मोड़ लेगा। दो महत्वपूर्ण बातें। एक है, 'एल. एल.', उर्फ़ लौरा लायंस। यह कोई संयोग नहीं था कि उसने सर चार्ल्स को रात में मिलने के लिए बुलाया और सर चार्ल्स की उसी रात मुलाकात की जगह पर मृत्यु हो गई। दूसरी बात है पहाड़ी पर वह आदमी जिसे उस रात देखा गया था जब सेल्डन उसे पकड़ने गया था। वह आदिवासियों के पत्थर के घर में न जाने कब से छिपा हुआ था। ये दोनों पहेलियाँ एक साथ सुलझ गईं। बिलकुल अप्रत्याशित रूप से।

उस शाम मॉर्टिमर और हेनरी काफी देर तक ताश खेलते रहे। मुझे हेनरी से बात करने का मौका ही नहीं मिला। मैं उसे लौरा लायंस की खबर नहीं बता सकता था। मॉर्टिमर भी उसमें शामिल हो जाता। मैं इस विषय को ज्यादा खींचना नहीं चाहता था। लेकिन अगली सुबह, जब हम नाश्ते पर मिले, तो मैंने हेनरी को सब कुछ बता दिया। जब मैंने उससे कूम्ब ट्रेसी चलने के लिए कहा, तो वह पहले तो बहुत उत्साहित था। लेकिन फिर हम दोनों को लगा कि मुझे अकेले ही जाना चाहिए। मुलाकात जितनी अनौपचारिक होगी, मुझे उतनी ही ज्यादा जानकारी मिलेगी। अगर हम साथ जाते, तो झगड़े की संभावना ज्यादा थी। हेनरी को बास्करविले हॉल में अकेला छोड़कर, मैं पर्किन्स की गाड़ी में बैठकर कूम्ब ट्रेसी के लिए निकल पड़ा।

कूम्ब ट्रेसी पहुँचने में मुझे कम से कम एक घंटा लग गया। पर्किन्स को घोड़ों को बाँधने के लिए कहा गया था। उस छोटे से गाँव में लॉरा लायंस का पता ढूँढना मुश्किल नहीं था। वह बहुत मशहूर थीं। नौकरानी ने दरवाज़ा खोला और मुझे उनके कमरे में ले गई। घर बड़ा था। लॉरा बीच के कमरों में से एक में टाइपराइटर पर बैठी थीं।

लौरा लियोन्स। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस इलाके में मुझे इतनी खूबसूरत महिला देखने को मिलेगी। वह वाकई खूबसूरत थी। उसके चेहरे पर धूप के कुछ धब्बे थे, लेकिन उसके गोरे रंग पर वे साफ दिख रहे थे। उसके गालों पर गुलाबी रंगत थी। उसकी आंखें और बाल भूरे थे। सुडौल काया और सादे लेकिन सुरुचिपूर्ण कपड़े। अगले ही पल, मेरा डॉक्टरी दिमाग जाग उठा। उसमें कुछ कमी थी। उसकी खूबसूरती शुद्ध नहीं थी। उसके होंठों पर लाइनर लगी थी, लेकिन वह कुछ छिपा रही थी। उसके व्यक्तित्व में कुछ असंगतता थी। बेशक, यह बाद में समझ आया। लेकिन मैं मानता हूं कि पहली नजर में उसकी खूबसूरती लुभावनी थी। कोई भी उसे पहली नजर में ही प्यार कर बैठता। लेकिन क्या सर चार्ल्स भी उससे प्यार कर बैठे थे?

जैसे ही उसने मुझे देखा, वह खड़ी हो गई और उत्साह से मुस्कुराते हुए मेरा स्वागत किया। लेकिन जब उसे एहसास हुआ कि मैं अजनबी हूँ, तो वह बैठ गई। उसके चेहरे का भाव बदल गया। मानो एक अदृश्य पर्दा उसके ऊपर आ गया हो। उसी क्षण मुझे एहसास हुआ कि मैं कितने नाजुक और कठिन काम में फँस गया हूँ। उसने मुझसे बहुत ही रूखे स्वर में औपचारिक रूप से मेरे आने का कारण पूछा। मैंने जैसे-तैसे एक वाक्य पूरा किया, यह सोचते हुए कि क्या मैं उसे 'हैलो' कहूँ या 'हैलो' कहूँ।

"मैं... मैं तुम्हारे... तुम्हारे पिता से मिलने जा रही हूँ..." मैंने पूरी तरह अर्थहीनता से कहा। मुझे पता था कि इसमें झूठ छिपा है।

मेरी बात बीच में ही काटते हुए उसने साफ-साफ कहा, "मेरे पिता का मुझसे कोई संबंध नहीं है। मेरा उनसे कोई लेना-देना नहीं है। मैं आज जो कुछ भी हूं, सर चार्ल्स और अन्य उदार लोगों की वजह से हूं। अगर मेरे पिता न होते तो मैं भूख से मर जाती।"

"मुझे पता है। और सर चार्ल्स बास्करविल ही वह वजह हैं जिसके कारण मैं आपसे मिलने आई हूँ।" मैंने भी उतनी ही स्पष्टता से कहा जितनी स्पष्टता से उसने कहा था। उसके माथे पर शिकन आ गई। यह उसके लिए अप्रत्याशित था।

"मैं उनके बारे में क्या कहूँ?" उनकी लंबी उंगलियाँ टाइपराइटर के बटनों से खेलने लगीं। "मैंने आपको पहले भी बताया था, उन्होंने मेरे बुरे दिनों में मेरा साथ दिया। उनका कर्ज इस जीवन में नहीं चुकाया जा सकता।"

"क्या आपका उनसे संपर्क हुआ था?"

उसके चेहरे पर असहमति के भाव उभर आए। उसने तीखे स्वर में कहा, "मुझे इस प्रश्न का अर्थ समझ नहीं आ रहा। तुम कौन हो? तुम्हें क्या चाहिए? तुम इतनी सीधी तरह से पूछ रही हो... कि..." लौरा असहज महसूस करने लगी।

"लौरा, मैं यह बात इतनी सीधे तौर पर इसलिए पूछ रहा हूँ ताकि तुम्हारा अपमान न हो। कल बता देना, इससे पहले कि कोई भ्रम हो जाए, वरना समय निकल जाएगा।"

कुछ पल उस असहज स्थिति में बीत गए। टाइपराइटर के बटनों से खेलने की आवाज़ आती रही। फिर उसने अपना सिर उठाया और मेरी तरफ देखकर बोली, "ठीक है। जो पूछना है पूछो।" मुझे उम्मीद नहीं थी कि हमारी बातचीत इस तरह शुरू होगी।

"क्या आपका सर चार्ल्स से कोई संपर्क हुआ था? कोई पत्र आदि?" मैंने माघा से वही सवाल दोबारा पूछा।

"मैंने उन्हें एक-दो बार पत्र लिखे थे। उनकी दयालुता के लिए आभार व्यक्त करते हुए," उसने लड़खड़ाते हुए कहा।

"आपने ये पत्र कब लिखे थे? क्या आप मुझे तारीखें बता सकते हैं?"
"नहीं। मुझे कुछ याद नहीं है।" वह अब भी सवाल को टालने की कोशिश कर रही थी।
"आप उनसे कब मिले थे?"
"हां, कभी-कभार। हमारी मुलाकात तब हुई जब वे कूम्ब ट्रेसी आए थे।" कुछ देर रुककर उन्होंने आगे कहा, "सर चार्ल्स बहुत उदार थे। इतने दयालु कि जब वे लोगों की मदद करते थे तो कभी किसी को यह नहीं बताते थे कि वे क्या कर रहे हैं।"
"लेकिन अगर आप उनसे शायद ही कभी मिलते हैं, तो उन्हें कैसे पता चलेगा कि आपको मदद की ज़रूरत है?"
मैंने यह सवाल बड़ी चालाकी से पूछा था। इससे मुझे सर चार्ल्स के साथ उनके रिश्ते का पता चल जाता। लेकिन उनका जवाब बहुत सीधा था। "यहां कुछ अच्छे लोग हैं। वे मेरी मदद करने के लिए एक साथ आए थे। स्टेपलटन भी उनमें से एक थे। उनके और सर चार्ल्स के बीच अच्छे संबंध थे। उन्होंने ही सर चार्ल्स को मेरे बारे में बताया था।"
अब मेरे पास सीधे पूछने के अलावा कोई चारा नहीं था। "आपने एक पत्र में मुझे सर चार्ल्स से मिलने का निमंत्रण दिया था। क्या यह सच है?"
उसके चेहरे पर क्रोध के भाव उभर आए। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि किसी और को भी उस पत्र के बारे में पता चल सकता है। इसलिए उसे तुरंत कोई जवाब सूझ नहीं रहा था।
"यह बहुत ही अजीब सवाल है। मुझे तो इसका मतलब भी समझ नहीं आ रहा है।"
"ठीक है, तो मुझे आपसे दोबारा पूछने दीजिए। आपने एक पत्र में मुझे सर चार्ल्स से मिलने का निमंत्रण दिया था। क्या यह सच है?"
"मैं इसे फिर से कहूँगी, ठीक है?" लौरा की आवाज़ तेज़ हो गई।
"क्या सर चार्ल्स के जाने वाले दिन भी नहीं?"
लेकिन इस सवाल ने उसके चेहरे पर गुस्से की जगह हैरानी ला दी। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। और उसके होंठों से एक कोमल शब्द निकला, "नहीं।"
"लौरा, तुम्हारी याददाश्त बहुत खराब है। मैं तुम्हें उस पत्र के कुछ वाक्य भी बता सकती हूँ। 'कृपया...कृपया...कृपया। आप एक भले आदमी हैं। इन पत्रों को जला दीजिए। रात दस बजे मलराना गेट पर आइए... लौरा, अहम्... एल.एल.'"
यह सुनकर उसकी बची-खुची सारी ताकत भी खत्म हो गई। उसने निराशा में आह भरी। टाइपराइटर पर रखे उसके हाथ नीचे गिर गए।

"सर चार्ल्स भी उन्हीं के बीच चले गए। जी हाँ! एक नेक इंसान... मैंने तो सचमुच उन्हें नेक समझा था। क्या दुनिया में ज़रा भी शालीनता नहीं बची है?" मैंने मन ही मन बुदबुदाया, कुछ खुद से, कुछ खुद से।

"लौरा, इसमें सर चार्ल्स की कोई गलती नहीं है। उन्होंने पत्र जला दिया। लेकिन कुछ पत्र जलने के बाद भी बच जाते हैं। अब, क्या तुम यह मानोगी कि तुमने उन्हें पत्र लिखा था और उनसे मिलने का निमंत्रण दिया था?"

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। उसने मेरी तरफ देखा और ज़ोर से चिल्लाई, "हाँ... मैंने ही वो चिट्ठी लिखी थी। मैंने ही लिखी थी। इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है। मुझे मदद की ज़रूरत थी। इसीलिए मैंने उन्हें मिलने के लिए बुलाया था। अगर वे मिल लेते... लेकिन... ऐसा नहीं हो सका।"

"आपने मुझे इतने असुविधाजनक समय पर और इतनी अजीब जगह पर मिलने के लिए बुलाया? मलराना के द्वार पर ही क्यों? आप उसके घर क्यों नहीं गए?"

मुझे बहुत देर से पता चला कि वह अगले दिन लंदन जा रहे थे। अगर वह चले जाते, तो महीनों तक वापस नहीं आते। उस रात उनसे मिलना ज़रूरी था। मुझे उनकी बहुत ज़रूरत थी। और कुछ कारण थे जिनकी वजह से मैं उनसे पहले नहीं मिल सकी। सर चार्ल्स अविवाहित थे। मेरे जैसी महिला के लिए रात में अकेले उनके घर जाना उचित नहीं होता।

"हम्म। आपके वहां जाने के बाद क्या हुआ?"

मुझे नहीं पता। क्योंकि मैं... गया ही नहीं हूँ।

‘‘काऽऽय?’’

"हां। मैं सच कह रहा हूं। मैं नहीं गया। कुछ काम आ गया था और मैं नहीं जा सका।"

"समस्या क्या है?"

"यह मेरा निजी मामला है। मैं किसी को नहीं बताऊंगा।"

"तो आपने उन्हें वहां मिलने के लिए आमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखा, लेकिन आप खुद नहीं गए?"

‘‘हो.’’

मैंने उससे लगातार सवाल पूछे, लेकिन मुझे इस जानकारी के अलावा और कुछ नहीं मिला।

"लौरा, तुम कुछ छुपा रही हो। तुम सर चार्ल्स के मामले में एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर शामिल हो। अगर मैंने पुलिस को बुलाया, तो तुम्हारी स्थिति और भी खराब हो जाएगी। अगर तुम सचमुच निर्दोष हो, तो तुम उन्हें पत्र लिखने से इनकार क्यों कर रही हो?"

"क्योंकि मुझे लगा कि इससे और भी ज्यादा गलतफहमी पैदा होगी। और मुझे बेवजह इस झमेले में घसीटा जाएगा।"
"आपकी इसमें कोई संलिप्तता नहीं है? तो फिर आपने सर चार्ल्स को 'उस पत्र को जलाने' के लिए क्यों लिखा?"
"तुमने वो चिट्ठी ज़रूर पढ़ी होगी। तुम्हें पता ही होगा, है ना?" लौरा ने आँख मारते हुए कहा।
"नहीं। मैंने यह नहीं कहा कि मैंने वह पत्र पढ़ा है।"
"लेकिन आपने मुझे उसमें लिखे वाक्य बताए थे।"
"मैंने तुम्हें सिर्फ नीचे लिखा हुआ आखिरी पैराग्राफ ही बताया था। बाकी का पत्र पढ़ा नहीं जा सकता था। वह जल गया। लौरा, तुमने पत्र जलाने के लिए क्यों लिखा?"
"यह मेरा निजी मामला है।"
क्या आप पुलिस जांच से भागने की कोशिश कर रहे हैं?
लौरा ने कुछ देर सोचा। थोड़ी देर बाद उसने नीचे देखा और बोली, "ठीक है। बताओ। तुमने गाँव में मेरे बारे में तो सुना ही होगा। मतलब, मेरी शादी के बारे में। मैं भाग गई थी और शादी कर ली थी। मुझे बाद में इसका बहुत पछतावा हुआ।"
"हां, मैंने यह सुना।"
"मेरे पति। एक समय था जब मैं उनसे बहुत प्यार करती थी। लेकिन उन्होंने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। मैं उनका चेहरा भी नहीं देखना चाहती थी। मैंने तलाक के लिए अर्जी दी। लेकिन कानून उनके पक्ष में था। वे मुझे अपने साथ रहने के लिए मजबूर करते थे। मुझे हर दिन डर लगता था कि वे मुझे जबरदस्ती अपने घर ले जाएंगे। मैं सिर पर लटकती तलवार के साये में जी रही थी। अगर मुझे कुछ पैसे मिल जाते, तो मैं उस स्थिति से निकलने का रास्ता ढूंढ सकती थी। मैं अपनी आजादी, आत्मसम्मान और मन की शांति वापस चाहती थी। मुझे सर चार्ल्स से बहुत सहारा मिला। मैं उनकी उदारता को जानती थी। उनके अच्छे जान-पहचान वाले भी थे। मेरी कहानी सुनने के बाद, वे निश्चित रूप से मेरी मदद करते। मैंने उन्हें एक पत्र लिखा था।"
"लेकिन फिर आप वहां क्यों नहीं गए?"
"क्योंकि तब तक मुझे किसी और से मदद मिल चुकी थी।"
"क्या आपने सर चार्ल्स को सूचित किया?"
"मैं... मैं उन्हें सूचित करने वाला था, लेकिन अगले दिन मैंने अखबार में उनकी मृत्यु की खबर पढ़ी और भूल गया।"
उसने जो भी घटनाएँ बताईं, वे इतनी मिलती-जुलती थीं कि मेरे सारे सवाल खत्म हो गए। अब बस यही पता लगाना बाकी था कि क्या उसने सर चार्ल्स की मृत्यु के आस-पास की तारीख में

सचमुच तलाक के लिए अर्जी दी थी। इससे उसकी कहानी की सच्चाई सामने आ जाती। झूठ बोलकर वह और भी धोखा खा सकती थी। मैं बाहर चला गया। पर्किन्स की गाड़ी बाहर तैयार खड़ी थी।

अगर वह उस रात बास्करविले हॉल गई होती, तो भोर होने से पहले उसके पास कूम्ब ट्रेसी लौटने का समय होता। और उसकी यात्रा को गुप्त रखना मुश्किल था। इसीलिए मुझे नहीं लगा कि वह पूरी तरह झूठ बोल रही थी। शायद यह आंशिक रूप से ही सच था, लेकिन उसकी बातों में सच्चाई तो थी ही। लेकिन मैं उदास होकर वापस लौटा। मैंने कुछ खास हासिल नहीं किया था। मेरा हर कदम किसी न किसी अनुत्तरित प्रश्न से बाधित हो रहा था। मैं अपनी खोज रोक रहा था। जब मुझे लौरा का चेहरा याद आया, तो मुझे ऐसा लगा जैसे उसने अपने हाथ में कुछ छिपा रखा हो। वह अचानक पहले क्यों हिचकिचाई थी? वह जवाब देने से क्यों बच रही थी? उसके कारण तर्कसंगत थे, लेकिन क्या वे सच थे? इन सवालों के उलझे जाल के पीछे एक और सवाल उभर रहा था। उस रात पहाड़ी पर मिला वह आदमी। अब उसे ढूंढने का समय था।

मेरे सामने दूर-दूर तक पहाड़ ही पहाड़ फैले हुए थे। अगल-बगल, आगे-पीछे, छोटे-बड़े। सैकड़ों पत्थर के मकान, जो कभी प्राचीन लोगों द्वारा बनाए गए थे, उन पर स्थिर खड़े थे। अधिकांश में केवल गोल पत्थर के खंभे ही बचे थे। कुछ की दीवारें समय की मार झेल कर बची थीं। हर तरफ़ सन्नाटा पसरा हुआ था। बैरीमोर के अनुसार, वह आदमी यहीं कहीं छिपा था। लेकिन जिस पहाड़ी पर मैंने उसे देखा था, वह बड़े-बड़े काले पत्थरों से ढकी हुई थी। वहीं से तलाशी शुरू करना बेहतर था। वहीं से मुझे हर छोटी पहाड़ी पर चढ़कर हर घर की तलाशी लेने का मन कर रहा था। मुझे यकीन था कि वह किसी न किसी घर में मिल ही जाएगा। मेरे पास एक भरी हुई रिवाल्वर थी। वह लंदन में तो बच निकला था। लेकिन अब वह रीजेंट स्ट्रीट जैसे इस सुनसान मैदान से नहीं भाग पाएगा। यहीं मैं उसका इंतज़ार करने वाला था। मैं उसे पकड़कर होम्स के सामने पेश करने वाला था।

गाड़ी धीमी हुई और मेरे सारे विचार थम गए। बूढ़ा वकील फ्रैंकलैंड मेरे घर के सामने खड़ा था। उसका चेहरा लाल था और भौंहें घनी थीं। उसका बगीचे का गेट यहीं खुला था। वह मुस्कुराते हुए आगे बढ़ा। वह बहुत खुश लग रहा था। उसने लगाम पकड़ी और बोला, "डॉक्टर वॉटसन, घोड़ों को आराम दीजिए। चलिए घर चलते हैं। चलिए थोड़ी शराब पीते हैं और बातें करते हैं।"

मुझे फ्रैंकलैंड से कोई खास लगाव नहीं था। उसके गुस्सैल स्वभाव की कहानियां सब जानते थे। अगर वह आज मीठी बातें करता, तो अगले ही पल उसका व्यवहार कैसा होगा, यह कहना मुश्किल था। उसने अपनी बेटी के साथ जो किया था, वह भी सराहनीय नहीं था। फिर भी, यह कुछ और जानकारी हासिल करने का मौका था। इसलिए, पर्किन्स के साथ मिलकर हमने हेनरी

को संदेश भेजा, 'रात के खाने के समय आ जाना,' और उसे और पीटते हुए फ्रैंकलैंड के पीछे-पीछे उसके घर में घुस गए।

"अकल्पनीय लाभ। अकल्पनीय लाभ। महोदय..." फ्रैंकलैंड कमर झुकाकर, एक अजीब, कर्कश आवाज़ में बोला। उसका अनौपचारिक व्यवहार भी दरबार की कठोरता से भरा हुआ था। "आइए, आइए। आज मेरे जीवन का एक यादगार दिन है। आज मैंने दो मुकदमे जीते हैं। अब दुनिया समझेगी कि कानून, कानून होता है। और जब तक मुझ जैसा आदमी है, कोई पिता इसे तोड़ नहीं सकता। क्या आप उस बूढ़े मिडलटन को जानते हैं? मैंने हर किसी को उसके घर से मात्र दस गज की दूरी पर कब्जा करने का अधिकार दे दिया है। अब वे जान जाएंगे कि पैसा कानून को नहीं झुका सकता, मूर्खों। कौन अपनी समझ रखता है?"

फ्रैंकलैंड अपनी ही धुन में बातें कर रहा था। वह बहुत खुश था। उसे बोलने के लिए प्रेरित करने के लिए, मैंने बनावटी उत्साह से पूछा, "क्या सच में? मुझे आश्चर्य है। आपको कब्जे का अधिकार कैसे मिला?" दरअसल, मिडलटन कौन था, उसे क्या अधिकार मिला, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन फ्रैंकलैंड और भी ज्यादा शेखी बघारने लगा। "अदालत द्वारा प्रकाशित यह मामला पढ़िए, आपको समझ आ जाएगा।" मेज पर एक बड़ी किताब पड़ी थी। उस पर 'फ्रैंकलैंड बनाम मिडलटन' छपा हुआ था।

"हमारी जेब में दो सौ पाउंड का नुकसान हुआ, लेकिन हमने मुकदमा जीत लिया। लोग आर्थिक रूप से संपन्न थे, है ना? यही बात हमें संतुष्ट करने के लिए काफी है। अब, अधिनियम संख्या 577 की धारा तीन के तहत, मैं आज एक और मुकदमा दायर करने जा रहा हूँ। इसका मतलब है कि मिडलटन को अपील करते समय भी दस बार सोचना पड़ेगा।"

फ्रैंकलैंड पूरी तरह से अपनी कानूनी दुनिया में खोया हुआ था। कभी वह किसी बुद्धिमान व्यक्ति की तरह बोलता था, कभी कहीं खोया हुआ सा। मुझे उसकी बकबक से चिढ़ हो रही थी, पर अब कोई चारा नहीं था। मैं विषय बदलने का कोई बहाना ढूंढ रहा था। और अचानक फ्रैंकलैंड ने खुद कहा, "क्या तुमने उस भागे हुए कैदी के बारे में कुछ सुना है?"

मैंने कान खड़े करके पूछा, "क्या आपको पता है कि वह कहाँ है?"

“मैं आपको ठीक-ठीक यह नहीं बता सकता कि वह कहाँ है, लेकिन मेरे पास पुलिस को उसे पकड़ने में मदद करने के लिए पर्याप्त जानकारी है।” उन्होंने मामले को वकीलों की शैली में समझाने की कोशिश करते हुए कहा, “अगर हम यह पता लगा लें कि वह इतने लंबे समय तक उस सुनसान जंगल में कैसे रहा और उसे कौन खाना खिला रहा था, तो हम उसे ढूंढ निकालेंगे, डॉ. वॉटसन।” फ्रैंकलैंड के चेहरे पर विजयी मुस्कान थी।

"हाँ। सच है, लेकिन क्या आपको लगता है कि वह अभी भी मलराना में है?" मैं और भी ज़्यादा गुस्से में आ गया।
"क्या आपको ऐसा लगता है? मुझे तो पूरा यकीन है। मैंने अपनी आँखों से उस आदमी को देखा है जिसने उसे खाना दिया था।"
बैरीमोर का चेहरा मेरी आँखों के सामने आ गया। अगर इस धूर्त बूढ़े को उसका रहस्य पता चल जाता, तो वह खुद को रोक नहीं पाता। मैंने सतर्क रुख अपनाया। लेकिन फ्रैंकलैंड के अगले वाक्य ने मेरी आत्मा में नई जान फूंक दी और एक नया सवाल खड़ा कर दिया।
"डॉ. वॉटसन, मैंने अपने घर की छत पर एक दूरबीन लगाई है। मैं हर दिन उससे देखता हूँ। आपको शायद लगता होगा कि कोई छोटा लड़का उसे मलराना में खाना लाने ले जाता है। हर दिन एक निश्चित समय पर मैं उस लड़के को मलराना में खाना लेकर जाते हुए देखता हूँ।"
मुझे लगा कि यह एक बड़ा संयोग है। बैरीमोर ने भी उस लड़के का ज़िक्र किया था जिसने खाना पहुँचाया था। लेकिन यह लड़का सेल्डन के लिए खाना नहीं ले जा रहा था। फ्रैंकलैंड का अवलोकन सही था, लेकिन उसका अनुमान गलत था। अब और जानकारी जुटाना ज़रूरी था।
"शायद चरवाहे वहाँ अपनी भेड़ें चरा रहे हों। उनका कोई बेटा अपने पिता के लिए खाना ले जा रहा हो," मैंने लापरवाही से कहा। फ्रैंकलैंड ने मुझे तिरस्कार भरी नज़रों से देखा। उसकी भौंहें गुस्से में बिल्ली की तरह तन गईं। वह जल्दी से खिड़की के पास गया। उसने घास के मैदान की ओर हाथ हिलाते हुए कहा, "वहाँ ध्यान से देखो। क्या तुम्हें हरी घास का एक तिनका भी दिख रहा है? यह तो पूरी तरह से उजाड़ ज़मीन है। पत्थरों से भरी हुई। कौन सा चरवाहा अपने मवेशियों को वहाँ ले जाएगा?" मेरे अनुमानों पर उसकी खुशी उसके चेहरे से छिपी नहीं थी। उसने उपहास भरे लहजे में, मानो अदालत में हार रहे प्रतिद्वंद्वी वकील से बात कर रहा हो, कहा, "क्या तुम्हें लगता है कि तुम अब सही हो?" मैंने अपनी हार मान ली। इससे वह और भी खुश हो गया।
"डॉ. वॉटसन, मैं बिना सोचे-समझे कभी नहीं बोलता। मैंने उस लड़के को अक्सर अपनी बाहों में कुछ लिए देखा है। कभी-कभी दिन में दो बार भी, और..." बोलते-बोलते फ्रैंकलैंड अचानक रुक गया। उसका ध्यान खिड़की से बाहर चला गया। "वॉटसन, इधर आओ। शायद मेरी आँखें मुझे धोखा दे रही हैं। लेकिन अब तुम खुद को देखो। क्या तुम्हें उस पहाड़ी पर कोई हलचल दिख रही है?"
मैंने उस दिशा में देखा जिधर उसने इशारा किया था। कुछ मील दूर, मुझे हल्के हरे और भूरे रंग के एक धब्बे पर एक काला बिंदु दिखाई दिया।

"ऊपर आ जाओ।" फ्रैंकलैंड ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे छत पर ले गया। वहाँ एक तिपाई पर एक शक्तिशाली दूरबीन लगी हुई थी। फ्रैंकलैंड दौड़ा। उसने दूरबीन पर आँख लगाई और उसे उस दिशा में निशाना बनाया। उसे जो देखना था, वह मिल गया था। पीछे मुड़ते हुए उसने कहा, "जल्दी देखो, डॉ. वॉटसन। इससे पहले कि वह उस पहाड़ी के पीछे गायब हो जाए, देख लो।"
मैंने दूरबीन से देखा। सचमुच, एक लड़का अपने कंधे पर कुछ लिए पहाड़ी पर चढ़ रहा था। देखते ही देखते वह चोटी पर पहुँच गया। उसके चारों ओर गोल पत्थरों के मकान थे। और उसी समय एक और आकृति दिखाई दी। उसने लड़के को सावधानी से देखा। उन्होंने शायद एक-दो शब्द कहे होंगे, और अगले ही पल वे दोनों पत्थरों के ढेर के पीछे गायब हो गए।
"क्या मुझे समझ आ गया?" फ्रैंकलैंड मेरे पीछे कमर पर हाथ रखे खड़ा था।
"हम्म। यह सच है कि लड़के की हरकतें संदिग्ध थीं।" मैंने दूसरे व्यक्ति को देखने का जिक्र नहीं किया था।
"हाँ, लेकिन किसी को मत बताना। पुलिस को भी नहीं। उन्होंने मेरे मुकदमों में मुझे बहुत परेशान किया है। उनका सहयोग नहीं मिलता, बल्कि निराशा ही बढ़ती है। उन्हें बैठकर तलाशी लेने दो। मैंने तुम्हें पहले ही बताया था, वॉटसन। लेकिन उन्हें इनमें से कुछ भी मत बताना।"
नहीं। मैं वादा करता हूँ। मैं कहीं भी कुछ नहीं कहूँगा।
"अब तुम भी मेरी खोज के साक्षी हो। मेरी बात सुनो, घर मत जाओ। चलो थोड़ी शराब पीते हैं। यहीं रुककर खाना खा लो। नहीं तो मैं थोड़ी देर तुम्हारे साथ चलूंगा।"
फ्रैंकलैंड उसकी बातों में आ गया। लेकिन मैं उसकी ज़िद के आगे नहीं झुका। अब अगला काम सामने था। मैंने किसी तरह अलविदा कहा और निकल पड़ा। मुझे खोजबीन करनी थी। मैंने उसे अपनी आँखों से देखा था। इतनी महत्वपूर्ण जानकारी हाथ में होने पर चुपचाप बैठे रहना गलती होती। फ्रैंकलैंड के घर से निकलने के बाद मैं कुछ देर तक मुख्य सड़क पर सीधा चलता रहा। मैं यह नहीं भूल सकता था कि उसके पास दूरबीन थी। एक पहाड़ी के किनारे पर मैंने मुख्य सड़क छोड़ दी और मलराना की दिशा में चल पड़ा। यहीं पर वह लड़का प्रकट हुआ था और अचानक गायब हो गया था।
सूरज डूब रहा था। मैं पास की एक ऊँची पहाड़ी पर चढ़ गया। सारी पहाड़ियाँ एक-दूसरे की छाया में गायब हो रही थीं। उन पर उगी हरी-पीली घास डूबते सूरज की रोशनी में सुनहरी हो रही थी। चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था। एक चिड़िया आसमान में धीरे-धीरे उड़ रही थी।
ऐसा लग रहा था मानो उस विशाल क्षेत्र में हम ही एकमात्र जीवित प्राणी हों। उस लड़के का कहीं कोई अता-पता नहीं था। दूसरी ओर, एक छोटी पहाड़ी पर, प्राचीन घरों की गोल बत्तियाँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। उन अनेक घरों में से केवल एक घर की छत थी। बस इतना ही।

यहीं वह आदमी छिपा होगा जिसे मैं ढूँढ़ रही थी। मेरा दिल काँप उठा। मुझमें एक नई हिम्मत आ गई। मैं यह अनुमान नहीं लगा सकती थी कि वहाँ क्या होगा। लेकिन वह आदमी जिसे मैं ढूँढ़ रही थी, अब आ चुका था। उसे लंदन की रीजेंट स्ट्रीट पर धोखा दिया गया था। अब मैं इस सुनसान, वीरान मैदान में उसका सामना करने जा रही थी। उस अकेलेपन और उपलब्धि ने मेरे मन पर एक अजीब सा दबाव बना दिया था।

मैं पहाड़ी से नीचे छोटी पहाड़ी की ओर चलने लगा। अब मैं नीचे पहुँच गया था और फूस की छत वाला घर एक ऊँची जगह पर था। मैं उसे आसानी से देख सकता था, इसलिए मैं धीरे-धीरे और दबे पांव चल रहा था। मैं पहाड़ी पर चढ़ गया। मैं घर के करीब गया, इस बात का ध्यान रखते हुए कि कोई मेरे कदमों की आहट न सुन पाए। वहाँ किसी भी तरह की कोई आवाज़ नहीं थी। शायद अब वहाँ कोई नहीं था, या जो भी था वह बहुत सावधानी से छिपा बैठा होगा। मैं घर के पास गया और कुछ देर तक अचंभित खड़ा रहा। दीवार के सहारे एक हल्की पत्थर की पटिया रखी थी। शायद इसे दरवाजे के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। और... उसके सामने एक जूते का निशान दिखाई दे रहा था। किसी की गतिविधि के संकेत थे। यह जगह बाकी घरों की तुलना में थोड़ी साफ थी। मैंने सावधानी बरतते हुए अपने हाथ में पकड़ी सिगरेट बुझाई और फेंक दी। मैंने अपनी जेब से रिवॉल्वर निकाली। मैं आगे बढ़ा। मैंने धीरे से अंदर झाँका। वहाँ कोई नहीं था। वह छोटी सी जगह पूरी तरह खाली थी।

मेरा शक सही निकला। यहाँ कोई न कोई ज़रूर रहता था। उसका सामान दिखाई दे रहा था। एक रेनकोट कंबल में लिपटा हुआ एक सपाट पत्थर पर रखा था। वह ज़रूर यहाँ सोता होगा। ज़रूरत के कुछ बर्तन भी थे। और एक आधा भरा पानी का बाल्टी भी। जैसे-जैसे मेरी आँखें अंधेरे में अभ्यस्त हुईं, मुझे कुछ चीज़ें दिखाई देने लगीं। खाली कागज़ के डिब्बे इधर-उधर पड़े थे। वह आदमी यहाँ काफ़ी समय से रह रहा होगा। कोने में शराब की एक बोतल भी दिखाई दे रही थी। झोपड़ी जैसे घर के बीच में एक पत्थर था। उसे मेज़ की तरह इस्तेमाल किया जाता था। उस पर भूरे कपड़े का एक बंडल रखा था। मैंने उसे लड़के के कंधे पर लगे दूरबीन से देखा था। मैं आगे बढ़ा और उसे खोला। उसमें एक बड़ी रोटी, कुछ फल और नमकीन मांस था। बंडल के नीचे मुझे कागज़ का एक टुकड़ा दिखाई दिया। उस पर पेंसिल से कुछ लिखा था। मैंने कागज़ उठाया। मैंने धुंधली रोशनी में उसे पढ़ने की कोशिश की। उस पर एक ही वाक्य लिखा था।

डॉ. वॉटसन कूम्ब ट्रेसी गए हैं।

मेरा नाम? मैं चौंक गई। मैंने दोबारा पढ़ा, 'डॉ. वॉटसन कूम्ब ट्रेसी चले गए हैं।' तो यह जाल हेनरी के लिए नहीं, बल्कि मेरे लिए बिछाया गया था! मेरा पीछा किया जा रहा था, हेनरी का नहीं। और उस आदमी का भी पीछा नहीं किया जा रहा था। उस लड़के को मेरे पीछे छोड़ दिया

गया था। उस लड़के ने मुझे ताज़ी रोटी के साथ एक नई रिपोर्ट दी थी। उसे मेरे आगे के कदमों के बारे में या इस बात का पता नहीं था कि मैंने उसकी इच्छा पूरी नहीं की थी, इसलिए आगे क्या हुआ, इसका कोई ज़िक्र नहीं था। जाल बहुत अच्छे से बिछाया गया था। मैं उसमें एकदम से फंस गई थी। मुझे इतनी आसानी से बेवकूफ बना दिया गया था। मैंने यह सोचकर गलती की थी कि हेनरी ही सब कुछ का केंद्र होगा। मैं ही तो जंगली थी। मैं इस पूरे रास्ते अपनी ही राह पर चलती रही थी। मैं स्टैपलटन के जाल में फंसी तितली की तरह थी।

मैंने चारों ओर देखना शुरू किया, यह सोचकर कि अगर वहाँ कोई रिपोर्ट थी, तो वह अभी भी वहीं होगी। लेकिन मुझे कुछ नहीं मिला। मैंने वहाँ पड़ी चीज़ों से उस आदमी के बारे में अंदाज़ा लगाना शुरू किया। उसकी ज़रूरतें बहुत सीमित रही होंगी। विलासिता के बारे में उसकी धारणाएँ अलग रही होंगी। मैंने ऊपर देखा। छत में बड़ी-बड़ी दरारें थीं। बारिश में यहाँ रहना मुश्किल था। फिर भी वह पिछले कुछ दिनों से इस आश्रय में रह रहा था। इससे मुझे उसके दृढ़ संकल्प का अंदाज़ा हुआ और उसके इरादे और भी रहस्यमय होते जा रहे थे। लेकिन अब मैंने बिना हंगामा किए यहाँ से न जाने का फैसला किया।

सूरज डूब रहा था। आसमान का रंग लाल-सुनहरा होता जा रहा था। दूर, दरवाजे से, मुझे प्रसिद्ध ग्रिम्पेन मार्श दिखाई दे रहा था। दूसरी ओर, बास्करविले हॉल के दो बुर्ज नज़र आ रहे थे। उनके बीच, एक पहाड़ी के ऊपर, स्टेपलटन का मेरीपिट हाउस था। कभी-कभी वह नज़ारा बेहद खूबसूरत होता, लेकिन अभी वह समय नहीं था। उत्तेजना हर मिनट बढ़ती जा रही थी। डर भी बढ़ता जा रहा था। मैं झोपड़ी के एक अंधेरे कोने में बैठा था। मेरी जेब में रखी रिवॉल्वर पर मेरी पकड़ मज़बूत थी। मैं पूरी तरह सतर्क था।

बातचीत... बातचीत... थोड़ी दूर पर बूटों की आवाज़ सुनाई दी। कोई पत्थरों पर चल रहा था। धीरे-धीरे... सावधानी से... धीरे-धीरे... वह झोपड़ी की ओर आ रहा था, अंदाज़ा लगाते हुए। मैं उस कोने में और भी बैठ गया। मैंने रिवॉल्वर निकाली। उसे अनलॉक किया। लेकिन मैं उसे देखे बिना और अपनी जान जोखिम में डाले ट्रिगर नहीं दबाने वाला था। बूटों की आवाज़ बंद हो गई। उसे भी मेरी मौजूदगी का शक हो गया होगा। फिर कदमों की कोई आवाज़ नहीं आई। दरवाजे के पास एक लंबी परछाई हिली। उसके बाद मेरे परिचित की आवाज़ सुनाई दी।

"वॉटसन, रिवॉल्वर को हाथ में पकड़ो और बाहर आओ। देखो हवा कितनी सुहावनी है।"

१२

कुछ पलों के लिए मेरी सांस थम गई। मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था। किसी और की आवाज़ इतनी आत्मविश्वास भरी हो सकती है, यह असंभव था। मेरे दिमाग पर से अचानक दबाव हट गया और मुझे इतनी राहत मिली कि मैं एक शब्द भी नहीं बोल पाई। कुछ पल इसी अजीब अवस्था में बीत गए और अनजाने में ही मैं चिल्ला उठी।

"होम्स," मेरी आवाज़ मुझे खुद अपरिचित सी लगी।

"बाहर आओ," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

मैं लड़खड़ाते हुए बाहर आया। होम्स दरवाजे पर पत्थर पर चुपचाप बैठे थे। मेरी उलझन भरी हालत देखकर उनकी आँखों में हल्की सी चमक थी। मैंने होम्स को देखा, जो पहले से ही दुबले-पतले थे, और भी दुबले हो गए थे। उनका गोरा रंग लाल हो गया था। उनके गाल पिचके हुए थे। उस सूट और कपड़े की टोपी में वे किसी यात्री जैसे लग रहे थे। फिर भी उनका जोश जरा भी कम नहीं हुआ था। वे अब भी एकदम साफ-सुथरे थे। यहाँ भी उनकी घनी दाढ़ी थी।

मैं अब भी सदमे से उबर नहीं पा रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं पागल हो गया हूँ। आखिरकार होम्स सामने आया।

"वॉटसन, कैसे हो? मुझे देखकर खुशी हुई ना?" उसकी आँखों में व्यंग्य की चमक थी।

मैंने जवाब में बस उसका हाथ पकड़ लिया।

"आपको देखकर मैं भी हैरान रह गया," होम्स ने कहना शुरू किया। "मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि आप इतने चतुर होंगे कि इस जगह पर कब्जा कर लेंगे। मैंने आपको तभी पहचाना जब मैं आपसे बीस या पच्चीस कदम की दूरी पर था।"

"मेरे जूतों के निशानों से?"

"नहीं, वॉटसन। तुमने तो और भी पुख्ता सबूत छोड़े हैं। अगर कभी मुझे धोखा देना पड़े, तो सिगरेट का ब्रांड बदल लेना। उस सिगरेट के टुकड़े को देखो। उस पर 'ब्रैडली, ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट' लिखा है। यह पहचानना मुश्किल नहीं था कि अंदर तुम ही थे। मेरे इस आलीशान महल में घुसते ही तुमने इसे फेंक दिया होगा," होम्स ने झोपड़ी की ओर मुस्कुराते हुए कहा।

अब मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं होम्स से मिल चुका हूँ।

"तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि मैं ही दोषी हूँ? तुम तो अंदर रिवाल्वर हाथ में लिए बैठे मेरा इंतज़ार कर रहे थे। सौभाग्य से तुमने गोली नहीं चलाई।"

मैं वहीं बैठा था। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह आप हैं।

"आपको यह पता कैसे मिला? हो सकता है कि आपने मुझे उस रात यहीं देखा हो जब आप सेल्डन को गिरफ्तार करने आए थे। लेकिन तब मैं इस तरह से खड़ा था कि चंद्रमा मेरे पीछे था?"

"हां। मैंने आपको उस रात देखा था। लेकिन मैं आपको पहचान नहीं पाया। यहां तक पहुंचने में ज्यादा मेहनत नहीं लगी। मैंने आपके बेटे को देखा। मैंने उसका पीछा किया और यहां पहुंच गया।"

"हाँ। वो बूढ़ा वकील फ्रैंकलैंड। उसके पास दूरबीन है, है ना? मैंने एक बार अपनी दूरबीन से देखते समय उसे चमकते हुए देखा था," होम्स ने अपनी सीट से उठकर अंदर झाँकते हुए कहा। "अरे वाह! कार्टराइट तो सब कुछ ले आया है।"

पत्थर की मेज पर रखे अखबार को पढ़ते हुए उन्होंने कहा, "तो, आप कूम्ब ट्रेसी गए थे।"

‘‘हो.’’

"लौरा लियोन्स से मिलने के लिए?"

‘‘हो.’’

"इसका मतलब है कि हमारी दोनों जांचें एक ही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। आइए हम दोनों से मिली जानकारी को मिला लें। इससे हम इस मामले को पूरी तरह समझ पाएंगे।" होम्स ने चर्चा शुरू की। लेकिन मेरे दिमाग में एक अलग ही विचार चल रहा था।

"होम्स, मुझे खुशी है कि तुम यहाँ हो। मुझ पर भी ज़िम्मेदारी का बोझ है। लेकिन तुमने मुझे बिना बताए, यहाँ क्यों आ गए? मुझे लगा था कि तुम लंदन में हो और उस ब्लैकमेल मामले को सुलझा रहे हो।" मैंने अपनी उत्तेजना छुपाते हुए कहा।

मैंने जानबूझकर इसे आपसे छिपाया था।

"तुम्हारा क्या मतलब है? तुमने मेरा इस्तेमाल किया, और मुझ पर भरोसा भी नहीं किया, होम्स।" आखिरकार मैंने ये बात अपने मन से निकाल दी।

"क्या तुम नाराज़ हो? वॉटसन, तुम जानते हो कि मैंने कई मामलों में तुम्हारी बहुत मदद की है। मेरी सफलता में तुम्हारा बड़ा योगदान रहा है। मुझे तुम्हारे द्वारा उठाए गए जोखिमों का भी पूरा ज्ञान है। लेकिन याद रखना। अगर मैं यहाँ होता, तो इस षड्यंत्र के पीछे जो भी होता, वह सतर्क हो जाता। सच्चाई का पता लगाना मुश्किल होता। लेकिन अब हमें इस मामले के दो पहलू पता हैं। एक तुम्हारा और एक मेरा।"

"हाँ, लेकिन आपने मुझे अपने यहाँ आने के बारे में क्यों नहीं बताया? आपने मुझे अंधेरे में क्यों रखा?"

"वॉटसन, तुमने मुझसे ऐसा कहा होता तो सही नहीं होता। मैं जानती हूँ कि तुम मुझसे कितना प्यार करते हो। जब मैं यहाँ रह रही थी, तुम्हारा सारा ध्यान मुझ पर ही लगा होता। तुम्हारी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं हो पाता। क्या तुम्हें अब तक जो जानकारी मिली है, उसे निकालने की आज़ादी मिलती? इस खुले जंगल में मुझे क्या चाहिए होता? सही समय पर खाना और साफ़ कपड़े। कार्टराइट उसका ख्याल रखेगा। एक्सप्रेस डिलीवरी वाले उस लड़के को याद है? होशियार, फुर्तीला और वफादार। कितना प्यारा लड़का है वो।"

"तो मैंने जो भी रिपोर्टें लिखकर आपको भेजी थीं, वे सब बेकार हो गईं।" बड़ी मेहनत से और बारीकी से बिंदुवार लिखी गई वे रिपोर्टें मेरी आँखों के सामने आ गईं। मैंने उन सभी को लंदन के बेकर स्ट्रीट स्थित एक पते पर भेजा था।

इसके जवाब में होम्स ने अपनी जेब से कागजों का एक बंडल निकाला। ये मेरी रिपोर्टें थीं।

"शानदार काम, वॉटसन। सारी घटनाएँ बहुत सटीक रूप से लिखी गई हैं। ये रिपोर्टें मुझ तक पहुँचने में बस एक दिन की देरी हुई।" होम्स ने मुझे इस तरह देखा कि उनके प्रति मेरा सारा गुस्सा पिघल गया। मैं समझ गया कि उन्होंने जो कुछ भी किया वह सही था। होम्स ने भी मेरे बदले हुए चेहरे को देखा।

अब चलिए काम की बात करते हैं। आप लौरा लियोन्स से कैसे मिले? मुझे पूरा यकीन था कि वह इस मामले में शामिल होगी। अगर आप आज उससे मिलने नहीं गए होते, तो मैं कल जाता।

हवा ठंडी होने लगी थी। हम झपकी लेने के लिए झोपड़ी में चले गए। दरवाजे से बाहर हल्की रोशनी दिखाई दे रही थी। मैंने होम्स को लौरा लायंस से मिलने की कहानी सुनाई। उन्हें यह कहानी इतनी महत्वपूर्ण लगी कि उन्होंने मुझसे इसे दोहराने को कहा। मैंने उनसे बार-बार पूछा जब तक कि वे संतुष्ट नहीं हो गए।

"यह बहुत महत्वपूर्ण है, वॉटसन। यही वह कड़ी है जो पूरे मामले को आपस में जोड़े रखती है। एक और बात पर गौर करें। स्टेपलटन के साथ उसका घनिष्ठ संबंध।"

"क्या? लौरा लियोन्स और वो स्टेपलटन? मुझे उनके रिश्ते के बारे में कोई जानकारी नहीं है।"

"हाँ। वे मिलते हैं, पत्र लिखते हैं, उनके बीच गहरा प्रेम संबंध पनपता है। और यही हमारे हाथ में सबसे बड़ा हथियार है। बेशक, हम इसका इस्तेमाल केवल स्टैपलटन की पत्नी को उससे अलग करने के लिए ही कर सकते हैं।"

तो? स्टैपलटन की पत्नी है?

होम्स मेरी ओर देखते रहे। “हाँ। मैं आपको एक बहुत महत्वपूर्ण खोज बताने जा रहा हूँ।” होम्स ने बहुत धीरे-धीरे, हर शब्द पर ज़ोर देते हुए कहा, “बेरिल स्टेपलटन, जो उनकी बहन होने का नाटक करती है, उनकी पत्नी है।”

मुझे बेरिल का चेहरा याद आया। अगले ही पल मुझे हेनरी याद आया। "यह कैसे संभव है? फिर उसने हेनरी को उससे प्यार कैसे करने दिया?"
होम्स हँसा। मानो वह मेरी अज्ञानता का मज़ाक उड़ा रहा हो। "वॉटसन, हेनरी का उसके प्रति प्रेम हेनरी के लिए बिछाया गया एक जाल है। बेरील को अविवाहित दिखाना स्टेपलटन के फायदे में है।"
स्टैपलटन का चेहरा मेरे सामने आ गया। स्टैपलटन, सिर पर भूसे की टोपी और हाथ में तितली पकड़ने का जाल लिए हुए। क्या वह इतना धूर्त हो सकता है? वह मुझे किसी ऐसे जानवर की तरह लग रहा था जो चुपचाप जंगल का इंतज़ार कर रहा हो। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उसके मुस्कुराते चेहरे के पीछे इतना शातिर दिमाग छिपा हो सकता है।
"तो... क्या स्टेपलटन हमारा दुश्मन है? क्या उसने लंदन में हमारा पीछा किया?"
मैं भी उसी पहेली को हल कर रहा हूँ।
और वो खतरे की चेतावनी देने वाला पत्र? अखबारों में छपी झूठी खबरों से बना हुआ? ज़रूर उसने ही भेजा होगा, बेरिल।
कुछ पल खामोशी में बीत गए। मैंने इस नई जानकारी को समझने की कोशिश की। मुझे यकीन नहीं हो रहा था। बेरील और जैक स्टेपलटन, जिन्हें इतने लंबे समय से भाई-बहन के रूप में देखा जाता था, अब पति-पत्नी के रूप में नहीं दिख रहे थे।
"होम्स, क्या आपको यकीन है कि वह उसकी पत्नी है? किस आधार पर?"
"याद रखो, उसने तुम्हें पहली मुलाकात में क्या बताया था। उनमें से एक बात सच थी। और उसे आज भी उस बात का पछतावा हो रहा होगा। वह उत्तरी इंग्लैंड में एक स्कूल चला रहा था। स्कूल मास्टर, वॉटसन के बारे में जानकारी जुटाना आसान काम नहीं था। स्कूल अधिकारियों से थोड़ी छानबीन करने के बाद मुझे पता चला कि उस स्कूल में एक दुर्घटना हुई थी। स्कूल मास्टर अपनी पत्नी के साथ गायब हो गया था। लेकिन उसका नाम कुछ और था। मुझे थोड़ी और जानकारी मिली। कहा जाता था कि उसे कीड़ों के अध्ययन का शौक था। पहेली सुलझ गई। मेरी खोज पूरी हुई।"
बाहर अंधेरा छा रहा था। बची हुई एकमात्र रोशनी छायाओं के रूप में थी।
"अगर बेरिल उसकी पत्नी है, तो इस मामले में लौरा लियोन्स कहाँ से आई?"
"वॉटसन, आपने लॉरा लियोन्स के बारे में वाकई बहुत अच्छी तरह से छानबीन की है। उनकी मुलाक़ात से कई बातें स्पष्ट हो गई हैं। मुझे उनके तलाक के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। उनकी नज़र में स्टेपलटन अभी भी अविवाहित हैं। शायद उनकी उनसे कुछ अलग अपेक्षाएं हैं। यानी, शादी की मांग, आदि।"

"अगर ऐसा है, तो वह अभी तक मूर्ख नहीं बनी है।"
"इसीलिए कल हमारा पहला काम लौरा लियोन्स को मारना होगा। हम दोनों को।"
सूर्यास्त की ओर अंतिम लाल रेखा दिखाई दे रही थी। अंधेरा भी तेज़ी से गहराता जा रहा था। रात घने जंगलों से घिरी हुई थी। आसमान में कुछ चाँद मंद-मंद चमकने लगे थे। होम्स अपनी सीट से उठे। यह बैठक समाप्त करने का संकेत था। "वॉटसन, क्या आपको नहीं लगता कि आप बास्करविल हॉल से बहुत लंबे समय से दूर रहे हैं?"
मैं भी उठ खड़ा हुआ और अपने कपड़े झाड़ने लगा। "आखिरी सवाल, होम्स। मुझे पता है आप मुझसे कुछ नहीं छिपाएंगे। लेकिन आप क्या सोचते हैं? आखिर चल क्या रहा है? वह असल में क्या चाहता है?"
होम्स आसमान के आखिरी गहरे रंगों को घूर रहे थे। उनकी आँखें स्थिर थीं, आवाज़ भारी थी। मेरी ओर देखे बिना उन्होंने कहा, "यह हत्या थी, वॉटसन। सर चार्ल्स बास्करविल की हत्या बड़ी ही शांत बुद्धि से की गई है। अब उनकी नज़र सर हेनरी पर है। फिलहाल, कम से कम, स्थिति हमारे नियंत्रण में है। बस एक ही बड़ा खतरा है। वह हमसे पहले हमला कर सकता है। यह मामला ज़्यादा से ज़्यादा एक-दो दिन में सुलझ जाएगा। लेकिन तब तक, आपको अपने रुख पर अडिग रहना होगा। सर हेनरी पर पैनी नज़र रखना। अब तक, हम जीत चुके हैं।"
‘‘आऽऽऽ’’
होम्स का वाक्य लगभग समाप्त ही हुआ था कि जंगल से एक भयानक चीख सुनाई दी, मानो किसी ने उसका गला काट दिया हो। उसकी गूंज सुनाई दी। ऐसा लगा मानो सन्नाटे में चारों ओर गूंज रही हो।
मैंने होम्स को हैरानी से देखा, मेरी आँखें फटी रह गईं। वह घुटनों के बल बैठा था। वह सिर झुकाए, कान खड़े करके सुन रहा था। अँधेरे में उसकी आकृति किसी फुर्तीले एथलीट जैसी लग रही थी। उसने अपनी उंगली होठों पर रखी और मुझे चुप रहने को कहा। वह पूरी तरह सतर्क और एकाग्र था। कुछ पल सन्नाटा छा गया, और फिर अचानक चीख फिर से सुनाई दी। पहले से ज़्यादा तेज़, ज़्यादा तीखी। लेकिन मैं ठीक से नहीं बता सका कि वह कहाँ से आ रही थी।
"कौन चिल्ला रहा है?" मैंने होम्स की आवाज़ में पहली कंपन सुनी। मैंने चुपचाप एक दिशा की ओर इशारा किया, और फिर मुझे समझ आया। लेकिन अब, सन्नाटे में, एक और आवाज़ उठी। यह समुद्र की गर्जना जैसी थी। यह एक बहुत गहरी गुर्राहट थी। इसमें एक लय थी। और अचानक, एक बड़ी लहर की तरह, वह आवाज़ तेज़ हो गई। यह किसी जानवर की आवाज़ थी।
"हाउंड," होम्स चिल्लाया, "वॉटसन, जल्दी करो। हमें बहुत देर होने से पहले पहुंचना होगा।"

वह अंधेरे में उस आवाज़ की ओर भागा। मैं भी उसके पीछे दौड़ने लगा। वह गुर्राहट और किसी के चीखने की आवाज़ लगातार आती रही। अब उस आवाज़ में डर से ज़्यादा कराहने की आवाज़ थी। भयानक दर्द की पहली लहर थम चुकी थी। और अब बस एक हताश संघर्ष बचा था। उस जानवर की गुर्राहट में अब शिकारी की जीत झलक रही थी। वह जानवर दहशत में आ रहा था। उसके कदमों की धमक अब साफ़ सुनाई दे रही थी।

होम्स दौड़ना बंद कर दिया। उसने अपने पसीने से तर माथे पर हाथ फेरा। पैर पटकते हुए उसने कहा, "बहुत देर हो चुकी है, वॉटसन।"

"नहीं, होम्स।"

"अरे मूर्ख! मैं तो बस हाथ जोड़कर बैठा रहता हूँ और तुम बास्करविले हॉल के बाहर घूमते रहते हो। अपनी मूर्खता का फल देखो। लेकिन आज चाहे कुछ भी हो जाए, मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा।"

हम शोर से अंधे होकर भागते रहे। छोटी-छोटी झाड़ियाँ हमारे टखनों को छूती रहीं। हम पहाड़ियों की ढलानों पर अपना रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े। जैसे ही हम एक हल्की सी ऊँचाई पर पहुँचे, होम्स ने इधर-उधर देखा, लेकिन वहाँ घने अंधेरे के सिवा कुछ नहीं था। और अगर कुछ था भी, तो हमें दिखाई नहीं दे रहा था।

"क्या आपको कुछ दिखाई दे रहा है?" होम्स ने पूछा।

"कुछ भी नहीं।"

"सुनो," होम्स ने अचानक रुकते हुए कहा।

हमें बाईं ओर से एक अस्पष्ट कराहने की आवाज़ सुनाई दी। हम उस दिशा में थोड़ा और आगे बढ़े। थोड़ी दूर पर ढलान अचानक खत्म हो गई और एक छोटी सी चट्टान बन गई। आवाज़ उसके पार की छोटी घाटी से आ रही थी। हम और आगे गए और अंदर झाँका। नीचे, पत्थरों की कई अजीब, धुंधली आकृतियाँ दिखाई दे रही थीं। उनमें से एक बड़ी, निरंतर आकृति थी। एक आदमी जैसी। वहाँ एक आदमी था। वह चट्टान से सीधे नीचे वाले पत्थर पर एक अजीब स्थिति में गिरा था। उसके हाथ-पैर टेढ़े-मेढ़े फैले हुए थे। एक हाथ मुड़ा हुआ उसकी पीठ पर था। दूसरा उसके सिर के ऊपर उठा हुआ था। उसका चेहरा ज़मीन में धँसा हुआ था, धूल से ढका हुआ। उसकी गर्दन इस तरह अजीब कोण पर झुकी हुई थी कि उसका चेहरा ठीक से देखना असंभव था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि कराहने की आवाज़ इसी शरीर से आ रही थी। लेकिन अब कोई हलचल नहीं थी। जीवन का कोई संकेत नहीं था। यह बस एक आकृति थी, अपने आसपास की अन्य निर्जीव आकृतियों की तरह। हम अभी-अभी निकले चाँद की धुंधली रोशनी में उस आकृति को देख सकते थे। उसका सिर मुंडा हुआ था। नीचे खून की एक मोटी धारा बह रही थी। और एक पल के लिए हम दोनों के मन में एक घिनौना संदेह पैदा हुआ। एक-दूसरे को देखते हुए,

हमने उस आदमी के शरीर को एक बार फिर देखा। मेरी आँखें चौड़ी हो गईं... सर हेनरी... वह बेजान शरीर सर हेनरी का था।

मैं उनके पहने हुए सूट को नहीं भूल सका। लंदन में हमारी पहली मुलाकात में भी उन्होंने यही सूट पहना था। होम्स के चेहरे पर दुःख, सदमा और हार का भाव एक साथ झलक रहा था। उस अंधेरे में भी उनका गोरा चेहरा मुझे साफ दिखाई दे रहा था। मैंने उन्हें इतना थका हुआ पहले कभी नहीं देखा था। वे शव को एक स्थिर मूर्ति की तरह घूर रहे थे। इस मामले में, उन्हें हर पल हार-जीत का खेल खेलना पड़ रहा था। उन्होंने कुछ समय पहले ही भविष्यवाणी की थी कि उनका दुश्मन उन पर पहले ही वार कर सकता है। शर्लक होम्स की बात सच साबित हुई, और यह अनुभव इतना दुर्भाग्यपूर्ण पहले कभी नहीं था।

मैंने दांत पीसकर चीख मारी। मैं चीखती ही रही। मानो मैं अपना गुस्सा, अपनी बेबसी ज़ाहिर कर रही थी। मेरी आवाज़ भी घाटी में चीख की तरह गूंज उठी। "होम्स। मैं गलत थी... मुझे बास्करविल हॉल नहीं छोड़ना चाहिए था। मैं ज़िंदगी भर खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगी।"

होम्स भारी स्वर में, बड़ी मुश्किल से हर शब्द बोलते हुए बोलने लगे। "मैं तुमसे ज़्यादा दोषी हूँ, वॉटसन। मैंने तो बस अपनी व्यक्तिगत सफलता का इंतज़ार किया, ताकि मेरा पक्ष मज़बूत हो सके। सर हेनरी इसका शिकार हुए। मुझे इससे पहले कभी ऐसी असफलता नहीं मिली।" उनकी नज़रें हेनरी के शव पर टिकी थीं। "आज मेरी प्रतिष्ठा को बहुत ठेस पहुँची है। इतने सारे निर्देश देने के बाद वह इस सुनसान जगह पर क्यों आए? ऐसा क्या हुआ था कि मुझे अपनी जान इतनी जोखिम में डालनी पड़ी?"

हालांकि भावनाएं पूरी तरह शांत नहीं हुई थीं, शर्लक होम्स धीरे-धीरे होश में आ रहे थे। "हमने चीखें सुनीं, लेकिन हम उसकी जान नहीं बचा सके। अंत में, चाचा और भतीजे का एक ही अंत हुआ। सर चार्ल्स भूत के डर से और सर हेनरी सीधे हमले से। दोनों की मौत का कारण एक ही था। बास्करविल का शिकारी कुत्ता। वह ज़रूर यहाँ किसी चट्टान के पीछे, किसी दरार में छिपा होगा। वह कमीना स्टेपलटन अब मेरे हाथों से नहीं बच पाएगा। उसे अपने कर्मों का हिसाब देना होगा।" बोलते-बोलते होम्स चुप हो गए। हम अभी भी चट्टान के किनारे पर खड़े थे। हम नीचे जाकर देखने की हिम्मत नहीं कर रहे थे। डर के कारण नहीं, बल्कि हार सामने थी। इतने दिनों की हमारी मेहनत का यही फल था।

अब चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था। चाँद आसमान में ऊँचा था। उसकी चाँदनी घास के मैदान पर घनी राख की तरह फैली हुई थी। हल्की हवा चल रही थी, जिससे हवा में गर्माहट महसूस हो रही थी। दूर, ग्रिम्पेन दलदल की दिशा में, एक अकेला घर रोशनी से जगमगाता

दिखाई दे रहा था। मेरिपिट हाउस, स्टेपलटन का घर। मैं रुका और वहाँ देखा और कहा, "क्या मुझे अचानक उसे पकड़ लेना चाहिए?"
"वॉटसन, वह बहुत सतर्क और चालाक है। अगर वह भाग निकला, तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। इस बात की पूरी संभावना है कि हमारी योजना हम पर ही भारी पड़ जाएगी।"
"तो फिर हम क्या करें?"
बहुत कुछ करना है। लेकिन कल। तब तक, आइए अपने दोस्त को ठीक से विदाई दें।
हम चट्टान के किनारे-किनारे नीचे उतरने लगे। छोटे-छोटे गोल पत्थरों के कारण रास्ता फिसलन भरा था। किसी तरह हम वहाँ पहुँच गए। शव को देखकर मेरी आँखों में आँसू भर आए। मेरा गला सूख गया। मेरी एक गलती की वजह से इस महान व्यक्ति की खुले मैदान में इतनी भयानक मौत हो गई थी। मैं मन ही मन उनसे क्षमा माँग रही थी। सिसकियों को रोकने के लिए मैंने कुछ कहने की कोशिश की, "होम्स... हमें उन्हें यहाँ से हटाना होगा... लेकिन कैसे...?"
और अचानक होम्स हंसने लगे। उनके चेहरे से उदासी और तनाव गायब हो गया था। उनकी हंसी और तेज हो गई। उन्होंने अपना पेट पकड़ लिया और पागलों की तरह हंसने लगे। होम्स निश्चित रूप से ऐसे विद्वान नहीं थे कि इस घटना का उन पर कोई असर पड़े। उनकी हंसी देखकर मैं सहम गया। "होम्स," मैंने चौंके हुए होम्स को चेतावनी देते हुए चिल्लाकर कहा। "क्या तुम पागल हो गए हो?"
"दाढ़ी..." होम्स ने अपनी हंसी रोकते हुए मुश्किल से एक शब्द कहा। "दाढ़ी। वॉटसन। दाढ़ी। दाढ़ी देखो। इस आदमी की दाढ़ी है। और यह हेनरी नहीं है। यह तो भागा हुआ कैदी है। सेल्डन।"
मैं जल्दी से आगे बढ़ा। मैंने लाश को थोड़ा हिलाया। वह भारी तकिये की तरह ज़मीन पर डगमगा उठी। वह पीठ के बल लेटी हुई थी और उसकी दाढ़ी आसमान की ओर उठी हुई थी। वह हेनरी नहीं था। वह वही आदमी था जिसे मैंने उस रात मैदान में देखा था। वह सेल्डन था।
होम्स की हंसी अब थम चुकी थी। वह थकावट से चूर होकर एक पत्थर के सहारे पीछे झुक गया। फिर भी वह बीच-बीच में हंस रहा था। धीरे-धीरे मुझे समझ आया। हेनरी ने बैरीमोर को अपने पुराने कपड़े दिए थे। कोट, जूते, कमीज, टोपी, सब कुछ। और बैरीमोर ने उन्हें सेल्डन को दे दिया था। सेल्डन ही सर हेनरी के वेश में था। पल भर में कहानी बदल गई। मैं अपने भावों पर काबू नहीं रख सका। मैंने उस भयानक दिखने वाले शव को देखकर आनंद लिया। बेशक, वह दृश्य भयावह था, सिवाय इस तथ्य के कि वह हेनरी नहीं था। सेल्डन को तो मौत की सजा मिलनी चाहिए थी।
“यह मौत हेनरी की थी।” होम्स ने अपनी हंसी दबाई। उनकी आवाज़ फिर से गंभीर हो गई थी। “उसने हेनरी के कपड़े और जूते पहने हुए थे। यह कोई संयोग नहीं था कि हेनरी के जूते लंदन के

नॉर्थम्बरलैंड होटल में खो गए थे। उनका इस्तेमाल कुत्ते को तैयार करने के लिए किया गया होगा। बेचारा सेल्डन। वह बीच में ही मारा गया। लेकिन उसे कैसे पता चला कि कुत्ता उसका पीछा कर रहा है?"

मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "उसने गुर्राहट जरूर सुनी होगी।"

“मुझे ऐसा नहीं लगता,” होम्स ने फिर से कहा, बातों को जोड़ने की कोशिश करते हुए। “सेल्डन जैसे कठोर हृदय वाले व्यक्ति पर गुर्राहट का कोई खास असर नहीं होता। जिस तरह से वह चीखा, उससे मुझे लगता है कि जब शिकारी कुत्ता उसके पीछे आया तो वह बहुत दूर तक भागा होगा। वह भागा होगा और यहीं गिर गया होगा।”

"लेकिन वह शिकारी कुत्ता खुले मैदान में इतनी आज़ादी से क्यों घूम रहा था? अगर स्टैपलटन ने उसे अपने पास रखा था, तो उसने उसे इतना खुला क्यों छोड़ा? शायद उसे यकीन था कि हेनरी यहाँ आएगा, इसलिए उसने आज रात कुत्ते को खुला छोड़ दिया।"

होम्स मेरी ओर देखते रहे। "मुझे लगता है कि हमें जल्द ही इसका जवाब मिल जाएगा। लेकिन अब सवाल यह है कि हम सेल्डन के इस शव का क्या करें? अगर हम इसे यहीं छोड़ देते हैं, तो मलराना की लोमड़ियाँ इसे खा जाएँगी। ऐसा नहीं होना चाहिए।"

"तो हम उसे यहां की किसी पत्थर की झोपड़ी में रख देंगे और पुलिस को उसकी सूचना दे देंगे," मैंने चारों ओर देखते हुए कहा।

“हाँ। मानो हम दोनों मिलकर इस धुएँ को उठा सकते हों,” होम्स ने मुश्किल से कहा। लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान आने से पहले ही उनकी आँखों का भाव बदल गया। किसी ने कुछ महसूस कर लिया था। “सावधान रहो, वॉटसन, सावधान रहो।” होम्स की आवाज़ मेरे कान में धीरे से फुसफुसाई। “वह खुद यहाँ आ रहा है। स्टेपलटन। एक भी शब्द ऐसा मत कहना जिससे उसे शक हो। बस मेरी हाँ का जवाब हाँ में दे देना।” जैसे ही उन्होंने अपना वाक्य पूरा किया, चट्टान के ऊपर कदमों की आहट सुनाई दी। और फिर स्टेपलटन का चेहरा दिखाई दिया। उनके होठों में सिगार चमक रहा था। चाँद उनके पीछे था। सिगार के धुएँ के छल्ले ऊपर बादलों के रंगों में घुलमिल रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो वह बादलों से उतरकर इस पहाड़ी पर आ गए हों। जैसे ही उन्होंने हमें देखा, वह रुक गए। उन्होंने मुँह में रखा सिगार फेंक दिया। उन्होंने नीचे देखा।

"कौन? वॉटसन... क्या तुम हो? क्या हुआ? क्या किसी को चोट लगी है? वहाँ कौन लेटा है?" स्टैपलटन की आवाज़ में जिज्ञासा थी। वह तेज़ी से, तिरछे कदमों से चट्टान की ढलान से हमारी ओर आया। वह हमसे कहीं ज़्यादा सलीके से चल रहा था। "कौन है? हेनरी?" उसकी आवाज़ में चिंता से ज़्यादा जिज्ञासा और उम्मीद थी। उसने मुझे इतनी जल्दी एक तरफ धकेल दिया जैसे

कोई शिकारी तीर चलाने के बाद अपने शिकार को देखने जाता है, लेकिन उसे सेल्डन के वहाँ होने की उम्मीद नहीं थी। जब उसे पता चला कि वह हेनरी नहीं है, तो वह अपनी भावनाओं को छिपा नहीं सका। उसका चेहरा उतर गया।
"ये कौन है?" उसने बेपरवाही से पूछा। उसकी जल्दबाजी साफ झलक रही थी। वह अपनी निराशा छुपाने में असमर्थ था।
"सेल्डन," मैंने कहा। उसने मुस्कुराते हुए मेरी तरफ देखा। शायद उसे इसकी उम्मीद नहीं थी।
"सेल्डन? प्रिंसटाउन से भागा हुआ वो कैदी?" स्टेपलटन ने अब अपनी आवाज़ पर काबू पा लिया था। उसने स्थिति को स्वीकार कर लिया था। "ओह, कितना भयानक। उसकी मौत कैसे हुई?"
"लगता है वो इस चट्टान से गिर गया। सीधे गर्दन के बल। मैं और मेरा दोस्त यहाँ आराम से चल रहे थे। हमने एक ज़ोरदार चीख सुनी। तो हम दौड़े और यह सब देखा," मैंने बड़ी सावधानी से कहा। जैसा कि होम्स ने कहा था, मैं स्टैपलटन को कुछ भी नहीं बताना चाहता था।
"मुझे इस तरफ से चीखने की आवाज भी सुनाई दी। मुझे हेनरी की बहुत चिंता हुई, इसलिए मैं देखने आया।"
"क्यों? हेनरी के बारे में चिंता क्यों करें?" मैंने अंततः बिना किसी झिझक के पूछा।
लेकिन अब स्टैपलटन संभल चुकी थीं। "मैंने ही आज हेनरी को घर बुलाया था। वह काफी देर से नहीं आया था, इसलिए मैं इंतज़ार कर रही थी। तभी मुझे एक चीख सुनाई दी और मुझे उसकी चिंता होने लगी... क्या आपने चीख के अलावा कुछ और सुना?"
होम्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "नहीं। क्या आपने कुछ सुना?"
"नहीं।"
"तो फिर आप और कौन सी आवाज़ सुनना चाहते थे?"
"नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। लेकिन मैंने यहाँ के ग्रामीणों से उस शिकारी कुत्ते के बारे में कहानियाँ सुनी हैं। वे कहते हैं कि वह रात में इन दलदलों में घूमता है। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कुछ होता है।"
"नहीं, हमने ऐसी कोई आवाज नहीं सुनी," मैंने कहा।
"तो फिर आपको क्या लगता है कि यह सेल्डन कैसे मरा है?" स्टेपलटन ने गहरी सोच में डूबे होने का नाटक करते हुए कहा।
मुझे लगता है कि इतने लंबे समय तक इस जंगल में अकेले छिपने के बाद वह बहुत तनाव में रहा होगा। और उसके दिल में दबा हुआ डर अचानक उमड़ पड़ा। इसी दमन के कारण वह पागलों की तरह भागा और अपना संतुलन खोकर इस चट्टान से नीचे गिर गया।

"हाँ... बिलकुल मुमकिन है।" उसने मेरी तरफ से नज़रें हटाकर सीधे होम्स की आँखों में देखा। "आप क्या सोचते हैं, श्री शर्लक होम्स?"

होम्स ने बस मुस्कुराकर अभिवादन में सिर झुकाया।

"डॉ. वॉटसन के यहाँ आने के बाद से ही हम आपका इंतज़ार कर रहे थे, श्री होम्स। लेकिन आप ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण समय पर आए हैं। हम ऐसे अजीब स्थान पर, ऐसे अजीब समय में मिल रहे हैं।"

"हां, बिल्कुल सही? और जब मैं कल लंदन वापस जाऊंगा, तो यह बुरी याद मेरे साथ यहीं रहेगी।"

क्या आप कल लंदन वापस जा रहे हैं?

"यदि ऐसा निर्णय लिया गया है, तो ऐसा ही होगा।"

"आपने यहां की घटनाओं का गहन अध्ययन किया होगा। आपने हमारे सामने आने वाली पहेलियों को हल किया होगा।"

"हर बार सफलता मिलना संभव नहीं होता।" होम्स ने कंधे उचकाते हुए शांत स्वर में बोलना शुरू किया, "जांच सच्चाई पर आधारित होनी चाहिए। हम किंवदंतियों और अफवाहों पर भरोसा नहीं कर सकते। इसीलिए हम इस मामले में संतोषजनक जानकारी नहीं जुटा पाए हैं।"

स्टैपलटन वाक्यों का अर्थ तो समझ गया था, लेकिन उसे कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। उसने मेरी ओर देखा।

"मैं सेल्डन के शव को अपने घर ले जाने का सुझाव दे सकता था, लेकिन मेरी बहन उसे देखकर डर जाएगी। इसके बजाय, चलो उसे यहीं किसी चीज़ से ढक देते हैं। सुबह देखेंगे कि क्या कर सकते हैं।"

हमने वैसा ही किया। हमने स्टैपलटन को उसके घर भेज दिया। उसके साथ जाने से इनकार करते हुए, हम दोनों बास्करविले हॉल की ओर चल पड़े। धुंधली चाँदनी में स्टैपलटन की आकृति हमसे काफी पीछे दिखाई दे रही थी। वह कंधे झुकाए, निराश होकर घर जा रहा था। सेल्डन का निर्जीव शरीर उस विशाल, सुनसान मैदान में अकेला पड़ा था, आकाश की ओर मुख किए हुए।

१३

"हम आखिरी पड़ाव पर हैं। अब वो पकड़े जाने के कगार पर है। फंदा कस दिया गया है। बस रस्सी खींचने का समय बचा है," होम्स बास्करविले हॉल में दाखिल होते हुए कह रहे थे। "ये कैसा कुटिल दिमाग वाला आदमी है। माघा, इसने खुद को कैसे संभाला? जब इसने अपने जाल में एक आदमी को मरते हुए देखा, तब भी ये ज़रा भी विचलित नहीं हुआ। अगर कोई और होता, तो ये सदमे से सुन्न हो जाता। वॉटसन, ऐसे दृढ़ निश्चयी अपराधी का मामला बहुत कम देखने को मिलता है।"

"लेकिन यह वाकई बहुत बुरा हुआ कि उसने तुम्हें देख लिया।"

"हां। लेकिन सब कुछ इतनी अचानक हुआ।"

"जब उसे पता चलेगा कि तुम यहाँ हो, तो वह क्या योजना बनाएगा?"

"हो सकता है कि वह अधिक सतर्क हो या थोड़ा विचलित हो जाए। कई स्थापित अपराधी यह बात समझने के बाद भी ज्यादा नहीं बदलते। वे सोचते हैं कि उनका नाटक खत्म हो गया है।"

"लेकिन हम सीधे अंदर जाकर उन्हें क्यों नहीं पकड़ लेते?"

होम्स मुस्कुराते हुए बोले, "वॉटसन, तुम बहुत जल्दबाज़ी करते हो। तुम्हें हमेशा किसी सनसनीखेज घटना की उम्मीद रहती है। लेकिन देखो, अगर हम उसे अभी पकड़ भी लें, तो क्या साबित कर पाएंगे? कुछ नहीं। वह बहुत ही उन्नत है। फिलहाल हमारे पास उसे आरोपी बनाकर गिरफ्तार करने का कोई सबूत नहीं है। अगर उसने किसी आदमी के साथ साजिश रची होती, तो हम कुछ कर सकते थे। लेकिन अब, उसके कुत्ते को पकड़कर अदालत में गवाह के तौर पर पेश करने का क्या? अगर हम इस पूरी कहानी को सबूत के तौर पर पेश करें, तो लंदन में हमारा मज़ाक उड़ाया जाएगा।"

लेकिन सर चार्ल्स की मृत्यु...

होम्स ने मुझे बीच में ही रोकते हुए कहा, "उसके शरीर पर एक भी निशान नहीं था। आप जानते हैं कि उसकी मौत अत्यधिक भय से हुई थी। हम जानते हैं कि वह भय क्या था। लेकिन हम अदालत में बैठे उन बारह जजों को कैसे समझाएँगे? कुत्ते की बात मानिए। उसके पैरों के निशान या खाने के कोई सबूत नहीं हैं। हम यह कैसे साबित कर सकते हैं कि सर चार्ल्स की मौत उसे देखकर या उससे डरकर हुई थी? फिलहाल यह मुश्किल है।"

"तो आज रात क्या हुआ?"

"वॉटसन। हमने उस कुत्ते को अपनी आँखों से नहीं देखा है। हमने केवल उसकी आवाज़ सुनी है। लेकिन हम यह साबित नहीं कर सकते कि वह सेल्डन का पीछा कर रहा था। सेल्डन की मौत का उस कुत्ते से कोई संबंध नहीं हो सकता। हम बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन हमारे पास कोई सबूत

नहीं है। यह सच है कि यह मामला हमारे पक्ष में है। लेकिन इसके लिए और अधिक प्रयास और जान का जोखिम उठाना पड़ेगा। अब हमारी असली परीक्षा शुरू होती है।"
तो अब आप क्या करने की योजना बना रहे हैं?
"लौरा लियोन्स। वही उम्मीद की एकमात्र किरण है। वही इस गड़बड़ी को सुलझाने में हमारी मदद कर सकती है। बेशक, मेरे पास कुछ योजनाएँ हैं। लेकिन अभी तो बस कल की बात है।"
घास के मैदान को पीछे छोड़ते हुए, हम बास्करविले हॉल के प्रवेश द्वार पर आ गए थे।
मैंने पूछा, "क्या तुम अंदर आ रहे हो?"
"बिल्कुल। अब छिपने का कोई मतलब नहीं दिखता। लेकिन हेनरी को हाउंड के बारे में ज़्यादा मत बताना। हम उसे वही बताएंगे जो हमने स्टैपलटन को बताया था। कल अभी बहुत कुछ होना बाकी है।"
काफी रात हो चुकी थी। हेनरी होम्स को देखकर दुखी तो था ही, साथ ही साथ बहुत खुश भी था। उसे पता था कि होम्स कभी न कभी तो यहाँ आएगा ही। लेकिन उसने यह उम्मीद नहीं की थी कि वह अचानक, बिना किसी को बताए आ जाएगा। होम्स के हाथों में कोई सामान नहीं था, और उसके चेहरे पर लंबी यात्रा का कोई निशान नहीं था। होम्स इसका जवाब नहीं दे सका। फिर हेनरी ने भी उससे ज्यादा कुछ नहीं पूछा। उसने हमारे खाने का इंतजाम किया और होम्स को उसकी पसंद की हर चीज मुहैया कराई।
रात के खाने के बाद हम बातें करने बैठे। हेनरी ने कहा, “जब से वॉटसन घर से निकला है, मैंने उस पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया है। लेकिन उसने मुझे बास्केरविल हॉल से बाहर न निकलने की चेतावनी दी थी। इसलिए मैं घर पर बैठकर कुछ कर रहा था। स्टेपलटन ने मुझे रात के खाने पर बुलाया था। अगर मैं वहाँ जा पाता, तो वह एक शानदार शाम होती।”
"जी हां। आज शाम तुम्हारा ही इंतज़ार कर रही थी," होम्स ने अचानक कहा। मेरे सिवा किसी को भी उनके शब्दों का अर्थ समझ नहीं आया। "आप जानते हैं, सर हेनरी, मैंने आज शाम आपको मरते हुए देखा। वॉटसन ने तो आपके लिए कुछ आंसू भी बहाए।"
हेनरी ने उलझन भरे भाव से होम्स को देखा। मैंने हेनरी को सब कुछ बताया। बेशक, मैंने कुत्ते वाली बात छोड़ दी। हेनरी ने सब कुछ आश्चर्य से सुना।
"सेल्डन ने तुम्हारे कपड़े पहने हुए थे। बैरीमोर ने शायद उसे दिए होंगे। लेकिन अगर पुलिस को पता चल गया, तो तुम और वह मुसीबत में पड़ सकते हो।" होम्स ने स्थिति का और खुलासा किया।
"लेकिन उन कपड़ों पर ऐसे कोई निशान नहीं हैं जो यह साबित कर सकें कि वे मेरे हैं और पुलिस उन तक पहुंच सके।"

"तो फिर ठीक है। यह बैरीमोर और आपके लिए भी अच्छा है। क्योंकि इसके लिए आप कानून के शिकंजे में फंस सकते हैं। और फिर मैं आपकी बिल्कुल भी मदद नहीं कर पाऊंगा। वॉटसन द्वारा बैरीमोर के बारे में भेजी गई रिपोर्ट भी आपके खिलाफ जाएंगी।"

मैं बातचीत के बीच में ही उठकर रसोई में चला गया। बैरीमोर और उनकी पत्नी वहाँ सफाई कर रहे थे। मुझे एक मुश्किल काम करना था। मुझे उन्हें सेल्डन की मृत्यु की खबर देनी थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। मैंने बहुत कमजोर आवाज़ में कहा। बैरीमोर की पत्नी यह सुनकर फूट-फूटकर रोने लगीं। हालाँकि दुनिया के लिए सेल्डन एक क्रूर इंसान थे, लेकिन वह उनके सच्चे भाई थे। उनके लिए वह आज भी उनके बचपन के प्यारे बच्चे जैसे थे। हालाँकि यह स्वाभाविक था, फिर भी मैं उन्हें रोते हुए नहीं सुनना चाहता था। उन्हें बड़ी कमजोर आवाज़ में सांत्वना देने के बाद मैं बैठक में लौट आया।

हेनरी ने विषय बदलते हुए कहा, "तो, इस मामले के बारे में आप और क्या जानते हैं?" हेनरी होम्स से पूछ रहा था।

मैं अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता। कुछ बातें अभी सामने आनी बाकी हैं। जल्द ही उनका खुलासा हो जाएगा। उसके बाद मामला हमारा होगा।

"डॉक्टर वॉटसन ने आपको बताया होगा कि हम दोनों ने उस कुत्ते की आवाज़ सुनी थी। तो यह महज़ एक किंवदंती नहीं हो सकती। इसमें कुछ सच्चाई ज़रूर होगी। अगर आप उस कुत्ते को पकड़ लेते हैं, होम्स, तो मैं आपको दुनिया का सबसे बेहतरीन जासूस मानूंगा।" हेनरी की बातों पर होम्स ने बस हल्की सी मुस्कान दी।

"अगर मुझे आपकी मदद मिल जाए तो मैं उसे निश्चित रूप से गिरफ्तार कर सकता हूँ, सर हेनरी।"

"कुछ भी कहो। मैं तैयार हूँ।"

मैं तुम्हें सच बताऊंगा। लेकिन तुम्हें मानना होगा। पूरी तरह से आँख बंद करके, बिना एक भी सवाल पूछे। सहमत हो?

‘‘अर्थात कबूल.’’

"अगर ऐसा है, तो मामला सुलझ गया..." बोलते-बोलते होम्स अचानक रुक गए। उनकी निगाहें हेनरी के पीछे खड़ी ऊंची दीवार पर टिक गईं। अपने ही शब्दों को भूलकर वे मूर्ति की तरह स्थिर खड़े रहे।

"क्या हुआ?" हेनरी ने बेचैनी महसूस करते हुए पूछा।

होम्स ने नीचे देखा। उनका चेहरा भावहीन था, लेकिन उनकी आँखों में विजय की मुस्कान झलक रही थी।

"वाह!" होम्स ने दीवार पर लगी बड़ी-बड़ी तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए कहा, "ये कितनी खूबसूरत तस्वीरें हैं। वॉटसन को यकीन नहीं हो रहा कि मुझे पेंटिंग के बारे में कुछ भी पता है। असल में, वो मेरी पसंद से जलता है। इस विषय पर मेरी और उसकी राय बिल्कुल अलग है।"
"क्या, वॉटसन?" होम्स ने मेरी ओर अर्थपूर्ण ढंग से देखते हुए कहा।
"मुझे नहीं पता था कि आपको इस विषय में रुचि है," हेनरी ने कहा। बोलते-बोलते वह दीवार की ओर मुड़ा और तस्वीरों को देखने लगा। समय के बीतने ने उन तस्वीरों पर अपनी छाप छोड़ दी थी। उनकी भव्यता में प्राचीनता की झलक थी।
"लेकिन मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मैं तो बस धूप में काम करने वाला एक साधारण आदमी हूँ। मुझसे घोड़ों का मूल्यांकन करने या नाव चलाने के लिए कहो। कला मेरा क्षेत्र नहीं है। लेकिन पेंटिंग के लिए समय कैसे मिलता है?"
होम्स ने जवाब में सिर्फ मुस्कुरा दिया। "ये आपके परिवार के पूर्वजों की कुछ तस्वीरें हैं। क्या आप उन सभी के नाम जानते हैं?"
"कुल मिलाकर एक ही। बैरीमोर ने मुझे बताया जब वह यहाँ आई थी। ऐसा लगा जैसे इतिहास की क्लास चल रही हो। लेकिन इसी तरह मुझे उनके नाम पता चले।"
हेनरी अपने पूर्वजों की तस्वीरों के पास गया और उनके नाम गिनने लगा। कुछ महान सैन्य अधिकारी थे, कुछ राजनीतिज्ञ थे और कुछ कुशल वकील थे। एक तस्वीर की ओर इशारा करते हुए होम्स ने पूछा, "ये कौन हैं?" तस्वीर में दिख रहे व्यक्ति ने काले मखमली कोट पहना हुआ था और गले में रुमाल बंधा हुआ था।
"हम्म... तुम उसके बारे में तो जानते ही होगे। वो ह्यूगो बास्करविल है। उस शिकारी कुत्ते की कहानी का नायक।" हेनरी व्यंग्यपूर्वक बोल रहा था, "वही सारी घटनाओं की जड़ है।"
ह्यूगो बास्करविले। मेरी जिज्ञासा बढ़ी, इसलिए मैं आगे बढ़ा और करीब से देखा।
"ओह...", होम्स ने हैरानी से कहा। मुझे उम्मीद नहीं थी कि उसका रूप ऐसा होगा। मैंने सोचा था कि वह उपन्यासों में दिखाए जाने वाले खलनायकों जैसा दिखेगा। लेकिन वह तो बहुत ही सौम्य लग रहा है। नहीं, उसकी आँखों में एक बनावटी कातिलाना भाव है। क्या यह उसकी तस्वीर है?
“इसमें कोई शक नहीं। हर तस्वीर के पीछे एक तारीख और एक नाम है,” हेनरी ने आत्मविश्वास से कहा। बात यहीं खत्म हो गई। फिर भी, होम्स का मन ह्यूगो बास्करविल की तस्वीर के बारे में सोच रहा था। बोलते समय होम्स का ध्यान तस्वीरों पर ही टिका हुआ था। थोड़ी बहुत बातचीत के बाद, हम अपने-अपने कमरों में सोने चले गए।

कुछ देर बाद मेरे दरवाजे पर दस्तक हुई। ज़ाहिर है, होम्स ही थे। मैंने दरवाजा खोला। उनके हाथ में एक मोमबत्ती थी। हम दोनों वापस बैठक में चले गए। अब वहाँ दीवार पर ऊँचे टंगे उन दिवंगत पूर्वजों के बड़े-बड़े चित्रों और हम दोनों जीवित लोगों के अलावा कोई नहीं था।

"क्या आपको कुछ महसूस हो रहा है?" होम्स ने ह्यूगो बास्करविले की तस्वीर को देखते हुए पूछा।

तस्वीर में ह्यूगो बास्करविले काले मखमली कोट में थे। पतले होंठ कसकर बंद थे, सिर पर एक बड़ी टोपी थी। उनके चेहरे पर कोई दुर्भावना नहीं थी, लेकिन कठोरता जरूर थी। शायद हम उनके अतीत से वाकिफ थे। लेकिन उनकी आंखें ठंडी थीं, जैसे किसी सराय में बैठे शिकारी की हों। एक पल के लिए मुझे लगा कि वे तस्वीर से मुझे ही देख रहे हैं। मैंने नज़रें हटाईं और होम्स की ओर देखा।

"क्या आप किसी ऐसे दूसरे आदमी को जानते हैं जो बिल्कुल वैसा दिखता हो?" होम्स ह्यूगो बास्करविले को ध्यान से देख रहा था।

"इसकी और हेनरी की ठुड्डी में थोड़ी बहुत समानता है।"

"हम्म। एक मिनट रुको।" होम्स ने दीवार के पास रखी एक लकड़ी की कुर्सी को खिसकाया। वह उस पर चढ़ गया और खड़ा हो गया। ह्यूगो का चेहरा उसके हाथ में पकड़ी मोमबत्ती की रोशनी से जगमगा रहा था। होम्स ने ह्यूगो के गालों और उसकी बड़ी टोपी को अपने हाथ से ढक लिया।

"ओह, हाँ," मैंने आश्चर्य से कहा।

उस तस्वीर में स्टैपलटन का चेहरा झलक रहा था।

"वंशानुक्रम, वॉटसन। स्टेपलटन बास्करविल परिवार का वंशज है। उसका चेहरा ही नहीं, बल्कि उसके तौर-तरीके भी ह्यूगो जैसे हैं," होम्स ने संक्षेप में कहा। मेरी नज़रें अभी भी ह्यूगो की तस्वीर में दिख रहे स्टेपलटन पर टिकी थीं। होम्स अभी भी कुर्सी पर खड़े थे, हाथ में मोमबत्ती लिए हुए। स्टेपलटन के इतने करीब कि मानो उसे पकड़ ही लिया हो।

"कल ही, वॉटसन। फिर ये प्रकृतिवादी स्टेपलटन तुम्हारे जाल में फँस जाएगा। बेकर स्ट्रीट के अपराधियों की सूची में एक और नाम जुड़ जाएगा, जैसे कीड़ों की सूची में उसका नाम जुड़ गया है। स्टेपलटन।" होम्स ज़ोर से हँसने लगा।

स्टैपलटन के हाथ में जल रही मोमबत्ती की टिमटिमाती रोशनी में उनका चेहरा हिलता हुआ प्रतीत हुआ।

सुबह हो चुकी थी। होम्स मुझसे पहले उठ गए थे। वे काम पर जाने के लिए बेताब होकर इधर-उधर भाग रहे थे। उनकी हरकतों से मुझे समझ आ गया था कि आज का दिन कई महत्वपूर्ण घटनाओं से भरा होने वाला है।

“सुप्रभात, वॉटसन,” होम्स ने मेरी ओर देखते हुए कहा। “मैंने सेल्डन की मृत्यु की सूचना प्रिंसटाउन को दे दी है। अब हमें उस घटना से दोबारा परेशान नहीं होना पड़ेगा। मैंने कार्टराइट को भी आगे की व्यवस्था करने के लिए संदेश भेज दिया है। वह बहुत ही वफादार लड़का है। अगर उसे संदेश नहीं मिला होता, तो वह मेरे लौटने तक पहाड़ी पर बने कॉटेज के दरवाजे पर मेरा इंतजार कर रहा होता।”

"आगे क्या करना है?"

‘‘अब सर हेनरी से मिलने का समय है... ओह... वे आ गए हैं।’’

हेनरी पूरी तैयारी के साथ आते हुए दिखाई दिए।

"सुप्रभात, श्री होम्स," हेनरी ने कहा। "आज आप एक सेनापति की तरह लग रहे हैं। सेनापति वह होता है जो युद्ध के समय अपनी सेना को पूर्ण निर्देश देता है।"

"अब तो समय आ ही गया है, सर हेनरी। वॉटसन अभी यही पूछ रहे थे कि आगे क्या करना है।"

"और मैं यही पूछने आया था। आप जो भी कहेंगे, मैं करने को तैयार हूं।"

"अच्छा। आज रात तुम स्टेपलटन के यहाँ डिनर करने जा रहे हो, है ना?"

"जी हां। आप दोनों भी आओगे ना? स्टेपलटन बहुत मेहमाननवाज है। वह आपको देखकर बहुत प्रसन्न होगा।"

"काश मैं कर पाता, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह संभव है, सर हेनरी," होम्स ने खेदपूर्वक कहा, "वॉटसन और मैं लंदन के लिए रवाना हो रहे हैं।"

"लंदन? अचानक से?" हेनरी काफी हैरान था। उसने मेरी तरफ और होम्स की तरफ देखा। "श्रीमान होम्स, मुझे लगा था कि आप इस मामले में मेरी मदद करने आए हैं। और अब आप वॉटसन को भी अपने साथ ले जा रहे हैं। इस माहौल में अकेले रहना बहुत मुश्किल है, श्रीमान होम्स।"

होम्स आगे बढ़े। उन्होंने हेनरी के कंधे पर हाथ रखा। "श्री हेनरी, मेरी बात मानिए। हम दोनों के लिए अभी लंदन जाना बहुत ज़रूरी है। और श्री स्टैपलटन को बता दीजिए कि हम उनसे मिलना चाहते थे, लेकिन लंदन में कुछ बहुत ज़रूरी काम होने के कारण नहीं आ सके। मैं वादा करता हूँ कि हम जल्द ही लौट आएंगे। क्या आप उन्हें यह बता देंगे?"

"ज़रूर। क्यों नहीं? मैं उन्हें आपका अलविदा ज़रूर कह दूँगा।" होम्स के लंदन जाने के सदमे से हेनरी अभी उबर ही रहा था। उसने ठंडी आवाज़ में पूछा, "आप कब जा रहे हैं?"

"नाश्ता खत्म होते ही हम कूम्ब ट्रेसी से निकलेंगे।" हेनरी का उदास चेहरा देखकर होम्स आगे बढ़े और उनके कंधे पर हाथ रखा। "सर हेनरी, वॉटसन अपना सारा सामान यहीं छोड़कर मेरे साथ आ रहे हैं। निश्चिंत रहिए, हम वापस लौटेंगे। वॉटसन, क्या आप स्टेपलटन को माफीनामा भेज देंगे कि हम नहीं आ सकते?"

हेनरी ने सिर उठाते हुए कहा, "मैंने भी फैसला कर लिया है। मैं भी तुम्हारे साथ लंदन चलूंगा। अकेले यहाँ रहकर हम क्या करेंगे?"

"हेनरी। तुमने कहा था कि तुम मेरी बात सुनोगे, मगशी। मेरी बात सुनो। तुम्हें यहीं रहना होगा।"

"ठीक है," हेनरी ने अनिच्छा से सहमति जताई।

"एक और बात। आज रात आपको निश्चित रूप से मेरिपिट हाउस जाना है। जाते समय अपनी बेबी बग्गी साथ ले जाना। और आते समय पैदल आना। स्टेपलटन को विशेष रूप से बता देना कि आप पैदल आ रहे हैं।"

क्या हम अकेले ही जंगल में पैदल चलेंगे?

"हां। स्टेपलटन को बताकर।"

"लेकिन आप तो इतने लंबे समय से इसी बात का विरोध कर रहे हैं, मिस्टर होम्स। आप मुझे मलराना अकेले न जाने के लिए कहते रहे हैं। और अब आप..."

"श्री हेनरी, मुझे आपकी सुरक्षा के साथ-साथ आपके जीवन की भी उतनी ही चिंता है। अन्यथा मैं आपको यह बात न बताता। आपको अब ऐसा करना ही होगा। लेकिन रास्ते में घास के मैदानों में मत भटकना। मैरीपिट हाउस से सीधे ग्रिम्पन रोड होते हुए बास्करविले हॉल लौट आइए।"

"ठीक है, श्रीमान होम्स।"

"नाश्ता हो चुका है, अब हमें निकलना चाहिए। हम दोपहर बाद तक लंदन पहुँच जाएँगे।"

होम्स का फैसला मुझे समझ भी आया था और नहीं भी। यह सच था कि उन्होंने कल रात स्टैपलटन से कहा था कि वे कल लंदन लौटेंगे। हो सकता है उन्होंने स्टैपलटन को धोखा देने के लिए या उसे अंधेरे में रखने के लिए ऐसा कहा हो। लेकिन वे सचमुच निकल पड़े थे। अकेले नहीं, बल्कि मेरे साथ। उन्होंने कहा था कि आज का दिन निर्णायक दिन होगा, भाग-दौड़ का दिन। हम दोनों उस अहम मौके पर वहाँ से चले जाएँगे। मैं स्तब्ध था। लेकिन मैंने अनुभव से सीखा था कि होम्स के निर्देशों का ठीक-ठीक पालन करना ही बुद्धिमानी है। मैंने सर हेनरी को अलविदा कहा। अलविदा कहते समय मेरे पास कोई शब्द नहीं थे। मैंने उनका हाथ पकड़ा और उनकी आँखों में देखा। वे उलझन में थे, लेकिन ज़रा भी डरे हुए नहीं थे। यह देखकर मुझे अच्छा लगा। हम बाहर

निकल गए। एक-दो घंटे में हम कूम्ब ट्रेसी स्टेशन पर थे। बग्गी वापस भेज दी गई। उस छोटे से स्टेशन पर एक छोटा लड़का हमारी राह पर टकटकी लगाए बैठा था। होम्स को देखते ही वह उठ खड़ा हुआ।

“ओह, कार्टराइट,” होम्स ने उसकी ओर देखते हुए कहा, “तुम अगली ट्रेन से लंदन जाओ। और वहाँ से सर हेनरी को एक टेलीग्राम भेजो, जिसमें लिखो कि मेरी एक छोटी सी किताब गलती से उनके पास छूट गई है। कृपया इसे पंजीकृत डाक से बेकर स्ट्रीट, लंदन भेज दो।”

‘‘येस सर.’’

और थाने से पूछो कि क्या मेरे नाम से कोई संदेश आया है?

कार्टराइट भाग गया। वह पाँच मिनट में लौट आया। उसके हाथ में एक टेलीग्राम था। उसमें लिखा था, 'प्राप्त हुआ, गिरफ्तारी वारंट के साथ पाँच बजकर चालीस मिनट पर आगमन - पुलिस इंस्पेक्टर 'लेस्ट्रेड', स्कॉटलैंड यार्ड।'

"यह मेरे सुबह के संदेश का जवाब है। लेस्ट्रेड बहुत ही चतुर और फुर्तीला है। अब हमें उसकी मदद की ज़रूरत पड़ेगी। लेकिन तब तक, चलिए आपकी लौरा लियोन्स से मिलते हैं, चलिए।"

होम्स की योजना एकदम सटीक थी। उसने हेनरी का भी पूरा फायदा उठाया था। हेनरी स्टेपलटन को लंदन के लिए हमारे प्रस्थान की सूचना देगा। और अगर वह स्टेपलटन को लंदन से आने वाले टेलीग्राम के बारे में बता देता, तो वह टेलीग्राम गोपनीय हो जाता। हम ठीक समय पर पहुँच जाते, यहाँ तक कि स्टेपलटन के लिए अप्रत्याशित रूप से भी।

लौरा लियोन्स अपने छोटे से दफ्तर जैसे घर में थीं। होम्स ने बिना इधर-उधर की बातें किए सीधे मुद्दे पर बात की। वह भी कुछ पल के लिए अचंभित रह गईं।

मैं सर चार्ल्स बास्करविले की मृत्यु की जांच कर रहा हूं। ये मेरे मित्र डॉ. वॉटसन हैं, जो आपसे पहले ही मिल चुके हैं। आपने मुझे जो जानकारी दी है, वह मुझ तक पहुंच चुकी है। और मुझे पता है कि आप कुछ जानकारी छिपा रहे हैं।

"क्या मैंने कुछ छिपाया है?" उसने मेरी ओर मुड़ते हुए पूछा।

"जी हां," होम्स ने जोर देकर कहा। "आपने सर चार्ल्स को रात दस बजे द्वार पर मिलने के लिए बुलाया था। उनकी मृत्यु ठीक उसी स्थान पर और ठीक उसी समय हुई। यह महज़ संयोग नहीं हो सकता, लौरा। क्या आप इन घटनाओं के बीच संबंध समझा सकती हैं?"

"इसमें कोई संबंध नहीं है।"

"अगर ऐसा है, तो यह एक बहुत ही असंभावित संयोग है। हमें कोई न कोई संबंध जरूर मिल जाएगा। लेकिन मैं तुम्हें पहले ही बता दूं, लौरा, कि तुम्हारा दोस्त स्टेपलटन भी इसमें शामिल है। सिर्फ स्टेपलटन ही नहीं, बल्कि उसकी पत्नी भी।"

लौरा अचानक खड़ी हो गई।
"उसकी पत्नी?"
"हां, अब यह कोई रहस्य नहीं रहा। जो महिला उसकी बहन होने का नाटक करती है, वह वास्तव में उसकी पत्नी है। बेरिल स्टेपलटन।"
लौरा हमेशा की तरह सुन्न होकर अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गई। उसने कुर्सी के आर्मरेस्ट को कसकर पकड़ रखा था। इतनी कसकर कि उसके लंबे नाखून सफेद पड़ गए थे, उनका गुलाबी रंग दिखाई देने लगा था।
"नहीं...नहीं..." वह चीखी, "साबित करो। और अगर नहीं कर पाए तो..." वह अपनी भावनाओं के कारण आगे कुछ बोल नहीं सकी।
“हाँ, मैं यही सोचकर आया हूँ,” होम्स ने अपने कोट की जेब से कुछ कागज़ निकालते हुए कहा। “यह कुछ साल पहले न्यूयॉर्क में ली गई इस दंपत्ति की तस्वीर है। इसके नीचे लिखा है, ‘श्रीमान और श्रीमती वंडेलर।’ लेकिन नाम में क्या रखा है? आप उन्हें उनके चेहरे से पहचान सकते हैं, और वह भी। और यहाँ सेंट ओलिवर हाई स्कूल में उनके सहकर्मियों द्वारा उनके बारे में दिए गए विवरण हैं। ये एक अलग मामले से संबंधित हैं।”
लौरा ने कागज़ अपने हाथ में लिया। कुछ पल खामोशी में बीत गए। उसकी आँखें गहरी थीं। दुखी स्वर में उसने बोलना शुरू किया, "श्रीमान होम्स। इस आदमी ने मुझसे शादी करने का वादा किया था। वह मुझे मेरे पति से तलाक दिलवाने वाला था। झूठा। बिलकुल झूठा। दुष्ट आदमी। उसने मेरे साथ ऐसा बर्ताव क्यों किया? उसने कभी भी मुझसे कोई बात गुप्त नहीं रखी। उसने मुझे सिर्फ अपने हाथों की कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। आप जो चाहें पूछिए। मैं अब कुछ नहीं छिपाऊँगी। और इस स्वार्थी आदमी को बचाने के लिए भी नहीं। लेकिन एक बात निश्चित है, मैं कभी नहीं चाहती थी कि सर चार्ल्स को कुछ हो। मैंने उन्हें इस उद्देश्य से मिलने के लिए आमंत्रित नहीं किया था। वह वास्तव में मेरे पुराने दोस्त थे।"
"मुझे पूरा यकीन है, लौरा," होम्स ने कहा, "इन सब बातों को खुलकर बताना, इन्हें ज़ाहिर करना तुम्हारे लिए बहुत कष्टदायक होगा। चलिए इसे आसान बनाते हैं। मैं तुम्हें बताता हूँ कि क्या हुआ था। अगर मैं गलत हूँ, तो तुम मुझे सुधार सकती हो। क्या स्टैपलटन ने सर चार्ल्स को बुलाने के लिए वे पत्र लिखने का सुझाव दिया था?"
"हां। उसने मेरे कहे हुए शब्दों को शब्दशः लिख लिया।"
"और इसका कारण यह है कि आपने कहा था कि यह पत्र आपको सर चार्ल्स से तलाक के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने में मदद करेगा। है ना?"
‘‘हो.’’

और आपके वह पत्र भेजने के बाद, उन्होंने आपको सर चार्ल्स से मिलने से रोक दिया।
"हां। उन्होंने कहा कि सर चार्ल्स की मदद करना उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा रहा था। गरीब होने के बावजूद, वे मेरे तलाक के लिए पैसे जुटाने के लिए अपना घर तक बेच देते। वे यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करते कि मेरी शादी में कोई बाधा न आए।"
"हम्म। और फिर आपने अखबार में सर चार्ल्स की मौत के बारे में पढ़ा। है ना?"
‘‘हो.’’
"उन्होंने आपको यह चेतावनी भी दी होगी कि आप सर चार्ल्स के साथ हुई अपनी मुलाकात का जिक्र कहीं भी न करें।"
"हां। उन्होंने कहा कि सर चार्ल्स की मृत्यु बहुत रहस्यमय थी। अगर इस मुलाकात के बारे में जानकारी प्रकाशित हो जाती, तो यह शर्मनाक होता। उन्होंने सचमुच डर दिखाया।"
"लेकिन फिर भी आपको शक नहीं हुआ?"
वह थोड़ी हिचकिचाई, फिर नीचे देखकर बोली, "मैं जानती थी कि वह कैसा है। लेकिन क्या मुझे उस पर उतना ही भरोसा नहीं करना चाहिए जितना उसने मुझ पर किया?"
"लौरा, मुझे लगता है कि इस पूरे मामले में तुम बहुत भाग्यशाली हो। तुम उसकी गिरफ्त से सुरक्षित बच निकली हो। काफी समय से तुम उसकी नब्ज़ जानती थी, और उसे इसका एहसास था। पिछले कुछ महीनों से तुम मौत के इतने करीब थी, फिर भी बच गई।" होम्स अपनी कुर्सी से उठे और बोले, "बहुत खूब। मुझे लगता है कि तुम्हें जल्द ही इस मामले की पूरी जानकारी मिल जाएगी।"
देखते ही देखते हम स्टेशन पर लंदन एक्सप्रेस का इंतज़ार कर रहे थे। ट्रेन गरजती हुई स्टेशन में आई। और प्रथम श्रेणी के डिब्बे से एक रोएंदार कुत्ता उछल पड़ा। वह एक पूरी तरह से विकसित बुलडॉग था। उसका मालिक उसके पीछे-पीछे बाहर निकला। पुलिस इंस्पेक्टर लेस्ट्रेड। पेट थोड़ा ढीला था, लेकिन शरीर तंदुरुस्त था। उन्होंने होम्स के कई मामलों में सही समय पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
"क्या सब ठीक है?" उसने कर्कश आवाज में पूछा।
“दो घंटे पहले आ गए, लेस्ट्रेड?” होम्स मुस्कुराए और हाथ मिलाया। “हमारे पास अब खाने का समय है। और लंदन की उस घुटन से छुटकारा पाने का भी। अब आपको डार्टमूर के मैदानों की ताज़ी हवा में सांस लेने की ज़रूरत है। मुझे यकीन है कि आज रात अविस्मरणीय होगी।”

१४

शर्लक होम्स की सबसे बड़ी खामी यह थी कि वह अपनी योजनाओं की पूरी कहानी तब तक किसी को नहीं बताते थे जब तक कि वे पूरी न हो जाएं। खामी यह थी कि तब तक मुझे पता ही नहीं चलता था कि वह क्या सोच रहे हैं। बेशक, उनकी यह आदत उनके ज्ञान, अनुभव और आत्मविश्वास से उपजी थी। उन्हें अपने ज्ञान पर कोई घमंड नहीं था, लेकिन वह दूसरों को आश्चर्यचकित करना चाहते थे। दूसरों को अंधेरे में रखने में भी वह पेशेवर सावधानी बरतते थे। वह हमेशा इस बात का ध्यान रखते थे कि जांच में कोई कमी न रह जाए, किसी भी तरह की लापरवाही न हो। मुझे होम्स की बुद्धिमत्ता पर पूरा भरोसा था, फिर भी इस अंधेरे में जीना मेरे लिए घुटन भरा था।

अब हालात कुछ ऐसे ही थे। निर्णायक क्षण नज़दीक आ रहा था, लेकिन मैं अभी तक स्थिति को पूरी तरह समझ नहीं पाया था। होम्स ने सुबह से ही मेरे विचारों को कई झटके दिए थे। मैं बग्गी में बैठा लगाम बाँध रहा था। चेहरे पर ठंडी हवा का झोंका मुझे यकीन दिला रहा था कि हम मलराना की ओर वापस जा रहे हैं। हमारी गाड़ी संकरी सड़क पर चल रही थी। अंधेरा छा रहा था। पक्षियों की आवाज़ धीमी होती जा रही थी। रात के कीड़ों की आवाज़ तेज़ होने लगी थी। घोड़ों के हर कदम के साथ हम अपने जंगली जानवर के और करीब पहुँच रहे थे।

हम विषय पर स्पष्ट रूप से बात नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि ड्राइवर हमारी बातें सुन लेता। हम इधर-उधर की बातें करके समय बिता रहे थे। इससे हमारे मन पर तनाव बढ़ता जा रहा था। गाड़ी फ्रैंकलैंड के घर के पास से गुजरी। बास्करविले हॉल की ओर थोड़ा आगे जाने के बाद, होम्स ने ड्राइवर को एक मोड़ पर रुकने के लिए कहा। हम उतर गए। होम्स ने किराया दिया और गाड़ी को कूम्ब ट्रेसी वापस भेज दिया। जब गाड़ी मुड़कर गायब हो गई, तो हमने दिशा बदल ली और मेरिपिट हाउस की ओर पैदल चलना शुरू कर दिया।

"क्या तुम्हारे पास कोई हथियार है, लेस्ट्रेड?" होम्स ने चलते हुए पूछा।

लेस्ट्रेड हँसते हुए बोला, "जब तक मैंने अपनी पैंट पहनी हुई है और मेरी पैंट में जेबें हैं, तब तक मेरे पास किसी न किसी तरह का हथियार जरूर है।"

"जी हां। वॉटसन और मैं भी पूरी तरह से तैयार हैं।"

"अब आप क्या करना चाहते हैं?"

"रुको," होम्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

चारों ओर देखते हुए लेस्ट्रेड ने व्यंग्यपूर्वक कहा, "हम्म। होम्स, यहाँ बैठकर इंतज़ार करना अच्छा नहीं लग रहा है।" दूर ग्रिम्पेन दलदल के आसपास कोहरा छाया हुआ था। कुछ मीटर आगे एक घर की बत्तियाँ जल रही थीं। होम्स सतर्क हो गया। यह मेरिपिट हाउस था।

"अब बिल्ली की तरह धीरे-धीरे चलो। तुम्हें कोई देख नहीं पाएगा, चाहे तुम्हारी आंखें अंधी ही क्यों न हों। अगर कुछ कहना हो तो मेरे कान में फुसफुसाकर कह देना। बिलकुल भी शोर मत करना," होम्स ने धीमी आवाज़ में हिदायत दी।

हम बहुत दबे पांव और चुपके से मेरिपिट हाउस की ओर चलने लगे। जब हम लगभग दो-तीन सौ गज दूर थे, तो होम्स ने हमें रुकने का हल्का सा इशारा किया। बाईं ओर पत्थरों का एक छोटा सा ढेर था। उसने एक आश्रय बना लिया था। हम तीनों उसके पीछे छिप गए।

"वॉटसन, तुम पहले भी मेरिपिट हाउस जा चुके हो। तुम्हें उसका लेआउट याद होगा। रंगीन कांच की खिड़कियों वाला वह आखिरी कमरा कैसा है?"

मैंने देखा, "मुझे लगता है कि यह रसोईघर होगा।"

"और वो दूसरी तरफ है? क्या वो एक बड़ी सी बत्ती है?"

"यह भोजन कक्ष है।"

"जी हां। वॉटसन, वहां पर्दे खुले हैं। अंदर जाओ, जोर से दबाते हुए। और देखो कि वे क्या कर रहे हैं। लेकिन सावधान रहना। उन्हें पता न चलने देना।"

होम्स ने मुझे अचानक एक साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। मैं उत्साह से, लेकिन सावधानी से झोपड़ी से बाहर निकला। मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ा, कमर के बल झुकते हुए। मैं सावधानी से घर तक पहुँचा। दीवार के किनारे फलों के पेड़ थे। पेड़ इतने ऊँचे हो गए थे कि एक आदमी की ऊँचाई के बराबर थे। मैं उनकी शाखाओं की छाया में खड़ा हो गया। अब मैं खिड़की से अंदर देख सकता था।

कमरे में सिर्फ़ दो लोग थे। सर हेनरी और स्टेपलटन। वे मेज़ के आमने-सामने, एक-दूसरे के सामने बैठे थे, इसलिए मैं उन्हें दोनों तरफ से देख सकता था। दोनों के हाथों में सिगार थे। मेज़ पर कॉफ़ी और थोड़ी शराब रखी थी। स्टेपलटन इशारे कर कुछ कह रहे थे। लेकिन हेनरी चुप थे। शायद वे स्टेपलटन की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे थे। हो सकता है उनके मन में उस सुनसान, वीरान घाटी से अकेले वापस लौटने का ख्याल चल रहा हो।

मैं देख रहा था। स्टेपलटन बड़ी आसानी से अपनी सीट से उठ खड़ा हुआ। उसके जाने के बाद, हेनरी ने अपना गिलास फिर से भरा और अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया, सिगार का धुआँ खींचते हुए। मुझे दरवाजे की चरमराहट सुनाई दी। फिर रेत पर कदमों की हल्की लेकिन स्पष्ट आवाज आई। कदमों की आवाज उसी दीवार के पास आ रही थी जिसके पास मैं खड़ा था। मैंने स्टेपलटन को बाहरी कमरे के दरवाजे पर देखा, जो पेड़ों के उसी तरफ था। वह वहाँ एक पल के लिए खड़ा रहा। ताले में चाबी डाली गई और घुमाई गई। जैसे ही वह अंदर गया, मुझे एक फुसफुसाहट सुनाई दी। बहुत धीमी। वह केवल एक या दो मिनट के लिए अंदर रहा था। वह

बाहर आया। एक बार फिर ताले और चाबी की आवाज आई। स्टेपलटन पीछे मुड़ा। रेत पर कदमों की आहट, बाज की तरह, सुनाई दी। कुछ ही क्षणों में स्टेपलटन उस कमरे के दरवाजे पर प्रकट हुआ जहाँ हेनरी बैठा था। वह अंदर गया और फिर से बात करने लगा। मैं उसी शांत कदमों से वापस मुड़ गया। वह होम्स के पास आया और उसे वह सब कुछ बताया जो उसने देखा था।
"तो आपका मतलब है कि बेरिल स्टेपलटन वहां नहीं थीं?" होम्स ने ठीक यही सवाल पूछा।
"ऐसा नहीं था।"
"तो फिर वह कहाँ होगी? रसोई के अलावा किसी भी कमरे में बत्ती नहीं जल रही है।"
होम्स ने अपना वाक्य समाप्त किया और हमारे ऊपर एक ठंडी हवा का झोंका आया। मेरिपिट हाउस के पीछे से। यह ग्रिम्पेन दलदल की ओर आ रही थी। मैंने उधर देखा। कोहरे का एक घना बादल हमारी ओर बढ़ रहा था। इतना घना कि ऐसा लग रहा था मानो कोई विशाल सफेद दीवार उसकी ओर बढ़ रही हो। रास्ते में पड़ने वाली छोटी पहाड़ियाँ और पेड़ धीरे-धीरे उस बादल में गायब हो रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो वह उन्हें निगल रहा हो और धीमी लेकिन स्थिर गति से हमारी ओर बढ़ रहा हो। मेरिपिट हाउस उस बादल और हमारे बीच में था।
"वह इस तरफ आ रहा है," होम्स ने घबराकर कहा।
क्या आपको हमारी चिंता है?
"बिल्कुल। मेरी सारी योजनाएँ उस कोहरे में खो सकती हैं। अब सच में समय हो गया है। लगभग दस बज गए हैं। हेनरी को कोहरा छाने से पहले बाहर निकल जाना चाहिए।"
ये दो बिल्कुल अलग-अलग दृश्य थे। ग्रिम्पेन दलदल की ओर बढ़ते कोहरे के पार कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। धीरे-धीरे वहाँ का नज़ारा धुंधला होता जा रहा था। और यहाँ हवा साफ़ थी। ऊपर हल्की चाँदनी थी। हवा ठंडी थी। चाँदनी में सामने वाले घर की आकृति और भी विशाल लग रही थी, ढलान वाली छत, आसमान के बीचोंबीच खड़ी धुआँ उगलती चिमनी। उससे निकलता धुएँ का हल्का सा निशान। और दो खिड़कियों से आती पीली रोशनी। उसकी किरणें बाहर आँगन तक भी पहुँच रही थीं। अचानक एक कमरे की बत्ती बुझ गई। रसोई में नौकरों ने अपना काम खत्म किया और चले गए। अब उस घर में सिर्फ़ दो लोग बचे थे। कातिल मेज़बान और भोला-भाला मेहमान।
हर पल कोहरा और करीब आता जा रहा था। अब तक इसने मालरान के आधे से ज़्यादा हिस्से को ढक लिया था। यहाँ भी अब थोड़ी धुंध छाने लगी थी। घर के चारों ओर कोहरे के घने गुच्छे छाए हुए थे। खिड़की से आती रोशनी में हवा के साथ वे लहराते हुए दिखाई दे रहे थे। कुछ ही मिनटों में कोहरा और घना हो गया। मेरिपिट हाउस चारों ओर से कोहरे से घिर गया था। अब केवल उसकी निचली मंजिल का कुछ हिस्सा, ऊपरी मंजिल, ढलान वाली छत और चिमनी ही

दिखाई दे रही थी। ऐसा लग रहा था मानो कोई नाव कोहरे की लहरों के बीच से यात्रा पर निकल पड़ी हो। हेनरी जितनी जल्दी बाहर आ जाए, हमारा काम उतना ही आसान हो जाएगा। लेकिन इस कोहरे ने हमारी योजना को गड़बड़ कर दिया था। होम्स बेचैन होकर मुट्ठी भींचने लगा।

"क्या हम थोड़ा पीछे उस पहाड़ी पर चलें? शायद वहां से हमें बेहतर दिखाई दे," मैंने पूछा।

"ठीक है। कुछ समय बाद, आप यहाँ आँख में उंगली डालकर भी नहीं देख पाएंगे," होम्स ने धीमी आवाज़ में सहमति जताई।

हम पीछे हट गए। अब हम मेरिपिट हाउस से लगभग आधा मील दूर थे। कोहरा घना होता जा रहा था। अब चारों ओर हल्की-हल्की चाँदनी की रोशनी थी। नज़ारा बेहद खूबसूरत होता, लेकिन अब वह अप्रिय लग रहा था।

"अब सतर्क रहो। उसे अपने से आगे मत निकलने दो। चाहे कुछ भी हो जाए, कोई भी अपनी जगह से न हिले। गोली चलाओ। सुनो, वह आ रहा है।"

कदमों की आहट ने सन्नाटा तोड़ दिया। हम पत्थरों के पीछे बैठ गए और सामने घने कोहरे में देखने लगे। आवाज़ करीब आती जा रही थी। और कोहरे के पीछे एक धुंधली सी आकृति दिखाई दी। कुछ ही कदमों में वह पूरी तरह कोहरे से बाहर आ गया। सर हेनरी। वह मेरिपिट हाउस से निकल चुके थे और, जैसा कि होम्स ने कहा था, बास्करविले हॉल की ओर घास के मैदान से अकेले चल रहे थे। कोहरा छंटते देख उन्हें खुद भी राहत मिली। वह तेज़ी से उस पहाड़ी की ओर चले जहाँ हम छिपे हुए थे। उन्हें आगे क्या होने वाला था, इसका ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। फिर भी उनके कदमों में सावधानी थी। इधर-उधर देखते हुए, वह पहाड़ी के लंबे रास्ते पर चढ़े और चले गए।

"सावधान रहो," होम्स ने अचानक सख्त होते हुए कहा। तभी उनकी पिस्तौल का ताला खुलने की आवाज़ आई। होम्स ने मेरिपिट हाउस की ओर मुड़कर कहा, "वह आ रहा है।"

घने कोहरे में कहीं से एक तेज़ आवाज़ आने लगी, जैसे कोई ढोल बज रहा हो। यहाँ से कोहरे का घना पर्दा 51 गज दूर था। हम तीनों बिना पलक झपकाए उसे देखते रहे। किसी भी पल उसमें से कुछ निकल सकता था। हम तीनों इतने सतर्क थे कि एक सेकंड के सौवें हिस्से को भी महसूस कर सकते थे। मैं होम्स के बगल में था, इसलिए मैं उसका चेहरा करीब से देख सकता था। उसके चेहरे पर किसी नाटक के अंत में नायक जैसा भाव था। उसकी आँखें चाँदनी में चमक रही थीं। एक पल उसकी गर्दन आगे झुक गई। कोहरे को देखते ही उसकी आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। और उसी क्षण लेस्ट्रेड ज़ोर से चीखा और ज़मीन पर गिर पड़ा। वह पीठ के बल पड़ा था। मैंने अपने पैर सीधे किए और सीधा खड़ा हो गया। पिस्तौल मेरे हाथ में थी। कोहरे के पीछे से एक

आकारहीन आकृति तेज़ी से आगे बढ़ी। मैं उसके आकार का अंदाज़ा नहीं लगा सका। पिस्तौल पर मेरा हाथ जम गया।

वह एक खूंखार कुत्ता था। काला, घने बालों वाला। मैं उसकी जलती हुई आँखों को कभी नहीं भूल पाऊँगा, जो अंगारों की तरह चमक रही थीं। मानो उसके मुँह से आग निकल रही हो। उसका जबड़ा जकड़ा हुआ था। उसकी पीठ के बाल खड़े हो गए थे। मैंने ऐसा खूंखार जानवर पहले कभी नहीं देखा था।

लेकिन उसका निशाना हम पर नहीं था। वह हेनरी पर था। होम्स पूरी तरह से अपने वश में था। उसने अपनी पिस्तौल का निशाना साध लिया था। हाउंड मुश्किल से ही आगे बढ़ा था कि होम्स की पिस्तौल से गोली चल गई। फिर हमारी पिस्तौल से। आसमान में एक भयानक, डरावना अंधेरा छा गया। हम तीनों में से किसी एक को गोली लगी होगी। लेकिन तब भी, हाउंड अपने सामने हेनरी को देख सकता था। हेनरी भी उस भयानक आवाज को सुनकर पीछे मुड़ा। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसकी दोनों भुजाएँ बेबस होकर ऊपर उठी हुई थीं। हाउंड बड़ी तेज़ी से उसकी ओर झपटा। गोली की आवाज से वह और भी डर गया था। अब हेनरी की मौत बस कुछ ही कदम दूर थी। होम्स तुरंत उस दिशा में मुड़ा और अच्छी गति से हाउंड की ओर दौड़ा। लेस्ट्रेड और मैं उसके पीछे-पीछे चले। इस समय तक हेनरी का मुँह बंद हो चुका था। वह भारी साँसें ले रहा था लेकिन कोई आवाज नहीं निकाल रहा था। पीछे हटते हुए वह लड़खड़ाया। और अपने हाथों को पीछे जमीन पर रखकर, वह अपनी ओर आते उस भयानक प्राणी को बिना हिले-डुले देखता रहा। हाउंड ने अपने दोनों पिछले पैर जमीन पर जमाए और आगे की ओर झपटा। उसने हेनरी की गर्दन का अंदाज़ा लगा लिया था। उसी क्षण होम्स ने धुंधली रोशनी में निशाना साधा और बची हुई पाँचों गोलियाँ झटपट दाग दीं। सभी गोलियाँ निशाने पर लगीं। हेनरी की ओर हवा में उठा धुआँ एक भयानक गर्जना के साथ उसके पैरों पर आकर गिरा। बस एक या दो फुट की दूरी पर। मैं भाग गया। मेरी पिस्तौल में अभी भी पाँच गोलियाँ बची थीं। मैंने सिर पर निशाना साधा। लेकिन अब गोलियाँ बर्बाद करने का कोई फायदा नहीं था। कुत्ता मर चुका था। चारों ओर एक अजीब सन्नाटा छा गया था।

हेनरी की हालत गंभीर हो गई थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। उसे पसीना आ रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। लेस्ट्रेड आगे बढ़ा। उसने हेनरी को सहारा दिया और उसे बिठाया। उसने अपनी कमीज़ के बटन खोले। उसने एक गहरी सांस ली। उसने अपनी जेब से ब्रांडी की बोतल निकाली और हेनरी को दो घूंट पिलाए। हेनरी ने अपने पीले होंठों पर जीभ फेरते हुए कहा, "हे भगवान! क्या हुआ?"

"वह भूत जो तुम्हारे परिवार को सताता है," होम्स ने कहा। वह अभी तक अपनी जगह से नहीं हटा था। उसकी निगाहें शिकारी कुत्ते पर टिकी हुई थीं।
वह विशालकाय जानवर आसमान की ओर मुंह करके लेटा हुआ था। वह किसी बड़े शिकारी कुत्ते या शिकारी कुत्ते से भी बड़ा था। उसमें दोनों की भयावहता झलक रही थी। हालांकि वह मर चुका था, फिर भी उसके चौड़े जबड़ों से लार टपक रही थी। उसके नुकीले दांत अभी भी मौजूद थे। उसकी लंबी जीभ बाहर लटकी हुई थी। उसके जबड़ों के किनारे बैंगनी-गुलाबी रंग से चमक रहे थे। उसकी आंखों के चारों ओर भी चमकते हुए घेरे थे। मैं आगे बढ़ा और अपनी उंगली उसके नम जबड़ों के किनारे पर फिराई। मेरी उंगलियां भी अंधेरे में चमकने लगीं।
मैंने कहा, "फॉस्फोरस।"
"नाटक के लिए किए गए मेकअप को देखिए," होम्स ने कहा। "सर हेनरी, मैंने आपको कोई पूर्वसूचना नहीं दी थी। इस अप्रत्याशित मुठभेड़ के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। मुझे एक बड़े जंगली कुत्ते जैसे प्राणी की उम्मीद थी। लेकिन यह उससे कहीं अधिक विशाल और भयावह निकला।"
"तुमने मेरी जान बचाई।" ब्रांडी पीने से हेनरी के शरीर में थोड़ी गर्मी महसूस हो रही थी।
"अब आप ठीक हैं? क्या आप खड़े हो सकते हैं?" होम्स ने पूछा। हेनरी ने बदले में लेस्ट्रेड से थोड़ी ब्रांडी मांगी। थोड़ी देर बाद उसने पूछा, "अब आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं? क्या आप चाहते हैं कि मैं आपके साथ कहीं चलूँ?"
"कहीं नहीं," होम्स ने हेनरी की ओर झुकते हुए कहा। "तुम्हें यहीं रुकना होगा। एक ही रात में दो रोमांचक अनुभव नहीं चाहिए। हममें से कोई एक तुम्हें बास्करविले हॉल ले जाएगा।"
हेनरी ने हमारे साथ आने की पेशकश की, लेकिन उनमें अब बिल्कुल भी ताकत नहीं बची थी। लेस्ट्रेड की मदद से, वह उठकर पास के एक पत्थर पर पैर फैलाकर बैठ गए।
"मेरी बात सुनिए, सर हेनरी। आपको हमारे साथ नहीं आना चाहिए। अब हर पल कीमती है। और हमने शिकारी कुत्ते का शिकार कर लिया है। अब बस उसके मालिक को ढूंढना बाकी है।"
हेनरी ने होम्स की बात से सहमति जताई। हम पहाड़ी से नीचे मेरिपिट हाउस की ओर चलने लगे। "अब उसके घर में मिलने की संभावना बहुत कम है। माघाच की गोलियों की आवाज़ से उसे ज़रूर समझ आ गया होगा कि क्या हो रहा है।"
"लेकिन हम बहुत दूर थे। और घने कोहरे के कारण जब तक आवाज उस तक पहुंचती, तब तक वह यहां दब जाती।"
नहीं। वह कुत्ते के पीछे-पीछे उसे वापस बुलाने के लिए गया होगा। लेकिन चलिए अंदर जाकर पक्का कर लेते हैं।

हम धुंध भरे रास्ते से मेरिपिट हाउस पहुँचे। सामने का दरवाज़ा खुला था। हम जल्दी से अंदर चले गए। बीच के गलियारे में हमने एक जर्जर बूढ़े नौकर को देखा। वह ज़्यादा हिल-डुल नहीं पा रहा था। भोजन कक्ष, जो पहले हल्की रोशनी से जगमगा रहा था, अब अँधेरा था। होम्स ने लैंप ढूँढा और हर कोने की तलाशी शुरू कर दी। स्टेपलटन कहीं नज़र नहीं आया। वह ऊपर गया। वहाँ के कमरों में से एक में ताला लगा हुआ था।

"अंदर कोई है। मुझे लगता है कि मुझे यह दरवाजा खोलना होगा," लेस्ट्रेड ने कहा।

अंदर से कराहने की आवाज़ आई। होम्स ने ताले पर ज़ोर से लात मारी और वह टूट गया। दरवाज़ा खुल गया। हम पिस्तौलें हाथ में लिए अंदर घुस गए। स्टेपलटन वहाँ नहीं था, लेकिन हमारे सामने का दृश्य चौंकाने वाला था।

कमरा एक छोटा संग्रहालय जैसा था। दीवारों पर तितलियों और फूलों के फ्रेम लगे थे। यह स्टैपलटन का शौक था। कमरे के बीचोंबीच एक पुराना, सड़ा हुआ लकड़ी का खंभा था। किसी तरह वह ऊपर की छत को सहारा दे रहा था। खंभे से कोई बंधा हुआ था। हमने सिर्फ अंदाज़ा लगाया कि वह एक आदमी होगा। वह आकृति तौलिये, चादर आदि से ढकी हुई थी, इसलिए यह बताना असंभव था कि वह पुरुष है या महिला। एक तौलिया गर्दन के चारों ओर बंधा हुआ था और उसके दोनों सिरे खंभे के पीछे कसकर बंधे थे। दूसरा सिरा चेहरे को ढके हुए था। उसमें से दो आँखें दिखाई दे रही थीं। उसमें सिर्फ बेबसी और अत्यधिक भय का भाव था। हम आगे बढ़े। गांठें खोली गईं और बेरिल स्टैपलटन आज़ाद हो गईं। उनके गले में लिपटा तौलिया दिखाई दे रहा था।

“वह बेहोश है,” होम्स चिल्लाया। एक बार फिर लेस्ट्रेड की ब्रांडी का असर दिख रहा था। थोड़ी मशक्कत के बाद बेरिल को होश आया। उसने अपनी आँखें खोलीं। हमने उसे खंभे के सहारे बिठा दिया।

"वह कैसा है?" उसने हमारी ओर देखते हुए पूछा। "क्या उसे कुछ हुआ है?"

"वह हमसे बच नहीं सकता, महोदया।"

"नहीं। मैं अपने पति के बारे में नहीं पूछ रही हूँ, मैं हेनरी के बारे में पूछ रही हूँ। वह कैसा है?"

"बहुत ही आरामदायक"

"और फिर... वो शिकारी कुत्ता?" उसने शरारती अंदाज़ में पूछा।

"गोरा।"

उसने एक लंबी आह भरी।

"हे भगवान... आपने मुझे बचा लिया... देखो उस मूर्ख ने मेरे साथ क्या किया।" उसने अपने दोनों हाथ हमारे सामने फैलाते हुए कहा। उसके हाथों पर काले-नीले निशान थे। उसके चेहरे पर

भी कई खरोंचें थीं। उसकी कोहनियों पर भी खरोंच के निशान थे। उसके बाल बिखरे हुए थे। "पर ये तो कुछ खास नहीं लगता।" उसने अपने हाथ नीचे करते हुए कहा। "उसने मुझे धोखा दिया। उसने मुझे छल किया। झूठा। दुष्ट।" उसे अपने ही पति के बारे में इस तरह बोलने पर बहुत बुरा लग रहा था। वह अपमान से उबल रही थी। वह सिसकते हुए बोलने लगी। "मेरा इस्तेमाल किया गया। एक कठपुतली की तरह... एक खिलौने की तरह।" और फिर वह आगे कुछ नहीं बोल पाई। उसने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया और रोने लगी। केवल दबी हुई सिसकियाँ ही सुनाई दे रही थीं।

"वह अब कहाँ है? अपने रिश्ते को एक तरफ रखते हुए, मुझे बताओ," होम्स ने सीधे पूछा।

"उसी जगह पर," बेरील ने बिना झिझक के कहना शुरू किया। "ग्रिम्पेन दलदल के बीचोंबीच एक पुरानी खदान है। दलदल और द्वीप के बीच की यह जगह किसी गुप्त स्थान जैसी है। हाउंड को वहीं रखा जाता था। मुश्किल समय में छिपने के लिए उसे वहीं पनाह दी जाती थी। वह वहीं गया होगा।"

खिड़की के बाहर घना कोहरा छाया हुआ था। होम्स ने कोहरे में देखा और कहा, "अब उस दलदल से कोई भी रास्ता नहीं ढूंढ पाएगा।"

अचानक बेरिल के चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान आ गई। उसके खूबसूरत लेकिन थके-हारे, ज़ख्मी चेहरे पर वह मुस्कान जानलेवा लग रही थी। उसकी आँखें भी अजीब सी चमक रही थीं। वह मानो पागलपन के दौरे में हो, खुद से बातें करने लगी।

"हो सकता है कि एक दिन उसे वहाँ पहुँचने का रास्ता मिल जाए। लेकिन वापस आने का कोई रास्ता नहीं है। उस दलदल में खोए बिना खदान तक पहुँचना आसान नहीं है। मैंने और उसने रास्ता खोजने में मदद के लिए छोटे-छोटे निशान लगाए थे। लेकिन आज सुबह मैंने उन्हें उखाड़ दिया।" यह कहते ही उसके चेहरे के सारे भाव गायब हो गए। उसका चेहरा एकदम खाली था। केवल उसकी आँखें कह रही थीं, "यही वह सज़ा थी जिसका वह हकदार था।"

कोहरा छंटने तक वहां जाने का कोई फायदा नहीं था। मेरिपिट हाउस की जिम्मेदारी लेस्ट्रेड को सौंपकर हम दोनों बास्करविले हॉल आ गए। अब हेनरी से स्टेपलटन के बारे में सच्चाई छिपाने की कोई जरूरत नहीं थी। उसने भी शांति से सब कुछ सुन लिया। स्टेपलटन और बेरिल के बीच के सच्चे रिश्ते के बारे में जानकर वह दुखी हुआ, लेकिन उसने इसे बड़ी हिम्मत से स्वीकार किया। फिर भी, रात में जो कुछ हुआ था, उसने उसे अंदर-बाहर से झकझोर दिया था। उसे सुबह तक बुखार रहा। उसकी देखभाल के लिए डॉक्टर मोर्टिमर को बुलाया गया। वे दोनों अच्छे दोस्त थे। लेकिन इन सभी घटनाओं ने उन्हें और भी करीब ला दिया था। आगे चलकर, उन दोनों ने साथ मिलकर दुनिया घूमने का अपना सपना भी पूरा किया।

खैर, स्टेपलटन और हाउंड मामले का अंतिम चरण समाप्त हो गया था। होम्स ने अपनी सूझबूझ और साहस से हेनरी की जान एक बेहद खतरनाक स्थिति से बचा ली थी। अब बस स्टेपलटन को ढूंढना बाकी था। उस दलदल में उसे ढूंढना मुश्किल था, लेकिन होम्स ने वहां जाने का फैसला किया।

भोर हो चुकी थी। कोहरा छट गया था। हम ग्रिम्पेन की ओर चल पड़े। बेरील सही थी। उसे वहाँ जाना ही था, चाहे उसने कितनी भी पीड़ा सही हो। अब उसे स्टेपलटन पर ज़रा भी दया नहीं आ रही थी। इसके विपरीत, अब वह बेझिझक उसकी सारी जानकारी और राज़ बाँट रही थी। उसके मन का बोझ हल्का हो गया था। हम दलदल पहुँच गए। वह सचमुच एक भयानक जगह थी। एक ऐसी ज़मीन जो ज़मीन जैसी दिखती थी, लेकिन जैसे ही हम उस पर कदम रखते, वह हमें निगल जाती थी। वहाँ कई बड़े-बड़े तालाब थे। उनकी गहराई का अंदाज़ा तल में उतरे बिना नहीं लगाया जा सकता था। दलदल में फँसा कोई भी बड़ा जानवर ज़िंदा नहीं बच पाता। उस दिन मैंने इसी दलदल में एक बड़े बैल को डूबते देखा था। ठोस ज़मीन ढूँढ़ना और बीच तक पहुँचना मुश्किल था। हर जगह फिसलन थी। कीचड़ और ज़मीन पर तरह-तरह की झाड़ियाँ उग आई थीं। इसके अलावा, आसपास जीवन का कोई निशान नहीं था। कुछ झाड़ियाँ यूँ ही सड़ रही थीं। उनकी बदबू चारों ओर फैल रही थी। सुबह होने के बावजूद, आसमान में एक भी पक्षी नहीं था। हर तरफ सन्नाटा छाया हुआ था। ऐसा लग रहा था मानो कोई विशालकाय जानवर अपने शिकार को खाने के बाद सो गया हो।

बेरिल वाकई धैर्यवान थी। उसे इस इलाके के बारे में काफी जानकारी रही होगी। वह स्टैपलटन के साथ अक्सर यहाँ आती रही होगी। उसने उंगली से रास्ता दिखाया। जगह-जगह ज़मीन पर उसके उखाड़े हुए कुछ चिन्ह दिखाई दे रहे थे। पिछली रात के घने कोहरे में स्टैपलटन ने उन्हें ज़रूर नहीं देखा होगा। होम्स और मैं धीरे-धीरे चल रहे थे, हम दोनों एक-दूसरे का सहारा ले रहे थे। यह रास्ता ऐसा नहीं था। हर कदम संभलकर रखना था। हमारे जूते फिसलन भरी ज़मीन पर फिसल रहे थे। जूतों के तलवे कीचड़ से सने हुए थे। हमारे कदम भारी थे। हम इधर-उधर देखते रहे। और हमारे सामने झाड़ियों के पास ज़मीन पर हमें कुछ पदचिह्न दिखाई दिए। वे कुछ दूर तक चले थे। यह निश्चित था कि हमसे पहले कोई यहाँ आया था। हम आगे झुके और देखा। और मेरा पैर उस फिसलन भरी ज़मीन पर फिसल गया। मैं दलदल के बिल्कुल किनारे पर खड़ा था। जिस झाड़ी को मैंने गिरते समय पकड़ा था, वह भी दलदल से ही निकली थी। मैं आगे बढ़ता जा रहा था। होम्स नीचे झुका और मुझसे हाथ मिलाने की कोशिश की। उसके पैर भी कांप रहे थे। और मेरे पीछे-पीछे होम्स भी दलदल में गिर गया। हम दोनों कमर तक डूब गए। हमारे पैर

ज़मीन तक नहीं पहुँच पा रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो कोई विशालकाय अजगर अपनी साँसों से मुझे अंदर खींचने की कोशिश कर रहा हो।

"जल्दी मत करो, वॉटसन। सब ठीक हो जाएगा। बस अपनी बाहें फैलाओ। अपने शरीर को बड़ा करो," होम्स चिल्लाया। हम दोनों ने अपनी बाहें फैला दीं। अब छटपटाना बंद हो गया। हम कुछ देर तक ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए तैरते रहे। तभी होम्स का हाथ किसी चीज़ से टकराया। दलदल में तैरती हुई एक छोटी सी वस्तु। उसने उसे उत्सुकता से बाहर निकाला। वह हेनरी का जूता था।

होम्स ने हंसते हुए कहा, "कीचड़ में नहाना तो फायदेमंद रहा। हेनरी के इस जूते को देखो। इसकी गंध से ही उसने अपने शिकारी कुत्ते को हेनरी के पीछे लगा दिया होगा। पिस्तौल की आवाज सुनकर उसे समझ आ गया होगा कि उसकी योजना नाकाम हो गई है। और गुस्से में आकर वह हेनरी का जूता हाथ में लेकर इस दलदल की तरफ भागा होगा। तो वह ज़रूर इस जगह तक पहुँच गया होगा।" होम्स को दलदल में फंसने के डर से ज़्यादा खुशी जूता मिलने की थी। यही इस मामले की आखिरी कड़ी थी।

हम किसी तरह बाहर निकल आए और आगे बढ़ने लगे। हम उस खदान तक पहुँचे। यहाँ ज़मीन ठोस थी। और स्टैपलटन का कहीं कोई निशान नहीं था। उसके यहाँ आने का कोई संकेत नहीं था। मिली जानकारी से ज़्यादा कुछ जानना संभव नहीं था। इसका मतलब था कि वह रात के घने कोहरे में इस दलदल में फँस गया था। वह गहरे कीचड़ में धँस गया था। दलदल ने उसके खनन के सारे निशान मिटा दिए थे। स्टैपलटन गुस्से में आकर उस दलदल की तलहटी में चला गया था। एक दुष्ट व्यक्ति मारा गया। उसके अपने ही आश्रय ने उसे मार डाला।

यह खदान शायद कभी इस्तेमाल में रही होगी। लेकिन अब वहाँ कुछ भी नहीं था। वह जगह वीरान और सुनसान थी। कुछ बड़ी मशीनें जंग खा रही थीं। दूसरी तरफ कुछ जर्जर घर थे, जैसे कोई झोपड़ी। ये खनिकों के लिए ही बने होंगे। उस दिशा से कुछ दुर्गंध आ रही थी। जब मैंने एक घर के दरवाजे से झाँका, तो मुझे कारण पता चल गया। वहाँ हड्डियों का ढेर लगा था। सभी हड्डियों पर किसी बड़े जबड़े वाले जानवर के काटने के निशान थे। एक मजबूत लोहे के खंभे से एक जंजीर बंधी थी। यहीं पर शिकारी कुत्ते को बांधा जाता था।

“अब डॉ. मोर्टिमर के पास अपने प्यारे कुत्ते को वापस पाने का कोई मौका नहीं है,” होम्स ने एक दिशा में देखते हुए कहा। दीवार के सहारे हड्डियों के ढेर पर एक घुंघराले बालों वाले स्पैनियल कुत्ते की खाल पड़ी थी। “स्टैपलटन ने कुत्ते को यहाँ छिपाया था, लेकिन वह उसकी आवाज़ को नहीं छिपा सका। घास के मैदान में गूँजने वाली वह अप्रिय आवाज़ यहीं से आ रही होगी। देखो इस डिब्बे में क्या है। तुम्हारी रसायन शास्त्र की पढ़ाई काम आएगी।” मैं आगे बढ़ा। डिब्बा एक

चमकदार, गाढ़े रसायन से भरा था। यह फॉस्फोरस का मिश्रण था। इसे कुत्ते के जबड़ों और आँखों के आसपास लगाया गया था। इससे वह अंधेरे में और भी भयानक दिख रहा था।
एक हत्यारा मर चुका था। दलदल ने उसे बिना कोई निशान छोड़े निगल लिया था। हम दोनों वहाँ स्तब्ध खड़े थे। हमारे शरीर पर लगी मिट्टी सूख चुकी थी। लेकिन अब हल्की सी हवा भी ताजगी भरी लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानो यह इलाका एक बार फिर खुलकर सांस ले रहा हो।

१५

नवंबर नजदीक आ रहा था। बास्करविल मामले को काफी समय बीत चुका था। तब से दो और मामले सुलझ चुके थे। होम्स के पास बास्करविल मामले पर बात करने का समय नहीं था। वह एक समय में केवल एक ही मामले पर ध्यान केंद्रित कर सकते थे, और होम्स उस समय हुई घटनाओं के बारे में बात करने के इच्छुक नहीं थे। फिर भी, मेरे मन में कई सवाल अनुत्तरित रह गए थे। डॉ. मोर्टिमर और हेनरी दोनों ही ताज़ी हवा लेने के लिए लंदन आए थे। उन्होंने हमें उस दोपहर के खाने पर आमंत्रित किया था। रात के शांत समय में, यह विषय फिर से मेरे मन में उठा। मैं होम्स से बात करवाने की कोशिश कर रहा था।

"वॉटसन। यह मामला बहुत सरल और सीधा था। ज़ाहिर है, स्टेपलटन के नज़रिए से। यह ज़्यादा जटिल इसलिए लग रहा था क्योंकि हम सिर्फ़ एक पक्ष और ऊपरी तौर पर हो रही घटनाओं को देख रहे थे। हम गुमराह हो गए क्योंकि हमें ठीक से पता नहीं था कि वह क्या हासिल करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन अब सब कुछ सामने आ गया है। अगर कोई शक हो तो उस खाई में देखो। तुम्हें अपने सभी सवालों के जवाब 'बी' नंबर वाली फ़ाइल में मिल जाएँगे," होम्स ने कहा। वह उस विषय पर दोबारा बात नहीं करना चाहता था। पीछे मुड़कर अपनी सफलता की तारीफ़ करना उसके स्वभाव में नहीं था। "आँखें खुली रखकर वर्तमान में जियो" उसका सिद्धांत था। "मुझे अब सब कुछ याद नहीं है," उसने बात टालने की कोशिश की। लेकिन मैंने हार नहीं मानी।

"मैंने वो फाइल पढ़ ली है, होम्स। लेकिन उसमें सब कुछ नहीं लिखा है। और तुम भी ये जानते हो।" मैंने होम्स को चिढ़ाते हुए कहा।

होम्स ने मेरी तरफ देखा और अपनी पाइप को अपने सामने लगे टेंट पर रख दिया, यह इस बात का संकेत था कि वह बोलने के लिए तैयार थे।

संगतवार, मुझे जितना याद है, मैं आपको बताऊंगी। इस मामले में आपकी अहम भूमिका है। अगर मैं कहीं अटक जाऊं, तो आप मेरी मदद कर सकती हैं। मुझे पहले से ही कुछ संदेह थे। बास्करविल हॉल में लगी उस तस्वीर ने मेरी शंका दूर कर दी। स्टेपलटन 'बास्करविल' परिवार से था। यह सर चार्ल्स के छोटे भाई, रोजर बास्करविल का बेटा है। जब मॉर्टिमर यहां आया था, तो उसने मुझे बास्करविल परिवार के बारे में बताया था, याद है? रोजर बास्करविल। स्कर्वी और अन्य समस्याओं के कारण वह यहां नहीं रह सका, इसलिए वह अमेरिका चला गया और वहां पीत ज्वर से उसकी मृत्यु हो गई। मॉर्टिमर ने कहा कि उसने शादी नहीं की, लेकिन यह सच नहीं है। उसने शादी की थी। उसका एक बेटा था। वह स्टेपलटन है। उसका नाम भी उसके पिता के नाम पर रोजर रखा गया था। उसने बेरिल गार्सिया से शादी की, जो कोस्टा रिका में रहती

है। उसने अमेरिका में खूब पैसा कमाया। जब मामला गंभीर हो गया, तो उसने अपना असली नाम 'रोजर' बदलकर 'वैंडेलर' रख लिया और इंग्लैंड भाग गया। इंग्लैंड जाते समय उसकी मुलाकात एक आदमी से हुई जिसका नाम था नाव पर सवार 'फ्रेजर' एक शिक्षक थे। उन्हें कोई असाध्य रोग था। उनकी मृत्यु निकट थी। फ्रेजर का हाथ थामकर स्टेपलटन उर्फ रोजर उर्फ वेंडेलर ने यॉर्कशायर के आसपास एक स्कूल शुरू किया। शिक्षण के क्षेत्र में उन्हें कोई पहचानता नहीं था, किसी को उन पर शक भी नहीं होता था। लेकिन फिर फ्रेजर की मृत्यु हो गई। किसी कारणवश स्कूल की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई, तब उन्होंने अपना नाम फिर से बदल लिया। 'स्टेपलटन'। और वे इंग्लैंड के इस हिस्से में आ गए। कीट विज्ञान में उनका ज्ञान सचमुच अद्भुत था। यॉर्कशायर में रहते हुए भी उन्होंने अपना अध्ययन जारी रखा। उन्होंने एक दुर्लभ कीट प्रजाति की खोज भी की। उस कीट का नाम भी उनके तत्कालीन नाम 'वेंडेलर' पर रखा गया। यह सारी जानकारी मुझे ब्रिटिश संग्रहालय से मिली है।

लेकिन हम उन्हें स्टेपलटन के नाम से जानते हैं। स्टेपलटन अपने पूर्वजों, बास्करविल परिवार के बारे में अच्छी तरह जानते थे। इतनी बड़ी जागीर पर केवल दो ही लोग राज कर सकते थे। जब वे पहली बार डेवनशायर आए, तो उनकी योजनाएँ अस्पष्ट थीं। पहला कदम अपनी पत्नी बेरिल को यहाँ अपनी सगी बहन की तरह लाना था। बेशक, उस समय कोई बड़ी योजना नहीं थी। लेकिन वे उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहे होंगे। उनका लक्ष्य बास्करविल की जागीर हासिल करना था। और इसके लिए वे किसी भी हद तक जा सकते थे। शतरंज में उनका पहला दांव बास्करविल हॉल के जितना संभव हो सके करीब पहुंचना और सर चार्ल्स से दोस्ती करना था।

एक समय ऐसा आया जब सर चार्ल्स ने उन्हें बास्करविल्स के शिकारी कुत्ते की कहानी सुनाई और अपनी मृत्यु की घोषणा कर दी। डॉ. मोर्टिमर ने स्टैपलटन को बताया था कि सर चार्ल्स का हृदय इतना कमजोर था कि मानसिक आघात भी उनकी जान ले सकता था। उन्हें यह भी पता चला कि वे किंवदंतियों और अन्य अंधविश्वासों में विश्वास करते थे। उन्होंने एक रास्ता खोज निकाला। हत्या नहीं होगी और इतनी बड़ी संपत्ति आसानी से प्राप्त हो जाएगी।

एक बार जब यह विचार उनके मन में आ गया, तो उन्होंने इसे हकीकत में बदलने के लिए हर छोटी-बड़ी बात पर बारीकी से काम करना शुरू कर दिया। कोई और होता तो सर चार्ल्स को डराने के लिए किसी भी बड़े कुत्ते का इस्तेमाल कर लेता। लेकिन स्टैपलटन चतुर थे। उन्होंने लंदन की 'रॉस एंड मेंगल्स' फर्म से वह बड़ा शिकारी कुत्ता खरीदा। वहां से नॉर्थ डेवन लाइन उसे बिना किसी को बताए यहां ले आई। जब वह कीड़े-मकोड़े पकड़ने के लिए दलदलों में घूमते थे, तो उन्हें ग्रिम्पेन मार्शेस के सुरक्षित रास्ते पता थे। उन्होंने कुत्ते के लिए एक सुरक्षित जगह ढूंढ ली

थी। उसकी आवाज सुनकर कोई भी वहां उसे ढूंढने नहीं जा सकता था। यह सब तैयार करने के बाद, उन्होंने सही मौके का इंतजार किया।

उस शाम वह कूम्ब ट्रेसी गया और लौरा लायंस से कहा कि वह सर चार्ल्स से मदद न मांगे। अब उसके पास काफी समय था। सर चार्ल्स को दस बजे द्वार पर खड़ा होना था। स्टेपलटन कूम्ब ट्रेसी से सीधे ग्रिम्पेन मार्श गया। उसने वहाँ खदान में कुत्ते को तैयार किया। उसने उसके मुंह पर फॉस्फोरस पेंट लगाया, आदि, और उसे बास्करविले हॉल ले गया। उसने कुत्ते को खूब छेड़ा। कुत्ता द्वार पर खड़े सर चार्ल्स की ओर झपटा। उस भयानक प्राणी को अचानक देखकर सर चार्ल्स भयभीत हो गए। और भागते-भागते यू गली के अंत में उन्हें दिल का दौरा पड़ गया और उनकी मृत्यु हो गई। कुत्ता हरे मैदान पर दौड़ रहा था और स्टेपलटन पक्की सड़क पर। इसलिए, उसके पैरों के निशान नहीं मिले। जब सर चार्ल्स गिर पड़े, तो कुत्ता उनके पास गया। उसने उनके शरीर को सूंघा। वह मर चुके थे। कुत्ते मरे हुए जानवरों को नहीं खाते। वह वापस मुड़ गया। तभी डॉ. मोर्टिमर ने दिखाई देने वाले पैरों के निशान देखे। जैसे ही शिकारी कुत्ता मुड़ा, स्टेपलटन उसे वापस दलदल में ले गया। बाहर से देखने पर किसी को भी शक नहीं होता कि यह हत्या थी।

स्टैपलटन की पत्नी बेरिल और लौरा लायंस को भी उस पर शक था। बेरिल उसके इरादों से पूरी तरह वाकिफ थी। उसने तो उसकी मदद करने से भी इनकार कर दिया था। लेकिन वे कुछ भी साबित नहीं कर पाईं। प्रदर्शन का पहला भाग तो अच्छे से हो गया था, लेकिन अभी एक दूसरी बाधा बाकी थी। सर हेनरी।

हो सकता है कि उसे इस समय तक यह पता न हो कि संपत्ति का एक और वारिस है। लेकिन उसे यह बात मॉर्टिमर से पता चली। और यह भी कि वारिस हेनरी जल्द ही यहाँ आने वाला है। स्टैपलटन ने हेनरी के यहाँ पहुँचने से पहले ही उसे लंदन में मारने की योजना बनाई थी। बेरील उसे उसकी अनुपस्थिति में यहाँ अकेला नहीं छोड़ सकती थी। क्योंकि वह सतर्क नहीं रहती और यहाँ कुछ ऐसा कर सकती थी जिससे मॉर्टिमर जाल में फँस जाता। इसलिए वह उसे अपने साथ लंदन ले गया। मुझे अपने सूत्रों से पता चला है कि वह मैक्सबोरो होटल में रुका था। उसने बेरील को उसके कमरे में बंद कर दिया और दाढ़ी बनाकर मॉर्टिमर की तलाश में निकल पड़ा। पहले यहाँ, फिर थाने और फिर नॉर्थम्बरलैंड होटल। बेरील उसकी गतिविधियों को समझ सकती थी लेकिन वह हेनरी की खुलेआम मदद नहीं कर सकती थी। यह उसकी अपनी जान को खतरे में डालने जैसा था। क्योंकि स्टैपलटन ने अब अपना क्रूर स्वभाव प्रकट कर दिया था। उसने बेरील को बहुत पीटा था। अगर उसकी अपनी लिखावट में लिखा पत्र स्टैपलटन के हाथ लग जाता तो वह विरोध नहीं कर पाती। इसलिए उसने अखबारों की जाली प्रतियों से इसे तैयार किया और किसी और के माध्यम से हेनरी को भेज दिया। हेनरी को खतरे का आभास हो गया।

और मैं आपको एक बात बता दूं, वॉटसन, क्या आपको याद है कि आपने उस पत्र की जांच कैसे की थी? वे पत्र किस अखबार से लिए गए थे, उन्हें कैसे काटा गया था, वगैरह। लेकिन जांच करते समय, मुझे इत्र की हल्की सी खुशबू आई। यह 'सफेद चमेली' का इत्र था। इसे केवल महिलाएं ही इस्तेमाल करती हैं। तभी मुझे एक बात समझ में आई कि इस मामले में एक महिला शामिल है। बाद में, जब मैंने बेरिल को देखा, तो स्टेपलटन के बारे में मेरा संदेह पक्का हो गया।

स्टैपलटन को अब हेनरी की कोई ऐसी चीज़ चाहिए थी जिसका इस्तेमाल वह शिकारी कुत्ते को गंध देने के लिए कर सके। उसने नॉर्थम्बरलैंड होटल के वेटर को हेनरी का जूता लाने के लिए पैसे दिए। लेकिन वह जूता नया था, इस्तेमाल नहीं हुआ था। वह किसी काम का नहीं था। स्टैपलटन ने जूता वापस भेज दिया और दूसरा इस्तेमाल किया हुआ जूता मंगवाया। यही उसकी योजना का सबसे मुश्किल हिस्सा था। दोनों जूतों में से एक चोरी हो गया था। उसका इस्तेमाल शिकारी कुत्ते को गंध देने के अलावा किसी और काम के लिए नहीं किया जा सकता था। जूते की चोरी ने ही मुझे बताया कि यह मामला किसी काल्पनिक शिकारी कुत्ते का नहीं, बल्कि एक असली शिकारी कुत्ते का है।

अगले दिन वह फिर हेनरी के पीछे गया। अब तक उसे पता चल चुका था कि मुझे इस मामले में दिलचस्पी है। उसने बग्गी के ड्राइवर को मेरा नाम बताया और साथ में मुझे एक संदेश भेजा, जिसमें लिखा था, ‘मैंने सब कुछ पता लगा लिया है। मैं भी चालाक हूँ।’ लेकिन अब उसके लिए यहाँ रुकना बेकार था। क्योंकि उसने हेनरी और मोर्टिमर को होटल से बाहर न निकलने और सावधान रहने का निर्देश दिया था। वह बेरिल को लेकर चला गया। और सही समय का इंतज़ार करने लगा।

मैंने बीच में कहा, "एक मिनट रुकिए।" यह सब कंपनी तो ठीक है, लेकिन जब स्टेपलटन लंदन में होंगे तो उस कुत्ते की देखभाल कौन करेगा? उसके खाने-पीने वगैरह की?

होम्स ने मेरी ओर प्रशंसा भरी निगाहों से देखा। "मैंने भी उसके बारे में सोचा है, वॉटसन। क्या तुम्हें वह बूढ़ा नौकर याद है जिसे तुमने मेरिपिट हाउस में प्रवेश करते समय देखा था? उसका नाम एंथोनी था। वह कई सालों से स्टेपलटन के साथ है। उस असफल स्कूल के प्रयास के बाद से। वह जानता था कि बेरिल और स्टेपलटन पति-पत्नी हैं। एंथोनी कोई ब्रिटिश नाम नहीं है। यह स्पेनिश या अमेरिकी मूल का है। यह नौकर स्पेनिश-अमेरिकी लहजे में अंग्रेजी बोलता है। वह स्टेपलटन के साथ अमेरिका से भागा होगा। स्टेपलटन ने उसे काम दिया, उसकी देखभाल की और उसका इस्तेमाल किया। मैंने खुद इस एंथोनी को दलदल की ओर जाते देखा था जब मैं दलदल में छिपा हुआ था। शायद उसे पता नहीं था कि उसका मालिक शिकारी कुत्ते के साथ क्या करने वाला है। लेकिन उसने शिकारी कुत्ते पर नज़र रखी।"

मैं लंबे समय से होम्स से एक और सवाल पूछना चाहता था: "आप मलराना के ऊपर पहाड़ी पर बनी उस पत्थर की झोपड़ी में इतने लंबे समय तक कैसे रह सकते थे?"
होम्स ने बस मुस्कुरा दिया। "क्या सोचते हो, वॉटसन? ओह, मैं वहाँ ज़्यादा देर नहीं रुका। मैं ज़्यादातर कूम्ब ट्रेसी में ही रहा। वहाँ से मेरे लिए स्टेपलटन पर नज़र रखना आसान था। जब मैं वहाँ था, कार्टराइट तुम्हारी गतिविधियों पर नज़र रखता था। इससे मुझे दोनों बातें समझने में आसानी हुई। मैं उस झोपड़ी में तभी रुकता था जब सच में ज़रूरत होती थी। मैंने लंदन पोस्ट ऑफिस को भी कहा था कि तुम्हारी लिखी रिपोर्टें कूम्ब ट्रेसी के पते पर भेज दें। मुझे वे बस एक दिन देरी से मिलीं। मुझे स्टेपलटन के अतीत के बारे में जानकारी भी उसी डाक से मिली। कार्टराइट मुझे वे सारे कागज़ात लाकर देता था। इसके अलावा, मुझे उससे समय पर खाना, पानी और साफ़ कपड़े भी मिलते थे।"
जब बीच में सेल्डन का मामला सामने आया, तो स्थिति वाकई बहुत जटिल हो गई थी। पेचीदगियां और भी बढ़ गई थीं। सेल्डन और बैरीमोर के बीच के रिश्ते ने शक की सुई उनकी तरफ मोड़ दी थी। लेकिन आपने इसे बखूबी सुलझा लिया।
हेनरी को बेरील से सचमुच प्यार हो गया था। लेकिन दुर्भाग्य से, यह प्यार टूट नहीं सका। उसके मन में यह शंका बनी रही कि बेरील ने उसे धोखा दिया है। वह इस शंका से छुटकारा नहीं पा सका। लेकिन बेरील का साहस सराहनीय था। वह समय-समय पर हेनरी को चेतावनी देने की कोशिश करती रही। लेकिन हर बार स्टैपलटन के डर ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। जब स्टैपलटन उसे अपनी बहन बनाकर यहाँ लाया, तब बेरील को लगा कि वह उसकी कठपुतली बन गई है। स्टैपलटन खुद बेरील और हेनरी के बीच आकर्षण पैदा करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दूसरी तरफ वह उनके बीच पनप रही नज़दीकी से ईर्ष्या भी करता था। इसी वजह से उसने बेरील पर अपनी नज़र और भी कड़ी कर ली। हेनरी पर हमले से एक रात पहले जब सेल्डन की मृत्यु हुई, तब बेरील को हेनरी की हत्या की योजना का पता चला। उसे यह भी पता चला कि हाउंड को ग्रिम्पन से मेरिपिट हाउस लाया गया था और उसे वहीं रखा गया था। उसे बाहरी कमरे में रखा गया था। बेरील ने स्टैपलटन का पुरजोर विरोध करने की कोशिश की। लेकिन स्टैपलटन ने उसे पीटा और ऊपरी मंजिल पर बांध दिया। उसका मुंह भी बांध दिया गया था ताकि वह चिल्ला न सके। लेकिन आखिरकार, बेरिल स्पेनिश मूल की थी। वह इतनी आसानी से हार नहीं मानती। स्टेपलटन ने एक और बड़ी गलती कर दी। लेकिन अब उसे चिढ़ाने का कोई फायदा नहीं है। वॉटसन। मैंने अपना काम खत्म कर दिया है।'
"आखिरी सवाल, होम्स," मैंने उससे जल्दबाजी में पूछा, "अगर स्टैपलटन हेनरी के कांटे को हटाने में सफल भी हो जाता, तो वह बास्करविल की संपत्ति का उत्तराधिकारी कैसे बन पाता?"

होम्स ने मेरी ओर प्रशंसा भरी निगाहों से देखते हुए अपनी पाइप उठाई। वे खिड़की के पास गए। "यह बहुत बड़ी गलती थी। लालची आदमी अंधा होता है, वॉटसन। वह अमेरिका वापस जाकर अपनी पुरानी पहचान हासिल करने का जोखिम नहीं उठा सकता था। उसके जैसा अपराधी बहुत ही जाली दस्तावेज़ तैयार करता, भेष बदलकर धोखा देने की कोशिश करता। लेकिन किसी भी हालत में वह मुसीबत में पड़ जाता। मुझे आश्चर्य है कि स्टैपलटन, जो इतना बुद्धिमान था, यह कैसे नहीं सोच पाया, शायद उसने सोचा हो। लेकिन अब वह विचार उसके साथ ही ग्रिम्पेन मार्श में गायब हो गया है।" होम्स खिड़की से नीचे देख रहे थे। बास्करविल मामला समाप्त हो चुका था। अब सामने आया नया मामला एक चुनौती पेश कर रहा था।

रात काफी ढल चुकी थी। सड़क पर यातायात रुक गया था। बेकर स्ट्रीट के बाकी सभी घरों की बत्तियाँ बुझ चुकी थीं। केवल होम्स के अध्ययन कक्ष में रोशनी थी। हाथ में पाइप लिए होम्स की परछाई दीवार पर पड़ रही थी। वह परछाई होम्स की तरह ही पतली थी। अंगीठी में जलती लकड़ियों की हल्की-हल्की चटकने की आवाज सुनाई दे रही थी। बाकी सब कुछ शांत था।

***** समाप्त *****

sjeet